## उनामानामिश्रक्षा ७%।

গ্ৰণমেণ্টসংস্কৃতপাঠশালাধ্যাপক শ্ৰীতারানাথতক্ৰাচম্পতিভট্টাচাধ্যবিরচিতা।

কলিকাতারাজধান্যায়

ন্তনসং ফুডমক্রে

১৯২७ मध्यद**्**द

रिक्छात्रम् ॥

मग्रील, थार्मिक ७ व्याख्यिक जनगरभद्र मानधर्ष श्रद्धि इन्याथारक। मानधर्म मांष्ट्रिक, दाजम, जामम ভেঁহতু ভিন্পকার। করান্যাণ কাপন তাপন ফুচি মনুমারে ঐ ভিন্পকার দক্ষিয়ে। কোন প্রকার मान कविशा थाटुकन । अस्यिविशास म. भारत, श्रनारम्भ ७ श्रनाकारन अव्यक्ति मानरक माजिक मान

শাস্ত্রিহিত দালের মধে মহাদানই সকল দালের শির্মাণি, ইছা শাস্ত্রে নির্দিন্ত আছে। তুলা-পुक्ष ১, हित्रग्रागर्ड २, जमांख ७, कण्मभामभ ८, त्यांमह्य ८, हित्रग्नामारषञ्च ७, हित्रगाण १, हित्रगाण-त्य ७, ट्यम्ब्बित्य ८, পंकानाक्रन ८०, ४८१ ८८. दिष्ठकः ८२. कण्नान्। ८७, मथमाग्र ১८, तकुकांग-वटन। माष्ट्रिक मृत्युन कन मर्तार्थकः 'छें कर्री, हेह। मक्न मार्युर् ज्यारेकर्थ डिमिथिड वारिष्ट।

यमग्रमङ्ख (याष्ट्रम महामाम शनमा कतिया, याजिङ्खार्गाम मम्मारमात् अहे नक्षा कतियारिह्रम, त्वसू ५८, मर्ग्ड्उघट ६७, वह त्याडमाधाकात मानरक मर्गामान वरन।

এতকেশে অনেক বদান্যাণ যোড়শদান মথেয় তুলাদানই করিয়া থাকেন; কিন্দু প্রামাণিক এ সকল-अम्भामिक बाक । स्थमन मिथिकित्रीक्त्राज्यस्म निश्चमाम्हे उৎयक्षमामक, **डाक्। याधिर्वरक व्याख मिख** হয় না; সৈইরপ্, চতুবেদীয় হোম এ স্কুলগণ না করিলে মহাদান সিদ্ধ হয় না। বিশেষভঃ, कोगः कटर्म नकल खक्त मुक्तोमन ना कत्तिल अधिकांत्रीहे इग्न नाः "कार्या नर्यमिकियानधिकात्री সুমারে কর্ম করান পজিতগাণের পক্ষে কত দূর অন্যায়, তাহা উছারাই আপান আপান বুদ্ধিতে নিশ্র যাহাতে চতুর্বদোক মন্তরারা বিনায়কাদি দেবতার হোম করিতে হয় এবং 🗳 দেবতাগাণের চতুর্ব্ধ-দোকত স্কুত জপ করিতে হয়, এরপ দানকে মহাদান বলে। এ একে মংসপ্রাণীয় বচন ভাছার প্রমাণ क्रक्रण उक्ष उक्ष उठ्ठेश रिष्ट। उद्दावाता म्थले अजिथ बट्गार्ड रिम, महामान अर्शाप करिल विनायका कि पिर-ভার চতুর্বেদোক্ত মন্ত্রদারা হোম ও ভত্তমেদোক্ত স্ক্ত জপ করিতে হয়। ঐ ছুই কর্মই মহাদানের স্বরূপ-जुनि ", कामा कार्म मुकन वाष्ट्रत मन्नामनकाती व्यक्तिताती इत, महर्षि टेज्रिकान এई मीमारमा কৰিব্যবিধায়ক পদ্ধতি নাথাকায়, অত্ৰত্য পাঞ্চিগণ আতাৰুদ্ধি অসুসাৱে এক এক কা**ম্পনিক পদ্ধতি** क्छ क दिशा योषन क दिशा थोरकन। कुमकन मैन जिटि उ उर्दिमोक विमायको । আফ্ডিন্স ও বেদভেদে ভিন্ন ভিন্ন-জিসকল দেবভার কোন ফজের উলেখ মাত্র নাই; স্তরাং, ওদ-কঁকন। পাশচাত্তাদেশপ্রচিত দানপারিজাতাদি এত্তেও ঐসকল মস্তেরও সংক্রের আবাদ্ধেশ মাত कत्रिश्राट्डन

निमिज पाकाय, उत्ममुमांयत मसाश्ले क्यूर्निस्हैं, त्याह्यू, त्वमम्ब्र अ युक्तामि ममस्य क्षेत्र मा क्टेटज भारत ना। "यरेमा क्विश कींजिंद मैंस्थ जांद थारिश्ववह क्तियान्", रक्करफ्टन क्विय या मज क्टेटज्टक, কিঞ্চ, তুলাদানাদিতে পুজাও হোমা দেবতার ক্রপজ্ঞান আবশাক, তাহা ব্যভিরেকে ধ্যান ও হোম थीकिटन, जामार्भ मांज जानियां कर्य करा क्हेटज भारत ना।

হোম কালে তাঁহাকে ধ্যান করিবে, ইহা বেদে উক্ত আছে । মহাদানে অ্ধ্যাদি গ্রহ ৯, ভাঁহাদের অধি-দেবতা শিবাদি ৯, প্রত্যধিদেবতা বহ্নিপ্রভৃতি ৯, এই ২৭ এছ দেবতা, বিনাযক, ছণ্, বাষু, আকাশ,

जिधिमोक्रमांत এই भंध त्नाक्नांन; हेस्स अष्टि मम मिक्नांन; अछे नम, এकांमम कृष; बामम

অদিতা; সপ্ত মহাদাণ্, তাদা, অচুতে, ঈশান, স্থ্য, বনম্পতি; এই পঞ্াশীতি দেৱতা। মতভেদে বস্থ,

দেৰতা। এই সমুদাগ্রের পতেতাকের থানি ও ছাপিন মন্ত্রাদি জানুসের আবশাকতা, তাহাও এপেশে কোন टेवमिक यञ्ज मकरमत थाय, पमरज्ञा, छमः अ विनिष्यांभ ना ज्ञानिषा क्यां कर्ष्य कत्रिन ভাহা ফলদায়ক হয় মা, এবং কর্ডা পাপগ্রস্ত হয়, এইরূপ শান্ত্রে নিদ্দা কীর্ন করিয়াছেন। আফ্রিকভক্ত্রে কটা, আদিভা ও মককোণ এই গণ্দেৰতারা সমুদিত ক্লপে এক এক দেৰতা; এতশ্তে এক প্রাণশ্যাত পদ্ধতিতে লক্ষিত ছয় ন।।

আতি ভট্টাচাৰ্গত নামা বচন ঘারা ইহা প্রতিপম করিয়াছেন, যথা, ''আর্থ ছদশত টেদবতাং বিনিয়োগও ইথব চ। বেদিভব্যথ প্ৰযুক্তন আক্ষণেশ বিশেষতঃ। অবিদিশ্বাতুষঃ ক্ৰীাং ষাজনাধ্যাপ্

বেদিতব্যা সংলাসা দেবতাং ততো হবিহু যতে দেবতামবিজায় যো জুহোতি দেশডেস্য হবিন জুষত্তো ৷ भर्छर वार्णमार्ड, मृत्यूर वर्ष्ट्र धियौयर्ड वा शाशीयांन् डविडिंग। उद्या, "कर्षात्रस्थ मञ्जानार स्मवडा জ্বশাই ব্ৰাদাণকৈ তানিতে হয়, তাহা না জানিয়া ঘাজন, অধ্যাপন, জপ, হোম ও মানাদি যে কিছু কৰ্ম करत, जारू। निकल हुम। ८वमाञ्च क्यानिकाट कथि क्षेत्रकार्छ, ''क्योत्र श्वम् मर्जात्रः भत्रम्थामयः ८मवछ। मञ्जास्त्रक्षा क्यामिका क्रिकांकः खिडिडाला वा क्यारिति वाग्रजामीनि এडामाविमिक् যোষধীতে মুল্লুভে জপতি জুহোতি যভতে বাজয়তি বা তস্য বৃদ্ধ নিক্ৰিগ্ৰং যাত্যামং ভবভ্যোষ্ক্রাশ-नामिन्य। ८ रायम छळ मामीनि ७६ मर्बर विकानर ७८वरः । यहन्तर भवि, प्रत्छ।, छमः अ विनिष्ट्यांग इरु

''তিমাচিত দেবতা বেদলৈ মস্তেমস্তে প্ৰযুক্তঃ। মন্ত্ৰাণাং দেবতাজ্ঞানাম্যস্থিমধিপীজ্ভতি'। " নহি डिन्झिथ्ड (मारवद शरिकात्रयामनात्र, शामहाकारमनीत्र अरिहोन शिक्षिक प्रकल अवसमभूक्षिक, यह कम्बिम्बिखां यायाज्यान त्मवजाः। त्योजानार क्षीणार विद्यः याजानार ठाषात् कम्। डच. ५वः रेविमिक अ म्युं छिश्राणा मिविहिज कर्म्य कल खां छ इग्रमा, ८ हेन्रभ मारिख ष्यानक निम्मा-এडे मकल भाष्ट उन्नाटत. धवारित यात्रा ना कित्या कर्ष कित्रल व्याप्ता हा, या जिन अ या वा भाष थड প্রিশা সহকাবে, এই এন্তে উপরি উক্ত দেবগাণের ঋষাণ্দি সহিত মন্ত্র সকল সংগ্হীত হুইল। कोर्डन जाएड, दिश्वर हाय तम मकन एक्का इहेल मा।

সংস্কৃতভায়ে শিক্ষায় এতকেশীয় কতক্তালি বুলাকের এক প্রকার উৎসাহ জিমুয়াছে বটে, কিন্তু ঈদ্শ

जिनि मिवरभय मरनारयांगी हट्डा, कामिमयां जात्रियां मिनी वमांनायां। जीमजी दांनी स्वर्मश्री मरहां महा वांद्री मूज्यांकार्ट्यांत्र मार्घायार्थ ८०० व्हांत्र माङ हाका क्षमांन कत्राहेवार्ड, जामि अहे धामु मूज्यिङ कत्र

দিকত গুণিগুণজ সদস্থিবেচক অশেষগুণ্ধাম স্থায়ুত রাজীবলোচন রায় মহাশায়কে এই বিষয় জানাইবাতে,

शर्मिक्यज्ञक अधिहार कारमहकत् हे उदमार मा थाकार्त, बैड्ड अह्यह अहाद विषह प्रभाम आंग विश्व किया ।

ब क्या जमाँगा क्रेश डिजिन। क्यां था तक्षां आहे विषय आरमा छ। या आह्म विषय विषय मिश्ह কিন্তু সকল বিষয় সবিস্তর সিখিত হওয়াতে এফ্রের কলেবর ব্লি ছইল, স্তর্থ সম্প্রসূত্র মুদ্তি করা विषर्व ध्रिष्ठ करे।

मुर्होमरम् त्यारम् क्यार्ज, जिनि अ नारम् आञ्चनार्थं २०० होका मिरात् आष्टीकांत्र कत्रिमाहित्सम। किन्न এতকৈশের জুত্বিগ্রেজমে তিনি, অংশ দিন হ্টল, অকালে কালএামে পতিত হ্ববুতে, তাহারু অদীকত

অস্ত্রগালাভবিষ্যে একবারে হতাশ হই্যা, আপাততঃ এই পুত্তক্তের প্যয্থমাত্র প্রচারিত করিতে ছইল।

যদি অন্য কোন সংশাৎসাহী বদান্য নহোদয় সাহায়্য করেন, তবে দিউীয় থণ্ডও পশ্চাৎ মুদ্রিত করিব।

ध्यथम थरक मक्ष्मिनिम्निकान्त, ज्यमश्कात, मर्सरज्ञानमञ्जन तम्यम, ज्ज्ञात त्मवन्त्रमान्नमान्नामि, जुनाश्क्यामिमारम भूषा भक्षामीज्ञितवजात जाभरमत ७ जावाहरमत मञ्जावर धारमधाष्ट्रि, ८४मरज्ञ विक्छारीन, भूजा मिवजात रहोममञ्ज उ क्रांक, এवर थानगण्डनामि मर्ककर्ण माथांत्र व्यात्रभानभाठाष्ट्रकामि,

তুলাদানৈ বিশেষ কত্যাদি এবং ঐ সকল বৈদিক মন্ত্রের ও ব্যক্তর ঋষি দেবতা ছন্দঃ প্রভৃতি নির্দিষ্ট

इडेन। अक्टामर्य धार्यात, थात्रिकि धर्यात अ श्वार्षिता कित्र भरक् विक्यांत अधिभा कि घडेन बवर ৰে সকল বেদসন্ত্ৰাদি উদ্ধৃত হইল, ভাহা যে বেদের যে ছল হইতে উদ্ধৃত হইগ়াছে ভাহা চিহু হার। স্পাকী-- 10 FE OF

9

क्विजी व र छ जुनामानाजितिक ३० महामारन अ धार्नारमा क प्रांता क्विमि ६० मन मारन त्य ति वित्याय কাৰ্য্য আহেছ ভাছাই উক্ত হইবে; সৰ্বদান সাধারণ কাৰ্য্য সকল এই থডেই নিক্ৰপিত হইল।

क्षांत्र ८ वस्मत् कान मित्रियम कतिया हातिरवम ७ मामामाञ्ज हहेर जाय, यक ७ विधामामि महैनमपूर्वक এই পদ্ধতি পুস্তক প্ৰস্তুত করিয়াছি; যদি ইহাতে তাম বা প্ৰমাদ লিকিত হয়, কপা করিয়া সংশোধন क्रिया अहेरवम, आत्र वमानागरकामग्रता भयीरम आर्थना এहे यमि भाज्यपर्गामांत्र भक्तभां थारक. अखिरमार्य , विमन्नवहत्म विष्यातान मग्रीरभ निर्वमन এहे, जामि अज्यानमीत्र वमामागरनत्र हिजार्थ <u>এই পদ্ধতি অসুসারে কর্ম করেন, তাছ। হ্ইলেই আ্মার শ্রম সার্থক হুইবেক।</u>

বিজ্ঞাপন।

म्दर्भात ५३५७ मोद्राम

জিতারানাথ শব্দাণঃ।

## 9 100 TOTAL ड

ग्राप्य श्री कि श

व्यार्थान् कुळगञ्जातम्मे क्रज्य वाक्रानीत्रवाय । किङ्गास्त्रमात्ररङ्गा जायाम्नीत्न मूक्तत्र न जय ॥ मजामिक् कमार्यानामारीमिख्डानम्ख्रां। जार्षामिक्मर्था नर्भुन्कनमिष्कामा करेख हिवशे ही उर खामि ज्यामित्वम् ताका छ । या ममावभाकर श्रृकारम् तामार जिम्हा हा ॥ যো মন্ত্রো যত্র প্রিতো যৎস্ত্রণ যত্র চ ক্ষিত্র। উদল্ডে চিক্নতেদেন তৎস্থানিং বোধরিয়াতে॥ তত্রাদে। সর্কর্মাকতয়। বিহিতস্য মণ্ডপ্স্য বিধানপ্রকারন্তাবদভিধীয়তে । বিহিতেষু विमानः निविज्ः नाज मूनपीर्छम् जद क्षिज्य । ' वृज्जिकर्वराज्ञानाजः कर्षामारभक्षमूहारज॥ मालि गांत विश्मे जिस्ख अरविजि विलाम । जब मर्किषु मधरभिषु व्यथमः थोक् भिक्मांघ रेज-তীৰ্ণদিছানেষু সমীকৃতায়াৎ ভূমৌ দী্ববিকারয়োদশহজে। দাদশহজো বা কনিষ্ঠঃ চতুদশ তৎ পূৰ্ক্জমন্ত্ৰাদিক্তানায়াবিদুষাৎ ক্তে। ঋষ্যেদাদীন্ সমালোক্য ক্ৰিয়তে তৎসমাক্তিঃ॥ इन्छः (योष्ट्रभाइरन्छ। या मधामः व्यक्तोम्भामिहन्छः त्यात्का मधभः कार्याः। जुलामात्न जु मर्सम কৰ্মাকস্জমন্তাদেরাদ্যভাগো নিদ্শিতঃ। মূলএছেয়ু সর্বেয়ু বেদ্জ্যানাং ন তদ্যাহঃ। इसिक्तिमातिकार्यामिनदस्य मिनिष्य वस् । मात्रार्भमात्रमात्र प्रमूलः निथार् नशा চিদানন্দং চিত্তয়িত্ব। তুলাদানাদিপদ্ধতিঃ। তন্ত্ৰেত বহুষত্ত্বন প্ৰীতারানাথশর্মণা

उचांक मधामथर७ रखमात्वान्नजा जनरक्षेकामिण्टिर्वामित्सना। मरर्खम्भ थरुभम् স্ত্ৰয়সংলগ্ৰাবশেন চতুদোণতামীপন্নগ্ন বোড়শাস্থ স্থানেষু বোড়শ জ্ডান্ডপা নি- त्वनांगः घथा जमारंशिरने मर्स् अव थंधां क्युः खंखवरञ्जन. थेजीरग्रत्न। जथा ह त्विमि-কোণচতুষ্টয়ে চত্মারঃ বাহ্যপঞ্জিমু চ কোণ্ছানেমু দাদশ জন্ত্র। ইত্যেবং যোড়শজন্ত্রিনিবে-শন্ম। বেদিকোণস্থত্তত্তাশ্চ অন্টহ্তপ্রমাণাঃ অন্টাদশাদিহ্তমণ্ডগে তু মণ্ডপাদিপ্রমাণাঃ কার্যাঃ। অন্যে তু দাদশ জন্তাঃ সর্বত্র পঞ্চত্তপ্রমাণাঃ। বোড্শানাম্পি তেষাং স্বস্থ अक्षमार्टनाम ज्याज्ञः अविक्रमुल ज्ञा नियान् निर्वात कृष्ण क कार्या। उत्यार कृष्ण क দ্বাদশাস্থ ভঞ্জেয়ু দ্বাদশ বলিকা দেয়াঃ। তথা বেদিকোণস্থগুভাভ্যাং চতস্যু দিযুঁ ডথৈব গ্রস্থনে চতম ইত্ত্যেবং বোড়শ বলিকাঃ স্বস্বধণ্ডপ্রমাণা এব দেয়াঃ। তত্তো বেদিকোণস্থন্ত-উভযত একৈকরন্ত্রযুক্তানি বুলিকাখ্যানি দ্বাত্রিংশৎ কাষ্ঠানি দেয়ানি। যথা চ একৈক্যা বলিকয়া প্রান্তয়োঃ স্থিতরন্দ্র দুয়োন দুয়োদ গোর জন্তযোকপরি চুড়ায়াং যোজনং ভবতি তথা গ্রপুয়াৎ। এবঞ্চ প্রাচ্যাদিয়ু দিক্ষু প্রত্যেকং তিস্ভিন্তিষ্পত্তির্বলিকাতিঃ জন্ত্রচতুষ্টয়গ্রস্থনেন क्षिर्वाखता हो उन्ह कि कू कि मर्ग खतारेन इट्वे खना में मांग्रांग न व व व विर्धा विरम्भा

ন্তুস্য প্রত্যেকং তৎসমস্থ্রস্থবাহ্যপঙ্জিস্থস্তাভ্যাৎ প্র্ববৎ চূড্রোর্ঘোজনায় দেদে বলিকে তথা দেয়ে যথা কেদিবহিকোণস্থন্ত শুস্ত বাহ্যবহিকোণোত্রস্থত্তে ন বাহ্যবহিকোণপশ্চিম-স্তন্ত্রেন চ যোজনং ভরতি। এবম্নোষামপি বোধ্যম্। ততো বেদিকোণস্থস্ত তৈর্বাহ্যকোণস্থ-জ্ঞানাং যোজনার্থং কণিকারাশ্চতত্রো বলিকাশ্তজ্জুড়াস্ক দেয়াঃ। ততো বেদিকোণস্থ-স্তন্ত্রানামুপরি নিখরাকারতাসম্পাদিকাশ্চতত্রো বলিকা দেয়া ইত্যেবং বোড়শ বলিকাঃ ষাবৎপ্রমাণেন উভয়োষোজনং শিধ্রতা চ ভবেৎ তাবিশ্বিতাঃ কার্যাঃ। ততো মঞ্পাস্য প্রাচ্যাদিরু দিকু দুয়োদ যৌঃ জন্তুয়োর্দ্মধ্যে বাহুপঙ্জিজ্মধ্যমধ্যমধ্যভাগের চত্তারি দারাণি मर्सरम् मात्रमाक्र अर्जर कार्यम्। थिष्टिषात्र त्र्वात्मं कूत्क्री क्रांकारत्र त्रात्मं बरेकक-मिष्टि विटमायः। उट्छ। नांत्रिटकममलभन्नविक्टेवश्यामिष्टिर्घात्रवर्ज्जः मर्कव मध्यमाष्ट्रामरत्र । কাৰ্য্যাণি। তানি চাপ্টেশ মণ্ডপে দিহস্তকরবিস্ত্ তানি মধ্যমে চতুরক্ষুলাধিকদিহস্তবিস্ত্,তানি পুর্বেজি বিজ্ঞারবিশেষযুক্তরা একৈকয়া বলিকয়া প্রত্যেকং যুক্তানি কার্যাণি। শুজ্ঞাদিকং

তানি চাপেশ মণ্ডপে পঞ্চকরোমতানি মধ্যমে ঘটকরোমতানি উত্তমে মপ্তকরোমতানি স্বস্থ-अभागिकिविकुर्णीन कार्यग्रानि। मर्सानि চ उद्धद्यमान्त्राः उद्धद्यांकुर्भात्रक्या ययाक्ष्यमानम् क्मजीगार श्रेकक्यूमीगार नार्याषकर विनिक्मित्र कनककांक्रेर (मश्रिमिछ। टाइनामि ह उद्धदकार्काणीन मांद्रमाक्रण्यानि (विज मच्यामांग्रः। टेमव्यार्ग जू ठजूष् कनरकष् म्नांकठग्रः कीना तमग्रः। ८७ ठाटण्य मधरम नवाक्र्नमीया मधारम व्काममाक्रुनमीया क्रियां । देवश्ववयात् जु जाण्णामिर्ट्यम्न म्मवाम्माठ्यम्भाष्ट्रंनमीयां ययञ्जीशार्म-<u>बटिककग्ना दलिकग्नां ग्रूकानि कार्याति । जनामः वित्नायः थांकाममध्यकः यांमाराम्रामुस्यतकः</u> देखरम वारमामम् नमीयाः यय्त्रीयाः भविखाताः कनककाजीयकार्वादरभवजाः अण्यामि-বিভারা নিবেশনার্থং যথাক্রমম্ধোভাগে দিত্তিত্রফুলপ্রমাণকীলকাত্তরেণ সহিতাঃ विधिज्यदेखः मकलकम्लीखदेखः क्रमूक्नाजिरक्लामिकटेलविधर्जादकारकार्कर्गग्रामिणिक প্রাচ্যাদির প্রাদক্ষিণ্যেন শব্জচক্রণদাপ্যার্কতয়ঃ কীলাঃ স্থাপ্যাঃ। ততঃ পঞ্চবণ্বিতানেন ধ্যাৎ। ততো মঞ্পাদাফে দারসমূখে হন্তান্তরিতহানে তোরণাখ্যানি বাহ্যদারাণি কুর্গাৎ

ধন্তবণাত্ররপাঃ অস্টো পতাকা দেয়াঃ। তাশ্চ গৈরিকাদিভিলিখিতবত্রাদাস্তযুক্তাঃ সপ্ত-হত্তদীৰ্ঘা একহ্তবিক্তার্যজিকোণাকার৷ ব্জনিৰ্মিতা দ্বিক্তনিধাত্য্য দশহস্তবংশ্যেনাপ্রি-দেয়া। ততোমগুপদ্যোশানকোণে হস্তমাত্রদীর্ঘামা বিত্তিস্থাত্রোচ্চা ধ্যস্থলে চ্বপ্রয়বতী मिकटमगारकी शौजामिवनीम्, भोजनिमिज्यकाम् ममार। यथा व्योठार शोजनत् भाजनत् भाजनत् भाजनत् भाजनत् वर्ग जायदेममाम् । उठः भूरकाज्य क्रमाद निषिष्ठ। ममाद। उठः भूरकाजनिक्रमान-मण्ड टेनक्ष ज्यार नीनाग्नार थकार वाक्रगार त्याजाग्नार भीनर वाग्रव्यार श्र्याग्नामक्रमार সৌম্যায়াৎ শেতায়াং গদামৈশান্যাং শেতায়াং ত্রিশ্লং লিখিছ। প্রাত্তে কিঙ্কিণীচাম-अमिष्टिष्ट्र यत्यद । नवमी 5 भेजांक। शूर्त्यमानाः ग्रामात्यां जा कां कां कां कां कां कां कां कां कां करियं মঙপং ভূষয়েৎ। ততো দ্বিহস্তনিধাত্স্য দশহ্ত্তমিত্বংশ্স্যোপরিস্থিতান্ পঞ্হস্তন্ন দান্ দিহ্সবিভারান্ চতুকোণাকারান্ গৈরিকাদিভিলিধিতস্বসদিক্পালবাহনান্ পাচান্ नीनवर्ण मिश्ड्र वांक्रणार स्थेज्वर्ण मदमार वांत्रवार श्रुज्यदर्ण स्तिगर स्मायार स्थिज-প্রতাঃ কার্যাঃ। যথা প্রাচ্যাং পীতায়াং বক্তমায়েয়্যাং রক্তায়াং শক্তিং বাম্যায়াং কষ্ণায়াং

Trial wife of A 7

थियामिन्नां भूर्विम्टिन क्रुडिकडळामिनिय्यः भवमित्य थाउःकडमिडाकियः थाखम्क डिमिदिका विकार मुजा घिडाठमा आभीनायमा मिलकाटनो मरकीका मर्कारा मर्काराभागमभूर्वक ज्यथं जुनाश्वरमश्मिनामित्यद्वानः॥ जुनाश्वरममिमश्मिनः छिकीतु रिज्ञार् চতুদুশমন্ত্ৰকালাবচ্ছিন্ত্ৰসৰ্বলোকপালস্থানাধিকরণাধিবাদোন্ত্ৰকালাপ্সরোগণাধিস্তিতকল রণৎকনককিঙ্কিণীগণমণ্ডি তার্কবর্ণবিমানকরণ্টবকুণ্ঠস্থানগখনান ন্তরকণ্পকোটিশ তাবচ্চিন্নত নব কুণ্ডানি কুৰ্যাৎ। তদশজো চতুৰ্দিকু চত্থারি ঐশান্যামেকমিতি পঞ্চ তত্রাপ্যশক্তো এক-স্থভিলান্যেবাধুনা কুৰ্যাৎ ॥ কুণ্ডানি স্থলিনি চম্বাম্বেদ্যাঃ সপাদকরান্তরিতদেশেষু প্রা-•ुमिषस् कांद्रांबर । जानायोँ अञ्च धं हत्विष्ठः मभामकताख्रामूरम् कार्यामिछ वित्वकः । जामि চ ষশেশ হোমে হন্তমাত্রদীর্ঘবিস্তারাণি কার্যাণি। ষড্আদিভেদ্স্য দুক্ষরতয়া চতুরআণোব अद्यविष्ट कावा।। उठः थाठारिषम् पिक् विषिक् ठाटके विभाषारमस्याठ्यक्षामिड কুণ্ডমাত্রং কুর্যাৎ॥ কুণ্ডনির্ঘাণস্যাজীব দুক্ষরতয়া স্থানাধিকতায়ীং দোধশ্রবণাচ্চ কুণ্ডস্থানে मर्त्वाणि कूर्या९ । . कृष्डिलक इन्निटक नी उदर्गमा मिত्राजू का जिए इका क्रूरना कि जा दिर षष्टा ॥

शुक्रयग्रामानिदिष्त्राभाषार्थः त्रावित्मामार्भाजिविनाग्रकानाः शुक्रनम् कतित्रा हि ह লোকভোগ্যভোগোত্তরকালাখিলভূপালমে|লিমাণিক্যমালে।পরঞ্জিতচরণপীঠত্তবিশ্বিত্রা-তত্তাদে অদেযত্যাদি সংকণিপততুলাপুরুষমহাদানাকভূতং গণপতিসহিত্যোড্শমাত্ মঃ **জীবিষ্ণুপ্রীভিকা**মো বা স্বস্তুলাপুক্রমম্ছাদানেনাছ্ৎ যক্ষ্যে ইতি সংক**্ষ্য**া চিকীর্ষিভত্তলা-সংকশ্যা তান্ পৃথক্পৃথক্ যথাবিভবং পুল্যেৎ। ততোহস্কাগ্র্ণায় তীন্ বান্ধণান্ গন্ধপুষ্পবস্তাদিভিঃ সৎক্ষত্য ভবদাজ্ঞয়া তুলাপুক্ষমহাদানমহৎ প্রতিপাদয়িষ্যে ইত্যুক্তে कार्यक्रनम्हर कत्रित्या ट्रिज मरकण्या क्रकज्या छत्र त्रथाञ्च ता जाव्याताहा भूजराव । यथा कृष्ट्रवश्यक्तवि दर्गति मार्जात्रश्रात्रक्र्यामिण्डितावाहा क्यांभित्रद। दर्गाती भषा भिन्ने জ্যাজ্যু প্রাপ্ত, তেরকালভাদাণু প্রক্যজ্যমূহঅ্যাজিত্মপ্রদীপ্ত প্রতাপানলালেশ্যমূহী পালবিজয়ক। মেধা সাবিত্রী বিজয়া জয়া দেবদেনা স্থধা স্বাহ্। লোকমাতরঃ গুডিঃ তুষ্টিঃ পুষ্টিঃ আজুদেবতা কুলদেবতা গণপতিশেচতি পুজাঃ। ততো বস্থধারাং দদ্যাৎ॥ ততো নান্দীশ্রাদ্ধং কুর্যাৎ। তৎপ্রোগাণক বিশুরভয়াম লিখিতঃ॥ ততো পুণ্যাহাদি বাচয়েৎ॥ ঘণা গন্ধপুষ্পবন্ধা-তৈঃ প্রতিপাদ্রেতার্জ্ঞাতো যজমানঃ সগণাধিপণোর্গাদিযোড়শমাত্রকাপুজাং কুর্গাৎ।

পুনন্ত মনসা ধিয়ঃ। পুনস্ত বিশাভূতানি জাতবেদঃ পুনীহি মা (য০১৯ অ০৩৯) ইতি চ প-দিভিত্র ক্লিণানভ্যচ্চ্য উদভ্যুখাস্পবেশ্য ত শঃ কর্তব্য তুলাপুরুষমহাদানক্র্যণি পুণ্যাহ্ ভবল্ডাহধিক্রবস্ত ইতি প্রাথিতাঃ বিপ্রাঃ ওঁ পুণ্যাহমিতি ত্রির্বদেয়ঃ। এবং স্বন্তি খাদ্ধিং वां हर ग्रमु ॥ ज्यां ग्र वित्नाय अक्ति । अक्षा श्रम् क्षा वर्ष कि विष्टि का त्रा निरम्भात क्षा वर्ष স্বিয়াত্রমিতি। অথ বিশেষপুণ্যাহ্বাচনং নিদিশ্যতে। ও দীষা নদা নদেয়া গিরয়ন্ত্রীণি বিষয়-भमानि टबनायूश्यमारनन भूनार भूनााहर मीर्यमायूनळ निया जाभः मञ्ज जक्तकशांत्रकेशांख গন্ধঃ পান্ত সুমঙ্গনমন্ত তামুলানি পান্ত ঐষ্ঠ্যমন্ত দক্ষিণাঃ পান্ত বহুধনমন্ত যং কত্মা সৰ্ক-যজ্ঞাকিয়াকরণক্র্যারডাট শুভাঃ শোভনাঃ প্রবর্ততে তম্হমোক্ষারং কৃত্রা ঋণ্যজুঃসামাশীর্ক-চনং বহুপাষিসন্মতং ভবছিরমূজাতং পুণ্যাহং বাচ্যয়িষ্যে ইতি প্রাধিতে বাদালৈ বাচ্য-তামিতু্যজে ত শুণ্ড কর্ব্যেংমান্ কর্মণি পুণাহং ভবল্ডা্থিজবন্ত ইতি প্রাধিতে বামাণাঃ जुनग्रक्षिण जिस्तम् १८॥ यक्ष्यानः अ जामाः भूनग्रक्षि स्थेनेत्रोपमनकात्रनम्। त्वमत्र-কোন্তবং নিত্যং তৎপুণ্যাহং সদাস্ত ন ইতি পুনস্থিত্যস্য প্ৰজাপত্যশিসৱস্বত্যশ্ৰয়োষ্ক্ৰীপ্ क्क, दमवशक्रमांमैरश दमवर्जाः भूगार्वाघत विनित्यां रेणि मुत्रा ७ भूनक मा तमवक्रमाः

जि ७ मागतमा यथा श्रामिष्यशानक्ष्मामिष्टिः क्रजा। मच्युना मख्यवा या हि मा मिक्षिच्य বিনাশাখ্যা পুণ্যকল্যাণ্যদ্ধিদা। বিনায়কপ্রিয়া নিত্যৎ তাৎ স্বব্জিং প্রক্রবন্তু ন ইতি স্বস্থি ন শুঁদায চার্যায় চ স্কায় চারণায় চ। প্রিয়োদেবানাং দক্ষিণালৈ দাতুরিহ ভূরাসময়ং মে কামঃ জিয়ে ইতি মত্রেস্তাস্য দেবখাষির্হতী ছন্দঃ সত্রং দেবতা যজমানস্ততো বিনিয়োগ हिं मुन्न ७ मत्नमा सिन्नमानम क्यां डिन्स्ड अष्ट्रम। मिन्द पृथिना ज्याक्रहा-माविमांग मिर्वान् दश्वक्रांजिः॥ ( कं ৮ जं १२) इं ि ४ भटेर। अं षः कर्त्ताश्यान् কৰ্মণি স্বন্তি ভবন্তোঃধিক্রবন্তু ইতি প্রাথিতে আদানৈঃ ওঁ স্বস্তীতি ত্রিকজে ওঁ স্বন্তিধারি-সফদ্যতামুপ মাদেশ নমতু । (য০ ২৬ অ০ ২) ইতি চ পঠেব। ততো যজমানৈন এ খঃ কর্ত্ত-ঠেৎ। এঁ শঃ কর্বোগ্রিমান্ কর্মাণি কল্যাণং ভবন্তোখ্যিক্রবন্ত ইতি প্রাথিতে তাদ্মি গৈ ওঁ কল্যা-ণমিতি ত্রিফজে এ পৃথিব্যামুদ্ধ তাযান্ত যৎ কল্যাণং পুরা কৃত্য্। ঋষিভিঃ সিদ্ধণন্ধকৈত্তৎ কল্যাণং সদাস্ত ন ইতি যথেমামিত্যস্য লে\গাক্ষিঋ ষিরমূষুপু ছন্দে বন্ধা দেবতা কল্যাণবাচ নে বিশিয়োগ ইতি স্মৃতা ওঁ যথেমাং বাচং কল্যাণীযাবদানি জনেভ্যঃ। এক্ষারাজন্যাভ্যাং ব্যেথমিন্ কৰ্মণি ঋদ্নিং ভবজোণ্ধিক্ৰবন্ত ইতি প্ৰাথিতে আদ্মণৈঃ ওঁ ঋদ্মতামিতি ত্ৰিক

 विष्टित्मा विष्यात विष्यात क्रिक्स कि में श्री विष्यातिमाः। विष्यास्त्री व्यक्तिमाः स्रिक्ड (म। द्रहण्मिक्सिक्ट्र॥ (य॰ २० व ५३) है कि मत्रेद्ध ॥ विष्ठत्र छग्नामनाज्ञ नियिष्य ॥ ইত্যস্য গৈ তম্মবিধিরাত্ণায়ত্রী চ্ছন্দ বিশ্বে দেবা দেবতাঃ শাত্তিজ্ঞপে বিনিযোগইতি স্মুস্থ

ততে৷ যজমানো শন্ধবস্ত্রতেহমস্ত্রকুণ্ডলকটককেয়ুরক্ঠাভরণাদিভিরভ্যচ্যাচাষ্যাদীন্ মৎ-কংশ্যা ভোজনং ভোজনাধারশ্ছত্রোপানৎক্ষণ্ডলু। আসনং বসনং মুদ্রা কণ্ড্রো রোণ ইতি মুত্রা তুর্জুতি বুগুমুক্ষং চরতং পরিতক্তফু্মঃ। রোচত্তে রোচনা দিবি मिन्या हिन मुन् व बर्जन मीकामार्याजि मीक्सार्याजि मिक्सार्याजि मिक्साम्। मिक्सा अक्षामा-প্রোতি শ্রদ্ধা সত্যমাপ্যতে ইতি (য০ ১৯ অ০ ৩০) ইতি চ মন্ত্রঃ প্রত্যেকং পঠনীয়ঃ। তৃত कूलोग्नकम् ॥ - मूक्षचीज्ञमा मधुष्क्रमा साधिनीग्रजी ष्ट्रत्मा त्रांघना मिवजा गन्नामिमात्म विनि-(य॰ २७ ख, ८) इंजि भक्षां मिमानम्। वट्डत्नडामाः अकार्माङ्कां मित्रक्रुष्टेष् ष्रमः मिक्का সংক্ৰিপততুলাপুরুষমহাদানক্ষাণি আচার্য্যত্বন ঋত্বিক্তেক জাপকত্বেন দারপালত্বেন বা তত্তৎকর্মোলোধেন রুণুয়াৎ। বরণদ্রব্যাণি চ দশবিধানি অভাবৈ ত্রিবিধানি। যথোক্তং কন্দ্র-भवीजकम्। এडफम्मविधरः एमग्नः भामः वत्रशमिष्ठाः। भामाञ्जात जग्नः रिमग्नः भाजवज्ञाः

आरथिमिनरमकः जन्मानरमकक्ष आधिकमङाक्ता शूर्वकुष्ठरमार्थद्वन त्र्घा वार्षराष्ट्र ७ आरथमः ভব ष्रिः काल्य हेि छ आर्थतार। श्र्वाचारा मां विश्वकन्तार्थमां अपिता प्रि नीयजी रूमः अधिरक्ष्या भाषिनिजामानभू ज्ञान विभित्यानारे ि मृत्रा . ॐ अधिमीए नित्निषठः थार्षः अं छर्गवन् मर्त्वधमाळ मर्त्वधमाञ्जाः वतः। विততে मम याष्ट्यभ्यिन् ঋষিক্ষং মে মধে ভবেতি সামান্যতঃ প্রাথ্যেৎ। ব্যমাণং প্রতি তুত্তং ব্যমা মে মধে ভবেতু। हिचा छ यथा চতুমুখো बन्धा मर्कारवम् विभाउमः। তথা षुरं मम यटब्ड्सियम् बन्धा-আচাধ্যঃ সর্বাক্ষপ্র। তথা ময়া ত্বমাচার্ব্যো রতোথমিন্ যজ্ঞকর্মণি। ইতি প্রাথ্যেৎ। ব্ৰুণাং ঋত্বিজাঞ্চ ররণে স্বয়ং বিশেষঃ। পূর্বাদারীয়কুণ্ডে আমিনীড়ে ইত্যস্য মধুচ্ছন্দাঋষি-পুরোছিতং যজ্ঞস্ত দেবস্ত্যিজম্। হোতারং রত্নধাতমম্। (ঋ০১ অ০১ অ০১) ইত্যনেন আচাধাং প্রতি এঁ আচাধ্যন্ত যথা স্বর্গে শক্রাদীনাং রহস্পতিঃ॥ তথা স্থং মম যজেইস্মি-यक इत्विकतः। जात्रक्षदश्रमातम निर्मित्रात्म ज्ञामान প্লচার্যোভৰ কুব্রত। ত্বৎপ্রসাদাক যজ্ঞস্য সমগ্রং ফলমাপ্রায়। সংসারভয়ভীতেন প্রযং

বরণপ্রকরণম্

व्यग्नवाग्राष्ट्र दीज्यः गुनात्ना ह्यामाज्यः । निर्हाजा मथित वर्षिति (मां०ऽव्य० ऽप्र०) ইত্যনেন সংপুজ্য রত্ম তঁসামবেদস্ত পিকাক্ষো জাগতঃ শক্তদৈৰতঃ। ভারদাজ্ঞ বিপ্রেন্দ-দিনোব্রণপ্রাথনে।ততঃ পশ্চিমকুণ্ডহোমার্থং সাম্বেদিন্মেকং ব্রন্ধাণ্ডক্য ঋত্বিজম্ অর্মে ভাবঃ थाकाभि डिफ्रिवा बकुर सम खावि था भागत विनि हा । वे वे हा प्राष्टि ম্বা বায়বছ'দেবো বঃ সবিতা প্রাপ্যতু শ্রেষ্ঠতম্যায় কর্মণ আপ্যায়ধ্যস্থা ইন্দায় ভাগং প্র-যজমানত্ত পশ্র্ পাহি। (য০১অ০১) ইত্যনেন গন্ধাদিতিঃ সংপ্রান্ত বাগ ওঁকাতরাকো বজু-द्यमिटे खर्के एक। किस्कुटेम वजः। काम्मार शश्च विर था खर्मिक्ष त्य भाष ভा वि विरम्भ व थार्थ। भूक्वि मामानाउ द्यार्थताव । वस्तवता भूक्वमूर् । जव काभकताम विष्टामितामान उप ইত্যস্য ভারদাক্বখাবিশায়ত্রী ছেন্দেংহার্দেবতা সাম্বেদিবিপ্রপুজনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্রা ওঁ বিপ্রেক্ত জাপকন্ত্রং মধে ভবেতি দ্বারপালো মধে ভবেতাহঃ। ততো দক্ষিণকুওহোমার্থ-জ্ঞারতীরনদীবা অয়ক্ষম, মা বক্তেন ঈশত মাঘশংমো প্রুবা অম্মিন্ গোপতে। স্থাত বহ্বীঃ। মেকস্ত্রিজমেকং চ ব্রুকাণং যজুর্মেদিন্য ইয়ে ত্বোর্জে ইত্যস্ত পরমেষ্ট্রী ঋষিশ্ছন্দোহ

জাপকে পুৰ্বদায়দেশে দে চ দায়পালকে পুৰ্বিৎ বৃণুয়াৎ। তত্ৰ প্ৰাণ্নামত্তে অত্তিগোত্ত

कि है कि कि कि कि

সেককুঞ্জামেন তু মধাস্তিমাদীনামাচাধ্যিতা চেতি ষ্বেদিনাং সপ্তানামেব বরণম্। ততো বর দেকতা বিষ্ঠরোপবেশনে বিনিয়োগ ইতি সৃত্যা ওঁ অহং ব্যু স্কাতানাং বিদ্যুতামিব শ্ৰবন্ত ন (তা০ ১কা০ ১ক০ ১) ইত্যানেন সংপ্ৰা বৃত্বা ওঁ বৃহরেত্রোহ্বাক্রেবদোষ্প্রফুভো রুদ্র-ধ্যেৎ॥ তত্তো জাপকয়োদ্ধ রিপালয়োশ্চ বরণপ্রাথ্নে। ইত্ত্যেবং পঞ্বিংশতিবিপ্রাণাং বরণ তত্রাদৌ ঋয়েদিনাং ময়ুপ্কবিধিক্চ্চাতে। পঞ্বিংশতিকুশানিস্মিতং বিঊরং গুৰীত্বা ও বিষ্ঠরোবিষ্টরোবিষ্টরঃ প্রতিগৃহ্যতামিতি যজগানেন নোদিতোহ্ধাঃ ওঁ বিকরং প্রতিগৃহামীত্যুন্তা অহং ব্যেত্যিয় বাম্দেব্য্যিরস্কুপ্ ছন্দো লিকোজা विट्याभामत्न विभित्यांग ट्रिंड मृत्रा ढॅमत्त्रात्मवीत्रजीयेयाजात्मा ভवस्त भीज्या भेरत्यात्रि रमवज् । टेवनाम्भाग्न विटशक्त ब्रश्यित् (म मरथ ভবে ि वित्नषञ् थार्था श्र्विव था-भाजारम्योतिकाञ् मधाष्ट्रधाथस्वभाषिनीज्ञ । हमः অथन्तर्वामिरयो मिवको जाथस्रर्वाम ष्रमधिन (म मरथ ভবেতি वित्ममङः आर्थः श्रुक्विव आर्थरात्राय। अवर कार्यकरात्राघित-পালয়োশ্চ বরণপ্রার্থনে। তত উত্তরকুগুহোমার্থমথর্কবেদিনমেকং বেনাণমেকঞ ঋত্বিজং ণক্রমেণ মধুপর্কেণ স্বস্বশাথোক্তবিধিনা তেযামর্হণম্।

হস্তাভ্যাৎ প্রতিগৃহ্গামি ( য০ ১ অ০ ২) ইত্যঞ্জিনা গৃহীত্বা বামকরে নিধায় পিধানমপনীয় श्रद्धः कारमाभावः मर्रजा कारमाभाव्यनाभिष्टिज्य कद्राञ्जामामात्र ॐ मधूभरका मधूभरका मधूमर्कः अंजिशृहाजामिजि. निरित्तराष्ट्र। जक्षांनीजमधूमर्कः यक्षमानम् अं मिन्रमा का मश्नुभर्किनाटमं विमित्साग ट्रिंड मृत्रा ७ (म्वमा या मिविजूः थमत्वरिष्टामिकाण्डार शूरका-मधूबांछ। इंछि क्ठमा त्मीजमक्षयिनीयजी ष्ट्रत्म। विट्यं म्प्ता (म्वण मधूभकात्मांकृत्म मुम्गार । ट जाठमनीश्रमाठमनीश्रमाठमनीश्रर প্रতিগৃহ্যতামিত্যুক্ত্য ও जाठमनीश्रर প্रতি-गृङ्गागै जार्यान अकुराजा यक्रमानस्टरेय जममार। ज्यायां खरानकरम्भर गृष्टीया ढँ চকুমা প্রতীক্ষে ইতি দৃষ্টা দেবস্যেত্যস্য প্রজাপতিঋ্ষিশ্ছন্দোঞ্টাবো লিক্ষোজা দেবতা বিলেৎ। ভূঁ পাদ্যং পাদ্যং পাদ্যং প্রতিগৃহ্যতামিত্যজ্ব। ভূঁ পাদ্যং প্রতিগৃহামীত্যধ্যেণ वाङ्गाशारवम् । ज्याङ्ग्या ज्याज्याद्यायायायः ममगाद। ज्यायायि जमामाय यिनामा **अफ्टडाপख**रनम्मीजि भीषार्थनाटेनरवामरकम् क्षकार्थमाघारम्। ততোধূरीয় मधिमधूष्ठज-প্রত্যক্তক্তস্যাঞ্জলাবভিষিঞ্চেৎ। অর্থ্যস্ত তৃষ্টীৎ গৃহীত্বা পাদে প্রক্ষালয়েৎ। এবম্ব্য-

সুখ্যঃ। ইনং সমভিতিষ্ঠামি যোমা কশচাভিদাসতি ইত্যনেন উদগতো বিষ্টরে উপ-

खिँ । मिक्किनग्रार विश्वका शूनदामात्र & व्यामिणाखा कागरज्म क्रम्मा ज्यात्रिकि পिकियांग्रार विक्छकां शूनतामाग्र अ वित्यं या तम्वा व्यात्रकुंत्यन क्रममा एकग्रिकुं मोंगार विश्वका शूनरामां अ क्टिडाञ्जा व्यक्तिभागीं जित्रक्रमुशिक्ता मधूभटेक किममामाय उपराज्य कृत्मी निषाय व विवासका तमारम्भी जिष्मार वामानिया भून-वामांत्र ॐ विवारका त्मार्गमीत्रां ि विजीत्र थांचांग्यां भूनदांमात्र ॐ मति त्मार्श भामगोदेत बाखु क्र्राः। माधीनीट्या ड्यकु नः। ( य॰ ১७ व्य॰ २१, २৮, २৯) हेि क्टिनाक्रुकानामि-कांड्रा भश्रमक् जिः जामिक्कानात्नाष्ठा ज्यार किथिमामां ह वमवद्या भाषाज्ञ ছন্দুসা ভক্ষযুদ্ধিতিমল্রেণ প্রতিগাৎ বিফ্জা পুন্রাদায় ওঁ ফ্রাস্থা বৈষ্টুভেন ছন্দুসা ভক্ষয়-दिज्ञां के कि कृषीयः थानारिया: त्नायमुष्ट्यिष्डोक्तिन मनगुर । **अँ षार्य**णाभियान नार अভिश्झामीजुःज्या माठा क्रमानामिजामा जार्गवयमनिभाषियिषिष्यिष्यिष्येष्ट्रा বিনিয়োগইতি মৃত্যু ওঁ মধুবাতা ঋতায়তে মধু ক্ষরতি সিন্ধবঃ। মাধীনঃ সত্ত্রোষধীঃ। মধু मक्तमूरकायतमा भक्षम १ भाषिवः त्रकः। मधु (मगोत्रस्थ नः भिका। भधूमातमा वनन्नािक्यभूमा ममीज्ञाष्टममीरग्नरमामरकम विद्याज्ञारम् । जरुजा रगीरगीरगी थ्रार्किमृश्जामिकुरस्क खँ

मस्जमा नाज्ञः। थ न् त्वाघ् ि विक्रिक्ट्य कनाय मा भागनाभाममिष्टि व्यक्षि इंडि मत्जन जथ यक्रूट्किषिनों अश्रुभक्विधिः। यक्ष्मात्नारेष्ठगाशामनः मञ्जा अ माश्रु ज्वानाखामि-গোকুৎসঁজ্ঞনে বিনিয়োগ ইতি মুত্ব। ওঁ মাত। কুদাণাং দুহিত। বস্থুনাং 'স্মাদিত্যান। कत्नो वधनित्यधाद जामूदम्यङ्कद हेि श्राधिमिनार मधूभर्कविषिः।

তুল্জু ৷ উ সাধ্হমামে ইত্যৰ্কোন প্ৰত্যুক্তঃ উ অৰ্চয়িষ্যামো ভৰন্তমিতুল্য ৷ উ অৰ্চয়েতি তিকামি যোমা কণ্টাভিদামতীত্যনেন তদুপরি পূর্বাভিমূখ উপবিশেৎ। ততঃ পূর্ববদ-ন্যেন ওঁ পাদ্যং পাদ্যং পাদ্যং প্রতিগৃহ্যতামিত্যাবেদিতে যজমানস্তুষ্টীং জলপুর্ণং পাদ্য <u>भाजमकाङ्ख मम्गार। जर्कमीयञ्चमामात्र एउन जरलन विदारकारमारहिभ्मीजाय थाका-</u> निषाय बर्गा श्योजामाथर्मन्याय व्याप्त हत्म। विकेटन एमवज। विकेटनाश्वनात विनि-য়োগইত্যাধাদিকং সৃত্যা ও ব্যোহিমি সমানানামুদ্যতামিব স্ধ্যঃ। ইমং তম্ভি-त्जम अञ्गटकार्क्ष्मकत्या । यक्षमानामत्नाम उँ विकेट्दाविकेद्राविकेद्रः शिङ्ग्रेहाजामिङ्गार्व प्रिटंड मजमानकुष्वीमकी इत्य विकेत्रः प्रमादः। जर्फाख्यवीर विकेत्रमापृत्याप्तापामात्र

পতিঋষিষ্ভুষ্টাৎ ছদ্দোষ্ডাবঃ আপো দেবতা পাদপ্ৰকালনে বিনিয়োগইতি

मिन्छ। व्याष्ट्रभात विभित्यागर्रे छि मृष्ठ। छ व्या मा भन् घनमा मः रु छ वर्षमा छः माः कुक সুষ্ঠুপ্ ছন্দ আপো দেবতা অপামভিমন্ত্রণে বিনিয়োগইতি স্মৃত্যা ভঁ সমুদ্রং বঃ প্রাহিণো-মি সাং যোনিমভিগচ্ছত। অরিষ্ঠা অমাকং বীরাণামাপরাসেচিমৎ পয়ইত্যনেনাধমভিম-गृहा वामहत्छ उৎপावः निषाय का मा गम्यमारमङामा भत्रमधी स्वित्रङो छम जारमा ন্ত্রতাং। ততোহনোনাচমনীয়গ্রহণায়াবেদিতে যজমানেন তুষ্ঠীং দত্তমাচমনীয়মচ্চ্যঃ প্রতি প্রিয়ণ্। প্রজানামধিপতিং পশ্নামরিটিং তম্নামিত্যনেন দক্ষিণছ্তেনোদক্যাদায়াচা-क्षिक्रीक्रामार्ग्यारं जार्गात्मवज वर्षणश्त विनित्यागश्त मृष् व्याभः ह युगाि मर्कान् कांग्रानवीश्ववानी्ठातम ङ्मामां गच्छक्भर्यान्ता मग्रुषः वह्ङामााथर्क्षनथाषिष् ख कीर ष्रिजीयर विकेतमकी क्ट प्रमाद। व्यक्तिकामात्र व्या क्रियोछि आध्यक्त शाह-য়ोत्रथक्षामूमगणः विकेतः निषात उत्नुभित भारम्। क्षाभरत्रः। उट्ठाइरमान कार्याइनात्र त्विमिर्ण्ड यक्त्यां मक्तु खी भर्षभर्का है एक मिराष। कर्का खा वा भार । खा मा अस्ति । विकास विकास । विकास कि उ विद्यारकारमारहाकृषि विद्यारकारमाह्यभीय यशि भामग्रित विद्यारकारमाहकृष्णरन विकाल-हार। उटेंधर यांम्योप् धांम्यानाहार। उठः शुक्तर विकेन्नधार्गार्वाप्त यक्षमान-

**ॐ भित्रक घा एकूरा थे जैएक हे जात्मन वीक्ष्ण एमरमा ८५७ मञ्जमा श्रंकामि जिथा यिनी प्रजी** मश्रूभक्मामात्र यक्षमात्म जुम्बीः क्षिट्ज व्यट्कायिकमानश्ख्यश्यत् छ<भावग्रुम्बाछे। मित्र-শ্বিনোৰ্বাছভ্যাৎ পুষ্ণে৷ হন্তাভ্যাং প্ৰতিগৃহ্যাশীত্যনেন প্ৰতিগৃহ্য সব্যে পাণো নিধায় मक्ष्मकात्नां एत्न . विनित्यां गेष्टि मृत्रा है नमः मग्रापामग्रापानानात्नाविष्टं ठां निष्टु छो-त्यद। उट्टिश्तिम मधुभक्षर्मायातिष्टि कार्माभाज्ञ कर्माभाज्ञा कार्माभाज्ञा स्त्राभाजा खरत्न पिनिहिष्ट স্যোত্যস্য বৃহত্পতিঋ বিভ্যুন্দোষ্টাবং সবিতা দেবতা মুধুপর্কাবেক্ষণে বিনিয়োগইতি সুস্থা দক্ষহন্তানামিকাকুকাভ্যাং নমঃ স্যাবেত্যম্য প্রজাপতিশ্লমিক্লনাহ্ভাবঃ সবিতা দেবতা मधुन्देर्कत्मना मिक्काइएखन शृहीया भावः जूरमो निधाय यमधून हेजामा कूथमथाविर्क-भंदम् क्रभम्मामार ट्रिनाक् मधूत्न मभरकान भेद्रम्।मामामामाम भेद्रम्।मभरका व्याप्ति क्रमः मविज (मवज मधूभर्कग्रश्ल विनिয়োगर्हेजि मुज्ञ। 👶 (मवमा ज्ञा मविज्ञः) थामत्वरु-मीछात्मम थीमिक्तिग्रम मशूभर्कः मक्रमात्नाछा उत्मक्तिनः जूत्मो क्रिट्मद। उत्ज भंजी हत्मा मधुभारका तमवाजा मधुभक्यांभात्म विनित्यांभेज्ञ मृष्वी ७ वमधुत्ना मध्याः नामीजारमन थाना विजीयः कृजीयः ठ टिटनिव थाना त्नायज्ञ्यं जाः त्नायः महारि।

स्यांगेहिं सृष् । उ षह्ना भू व्यवाममा (धन्नज्ञ हमारम। मा नः भग्नजी हेश डेख तामम- ऽ॰ भिंड्छि । ष्रहर्वान्त्रा विमिष्ठश्राविन्विम्ब्युन् हत्मा (४ इत्कृष्ठा (४८नाइम्भिष्ठारम विनि-विकेत्त्री शृहीया उम्यश्नाग्रार्नीग्राग्रात्वमा उत्य ममार । व्यक्तान्त प्रजिशृङ्गागोज्नान्त्रा उत्ता त्वकैर विकेतर गृशीया या अयि तिकामा विमिष्ठभाषित सम्प्रेण् हत्ना अय्याता प्रवाद विकेतिन-ं ज्यं माम्शांना मधुभक्विषिः। यजमात्नामकरभाङ्गरस्त वक्षां गामत्म मरज्ञता-মিতুৰ্জাহ্ৰীয়ঃ প্ৰত্যুম্বান্দিন৷ সন্মানিত্তিঠ্নেবাসনমুদ্বীক্ষ্য জপেৎ ইদমহ্মিত্যস্থ विमिध्यापिः ছन्मार्श्वावः विद्राष्ट्र म्बर्धा जामैत्नाभावभाग विभित्यागर्शि मुज्जा ७ हम-क्यांत्रेद। उ मार्टान्यामि ( > भ०, ऽभृ०, > भर०) मजारत्व सक्त्रमाननामरभार्व सर्कोक्र আচম্য আর্ডিচিমনবিধিনা ইন্দ্রিয়াণি স্পুনেশ্ব। ততোষ্নেয়ন গোতাহ্বায়াবেদিতে ষ্রজ্মানেন মম অমুষ্য যক্ষমান্দ্য চ পাঞ্মা হতঃ ইত্যভিলপ্য । ওঁ উৎক্জত ত্ণান্যভু ইতি পঠেৎ। মহমিমাং পদ্যাং বিরাজমন্নাদ্যায়াধিতিঠামীতি। ততো যজমানঃ পঞ্বিংশতিকুশ্ময়ো गिवि में छोशार करणो गेवालखनितियरधनोर्फाखांभरनरनारिज्यां । मार्फ्जाजार्मिमिकर इ ि वकुर्ति मित्र शुभक्ति विधः।

বেশ্নে বিনিয়োগইতি সূত্য ওঁ বাত্যধীঃ সোমরাজ্ঞীব্ধীঃ শতবিচক্ষণাঃ। তামহামস্মি-ন্নাসনে অচ্ছিদ্রাঃ শর্মা মফ্ততেতি (য০ ১২ অ০ ৯২) মস্ত্রেণোদগঞ্মাসনে নিধায় তদুপষু ্য-পবিশা मिতीय़ दिक्छेत्र भामत्यांत्रीयानिमसार ज्वांत्र मञ्जः या अयसीतिज्य दिमिक सामित्रक्रकेश् हम्म अवधरता (मनजाः भमाविकेत्रनात निनिर्धाण हेि मृष्ण । अधि या अवधीः সোমরাজীবিষ্ঠিতাঃ পৃথিবীমন্ত। তামহ্যমমিন্ পাদয়োরচ্ছিদ্রাঃ শর্ম যচ্ছতেতি পাঠ্যঃ। ততে যজমানে উদকম্ানীয় পাদ্যগ্রহণায় নিবেদিতবতি অৰ্চ্যঃ ওঁপ্রতিগৃহামীতুুুুুে তত্রা-शुक्कांग्रीमभभारम् अरजा तुमनीतिजामा विभिष्ठभाषिण्हत्मारेजावः जारभा तृबँजा भरिष्रापिका বেক্ষণে বিনিয়োগইতি সৃত্য। ওঁ যতো দেবীঃ প্রতিপশগামাপস্ততোমারাদিরাগচ্ছেত্যনেন তদীক্ষেত। অথাৰ্চ্যঃ স্বয়ক্ষেম পূৰ্ব্বং বামং পাদং সব্যং পাদমিত্যন্ত বসিষ্ট্ৰখাষিঃ ভূরিইণ-কা গায়তী ছন্দঃ সহাপাদোদেবতা সব্যপাদপ্ৰকালনে বিনিয়োগইতি সুত্বা ওঁ সব্যং পাদ মবনেনিজেইস্মিন্ রাষ্ট্রে জিয়ং দধে ইত্যনেন প্রকাল্য দক্ষিণং পাদং দক্ষিণং পাদ্মিত্যস্ত্র विभिन्नेश्वायिक्टरम्बान्ड मिक्निशीरम्। स्विज्य मिक्निशीम् अक्षांनरम् विनियाग्निक् ज्या । 🕹 দক্ষিণং পাদমবনেনিজেইস্মিন্ রাষ্ট্রে জায়মাবেশয়ানীত্যনেন প্রকাল্য উভো পাদে। পুর্ব

त्नामित्ठार्भाः खँ ष्यांत्रमनीয়९ প্রতিগৃহাদী ভূতে,। তৎ প্রতিগৃহা यत्मार्भी जामा विमिष्ठ ইতি মুত্বা ওঁ শুর্মিমন্যম্পরমন্যমুতে। শাদাববনেনিজে রাষ্ট্রঅ ঋদ্ধা উভয়স্থাবরুলৈর ইত্য-राउ उटेम वर्षाः ममारि। वर्षाञ्च उत्मक्तमभेः श्ख्नामात्र भित्रमि व्यन्नत्मात् विमिष्ठे क्षित्रक विदेशका गांत्रजी छन्दः दाष्ट्रित्का व्यव्याधार्टन विनित्यागर्हे जि सृष्टा के बाह्मा ब्राक्टि ब्रीम ब्राक्टि रखः ज्यामम् इति भठिष्या क्षिरभेषा । उठः कर्वा किमनीव्रेग्रह्माय उरेषद త ষশোহমি যশো মযি ধেহীত্যনেনাচামেৎ। ততঃ পুৰ্বহঁৎ কৰ্ত্ৰ। মধুপৰ্বথহণায় নোদি-নেন প্রকাল্যের। ততঃ কল্রা দ্ধিদুর্কাক্ষতকুস্থুমচন্দ্রাদ্যুপেতং শস্ত্রাদিপাত্রস্থ্যমা-দায় ও অধ্যমধ্যমধ্যং প্রতিপৃষ্তামিতিনোদিতায় ও অধ্যং প্রতিমূয়ামীতি প্রভাজ-তোহ্যঃঃ ঔ মধুপর্কং প্রতিগৃহাদীতুল্জা,প্রতিগৃহ্য তৎপাত্রমাদায়োদ্বাট্য তদেকদেশং इंडि मुख् । उ यनामा यत्नाभ्मोठात्नम् शृशीयाद । उठः यनमङ्ठामा विमिष्धियिष्धत्नाभि भमाभिकास्य व्रिष्ठिष्यिष्ठिष्मा हे जाव के जा विभित्यों प्रमाणिक के जा विभित्यों भी ষশ্যে। ষশোষ্দীত্যক্ত বসিষ্ঠখাষিশ্ছন্দোষ্ডাবঃ মধুপাৰ্ক। দেবত। মধুপৰ্কঅহণে বিনিয়োগ ग्रिक प्रिटेशका भाषाबी एम बाठमनीय्र तुत्वजा बाठमनीय्षार्त विनित्यां रेिंड मुष्

उउः कर्छ। भामगर्षभूमकः शृशीया शुकार थां उ भामाः जो हि निरवमरत्रः। शुकाख जिङ थाना ठडूर्यः कुखोः भिरवर। 'त्नियमुस्किकेट्याजित्न मम्गरि। ততো गोरगिरिगी-त्रिङ नाशिष्टन निर्वाम्ङार भोगामात्र ग्रुक भागिङामा विषक्षापित्र इङी ছल्मा भोर्क्विङा त्माक्रदमर्ख्यत विनित्यागर्रे जिम्मा अम् भार वक्रनभागां विषर एउ त्मर्गार्द्ध वि क्ट्राग्र्या চোভয়োक्रৎस्क गामजु क्नामि भिवकृमकमिञ्डानत्मारस्हळ्। डटाज शूर्सवर অথাথর্ধবেদিনাং মুধুপর্কবিথিঃ। যজমানো বহুন্ দর্ভানাদায় বিউরান্ কুর্মিতি পুজাং अधि वतम् । भूकांखानामात्र अ बाउन का कर्मना मर्नशामि इंटाजकनाथर अथमर भाषार्थम् छ मट्डान् क्षा कर्यांना मध्नक्रामीटि किनायंथ किनीयामनार्थम् छ उभमा क्षा কৰ্মণা সংনহ্যামীতি ত্রিশাখং তৃতীয়ং মধুপকাথিমিতি বিউরত্রয়ং নিৰ্মায় যজমানহজে ওঁ জাতিক্ট্যা দ্বেট্যা বোহমান্ দ্বেফি যং চ বয়ং দ্বিয়োহম্য চ দাতুরিত্যনেন দ্দ্যাথ। শয়ি ধেহীতি মন্ত্রেণ প্রথমং কনিষ্ঠান্ত্যাং ততোহ্নামিকাস্থ্রুড়াভ্যামাদায় মন্তার্ভ্যা ভাবঃ মধুপর্কে৷দেবতা মধুপর্কপ্রাশনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্য ও মশসো ডক্ষ্যোহসি ভিয়ৎ মাত। কুদ্রাণাম্ (১প০, ১প০, ১পং০) ইত্যাদিনাতিমন্ত্রোদিতি সামগানাৎ মধুপকবিধিঃ।

म्हान मिक्निं भीष् थिकाना खँगति कृतः विनेक धांत्रांनी जित्त महा भाष ५३ उक्ककी मज्ज छ केट्यम उम्बिम जारावर। व क्रिनावनीः का छात्रः भावका यात्र का उः मविका স্কুষা-পশাতায়তু। তৃতঃ পুজ্যঃ এ ময়ি বন্ধ চ তপ্ৰচ ধারয়াণীতি মন্ত্রেণ পাদোদিকৈক চকুষা পশাতাঘশিবয়া তলে। যঃ স্পশত স্বচং মে। ওঁ য়তশ্ৰুচ্যুতঃ সূচয়ো যাঃ পাৰকা-वास्त्रीक्षः। या व्यक्षिः गट्ड मिष्टत स्वर्गान्या न व्यापिः नः (मग्रान्। ज्वन्त ॐ यामां र प्रता-मिवि क्रमु जि एक्रेश्या ज्या ज्या हित्य वर्षा ज्या व्या व्याप्ति गार्क मृथित स्वर्गाः निर्वन मा স্তান আপিঃ শং ম্যোনা ভবন্ত । শিবেন মা চকুষা পশ্যভায়শিব্যা ভরো্যঃ স্পুশত স্বচং तम। अ माजमान जिल्ला यांश भावकात्वा न जाभः भार त्यामा जनका निर्देश मा शंकाना उर्हामी भाषाववनित्की खांमां १ वानावहाम्। जाभः भाषावनीकनीविष्ठः निक्र छ (म र्रिज भाषामञ्ज्ञ आर्गामनमाजात्रमी त्या । जर्जा यक्षमानः उ मिष्येत्रमामनः

वक्का वार्यानाम्। करछ शुक्तिः विज्ञामकामः श्राप्तः श्रां निनियम जूम हिणि मरक्र किनीयविकेत्रामरन डेभविना अक्नाथविकेत भारमी अँ विका विश्याम् विकिय ६ ह वयः ভোরিতি পুজ্যাযাসন্মাহরতি। পুজাগুদাদায় ও বিফ্ষরিং পুথিবীমাবদামিকাং ভূমিং

ष्टियारमा ह माजूति गटल व्याभारत्य। उठः कर्ण व्यंग्रभावर्षाकर गंकामात्र्रिकर भृष्टीका उ व्यवार छ। इंडावामयात्राद्यमस्त्रद। व्यक्तिक उम्गृष्टीका उ व्यत्नानार मुथमिन मुथमर् (अकः ममानानाः ज्यामम्। षरभाव्याक्षां राजाकात् मामा ष्याकः वर्षा उरङ ज्यावरश मग्निष्ठ कुरो। कुक्रि वर्षनरमाम् हेि गर्छनाज्ञाष्माञ्जिष

शूनरबिष्टरत्रव अर्जाष्ट्रमञ्जरत्र । उठ केमवाक्रिजिशांन मधूशर्कम् उ स्थामा या अजीत्क गंशुंकीयामम्। उनकीयत्थानकीयामः कीयनाष्ट्र कीयामः मर्ममायुकीयामम्। इन्मकीय व्यक्ति वक्रमान्छक्राम् मधून्र्भावाम्जित्यत्वत्रम्बत्यः । ॐ मधून्जा थाजात्राज मधु माश्वीनंह मत्खायश्वीह । ॐ मश्रमात्मा वनन्मिष्यमा षाञ्च स्र्वाह । मश्र त्मात्रञ्ज नः भिष्ठि । कुम्बीर नीश्रा ७ टिक्सिन्मास्डममीजात्मन ननारियानात्त्व । कर्डारमित्राभूषकः गृशिषा अ आध्यनीग्र (जा हि ि नित्वमत्ये । अफाखमाम्। अ जीवा क जीवागिर पर्कः क्रामीयामवाकीयां कीवाममरू मर्समायूजीयामम् क्रांतमनाहात्मदः। उठः कर्ना थापदः कत्रांख मिक्कवः। माश्वीनीत्वा ज्वत् नः। जं मध् नज्मूत्वायत्माः मध्मय भाषिवः त्रजः। म्रुशक्षमश्र्षात्रमाथियोज्ज्ञाकिर्षक्षमाथिविकेत्रमामात्र ७ मरूभरका छ। केछि निर्वमस्त्रद्

नकैः उँ চूरम् स्रार्कि मखमः अँ षर् सार्कारुक्षमः अँ उर सार्कि नवमम् अँ मः ५७ मिछिर वृषिष्ठ कुणानि त्रगीत्र हे हाराह। स्वायमाष्ट्रभवती हि ज्याः व्यथं यहः एगवत्तः मारशिष्ठ मंभगरमकामभक्ष थाभा कृष्णीर वामभार थाभूगिराट। त्यंत्रमुष्टिकेष्ठ्रं मञ्जा थारिश वक्रवंशरकाछाय या मायञ् ॐ जुजूनः वर्जनरमाय् हेज्रदर्यका छ माठामिठामार मूहिज वस्तार समा क्षांगियरजमा माजिः। थ न ताहर हिक्ड्रिय क्रनाम मानामनाभाम त्त्रन ह मरश्र्य बार्डियटिकः वाची माद। है जुन्छद मित्रक्तात्रनार जुःश्वारङ्जि व्यथम् है जुनः ज्ञत्यासन्त्रा मीमहि जुनः यारङ्जि मिजीयर है कु धिरम। तम नः वारहाममाद यः गर्हां कृजीयरे अँ कूनः यार्शक চতুर्यः अँ मध्य यार्हाक भक्ष्यः अँ कत्रन् यार्हाक कारमद। उठ उ त्रीरडिकि गार निर्वित्यद । व्यक्तान्यामाम व ज्ञानमाम मामग्रामग्रामिन्। डेमेक हेजात्म ज्रामे मिथाग्रोक्रिनिव्यम अपिकिनगरिनार्जानामिकग्राक्र. ইতি প্রতীক্ষ্য ও অমুতোহমমুতো মধ্মিয়ুতং মে চকুরমুতং মে শোত্রমমুতো মে পুমেগ হন্তাভ্যাং প্রস্তঃ প্রশিষা গৃহুগামীতি গৃহীত্বা ছণ্ডিলে নিধায় ওঁ পৃথিব্যান্তা নাভো शार्वास्त्राज्य त्यर्मात्मभूरजार् मर्सर्जि । उ तम्बमा का मविजुः अमरवर्षितार्वाक्ष्णाः

म्राम हे ि जिम् क्षिम् रामर्थाधिरममानी भिष क्षिम्मक्षाक्ष्यी मह्त्र महिन शिक्ष्याना भा

मञ्ज्ञाका विकासना मम 5 भाष्मा है है विदिस्ति विक्रियिनिया मधुभक्विष्ठा

उटको कुमामिमश्कातः। अं जावार्यामि श्रार मितीर भतिको लाक्यांत्रिनीम्।

क्वावत ककमम्। हेम्मर्यामिम् भाषाः शूरभाषतः अञ्जिक्षामान् आर्थताः । व ज्ञिन-

विमन्तानामाण माठत्रमशामा । ज्ञाम भूटेवः भक्षास्ति। ता विकि म ननाजू हि मह्यन

ভূমিং স্পুদ্যারিসাধ্যার মধ্যাত্তঃ মর্বতো বিকিরেৎ। ওঁ যদত্ত মংস্কিতং ভূতং

मरश्का खैं कांनी: मानेत्रा धामाः वामाम्धवना गृहाः। शांत्रिष्टः চ ब्रांग मर्कर कनार

बष्ट श्विवीः मृर्ड श्रिवीः मा हिश्मीः (य० ऽ७ ष० ऽ५) इंछात्मम ज्यार शामामिष्टिः

हों युष्टी छ. छ्रामि छ्यितमामिष्टित्रमि विश्वधात्रा विश्वमा छ्वनमा ध्रष्टी। शृथिकीर

ষিকে। ভ্রমীতাস্য প্রজাপতি শ্বিঃ পঙ্জিম্ছন্দঃ পৃথিবী দেবতা ভূমিপুজনে বিনিয়োগ

कूक। ভূष्ण्याची त्रप्रगंधी विश्वा मार्गतायता। व्यिम् यट्ड महारम्व विष्यः विश्वः महा-

क्रानगम्बिछा मर्वमा। क्रान् छान्। ष्र छदमर्कः यबक् छन गक्छा। छ अभकामञ्ज

क्यूक्षक्रक्रमत्क्रीक्रमांक्यांस्यानिश्कदेतः। शार्त्राह श्रीयदि मिद यरध्वश्यिम् मिन्निथिर

\$ \$

ठां डिथार इट्ड। त्या त्या व्याष्टिर मिष्यांन हत्क मीर्ग उर शकाजमर न शक्ष्म। छेत्का उर १८ व्यक्तरमा त्या जन्डार्श मा किरके वाथिताप्यमी । छम्रध ठिके खन्जान्क्य मामिन । छम् त्वमगटेखन्ड त्रकार कूर्यात। यथा कृशू य भोक हर्ष्ठायार वागरम्व श्राविख्यकुर् हरमाथिति-स्क्वछा त्रस्काहनत्म विनित्यागर्केङ मृज्य । ७ कृशू य भाकः श्रीसिद्धः न भृषीर याहि बाङ-আভিমা পত্ত্ৰায়ণ্ডাশ ধ্ৰতা শোশুচানঃ। তপুংযাগে জুহ্বা পতক্ষানসদিতে। বিফজ বিষ-क्रक्काः। थिकिम्भात्भा दिश्य ज्रिज्ञा ज्याभाष्रस्थित्भां व्यम्भा व्यम्भः। त्या त्या मूर् नामर्या हर जन। कृषीमञ्ज अमिष्टिः कानारनाक् खामि विधा त्रक्षमञ्जाभिरेष्ठः। उन खमाम श्विधिविधाधात्रमाविष्ठभूष रेम्दानार्यः। व्यव व्यिता उत्र वि वाञ्चनाः कानिभकानिः अष्ट-कुछानि भिन्ना हाः मर्मरङा मिन्। मरस्याग्विरदार्थन जनक्ष ममात्र हि मञ्जालार

নীহি শত্রন্ অংগফু৷ তেজসা সাদ্যামি (য০ ১৩ জ০ ৯, ১৩) রক্ষোহণমিত্যস্য বসিস্তখ্যযিক্ষ-त्माथ्डोवः अखिरक्षव्य दक्षाश्मरम् निनित्यागर्हे जियुष्य । अ बरक्षाश्मर विष्येष्यो-मिममर् ७६ वनगमूर्कित्रामि म् (म मित्छे)। यममार्डी निर्धान । रेममर् ७६ वनगमूर् किंगीम यथ तम ममारमा यम्ममारमा निष्यां । हममङ् छ॰ वनागमूबिक्तामि यथ तम मब-

मुज कँ मा न त्खारक जनत्य मा न ष्याय्यि मा त्ना त्याष्ट्र मा त्ना ष्याप्त यो त्यान दिकारफ्रजा अस्कार्मान विभित्योभर्षे मित्रा मुद्धा है अस्कार्णा (वा वनगर्नः (श्रीकामि देव-शीम टेवम्बनान्। त्राक्षां हरणी वार वर्णमं हम। डेलम्सामि टेवम्बनी। त्राक्षां हरणी वार वल-क्राम क्रियमिकामिकी समी क्रमिका करमा कर्पा त्मवजा त्रामग्रंमियर विनित्यागर्रिक উৎক্ত্যাৎ কিরামি ( ষ০৫ অ০২৩ ) ইতি রক্ষোহণো ব ইত্যস্য,বসিষ্ঠখাষিশ্ছন্দোষ্ডাবো क्षवाम्। अत्काक्रानार्यं वनगक्रमाथवनग्रामि • टेवक्षवाम्। अत्काक्रानार्वं वनगक्रमाथवन्तु भड़रूमी भर्गाश्रमि देवस्वती। देवस्ववम्मि देवस्ववाश्य (स॰ ए ज॰ २६) इंछि अस्कारह्छान्त मशुष्क्रकांश्वायिनीं प्रवी क्रमः त्यारमा त्मवजा इत्कार्मत्म विनित्यागर्रिज मुत्रा छ इत्कार्श उट्डा मध्यत्नीधनार्थः अक्षन्त्रानि लीधरत्र भाष्ठवाविष्यिविष्यिषि मविका तमवेषा त्यामुबत्नाधत्न विनित्यागर्होि स्व भागवीर भिष्या त्यामुबर मानत्यारक अव्यापत्रानिष्यां । हेमगर् उ॰ तनग्रूशिक्तांति य॰ (य मकारजी यममकारजी निष्यांत दिश्व प्रमीश्रिज (योगियत्या क्ट । त्यार । प्रमार भश्वमामम् (य १७ १७ व्याकः) हेन्छ । जमुखाः।

কলে ভাষিনো বধীধবিয়াতঃ সদমিত্র। হ্বামহে। (মৃ০ ১৬ অ০ ১৬) ইত্যদেন গোম্যম্ পয়ঃ

उडडाः अघष्ट्रामि मरर्क शृङ्क मिल्डिन्। ड नरमा वायुत्रक्रांट्या वि कार्ना मान ততো वाख्युकार कूर्यार ठव माग्रर्थ वाख्यवारगाकाम्भा जमाग्रर्थ वाख्यभावमा अयष्ट्रामि शुनारंगामनमूख्यम्। उ टेनक्षं ज्याधिनिष्टिक्ष्ट्र टेनक्षं ज्यार त्य छ द्राक्रमाः। विनिर জ । ত হজেভাভাণ ভূমিং সং প্রাধ্য স্বন্ধি ন ইন্দ্র ইজ্যেতাফ্চং (উপ০,১পৃ০,২পি২০) भूकार विश्वात है व्यशिष्ट्यां श्रेष मर्त्वरच्या त्य गात्मा जाम् ममाचिष्ठाः। उठाच्या विनिर ইতি তৃচেন কুনোন পঞ্গণব্যমাদায় শুগুপান্তঃ প্রোক্ষেৎ। ততঃ স্যোনেত্যস্য নেধাতিথি-श्र विभाग्रजी एकः शृथिवी (मवज। शृथिवीधार्थत्न विभित्यागेइण् मुश्र ७ तमाना शृथिवि त्न। छ्यानुष्क्त निर्वमनी। राष्ट्रानः भर्म मथथाः (य॰ ७६, ष्र॰ २১) इष्टि मशे (मोरिडामा म्बिशिष्धिं विभाशकी हत्ना मग्रावाशिष्ट्यो त्मवट् श्रियी शार्थता विनित्यागई ि मुख् अत्र शमाम (वा यमा क्रमाम जियथ। जारमा जनयथी চ नः (य॰ ५५, ष॰, ৫०, ৫५, ৫২) छ मझ तमाः भाषियो हम इमर मछर मिमिक्काम्। मिश्वार त्मा ख्रीमिष्डि (य॰ ४, ক্তাঞ্জলিক্তিঃ পঠেৎ।

मर्स् तर्गात ककत्म। त्या वः मिवज्रमा त्रमखमा जाकत्राज्य मः। जेभेजीतिव मोजतः। जेमा

> जिल्लाहा निम् उच्छाः अषक्षांमि शूर्णारमाम्ममुख्यम्। अ कृत्मुचारेन्ध्न मर्शरचा (य চানে। তান্ সমাত্রিতাঃ। বলিং তেভ্যঃ প্ৰক্ৰামি গৃহন্ত সততোৎস্কুকাঃ। ইতি চতুর্ভি-শ্বহৈন্ত্র কোণেয় মাষভক্তবলিং দদ্যাৎ।

निक्खाउक खांबर मार्क्यांक भिष्यां मह्म। विश्व त्रांश निवाधां र निवान प्र निवाभग्र । जानिक १४ मात्र यूत्रा। कमधन्यमानाच्युक्च्यूवश्खात ८७ नम् हेि मञ्जा। क्षकािकनामत्रभत (यामिशमठण विवश । (य॰ ১७, ष्य॰ ७) हेजात्मन मःशुका ॐ (त्रोमधाताप्त (तमाप्त ख्वामग-ष्ट्रिटर-खन्जभनक्ष्रक कग्रद्भात् । ७ जावाह्यामार्ट्य (प्रद्र्य (प्रत्यार ह क्ष्णामित्य । ज (मन्तमत्वन यटक्विम् मिनिषि कुक । अ कुकू वह यव मिनिश्रिक्छावाश वम कव्वान-मिछामा थागां थ भाषि असिखे क् एमा वक्ता तम्बडा वक्ता क्षां भीत विनित्याग हिंछ मुखा . . वक्त-क्छान् स्थमः शुरुखाविमीमण्ड अक्टा दिन जादः। मद्गा छभम। जमा विहा मज्क **उट**ा यक्षमान व्याघिषाममिष्ठा मधभेश्रकार कूर्यार। उत्ताय। त्रामाक्रेमानरकान-खरख छ प्राथिष्टि विरथक भिष्णिमर्द्रभ रूपमधिक जिम्टेनकवम्ता। त्थरजाद्रभनाजाम कुनामुक्छ श्र्मा श्रूमार जगवन्नमत्छ। क्रमम्ष्रमात्र मिवजागार्ग्किण। क्रमात्कान

ड कुष्ट्र व अवित्यः। ইश्राम्क्जामिनावाश् रेमः वियः तियः। त्यश्रिविश्व विभागती हत्म। विक्रुक्वण विक्रुणामत्म विभित्याग हेि मृत्र। उँ हेम्र विक्षिकिकाम विभा मि सूत्रताक्रविक्छिम्। क्रमोखक्र ठक्रमेमोक्षक्छ्य ज्वामि (मव्र षस्राम्वस्स्म। अ भष्म-নমঃ ওঁ বাস্তদেবতারৈ নমঃ ওঁ তাবৈদ্য নমঃ ওঁ গকারৈ নমইন্ডি সংপ্রক্য উদ্ধি উর্ণ ইত্যস্য কণু ঋষির্হতী হলোইয়িৰ্দেরতা জ্ঞালন্তনে বিনিয়োগইতি সুত্থা ওঁ উদ্ধি উর্ मुचा . ७ व्याहः त्री : श्रीका क्यीममम्माज्यः श्रुहः। शिज्द्रक श्राम् यहः। (य० व्या ততো বেদ্য বিহুকোণস্থত্তে ওঁ আবাহয়ে তং গক্তড়াপরিস্থিতং রমাধিদেহং नाङ क्यीरकम क्रमठाक्रमक्ता जानक जनक् विरक्षा खरखभ्यिन् मित्रि कुक। भूषामन हरूम्था क्रोधित क्रमित्र अभीम क्षरलाह्य इंडि यार्था ले माविदेवा (ব০১১, অ০০৪২) ইত্যানেন গুল্ভমালভ্য গুলুলির্মি নাগমাত্রে নম্ছতি সংপুজ্য আয়েং त्मीत्रिकामा मर्गवाकी याविभाष्ठवी छन्दः नागमांका त्मवका भाषामात्रुमखरः विनित्यागेदृष्ठि छउर्घ छिक्। एम्या न मविछ।। छर्द्धा बाक्रमा मनिछ। यम् क्रिचिष्मिय हिस्सामरह क्छारनन नाथाम्।क्षञ्जलांदा

क्रिश शिक्ष। मजुष्ममा भीर खत्त (य॰ ए ष्य॰ ऽ६) हेडारनन मर भूका खँनमछ् भूधती कां क न कर छ भू करवा जिमा । नमस्ख मर्दराना का जान विकार एक नरमा नम इंजिन भाषा क कृष्डि क्यार्थतंत्र उठा छ मट्नमा ममः। अवर क्यामिकारित देनकदेना कृष्डि मर्श्रुका खडा-मिन्सम कामनाथ विस्था घळाभाउ विट्या भारि मृश्यामूरभतमान् जनान्यार्

भक्त हेश्रीएक्जामिमार्याय नमः भञ्जयोत्यजामा भन्तमितिपत्यकाभिज्यभ्यमभ्यत्मारे ११ भार्कजीयानिवस्त । जानिक छनवन्नीन खान्नरियम् मिन्निर कूक। अ कृष्ट् यः यः ভাবে। ফল্রো দেবতা কৃদ্রপুজনে বিনিয়োগইতি ক্ষ্তা ওঁ নমঃ শন্তবায় চ ময়োভবায় চ নমঃ ততো বেদ্যা নৈশ্যজন্তে ত এছেছি গোৱীশ শিনাকপাণে শশাঙ্কমেনিল ব্যভাধি-क्र । - त्मवाधित्मत्वम मरङ्ग निष्ठा शृष्टा शृष्टा एका एका छ। छ भक्षांत्र महारम् শঙ্কায় চ ময়ক্ষরায় চ মমঃ শিবায় চ শিবতরায় চ (য০১৬, ৪১) ইতানেশ পুজ্যেৎ व्यवाहाय (मवाय भार्काणी भारत नगड । वत्रमायांक्कायाय नगभार स्वाक्षायां नित्न हिल मञ्जा अ अक्ष्वकु व्याक जिल्लाहम महाभित। हन्मर्गोत्न मश्राप्त भभ खिकरत्र। जब हिडि नखनामि शुक्रवद क्र्यांद।

आर्थत्यदः। उठ छ त्रीतिम नमः जन् मार्च्यतिम त्याज्याति हेि मन्युका शूर्वन खडानखनामि क्यार।

वाक्षिजार्षकमाथामः इति आंश्राय । उ हैन्यारेश ममः अवम् ष्मानमारेश विज्रेषा हैका-स्ट्वर. मूर्मिसम्। स्त्रांमि मेकर पूक्ट्जिमिसर यिख त्मा मघरा शाश्चिक (य॰ २०ष०६०) इंडारंनन मश्मुका के मिनिमाड नमखेडार नमाख मियांश्न। वक्षक्छ नमाख्यक श्रेत ন্দুর নম্মেট্স্ত তে ইতি নতা ও দেবরাজ গজারত পুরন্দর শতকতো। বজুহন্ত মহাবাহে खिष्णुण् हमः भाषा (मन्छ। भाक्षश्रृकान विः। ७ वाञात्रिक्मभविञात्रिक्मः श्वराह्य (वम्)। वात्रवाखरम् ७ वर्ष्याष्ट्रवृत्यम् थकाधिकः महत्यत्नव विमटेनकत्रांक। मिनिभरज मक सूत्रम मिठार भृषा भूकार जगरमभरक , मिठीभर जमहादारश मर्काण्डाय । जा-গচ্ছ ভগবন্ধিক্র হুড়েইবিমন্। ওঁ ভুজুবঃ স্বরিত্যাদিনাবাফ্ ব্রাতারমিত্যস্যাপ্রতিরথখামি-

उट्छ। बाश्यां की बीनान को कार्या है। कार्या है। कि कुछ कि कित्न के अधिकार कि मूर्यानिः अट्टमम्। मिम्नु त्रविधिविमाविष्यामः जन्नामि स्र्याः क्नवृष्तिरहर्षाः। उँ भष डाकी खड्डाकिमःकान्नः कार्याः।

उठ केशामश्कार्याम्यश्वास उँ व्यावाहात उ॰ भगताकामन् तरकादभनाजामग्रम ३৮ नरमाश्ख उठ हैजोंडाथी. उँ स्टेरी नमः वर ज्टेडा मारिटेवा मक्नारिष्ट हैंडि मर्श्रेका वन्माम्। विद्याखकः विष्यक्तः गटनमः नमामि त्रोजः महिष्ः চ मिष्ता। ॐ नत्याम् भश्किति गक्रवन्त छन्छन न जागक्त गननाथ घर खत्य । अष्ट्र वह यित्रामिनावाश নাং জা গুণপতিং হ্বামুহে প্রিয়াণাং জা প্রিয়পতিং হ্বামুহে নিধীনাং জা নিধিপতিং हिंछि नञ्ज छ नष्महस्य द्यांत्रा नष्मामन समकन। क्यांत कुक मग्नात्ना घर धर्नाक গণানামিত্যম্য প্রজাপতিখামিশ্ছন্দোহভাবে। গণপতির্দেবতা তৎপুষ্গনে বি॰। ওঁ গণা-হস্ত মহাবাহ্যে সপ্তশ্রেতাশ্ববাহন। আগচ্ছ ভগবন্ ভানো জন্তে। ওঁ ভুজুবঃ স্বরিত্যা-ष्या कृत्यन तकमा वर्षमात्मा मित्वभाग्रमुच्छः मर्जायः। हित्रगात्यम मिविछ। त्राथमा मित्रो যাতি ভ্ৰনামি পশান্ (য০ ৩৩ অ০ ৪৩) ইত্যনেনাভ্যচ্য ওঁ নমঃ.সবিত্ৰে জগদেকচকুষে জগৎপ্রস্থতিছিতিনাশহেতবে। ত্রগ্লীমগ্রাগ় ত্রিগুণাপ্রধারিণে বিরিঞ্চিনারায়ণশ**ন্ধরাপ্র**নে • দিনাবাহ্য অনু রুষেণ্ডনেত্যস্য হিরণ্যক্তপ্রধাষিত্রিষ্টুপ্ ছন্দঃ স্থর্য্যে দেবতা স্থ্যপুজনে বি ০। भूर्सवद खडामिमश्कातः कार्याः।

ह्वामार्ट् वत्मा यम व्याह्मव्यामि गर्धयमा श्रमकामि गर्धयम् (य॰ २७ व्य॰ ১৯) हे छारमना-ভाका अ नमत्छ वक्तक्रमात्र विक्षक्रमात्र जिन्मः। नमत्छ क्र<u>स्त्रभांत्र</u> कविक्रमात्र जिन्म इं ि नज्ञा & नत्योष्त महाकाय मंडें ७० त्यापकि थिय। त्यीत्री कुंड गत्यां कुर विश्वासक अमीम ता कें जि थायी ज मत्य है जा मां के विष्य हता देश मां के जि मं भूका छ छा मिमर-

मुण्ड्ड नत्माट्छ. ८७। मह्रिष्ट् नमत्छित् धर्मत्रोक नत्मात्रेख ८७ हेि नज्ञा । अ धर्मत्रोक याह। वर्षात याहा यर्षः भित्व (य॰ ७৮ जि॰ ३) हे छारमना छार्का छं केयद भीन नगर छ र छ थांबक। जागेक छ्रावन् वर्षा खाख । ७ कृष्ट् वः यतिछामिनावाहा वमात्राजाञ्च मधाष्ट्रधाथ-र्मन्याधिकाटलाष्ट्रावः यत्मा त्मन् । यम् मुकत्न विः। उ यमात्र प्राक्रित्यत् निज्मत् यात्र विमान्वकः छन ह्यो प्रज्ञा गृश्न श्रकाः ज्यवमार्ख। उ विज्ञक्यां मिम्भूक मध्यमार . श्कारभवायां अञ्जान खरख ७ वरहाहि मधायूथ धर्मत्राक कानाक्षमा जाना विभानत्म व कान्नड शुक्रवर कार्याड ।

महाकाम्न एक्टिनाष्ट्रिया । इट्लिक्टन महावारहा मम भी ज़ार निवानम हिंछ आर्था है भूक् मक्तारिश नमः जक्करेना क्रुवारिश घरेखा नम इंजाजाका उच्चानिमश्कातः भूर्तवद क्रावाः।

-

थष्गर्खात उठ नमर्राज नवा क थष्गरभोधताः मर्म काामकनमधिजाः। वक्तामाः माक्क्यूबा बन्नाः मंख त्म मना। इंजि वार्थतार। उत्कः उँ मधामकारिय नमः धतारिय ं आरिशमस्किन्द्रशार्वज्ञानन्द्रत्य ॐ जादाङ्ग्रामि तम्दन्नः वन् भूषः कृष्टिकाञ्चणम् । कृष्ट-टिकःमग्रू<भेगः दमवत्मनामम्बिष्म्। मृष्ववाह्मः मुक्तिभागिः देव जमानाद्विशम्। जा-गिक् जगवन् कम खाखा। उ जुजू वः यतिछा। मिनावाहाः गमकम् हेठामा जार्वक्रमाधि-मीर्षज्यांशािषां के प्रक्रिक करमा (पर्जा कम् श्रुकत्न विश क्षेत्रकमः अथमः कांत्रमान উদান্ সমুদ্রাদুত বা পুরীবাৎ। শোনতা পক্ষা হরিণতা বাহু উপস্তত্যং মহি জাতং তে अर्म्य (य॰ २२ ष॰ ३२) हेट्यातनाडाका अनमः कम्मात्र टेनवात्र घलेक्क्रियातित । भडा-क्नामक नदाक्मान श्र्मा । उषामी विषमत्मारभाष्ट्र नागकना। विद्याक्ति। व्यानक नाग-अस्मिल खरख 01 ७ कुकू वह यत्रिज्यामिनावाहा जाग्नर (भीत्रिज्यामिक (५१भ० ५भ० १भ००) मुठिमिंगिर्फराव । उन्छ खे ममः (थिर्फक्छात्र जिल्लावात्र मत्मानमः। मत्मा छीयनरम्बात बाह्याद्येश्वतकारण अ जारहाहि नारगव्ययज्ञायदत्रम मर्त्रायदेत्रकिष्णिकभाष्ट्रमा भषादिम् महाभषादिम नम्हेि श्रकत्रद। ष्यनाद श्रक्रद।

কাশ্জিইন্তার ষণ্মুধার চ তে নমইতি নতা ওঁ ময়্রবাহন কল গোরীস্ত ষড়ানন। कार्डिक प्र महां का महानित्य है जियां के अफिममकारित नमः डे को-मार्रित नमश्जि मर्भुका थायद खष्टानाख्यम् कार्याम्।

तिनशृष्ठक शक्रहेष्ठ ममीतन । मध्हेष्ठ स्भाजा वत्र तमहि वत्रथम हेि थार्था अंवात्रदेश ज्ञांगरि । निष्ठकान् स्मामभी ज्या (य॰ २१ ष्य॰ ७১) हे ज्ञान्नना ज्ञाक्ता व नरमा इति । पृष्ठक ममीत्र नत्माईख रंछ। श्र्यावर नमरख्ड्छ भीष्मभाषिन् नत्माहछ रु हिंछ नष्टा छ थाविक-रिनम्जिक्टरम् उ व्यादास्त्रामि त्मरदमाः मनाक्षः त्वनीम्जिम्। क्रीत्राम्पिममूकुजः मिक्किट्रेन्स जिन्नानखान ७ जावर्ग्यमि मित्रमे कृजानाः मिर्मानिम्। मिसी-मात्रः महात्वराः स्रावार्ममीयतम्। ॐ षष्ण्गर्ख महात्वत देवालाकााख्यकात्र। ष्या-गंक जनवन् वारम खट्ड । . . जे जुजू वः यिजामिनावां । वारम वारम वारम वारम वारम ঋষিণায়তী ছদ্দো বায়ুদেবতা বায়ুপুজনে বি । ত বায়ো যে তে সহস্থিপে রখাসক্রেভি-नमः भाष्रदेव नमः मधामकारोत् नमन्छि मःशुका छाष्ठानाखनामि शुक्रद क्रीराद।

इत्रत्योलिविज्यगम्। स्थाकत्रः क्रिक्षियोगः टेब्टलाकाथीजिकात्रकम्। अघधार्यात्रम

अधिश्व निमान्।श विकराक स्थाकत। त्रांग घर त्रोमाভात्यन धर्मोण्य निराकृक কর সোম কন্দপ্রধূন। আগাচ্ছ ভগবন্ সোম হুত্তে । ওঁ আপ্যায়সেত্যস্য গৌতম-ঋষিণায়ত্রী ছন্দঃ সোম্যে দেবতা সোমপুজনে বি ।। ওঁ আপ্যায়ষ সমেতু তে বিশ্বতঃ नगरखरु अनगरख भर्मनाक्ष्म। त्याजायत नगरखरु जातापिम नत्यारे छ ए दि निष्या छ रूका खडानखनामिकः श्र्विवद क्र्याद ।

0 1V

প्रजूम। मेख्यभागधत्र त्योग्रः दक्र व्याम्माः भीज्य। उ भाष्टीत्रथमयांकारु मनित्रज्ञमय-নমঃ ক্ষুটিকদীপ্রয়ে। নমত্তে শেতহারায় জলেশায় নমোনমঃ ইতি নতা শস্ত্রফটিকবণাত মদ্য চ ফড়য়। স্থামবস্থ্যরাচকে (য০২১ অ০১) ইত্যনেনভাচ্চা ত বরুণায় নমস্তেইস্ত मिত। ज्यांगिष्क त्मन वक्रन खाख। ज जुंजू वंश्व यितांवां हो हेमर त्म वक्रानजामा खनः त्यंकश्रवितीग्रजी करमा वक्राली (प्रवक्ती वक्राली भीमात्म वि । . . . . हेम. (म वक्रण क्यि क्व-कृषि जार्षा छ. माविदेवा, नमः षर्णकलादि नमः विकारित मिष्ममन्तादि नम्बेषि मर-उट्छ। टेन्थ उभिष्टिमरत्रोत्रखत्रोनखर्ख **ढँ जावाङ्ग्रांभि एमरवर्गः म**निनमगिषिभेः

्ष्यण्ड्राझाम्रतावृज् । भागष्य महावाट्य मग्नां कुक मग्नामित्य देजि वार्या खँ वाकटेगा नगः जन् भागवाधिका वृष्टेन हेन्। न्याका स्वाप्त खन्नात्र क्रांति।

उड श्रीक म्यांग्रया खडान खडा है जायाह्याभि (मर्यमान व्यन्तर्की म्यायनाम्। সৌম্যমূভিধরান্ দেবান্ দিব্যায়ুধকরাষিতান্। শুদ্ধক্ষ টিক্সংকাশালানাবস্তাবিরাজিতান্।

वाज्ञवाखाख ॐ जावाङ्ग्रामि एमरवंगः थनमः यक्षण्जिञ्यः। यहाधनः मिनारमह् জাও ৫৮) ইত্যনেমাভ্যক্তা ও নম্করোমি দেবেশান্ নানাবস্তবিরাজিতান্। গুদ্ধকটিক ৰাসি। ধার্যামি প্রজাৎ রায়ক্ষোবং গোপতাং স্বীধ্যং সজাতান্ ফল্মানার (य॰ ১১ वमत्वारत्ये महाज्ञाभा वत्रमाः मञ्ज त्म ममा हेि आर्था अँ विनजादेत्र नमः अद् जिन्मादेत्र वमत्या (मवज वस्त्रभूकान वि । ७ वमवया क्रभुक्ष भागत्वभ हम्मभाक्षियत्म् ध्रवामि श्रि ज्यात्रांत्रां मिरावज्राम् मर्वामकात्रज्ञित्। जार्याह्यामि खा्ड्यिम् वस्तर्धे स्था-मकाभाम् मिराग्रिथकत्राम् रक्षम् हेि नज्य। ॐ मिरायक्षा मिराएमहाः भूष्णगानारिकृति छ। वहान्। ७ जुजू वः व्वत्तव हेश्यक्टिज्यामिनावाहा वमद्विज्ञमा बमा श्रवित्रकृषे प्रत्म। क्रिका भित्रमारेश क्रांडाफा खंखानखनः वायद क्रांरि।

नत्रयोनभिष्टः विकूम्। क्रियामोन्याधृत्यत्र भक्षाङ्ख महाकुन। जानिक यक्तत्रोक घर खरख ।।

 कुष् दः यविज्ञामिनावाद्य त्यात्म (अञ्चिष्ण्यामिक्यायाक्षवत्क्को भयो विष्युप् हमः नत्मारे उट रेडि मञ्ज किवाए ह धनाधाक भी जायत भक्ताधत। উত্তরশ মহাবায়ো বাঞ্চিতার त्नीत्वावनावन् भीनक्षक्षः युवक्षभ्यं। मञ्जक्ष कलमदेशव भानिভ्याभिङ् विष्युज्य। इह-त्मारमा त्मवजा तमाम्रभुकतन् वि । छ तमारमा (धक्रः तमाममक्षिणमान्छः तमारमा वीत्रः कर्माग्रः मुमाजि। मामनाः विम्थाः मर्डाः मिज्यविष् (यो मुमानम्टेम (य॰ ७८, ष॰२२) क्छात्मनाङ्गकाः - छ यक्तत्राङ नगरङ्ग् नगरङ नत्रयान् । भौछात्रत नगरङ्ग् भनाभार खडानखन् क्रांद।

डेख्डावांग्रवांख्डानख्टा ड जावाह्यांति मिरवणे अक्र जिम्मेश्किण्म्। दिय-न्माट ममांगेष्क खर्ख । . . कुक् दः योत्रिज्ञामिनादाहा वृष्णुर हेठामा गृष्ममभिषि জিউপ্ ছদ্দো গুরুপ্রেবত। গুরুপুজনে বি । । ওঁ বৃহম্পতে অতি যদর্যো অহাদ্যুসজি ভাতি ক্রজ্মজ্জনের। যদীদরচ্ছবস্মতপ্রজাত তদ্যাস্ত দ্বিণং ধেহি চিত্রম্।

क त्रवाशिष्ट्राध्या भाषिः त्मवख्रता कुक शिष्ट वार्षा छँ भूर्गारेमा नम जनः मानिरेका (য০২৬ জাঁ০৬) ইত্যমেনাভাষ্ঠ্য ও অক্ষপুত্র নমফেষস্ত পীতম্বজ নমোষস্ত তে। ত্রিদশার্চিত recari मिन्न, छव नत्मारेख एउ ट्रिज मधा अँ श्रीकाउं। यिषां नथा न कर इस्काइ ज

इंडाक्षिया श्रम्बट खंखानखनः क्र्याद।

विभातम । सम्खनारन ष्रिष्ट्रक ट्वाकामूर्डियत थटा है जि थार्था खँ मिनीवारेना ममः विद म्लाम्हक्तः (म्र मर्कक्वात्रमीयतम्। देवर्लाकाश्वक्वातः विक्रूष्टः मर्कमानिमम्। जानक विश्वकर्षाः खः खः छ। छ छ्छ् वः घतिज्ञामिनावाहा विश्वकर्षात्रिज्ञाभा जूवन श्वदिषक्षा श्राष्ट्रीख्रकेष् इत्ना विषक्षा त्मवजा उनूमामृत्न वि । । अ विश्वक्षम् इविषा वाव्धानः स्वतः वंजंत्र श्विवीग्र्ड माम्। ग्र्राञ्चत्न जिङ्ड मन्त्र इंश्यांकः भवत स्राधित है (य० ১१ ख० २१) है जारनना डार्फा के नमामि विश्वकर्तांगर ष्रिष्ठ कर विश्वमन्तिनम्। टेज्लाकाञ्च कर्वात्रः महावनभंताक्रम्। हिन्मिष्यं अभीम विष्कर्षः विशिष्णभाख वाखरमवर्जादेश माविदेवा हेि मरश्रका खंखानखनामि थायेद क्र्यामिष्ट खंखमरकांत्रः।

मा (इ९मी:। (य॰ ऽ७, ष० ऽ৮) हेजातन कृमिर ज्यायो अयथत्र हेजाया बसुया वित्रसम्भ २२ তাম্য প্রকাপতিঋ বিঃ প্রতারপঙ্কিক্চন্দে। ভূমিদেবতা ভূমিক্মনে বি॰। ওঁ ভূরসি या विभाज्ञिक्तवः। शूनक्रक्ना निवर्षय मा नः महत्यः शूरक्षाक्षात्रा भन्नयनी शूनक्षा विभाजात्त्रात्रः म्माडी व्यांनाहा मुक्ताः । उडाखाः निकाम् । क्रामी कुभित्रमामिष्डित्रमि विश्वशाशा विश्वक कृवनमा थर्ली। श्रिवीर वष्ट श्रिवीर मृश्य श्रिवीर मात्र नम स्छि वा. माममत्ख्रन मश्यूका ठम्मनभूष्णमालावखामिस्विष्ट क्ष्यां ज्वा बाष्ट्र र अभिउत्य कुन्नक्षिश्र विमिष्णिकक्षिक कमा कत्र महा। छ आजि कनम महा मिनका भूकित्वात्रभञ्चाभरम वि । . ७ जाभिभीए भूत्राहिकः यक्षमा मिनस्थिकम्। त्या-हम्मः अमधत्या तमवज्ञा यत्ते यवमात्म विः। ७ अयथयः ममवम्ख त्यातमम् मङ् ब्रांख्या। यतेम् ক্লোভি ব্ৰাহ্মণস্তং রাজন্ পারয়ামমি (য০ ১২, অ০ ৯৬) ইত্যনেন ভূমে যবাষিধায় আজি-ৰা ত্ৰিশূলচিফিতং শঞ্চচিফিতং বা অগ্নিমীড়ে ইত্য়স্ত মধুচ্চুন্দাঋষিণীয়ত্ৰী ছন্দোষ্ণী তারং রত্মতিষম্ (ঋ৽ ১ অ.১) ইত্তানেন নিধায় ওঁ অদৃঢ়ায় নম ইতি ওঁ অশোভ-जय टांत्रनेश्का। उव श्रमार मध्राष्ट्रक्यांवांखित्ठ प्रतम वहेटांत्रन्यांचेथर

ष्यः 8) व्छारमम भथत्रजूर विज्ञार या मखा जाचरण व व्छामा।थर्सभू वाध्यिभू विज्ञु कुम् क्षडाम्। मिश्रुडाः त्मा छत्रीमण्डिः (य॰ ৮ ख॰ ७२) इण्डि जीर्थामरकम कलप्रमाश्रुधा या अष-ष्यः २७) इति मर्ट्सायशिष्य। हित्रगागर्ड हेडामा हित्रगागर्डभविष्यपुर हटना हित्रगा-भिष्टित्रक व्यामी । म माधात्र भृषिती ९ माग्राज्या ९ कटेम (मवात्र इधिया विधिम (य॰ ১७, हम्भ अयर भारम्वज्ञ घटा अक्षेत्रमात्न विग । ज ज्याचरणं त्वा नियम्ने भेटन त्वा वर्माज्ञा भीति छ। मार्थास स्थाविष श्रीयत्र स्थे सम्बन्धा । एत्या एकता स्माप्त प्रकारन । उस् अवधीः तमामज्ञाकीविधिकाः श्विषीमञ् । वृह्न्याण्यिय्वा षटिक मरम्ख वीर्याम् (य॰ ১२, गर्छ। तम्का कनत्म श्रिनगार्निमात्म विशा के श्रिनगर्भकः ममवर्षकार्षे ज्ञानमा काष्ठः শ্বমিশ্ছদেঞ্ভাবে। বকুণো দেবতা কলমে জলদানে বি॰। ওঁ বকুণসোজন্ত্রনম্সি বকুণস্ত मावाश्वित्यां त्मवर् कलमशूरत विवा है मही त्मां श्विदी ह न हेमर बद्धर मिमि-(य॰ ए जं॰ ८२) इंडारमन (७वू बर्त्यू कलमः खांभावर। तक्रभामां खनममीडाख क्या-क्छमब्बनीकुः दङ्गमा थाउममन्त्रम दक्रगमा थाउममनमामि दङ्गमा (य॰ ८ ष्य॰ ७७) इंडारंनन कन्नर गृशिया मही मिर्गितिष्णमा स्माणियिया ियत्तात्रची इरम्मा

पूर्मार्वेश निषात्र जीक टि हे जामा मात्रात्र श्वाचित्रकुष् हमः जीटर्कवर्जा घटि श्रुष्ण याना-क्रिमारम वि॰ अ जी॰ ६ ज मक्यों क भड़ार्यर हाइति भारर्भ मक्यों । न ममाद। याः किनिमित्रिज्ञमायक्ष्भुविङ्ग्यित्रकुषुष् हम खरत्या प्रवर्धः कनत्र कनिमारम वि॰ उँ याः कनिनीया ज्यभैकना जाशुक्रा याण्ड शुक्रामीः। वृक्ष्मान्यिष्ट्राख्या , দ্বতা কলমে পুৰ্পাত্ৰদানে বি । উ পুৰ্ণা দৰ্শি পরাপত স্থপুৰ্ণা পুনরাপত। বঙ্গেব বিক্রী इस्अप्तिमानामुः महेयान अर्वतमाकः महेयान (य॰ ७১, ज॰ २२) ईछात्मम मामार शुक्राः नावश् इवमुख्लर नाठकाडी (य॰ ७, ष॰ ८२) हि मत्यन यति उपुनम्नीर डांचामिमश्र विः। अ (माना श्विदी त्ना छ्वानुक्तता नित्यंनी। यक्तानः भर्ष मथ्याः (यंष्टि, ष्वंदेऽ) ड्जि मक भक्ष ना स्डिका मम्रोद। उठः भूगी मर्कोठामा छन्नाङ्भ वित्रव्येष् हम इत्या (नाजाक हे दिनामथ यद मनवथ शुक्रयम् (य० ১२, व्य० १२) हि अक्षिमन्ताम् मचा म्मान। श्रियोज्ञमः म्याजिषिष विभाष्त्री हमः श्रियो एपरजा कन्तम मखर्जिकामात्न

न्नो मुक्षकुः इमः (य॰ ১২, ष्य॰ ৮৯) हे छारनन भूर्भारत नाहिरकनामिकन भष्ठ। स्रकांड इंडामा मिन्नुवीभक्षवित्रष्रकेष् हत्मावित्रत्वा कल्टम बङ्गात बङ्गात कि के झ्कार्डा कार्रि

भारग्रन का यञ्चरस्ति ह मागरवम् खटेथव ह। जाथस्ति वनमाइजाः मरस् कनममरिष्या हेजि भर्ठे ९ श्विद्यार यामि जीर्थानि कमत्म निवमित हि। धारुनान्तिक शुक्तिक श्रीजिक मिडित्रव ह। प्रत्यवामि विक्कुक्षर চ अनाभिष्डि। ष्यामिला वमत्य कसा वित्य प्रता मेटेभक्काः। यति कुक (म तम् थमाम् जिय मर्समा हिन्। अ कनममा भूष वक्षा भीवाशाक्ष मरश्यतः। भूति তু সংস্থিতো বিষ্ণুমধ্যে মাত্রণণীঃ স্থিতাঃ। শোবাস্ত দেবতাঃ সর্কা বেউয়ত্তি চতুর্দিশ্য। उिकेछि कनंत्र घंडंः काम्कनश्रमः। घु श्रमामामिषः घछः कर्नुगीर करनाष्ट्रव। मात्रिधाः वाष्टिक (य॰ २, ष्प॰ ১७) हेडारमन कलमः य्रयोध्रिक्ष ध्विषि कलमः व्यिष्टिक्षाणा गन्ना-मिण्डिः मश्युका वार्यताद । ॐ त्मवमानवमध्वातम मथामात्न मर्शाम्त्यो । छेदभावार्शम उमा क्छ विश्वज्ञ दिक्नुमं व्यत्रम्। घटकारत्र मर्वजीर्थामि त्मवाः मर्तव श्रात्र व्यात्र व्याप्त क्ष अब् मर्ब निर्मायकात्रम् कः। वाटमा जाट्य विष्कार्यः पर्वायय विভावटमा (घ०५६, ज्यं०८०) इ छ। दन वारमाष्ट्रधान वाममा वा कलममारिको मत्ना कृष्ठिविष्ठामाकित्रामा वृहण्मिष्डि-শ বিশ্তুদেন হৈ তাৰে দেবা দেবতাঃ প্ৰাণ্পতি ছায়াং বি । উ মনে। জ তিৰ্জুষতামাজাস্য বৃহস্পতিৰ্জ্ঞমিগৎ তনোতু। অরিষ্টং যজ্ঞং,সমিগং দ্ধাতু বিশ্বে দেবাস ইহ মাদয়ন্তামোৎ

8

क्रांबर। जाथ टांबन्छ खरबार्षास्यरिश शूर्ववद कलमर मर्खाया वाक्यांबर शूर्ववमावाहरवर। रेष শংঘোরভিস্বস্ত ন ইতি মন্ত্রেণ নিধায় ওঁ স্থহোত্রায় তোরণায় নম ইতি গন্ধাদিতিঃ मर्भुका सामर स्कूर भनिक ज्वावाहाफिस्सर। जज्जात्वाक्सामासा भूक्वर কুকর্মনে তোরণায়নম ইতি সংপ্রকা চন্দনাদিভিভূ ষিতং ক্ষত্রা শুক্রং বুধঞ্চ ত্রাবাহ্যা-कर्षाखरंत रेमग्रधाधमार्थं या एखात्रंगंध मेरमा मियीत्रि छिये । ज्यार्था ख्वं भी छरत्र भूकात्रद। ७७ त्छात्रनक्ष्यात्रामात्या भूस्वद कनमः श्रोगित्रश ७ व यत्र हैश्रात्ष्र्जा-किना धत्रामाबार्ग खं धत्राटेग्र नम र्रेजि श्रकत्यत्। जज्ञ शिक्टिम क्षांकटमो प्रमेत्र वी ज्यांत्रभम् उँ मूण्यां , जांद्रगांत्र नम देजि मः श्रका ठन्मनामिष्डि मत्त्राभ्यां स्थाभयांद्रकथ ज्यांपाद्र उंजरभ ष्याग्नाहि वीज्य गुनारमा स्वामाज्य । निरम्भा मदिम वर्षि हेज्यानमिषा জনা অস্মিন্ গোপতৌ স্যাত বহ্বীঃ। যজমান্স্য পশূন্ পাহি (য৹১জৃ০১) ইতি মজেণ নিধায় क्षिकः या छोत्रभम् , छ रहाय द्यारिक ज्ञा वाज्ञवञ्च तमत्वा व अविका वार्षिज्ञ क्षिकं क्यांत्र কর্মণ আপ্যায়ধ্যস্ত্রা ইন্দায় ভাুগং প্রজাপ্তীয়ন্মীবা অয়ক্ষ্মা মা্বজেন ঈশত মাঘশংমো जात कूट अप के कार्यात कि ज्ञातिमायां व अवाज्ञ म के जि भू कराव । ज्ञाति मिम्ति जिम्बत्

क्नम् मश्कामा विष्यमार्गाक् गमामिडिय्याविड्यः मम्डिप्कायर। हेि ठाउनिर्मा

পুৰ্কবন্ধস্ৰায়ত্তা সংস্থাপ্য তত্ৰ কসলদুয়ে এরাবতমাবাহ্য পুলয়েৎ, । ও দারভিলৈ নম ইতি ज्यक्ष धक्नभुङाकामिमःकाउः। शूर्ववादि वात्रभाषावृत्रमूल म्याक्कामियुङ् कलमवृत्रः

मारमार्कमत्रमार गरनम त्रकाष्ट्रतर तम जगवमरख। जो देख देशगरक्ष्णामिना माकर সপরিবারং সায়ুধং সশক্তিকমিত্রং ঘারকলসরোরাবাছ্য ত্রাভার্যিত্যস্ত গর্গঝ্যিষিস্তিষ্ট্প इस हैटका (मंग्जा उरश्कान वि॰ अं बाज्जमिक्याविज्ञानिकः हत्वहत सहबः भूक मिच्डिकाफ्टाइर। उठः वर्त्शिक् मर्साम्बरिकमार्देषब्धिको र्जुपत्रांमरतम्। मर्तीका ष्रांत्रामूक्षम् एमश्टेला भम्षेष्ठाधः वास्म खरख खंगरनभाग्न नमः मिक्करन छ कम्मात्र नमः (क) भूक्षाति भाष्टिञ्चकन्नभाष्ट्वन श्राटाकमित्रम् काल वा वृष्याद। <br/>
अर्थमः भष्मभ-मः थार्था जाधन्नीत्न हेडामा मशुष्क्मांथायितीत्रजी हरमावृषिर्फ्यङा थारथिनियिशुष्यत वि॰ के जाधियोतन भूरतिहिक् यख्या त्मनस्तिष्यम्। ह्याजात्रः त्रप्रयाज्यम् हेजि यद्यन गक्ता ত্রাক্ষো গায়ত্রঃ সোমদৈৰতঃ। অতিগোত্রস্ত বিপ্রেন্দ্র খাস্থিক মুং মে মুধে ভবেতি প্রত্যেকং বাষ্স্কুদ্রে গাঞ্চারৈ নমঃ দক্ষিণস্কুদ্রে যমুনারে নম ইতি পুজয়েৎ। তত ঋষেদিনারজি

সহআক্ষং কিরীটকুওলধরং দক্ষিণবামকরস্থবজোপলমিন্দং ধ্যাত্রা ওঁ ইন্দঃ সুরপ্তিঃ <u>त्यात्वे।</u> वक्ष्क्रत्या महावनाः। मञ्चष्काधिरमा मिवखरेया निजार नत्मा मंग हिण्डि मञ्जा त्मन मश्यूका जाए भागान इंडामाथिडियथायिखियेष् एम इत्या (मवडा नाक्रियडा-মন্ত্রেণ পীতাং পাতাকাং পীতমুক্তং চ পুর্বোক্তপ্রকারমূজ্যার। এরাবতাস্থিতং পীতবর্ণং ইন্দায় সাকায় সপরিবারায় সাযুধার সশ্ভিকায় বলিং সম্প্রামীতি কলসয়োরএতে कामू छ गटन विन । , छ जालः निनात्न व्यत्ना न जीत्म घनायनः क्यां जनकिनीनाम्। मिन्सम्। स्वाग्नि भक्तः शूक्रष्टविन्यः यिष्ठ त्नां मयतां थाष्टिन्यः (य॰ २० ष्य॰ ৫०) इंडा-विलंश ममारि।

ज्यशान्त्रगारभेतः गञ्चा शूर्ववद कलम् स्थान्तिया ज्व शुक्रोकमस्जः ५ मश्युका उँ २० <u>এহে) कि मर्काभन्नक्रावाक् भूनि श्रविर्धात्रिक्तिक्षिये। ठिङ्काविका लाकिगरनम मार्क्ति ममा-</u> धृत्रः भाष्टि कर्व नमरख । তো खाद्यं ट्रेश्निक्जािषिना माक्रः मभित्रोत्रः मायुष्यः मभिक्ति-কম্মিশাবাছ। ত্বং নো অমে ইত্যস্যাদিত্যমাজক্রক্যার্ধী জগতী ছন্দোহ্মিদেবত। অমি-

ग्डानिवानिक्याप्रिः भाषा के जार्यक्षः भूकत्य बङ्ग मर्साप्त्यार्थात्राहः। भूगत्कर् त्रकुंष्डक्ष्करुत्व, निष्ठार, नरमा नम इंि नची ७ ष्यभेरत्र मोक्षोत्र मभतिषात्रात्र मायूथात्र পুজনে বি০। ওঁত্বং নো অগ্নে তব দেব পায়তিমাঘোনো রক্ষ ডয়ক্ত বন্দ্য। আতা তোক-দুত্মিত্যস্য বিশামিত্রখাষিণায়ত্রী ছল্দোয়িদেবতা আয়েগ্রপতাকীদ্যুচ্ছ য়ণে বি॰ ওঁ অগ্নিং পতাকাং রক্তং ধ্রজং চ সমুচ্ছায়েও। তত্ত্বছাগৃহং রক্তং দক্ষিণবামকর্ধতশাজিকমণ্ডলুং मूड् शूरवामाध क्वावाक्मुश्वकाव। त्मरी व्यामामग्रामिक (य॰ २२, ष्य॰ ১१) वेजातन त्रकार স্য তন্যে গ্ৰাম্যানিমিষং রক্ষমাণস্তব ব্ৰতে (য০ ৩৪, অ০ ১৩) ইত্যনেন সংপ্ৰন্য অগ্নিং

क्रकक्षभाषरिष्यमामिरम् वा कारल वृश्याद। यथा ७ काउतारका यक्रत्मिरेअमेरका विक-. जै. शुक्रमस्खांग्र नमः मिक्काखाः अँकशक्तित नमः घात्रक्वांभकलामं छै। तामादेश नमः मिक्का कनाम छ क्रकारेश नम इंि श्रकांश्व । ज्जा यकुर्तिमिनार्विष्टको मिक्किनवाद नान्धि-ज्यथान्याः मिक्कंष्वादत बात्रभाषांष्राग्रुटन कनमवृत्तः शुस्विव छाशिष्ठा उत्तास्तामनः मिला-क्यांवाशार्कतार । उठः अषाताबित्य नम इणि षातामूक्ष अत्मर्रमा नम हेठायः वामखत्य স্শক্তিকায় এতং মাষভাতুবলিং সম্প্রামীতি কুশুস্থাতো বলিং দদাথে।

कांमूरेष्ट्र ग्रत्न विन्। छ त्या मू नः भन्नाभन्न निष्म जिसू रूना व्योष । भनोके ज्या मर (या ) পুজেয়ং প্রতিসূহ্যতামিতি নতা সাজায় সপরিবারায় সামুধায় সশজিকায় নিঋতরে मिना मांकर मभित्रवांत्रर मागूधर मनाज्ञिकर निर्भाणिर ज्वावाहाः जञ्जसञ्जान्ता थिका-জ০৬২) ইত্যনেনাভার্চ্য মোয়ুণ ইত্যম্য কণু ঋষিণায়ত্রী ছন্দো নিঋ তির্দেবতা নৈখা তপতা-ष्ण, ७११९) हेर्जातम नीलार भठाकार मीलर ध्रमर ह ममुष्ट्रा रार । उत्ति मद्राकार শত্ৰাহ্তং নীলবৰ্ণং মহাবলং মহাকায়ং বত্ৰাক্ষসবেজিতং সৰ্বাভ্ৰণভূষিতং নিশ্বতিং भाषा छ नियां कि वर्षाइस्टर क मर्मालारेककभावनम्। बावाइहामि यट्स्कृतियन् পাহি পিশাচনাথ লোকেশ্বস্ত্ৰং ভগবন্নগত্তে ইতি পঠিখা ভো নিশ্বতে ইহাগচ্ছেত্যা-भिष्य विवस्य के प्रकासिय कि कि कि जिल्ला कि विष्य कि का स्वस्त्र का कि का म्माज्यायिषि उद्भव्या। जनाय्यामिक् मांज हेजानत्मा मिर्वा निर्या ज जुडामञ्ज स॰ ১২ . अथोठ्या देनभाष्ट्रार भूक्वर कलमः मःश्रोभा उत्र क्यूमः मिलाकः मूर्क्यभावी-क्राफ्टायुद्ध। उ प्राट्याष्ट्रि दास्मार्गनमायकसुद्ध विभागित्वानिभागिभाष्टिम्द्रेष्यः । ममाध्रद्ध अठः मांमञ्ज्यनिः ममर्गामीि कलमच्यांपैछा विनिः मुमाद।

পুজা ইমং নে ইত্যম্য শুনঃশোষশ্বামিনী ছলেশ ব্ৰুণো দেৰতা বারুণপতাকাদ্যুচ্ছ য়ুণে जरहण्यात्मा वक्राणोह (वांश्राक्रमात्म या नष्यांशुः थात्मायीः (य॰ ১৮, ष्र॰ ৪৯) हे छात्मम प्र-वि । अ हम ९ (म वक्षण क्षिमी हतमम् । एका । श्रोमवन्त्रात्राहरका (सब् २५, ष्म ०५) कूट छ जोरे भा म म में कि भूक्त अर्थ। ज्या भिष्म ना भागर भागर मिना वृष्टिको भाषि-क्छ क भाषित्वम बुगुशाद। शुक्रमार्थमार्थमार्मिन (१०१, १००, १९००) व्यायद। छ बहहाहि यारम्।भगवातिषीताः १८०न भव्कनामराभात्रान्तिः। विम्राधरत्रव्यामत्रभीयम्। भाषि घमयान् ভগবন্ধত্ত ইতি পঠিত্র। ভো বরুণ ইহাগচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য সাকং সপরিবারং সায়ুধং সুশক্তিকং বরুণং দারকলসয়োরাবাহ্য তত্ত্ব। রামীত্যস্য শুনঃশেষ ঋষিজ্রিষ্টুপ্ ছন্দো বরুণো खरख उ निमरन नमः मिक्करन ठिखारेश नमः घांत्रवांमञ्जनारम अं त्रवारेश नमः मिक्कनञ्च দেবতা বকণপুজনে বি । ও তত্ত্বা য়ামি ত্রকাণা বন্দমানস্তদাশাল্ডে যজমানো হ্বিভিঃ। किन्मक्यांवाश्वाकत्यद। उ षांत्राचित्र नम् इं ि षांत्रापूर्व्य एक्ट्रेला नम् इं छापः वात्म व्यथां हमा भिष्टमहा द हा द भाषर ग्राम्टन कल महार भूक्वर मरश्राभा ज्वाक्षिम्

ইত্যনের শ্বেতাং পতাকাং শ্বেতং ধলঞ্চ সমুচ্ছুরেৎ। তত্তা মকরছং পাশহন্তং শুরু-

वर्श्-किन्नोकिन् वक्रन् थात्रा उ भागहस्थ वैक्रन्यर्गार भाज्योश्वाम्। व्यावाह्यामि যজ্জেঞ্সিন্ বরুণায় নমো নম ইতি নত্ত। সাক্ষায় সপরিবারায় সায়্থায় সশক্তিকায় এতং

मायज्ज्यनि ममर्गशामीजि कलमरहात्र भट्ना पनि मनगर।

**उठ का**ठमा वाम्नवार कलमर मश्काभा शुष्णानस्य मिन्नार्थक उन्नां शुक्रां ।

उठः छ <u>अर्हा</u> घरछ गम त्रक्रनीत्र स्भाधित्र हः मह मिक्षम् देयः । योगाधिषः कांनकत्वः

महांत्रः गृहां। भूकार जगदमगत्छ हेि भित्रमा एज वात्रा हेहागत्क् ज्यानिमावाहा माकर

সপরিবারং সায়ুধং সশক্তিকং বায়ুং তত্রাবাহ্য তব বায়বিত্যস্য ব্যশ্ব ঋরিণায়ত্রী ছন্দো

বাষুৰ্দেবতা তৎপুষ্ধনে বি॰। ওঁতব বায়বৃতস্পাতে দুফুৰ্জামাতরভুত। আঁবাংস্যাব্ণীমহে

(মৃ০২৭, আজত ৩৪) ইত্যনেন সংপ্রতা বায়ে৷ যেতে ইত্যস্য প্রজাপতিখ বিগায়তী ছন্দো

निमुख् । स्मामनीज्ञ (य॰ २१, ष्य॰ ७२) ईजारनन धुन्। भेजांकार धूनर धकक ममुष्कु ताद। बाबूरफ्वज बाग्नवाभाजाकामूराक्त्रात विश । उँ वात्या (यर्ज महस्यित्भ द्रथामत्यिष्टिताभिहि।

 वाष्ट्रमाकाणगिरेश्वव शत्रमः (वरावलाञ्जिष्। जावाक्यामि यरक्क्विमिम् भूरक्ताः अञ्जिष्-ততে ফ্গাণ্ডিরচ্থ চিত্রাধ্রধর্থ যুবান্মস্কুশ্ধজবরদক্ষিণবামহস্তকর্থ বায়ুৎ ধূত্রবর্ণ্ড প্রাস্থা

,\v.

राजमिषि आर्षा व्यनाकारता मरश्काण वन्नामकेगिजिक्षि । उरेच भूकाग कर्गाज वाग्रत তে ন্যাম্যহ্মিতি নত্না সাজায় সপরিবারায় সাষুধায় সশজিকায় বায়েবে এতং মাষ্ডক্রেবলিং मम्भीश्रोमी कि कलम्रात्य दिन् मम्राद।

विषदम नक्कांबिगटन मार्मिग्। मटकीमधीडिः मिङ्डिः मटेक्र गृष्टांन भूकार जनवमगटक रू व्यथां हत्या जित्र बार्मा थरता मूरल कलम बत्र भ्रक्षिर मरका भाक्र ज्ञामा मार्का जामा कि-नमैक् उत्यादावांचाफ्ट्य । उठः उ घात्रिक्ष नमक्षि घात्रामूक्ष्म (मक्रेला नम हैजायः घात्रवामखट्य ए महाकालाय नमः मिक्काखट्य ज्यित नमः , घात्रस्वामकूट्य वादेश नमः मिक्काकुछ ७ (वदेना नमः इंठाक्ताय। उत्वारिमान्नव ना ममाग्रथक्-দারকলসয়োরাবাহ্য বয়ং সোমেত্যস্য বন্ধুৠ বিশায়তী ছন্দো মোনো দেবতা সোমপুজনে ইত্যনেনাত্যচ্চ্য আপ্যায়ধেত্যম্য গৌতমশ্ববিগায়ুত্রী ছনঃ সোমে। দেবতা সৌম্যপতাকা-वि । अँ दश्र भाम बाठ जद मनखसूषु विष्य छ । धाकाद सः महम्माक् (य॰ ७, ष्य॰ ६७) ट्विमिनाइज्लिको ज्यायद । (१०१,११०२,११९०८) इनुयाद । ॐ ज्रहाक् यरख्नांत्र यख्नांत्र यख्नांत्र ट्रिज भिर्विश्वा ट्याः स्मागर्य्यागटष्ट्रज्ञामिन। मोक्यः मभविवादः माध्रुधः मभक्तिकः साम्

ত্রীশান্ৎ জগতত্তত্ত্বশুপতিং থিয়ং জিষ্মবমে হুমহে বয়স্। প্রানো যথা বেদ্দামসদ্-(ध तिक्छ। भाष्रतम्बः षखात (य॰ २६, ष॰ ३৮) हेजात्ममाङाहा ८०८नव भ्यार अङा-दांश श्रक्रांश्य । के बार्श्वि वित्यंत्रत निज्यंनक्यांनयोष्ट्राक्यरत्रन मर्कित्। मिरिकन बरळा थत बक्क मिटेका ग्रेहां श्रेकां डगंदन महत्व है जि भित्र । हा के भाम हे हा गर्छ डा कि ष्ट्रयानामार भूर्यवर कनमर ष्ट्रामित्रया स्वाजीकर मिलाकर ममलक ठ्या-मुख्यांत्ररण विका छँ जालीगांत्रय मरमञ्जू एक विश्वकिः स्माम वृष्धाम्। छदांदाज्ञमा मध्गरथ (व॰ ১২, षा॰ ১১২) वेजातम हतिजार भेजाकार वृतिज्ञ धक्रः छ ममूष्ण्रायः। जाजा নুরযুতপুষ্পাবিমানস্থং কুণ্ডলকেয়্রহারজ্যিতং বরদ্গদাধরদক্ষিণদামহন্তং মুকুটিনং মহো-**पृत्रः कूलकाग्र**ं इ**यिभिक्नात्म्बर** भीতिविग्ररः, निवमथर कूत्वत्रः धाष्ट्र। ॐ मर्त्वनक्ष्वम्पधा তু সোমো রাজা ব্যবস্থিতঃ। তথ্য সোমায় দেবায় নক্ষত্রপতয়ে নম ইতি নতা সাজায় মপ-রিবারায় সায়ুধায় সশক্তিকায় সোমারৈতং মাষ্ভক্তবলিং সম্প্রামীতি কলস্যোর্থে नावाश जमीमानिष्ठामा भोजमश्रायिक्गजी हम्म मेनारना प्रवज्ञा उपर्छरन विः। उँ वन्तिर मृष्गाद।

जित्मज् शुक्ककिकिक्नीनाम् शाजा इक्कक्ममांक्रः जुनक्छः जित्नान्म। जाता-শ্বঃ। শূলপাণিবিরপাক্ষতকু নিত্যং নবো নম হতি নত্ত। সাকাল সপরিবারায় সাযুধার र्ग्नाम यटब्बरियान् शुरक्ताः अधिगृश्जापि व्यापि मर्त्नाधरभा म्हारम् केनान अक्रे কাং শেকং ধলঞ্ সমুচ্ছ্রেং। ততো ব্যক্ষামমার্জং বরত্রিশ্লযুতবামদক্ষিণহকং

धरत्राक्षांथत्रमिक्कावांगकत्रः ठक्कभमाधर्त्राक्षांथत्रवांमकत्रष्ठाः नीनवर्णम्चः धात्रा छ (योश्मांव নজ্রপেণ বৃদ্ধাওং সচরাচর্য। পুষ্পাবদার্যমুদ্ধি তবৈম নিত্যং নমে। নমইতি নত্য সা-ज्यथां हत्या आंत्र प्रहाहिन् यां उभिन्ध महास्यां काष्ठा क्र काम क्रांभनः विदेन व वृद्धिकि शाण्यां वाष्ट्राया नार्गाक्यनाकि अवती व्याप्ता । यास्त्रावा वास्त्रा वास्त्र वास्त त्रकांध्रमममीमम् इं ि भिष्या ज्ञा व्यनख इं श्रारक्ष्णामिना्याम् व्याप्तः भीतिज्ञामिना (প০১৭,প০১,পং০৭) দাঞ্চং সপরিবারং সাষুধং সশক্তিকমন্ত্রমভাচ্চ্য তেনৈব মস্ত্রেণ পে তাৎ পতাকাৎ শ্বেতং ধুজঞ্চ সমুচ্ছরেৎ। ততোহ্নত্রশানাদীনং ফণাসহঅমণ্ডিতপঘশ্র-কায় পিরিবারায় সায়ুধায় সশক্তিকায়ানন্তারৈতং মুষভক্তবলিৎ সমপ্রামীতি বলিৎ দদ্যাৎ। সশক্তিকায় ঈশান্ত্রৈতং মাষভক্তবলিং সমপ্রামীতি কলসস্থায়ে বলিং দদ্যাৎ।

उठ षाठ्या मध्यमार्थारेजुर्फम्खः मन्त्रकृषिः विश्वविद्यविद्यातः भक्षश्चमिष् श्ख-क्रामक्षमानाकुनम्मुक्षियताक्षिषत्रमिकाकत्रषत्रः अक्यूव्यत्रामकाकत्रमार जानन्त न्त्याम्त्र त्रक्तवर्ष बक्तांग्र, शाया क भवायानिक कुम् कित्रमावामः भिषामहः। यका-ধ্যক্ষকত্র্বজ্ অবৈষ, নিত্যং নমো নম ইতি নত্তা সাক্ষায় সপরিবারায় সশজিকায় সায়ু-त्ममांखाका उठ्येन बक्नार भेषाकार बक्नर र्षक्य ममुष्ट् तिर। उठकाष्ट्रभूषर रूपा সপরিবারং সায়ুধং সশক্তিকং ত্রন্ধাণমাবাহ্য ত্রন্ধ জজ্ঞান্মিত্যতা প্রজাপতিঋ্ষিদ্রস্ (त्न जांवः। मत्रा टिश्मा क्या विकाः मज्ज (यानिममज्ज विवः (य॰ ১७ व्य॰ ७) हेणा-उँ अरम् मिक्सि भए अरबक्स लार्किन मार्किश भिक्सिन जाकिश । मर्कमा शाष्टाश्चिमिङ्य-• ज्यशान्त्रा टेन्स ज्यिनियरहात्रीमानश्करात्रांकी मरधा कलमञ्चायनः विटेनरवांक्ष्यिकिण ভাবে৷ বিশাধ্রং নঃ মততং শিবায় 'ইতি পৃঠিত্ব৷ ভো বন্দা ইহাগচ্ছেত্যাদিন৷ মাকং क्रमा वक्षाः स्वरा वक्षश्रम्त विः। ॐ वक्ष कष्डांनः थर्षम् श्रखांषि मीमण्डः स्रक्रा ধায় বন্ধতে এতং মাধভক্তবলিং সমর্পয়ামীতি বলিং দদ্যাথ।

विकात्र या महाधक्र विधिववर्ग हामत्रिकिमामित्रक्षम् हेत्समा त्रुकः हेणमाप्रिकिष

ŝ

भाविज्ञिकेन् छन्तः इत्या (मन्ज। मक्षभग्नर्था श्रक्षमगूष्क् वित्। इत्यमा इत्यक्ष वक्षन्थ রাজ্ঞ আদিত্যানাং মরুতাং শর্ম উগ্রম্। মহ্যমনসাং জুবনচ্যবানাং ঘোষো দেবানাং জয়-তोमूमक्रां (य॰ ১१, ष्य॰ ৪১) हेि मह्यह्नाह्नां अस क्ष्कानिमुं आधारकन असां १९

भन्न कार के सामित्या नगः के मानरवर्षानगः के त्यार्थानगः के त्यार्थानगः के प्रत्याक्-ह गुम्मिकाई। जमा विष्कु™ह कृष्ड™ह एक्ज्यभारमा भटेनः गर्। तक्क्छ मध्भर मर्कि ब्रख त्रकारमि मर्स्छ हे छि भित्रिष्टा ७ देबरमाकारब्र्डाः ब्रावरंतराज्या कृरण्डां मगः देबरमा-व्यर™म् किम्नातास्था नमः शृत्के खँ भन्नार्गास्था नमः हेडार्फतायः। उत्का मध्मार श्रक्मार मिन किथिमूमिनिअञ्चारम उमित्नां उँ देवरनारका यानि ज्ञानि क्षांवर्जाणि চরाणि छ। ज्यक्तविष्णु भिटेवः मार्किः त्रकः। कूर्वछ जामि त्य। त्रवमानवराक्षकी यकत्रोकमभन्नगी । साम्रो मान्ना गार्ता (म्यमाञ्जाव ह। मर्क ममाध्र इकार कुर्वछ ক্যিছেভ্যশ্চরেভ্যো ভূতেভ্যো নমঃ , এ বিষয়বে নমঃ , এ শিবায় নমঃ , এ দেবেভ্যো নমঃ खें मिनिर्वराज्या नमः व गन्नर्वराज्या नमः व यरक्रराज्या नमः व बारकरमराज्या नमः व পুজয়ে । ইতি ধুজপতাকাসংক্ষারঃ।

ভো, नमঃ इं ि श्र छा का कर भर भूका भूक्ष में त्वा कि का गर्भ क्या कि का प्रकामि

ज्यथ यक्त्यानः अक्कानिज्ञाम्भानिः द्याराजः मटेस्यार्गिममिन्तिभ द्विगानिः मिन् প্রাগ্রারেণ মণ্ডপান্তঃ প্রবিশ্য। ব্যাগায়তনাদুক্ষিণতো একাসনস্থানাৎ পশ্চাদ্যজ্মানঃ স্বা-সনে উদ্ধাধ উপবিশেৎ। ততো জাপকান্ জপত দারপালীন্ পঠধুমিতি শান্তিস্কানাং যুতং মাযতক্তবলিং দদ্যাৎ ইতি মঞ্পপুজা।

কেনাভূকেক। তত ইদং বিষ্ণুরিতাস্য নেধাতিথিখাষিণায়ত্রী ছকে। বিষ্ণুর্দেবতা বিষ্ণু-शुक्रत्न विश । अ इमर विक्षुर्विष्कत्म (ज्ञा मिमर्थ शम्म। मभूष्मभं भारस्त (य॰ ६, ष्ण॰ नांखि कुळामीनात्या नित्कंकात्व। जांघांश्व कुष्मिक्मिज्छेभिविनााघमा थांगानाश्मा तिन्न-खाँभनभू कमामिक धं कतिरया ट्रिंड চ मरक म्पे कूरीग्रा । ज्यथाश्राग्यङम् मरम्बा कुरमाम् ১৫) ইতি মন্ত্রেণোপরিগতমেথলায়াং শ্বেতবর্ণালঙ্ক্ তায়াং বিষ্ণুমাবাছাচ্চিয়েৎ। এন্ম জজ্ঞান-মিত্যস্য প্রজাপতিখ্যিফিফুপ্ছন্দো বক্ষা দেবতা বক্ষপুজনে বি॰। ওঁবক্ষ জন্তনাৎ **बरुभ भाट्ठे 5 निर्**याब्हाइद । ८७ 5 कर्मममाखिभर्गाख्य स्वयनायीश्रम् कामित्रक्षामिकभभाट्यी कुष्ट्रा ३। কালাবাচারাৎ সন্ধীর্ত্যামুকক্মণায়িপ্রতিষ্ঠাৎ করিষ্যে তদ্কতয়া সন্মার্জনমেধুলাঘোনিদেবতা

हाफित्रथ। जथ शुरह्माक्जिविधिन। कुछ अक्षज्ञाशकात्रीन् विधार्याधि क्षाभएस् । उदेविष्यो-निष्ठा हत्याविष्ट क्या विष्या निष्टात विः। अ व्यक्ति मूठः भूरतामर्थ स्वार्यास्मून-ক্রে। 'দেবা আসাদয়াদিছ (য০২২, অ০১৭) - ইত্যনেন তত্তৎক্ষাকুসারেণ শতমকলা-চারঃ। লোকিকাগ্রো কাংস্যাদিপাত্রেণ স্থারেন বানীয় কুণাদহিরাগ্রেয্যাং স্থাপিতে আ চাধ্যস্তম্বিং সৃষ্ীত্বাধেষকোণমাধেণ কুণ্ডমংধ্য নীত্বা অধিং দুত্মিত্যস্য বিরূপাক্ষ্মিথি-দেবত। দুৰ্মাপুজনে বি০-। ও অমে অমিকে অমালিকে ন মান্যতি কশ্চন। সসস্ত্যশ্ৰকঃ कुरुम्बिकार, काम्श्रिनवामिनीम् (य० २७, जा० ১৮) हे छ। तम अछनवर्गानकः छ। यार त्यो त्रीमावाः युठाक्राः क्ष्मगादाशाक्ताः । जास जामात हेठामा अनाभिष्यं वित्रमें भू हत्मा मूर्ग विश्वेर भूकेर ' धारिक खिमान्ननाजुत्रम् (य० ১৬, ष्व० ৪৮) क्रेज्याननारिशामधनात्रार क्रयेवर्ग-क्या क्रमाय उदस्य क्यांकित- क्यायीताय अख्यायरक् यजीः। यथा-अयमिष्यित ठंजुष्यरम कर्यदा हमा क्रमारत्रजामा क्रम्यावर्क्ताची क्रम्मा कर्ता (म्वज् क्रम्बुकरन विग के अथमर भूतछाष्टि मीमङ छक्टा (वन ष्यांवः। मनुश्रा डेभमा ष्यंग विष्ठाः मङ्ग्र यानिम-সতশ্চ विवः (य॰ ১७, অ॰ ७) हे जारुनन मधारमधनांग्रां त्रक्विनीनक जाग्रां विकानिम्ति

Ş

नाकनः है हे न मुख्ना खुक नागरिक। निज्ञ अधि मुख्य मुख्य मुख्य मुख्य मिक्स । मिक्सि ठकुकिस्तर जिक्सिमुं छत्र, मुथम्। माननारकािमुक्गिषार विभक्षाभद्रकनामुङम्। सार्घायधा-বষট্কাটেররক্ষিতং মেষবাহনম্। রক্তমাল্যাধ্রধরং রক্তপঘ্মনক্ষিত্ম। রৌদ্রং তু বহ্বিনা-मान् उद्गिगावार्यामार्य्। ज्रुः मूष्ट् मर्स्रानामार् मर्खारित्रमिञ्हारञ्। जागेष्ट् छर्गदरम्ब দিমুর্ধানং দিনাসিক্য। ষণ্নেত্রং চ চতুঃশোত্রং তিপাদং সপ্তহ্তকম্। 'যাম্যভাগে চতু-अधिके (य॰ २, ष्र॰ ऽ७) ट्रेडारननाधिः अधिकामा धाराबर यथा। क्षर्डकः ममुख्रुष्टिः ईखर मराजारन जिस्खकम्। खूर् खूर्ध मज्जिर ज जक्षमांनार ज मिक्सि। जिम्हर হভাবঃ বিশ্বে দেবা দেবতাঃ প্রাণ্পতিষ্ঠায়াং বিল। ওঁ মনোজুতিজ্বতামাজ্যম্য বৃহস্থা-जिध्छमिमः ज्ञाज् । जादके वछः मिममः प्रधाज् दिन्धं प्रदामहेर मामग्रजामा দিনমোনমামীযুপসমাদমে ইত্যায়িং কুঙে স্বাত্মাতিমুখ্যুপসমাদ্ধ্যাথ। চত্মারি শৃষ্ণা ইত্যস্য প্ৰজাপতিখা মিস্তিমূপ্ ছল্দোইয়িৰ্দেবতাইগ্নাবাহনে বিল। ওঁ চত্নারি শৃষ্ণা এয়ো অস্য পাদা ८६ औरर्व मश्च रुखारमा जामा। जिथा-इएका इयरजा त्वांत्रवीिज मरश (मरवा मर्छो। जाविरवन (ষ০১৭, অ০ ৯১) ইত্রনেন অগ্নিমাবাহ্য। মনোজুতিরিত্যস্যাফিরসো রহস্পতিষ্ঠিষিস্ছন্দো

मुख्ना भक्षां भेक्षां भेद्र । जकाममामा बन्नी जमु नवां अदेन्। उजुरिश्मभमा दाभा क्रका वली भीत्वम् शूरहार । ज्याक्रना मिठा वामी मतिषिः भीजवनिकः । वाशा खरामरेमः শ্বেত্য কণিকা পীতবণিকঃ। পদিষ্যাবেষ্টিতং পঘং বাহে। সত্তরজন্তমঃ। তন্মধ্যে স্থাপ-अंग्लियोम् जमामगार्क, यूत्रायूत्रामिछि। जब्द मक्षम् विनिधा यक्रमानामिछ जानियाः হেমাঘ্রো কাল্দে। প্রাগুদীচ্যাৎ গতা রেখাঃ কুর্যাদেকোনবিংশতিঃ। খণ্ডেন্দু ক্রপাৎকোন পরিধিবিংশত্যা পদৈঃ। মধ্যে যোড়শভিঃ কোটঠঃ প্রমুষ্টদলং মৃত্য্। শ্বেতেন্দুঃ শৃষ্থালা म्क्टांडांड्य मञ्जामवर्धाः खानारामाथा । व्यामारामि तमनेकात्नो मृत्री मञ्ज মিত্যে প্রজাপতিখ্যিষ্ট্প্ ছনঃ একা দেবতা মঙলে একাথনে পুজনে চ বি । उनक कळांन थायम भूत्रखांकिमौमंज दुक्ता (दन कांद । मुद्रा छ्रमा काम दिक्। मजक स्वानिममजक विवः। (य॰ ১७, ष० ७) ट्रिं मञ्जात्य बक्तानम्याष्ट्रशामि खानग्रामीजि उक्षां १८. छा भर । अवर मर्खा । उनि निमाइका द्वायवारका न्यां भगाउर कुरवता निन् वायू शर्था দেবতাস্থাপনং ক্রিষ্য ইতি সংকণ্পং ক্ষা অক্ষতপুঞ্জেষু স্থাপয়েৎ

্ষ ৩৪, জা ১৩) ইত্যনেনামেধ্যামমিদ। স্থামু পন্থামিত্যস্ত প্রজাপতিথামিঃ ত্রিফুপ্ ছলঃ যমো দেবতা ঘমছাপনে পুজনে চ বি৽। ও স্থাৎ স্থ পন্থাং প্রদিশং ন এছি इंडारमन आंध्रामिस्म। घुर त्मा जारी उद मिरवडान्य हिंतगान्युन आक्रितमक्षितिः क्रमही (मामकाभाग भूकान 5 वि॰। अँ वग्न भाग बाउँ उप मनखसू विष्य । श्राकावत्तुः धिवृद् जिन्नग्रदम ड्मार राम्। भूषा त्ना यथा त्रममाममहूर्य त्रिक्ति भाषूत्रम्बः षख्रा (यः २६, ज्य ००३४) इंछारमन क्यानग्रीमानम्। बाछात्रिम्छान्य भर्माविक्ष् हमः महिम्म । स्वापि मकर शुक्रम्जिमिकर सन्धि (ना मध्ना साधिकः (म॰ २०, ष्र० ६०) इन अधिका अधिकाशत्म श्रमत्म हिन। अ घर त्मा अंत्र छव तम् भाष्टि শুলোনে। রক্ষ ভদ্ধত বন্দা। ত্রাতা তোকস্ত তন্যে গ্রামস্থনিধিং রক্ষমণিজ্ব ব্রভে खानरकी लाकभानाम् खाभरत्र । यतः मारमञामी यन्नभ विः भाष्यी छमः मारमा मियञा म्ह्रमहि (य॰ ७, ष्य॰ ६७) हेज्यत्मन स्मामभूमीग्राम्। ज्योभानिष्याम् र्गाजम् ছন্দঃ ঈশানো দেবতা ঈশান্তাপনে পুজনে ১ বি৽৷ ও ত্মীশান্ৎ জগতগুত্ব মন্স্তিং इत्या तम्वल इत्स्वांभीत्म श्रृकत्म विः। ७ वाजात्रिस्माविजात्रभिक्तः श्रवश्त अह्वः

क्रिगिटिश्वरमा स्वात्रः न व्याष्ट्रः। व्यटेभेष्ट्र स्कृतिस्टि म व्याभीष देववश्वराज्ञ म्या

भूकत्म 5 विः। ७ कात्मा नियुष्टिः भठिनीष्डित्रश्वतः महत्त्रिनोष्टिक्रभग्नाहि यक्कम्। वारत्रा স্কুণাৰো দেবা ইত্যক্ত প্ৰকাপতিঋ ষিজ্ঞিফুণ্ ছন্দঃ বসবো দেবতা রস্কুছাপনে পুজনে চ ৰি॰। ত সুগা বো দেবাঃ দদনা অক্ষ যআজিয়োদং সবনং জুষাণাঃ। ভরমাণা বহমানা হ্বীংষ্যমে एक्षेत्रण निश्च िक्यां नेत्य श्रेक्टन ह वि॰। छ अञ्चलम्यक्यां निश्च एखन त्यां गाँगि विहि নেন নৈঋ ত্যাং নিঋ তিম্। তত্ত্বা য়ামীত্যস্য শুনঃশেক্ষামিপ্রিষ্টুপ্ ছন্দঃ বরুণো দেবতা অহেডদানো বর্কণেছ বোধ্যক্রশংস মা ন আয়ুঃ প্রমোষীঃ (য০ ১৮, অ০ ৪১) ইত্যনেন প্রতীচ্যাৎ বরুণদ্। আনো নিযুদ্ভিরিত্যস্য বসিষ্ঠখাষিত্রিণু ছন্দঃ বায়ুদ্দেবতা বায়ুস্থাপনে जिमिन् मदत्म मामग्नम गूगर भां मिखिडिः ममा नः (संवर्भ, जवर्भ) हेजि बाग्नवार बाग्नुम्। ক্লোতু নঃ। দক্ষিণস্থাং যম্। অসুষ্ত্মিতাস্য প্রকাপতিঋষিঃ ত্রিষ্পৃ ছন্দঃ নিঋতি তক্ষরস্য। অন্যম্যদিচ্ছ সাতিইত্যান্মে দেবি নিঋ্তে তুভ্যমস্ত (য॰ ১২, অ॰ ৬২) ইত্য-বকুণস্থাপনে পুজনে চ বি । ও তত্ত্বা য়ামি প্রদাণা বন্দমানজদাশাজৈ যজনানো হবিভিঃ।

थछ तमाता वस्ति याहा (य॰ ৮, षा॰ ১৮) हिछि माञ्जन वाष्ट्रामाममाथा जाछो वस्त्रमा

मधूमठाभिमा ऋनुर्जावजी। जग्ना यक्कर मिमिक्मज्य। जेभग्नामगृशिरजारमाभिज्ञार ज्ञा अम एउ त्यानिषाश्वीक्यां था। [य॰ १, ष॰ ऽऽ] हेजीन्साधिमरश्रष्टियांनी। अमामकर्षनीश्रठ চ বি॰। এ এম্দেশ্চর্ণীয়তো বিশ্বে দেব্দিলাগত। দাখাৎসো দাশুষঃ স্তুত্ম। উপরাম-ইত্যস্য মধুচ্ছন্দা ঋষিঃ যজুরন্তা গায়ত্রী ছন্দঃ বিশ্বে দেবা দেবতা বিশ্বদেবস্থাপনে পুজনে गृहीरठाश्मि विरमेडाखा तमत्वडाः । अय ८७ (यानिर्मितमेडाखा तमत्वडाः (य॰ १, ष्म॰ ७७) কুদ্রঃ সংস্জোত্যন্ত প্রাপতিশ বিঃ অরুষুপ্ ইন্দঃ কুদ্রে।দেবতা কুদ্রপ্নে পুজনে চ भ्नाणि स्मिष्मित्रज्ञाम १ द्या किम् । विष्याम । जामिर्ज्ञास्य। य॰ ४, ष॰ ८ इज्जरन्न केनोट्नक्तरशंक्तरथा बामनामिज्ञान्। या वार कटनाज्ञा त्मधाजिथियां ियः यकु-রন্তা গায়ত্রী ছন্দঃ অশ্বিনে। দেবতে আশ্বিনয়োঃ স্থাপনে প্রনান চ বি॰। ॐ যা বাং কশা পুজনে চ বি । এ যজে। দেবানাং প্রত্যেতি স্কুমুমাদিত্যামে। ভবতা স্কুয়ন্তঃ। আ বো-(मृत्वेषु (द्राघट [य॰ ১১, ष्ण॰ ৫৪] : हे जारनन (मारमनानम्था विकामन क्रमान्। यर छ। দেবানামিত্যম্য কুংশুঋষিঃ ষজুরন্তা ত্রিফুপ্. ছন্দঃ আদিত্য৷ দেবতা দ্বাদশাদিত্যস্থাপনে उक्रमाः मरम्पका श्रीयवीर वृश्क्लािकः ममीियतः। एक्यार ভात्रतक्रम चेक्ट्रका

वित्य त्य मिदि उच्छाः मर्गरिका। नमः। (य॰ऽ७, ष॰७) हेजात्मन निश्च छिदेकनमस्य ज्ञु छ-म्।गाम्। श्वजायाण्डिजामः (मर्वा श्वयत्र ज्ञूटन्माह्णादः शक्तर्यास्य स्वजा प्रमर्का भक्तर्यारमा निश्व जिम्हा मक्ष स्रकान्। नरमांश्कु मरर्गेडा हेडामा थकांभिडिश्व मिङ बास्केष् हन्नः गर्थाः क्रांशीत शुक्रत ह वि.। ॐ साठायां छ्यां याशि भिस्विख्या गोष्या श्राप्ता करणा भूरमा नाम । म न टिअयमा. भक्का हितिमा वार्ड डिभक्षछा यहि कांक् टि जर्मम् य॰ २२, ज॰ ऽ२) हेडारिन অফি ছন্দঃ সপ্ত যক্ষা দেবতা যক্ষ্যাপনে পুজনে চ বি॰। ওঁ অভিত্যৎ দেবং সবিতারমো-८०गाः कविक्र कुमर्कामि मजामवः त्र प्रधामि शिवारः मिष्टः कविष् । ऐक् विमा मिष्टिं। व्यक्ति দ্যতৎসবীমনি হিরণ্যপাণিরণ্মিশীত স্কুতুঃ রূপা ষঃ (য০৪, অ০-২৫) ইতি মস্ত্রেণ যম-मिन्छ। अमर्ग्यामान भूकाब চिविं। ॐ नामिक्छ मार्गाखा (य कि छ भृथिवीमन्। यि जाख-ইদং ত্রন্ধ ক্ষত্রং পাতু তবৈম স্বাহা বাট্ তাভ্যঃ স্বাহা (য০১৮, অ০ ৩৮] ইত্যনেন বরুণবায়ু-মংধ্য গদ্ধ কাঞ্চানঃ। যদক্রন্দ ইত্সি জ্মদ্ধিদীষ্তমার্ষী ক্রিষ্ট্র্ ছন্দঃ কন্দে। দেবতা कम्मक्रीशत्म श्रुकत्म 5 वि॰। उँ यमक्रमः अथमः कांत्रमांन উमान् मगुम्रामूङ वा श्रुजीयोथ। ৩৪ ইতানেন অগ্রিযমম্ধ্যে সব্পতৃকান্ বিশ্বদেবান্। অভিত্যৎ দেবমিত্যস্য প্রজাপতিশ্ব মিঃ

নেশাতিথি খাষিঃ গায়ত্ৰী ছনঃ বিষঃ দেবতা বিষঃ ছাপনে পুজনে চ বি৽ ৈ ওঁ ইদং বিষ্ণ मछ भिउतः। অতীতুপত্ত পিতরঃ পিতরঃ স্থন্ধ্য্ (य॰ ১৯, ष्य॰ ७४) ইত্যেতৈর্ঘুড়িঃ দৌরিত্যস্য গৌতমখাযিত্রিষ্ট্প্ ছন্দঃ বিশ্বে দেব্ল দেব্লা দক্ষাদিসপ্তক্স্থাপনে পুজনে চ विः। ॐ जिमिङ्मिङिङ्खङिक्ष्ममिङ्मिङ्मिङ् পঞ্চ জনা অদিতির্জাতমদিতির্জনিত্তম্ [য০২৫,অ০২৩] ইত্যনেন একোশানযোধাধ্যে দক্ষাদীন্ मखे। जात्य जाब्र क्रिडामा थकामिडिश विश्व जन्मेम् इंन्हः पूर्गि मिवडा पूर्गिकामान कांन्यिजनामिनीमु (य॰ ६७, षा॰ ১৮) हे छात्मन बत्काल्यमाधा मूर्गाम्। हेमः, विक्शू तिष्णामा र्विठकारम (ज्ञाश निमास श्राम् । ममुष्टममा श्रीश्यात (य॰ ६, ष्य॰ ১৫) इंछारनम उटेब्ब বিষয়্। পিতৃত্য ইত্যস্ত প্রজাপত্যশিমরস্বত্যশাষ্যঃ সর্কাণি যজ্পি পিতরো দেবতা স্ধান্থাপনে পুরুনে চ বি॰। ও পিতৃভ্যঃ স্বধায়িভ্যঃ স্বধা নমঃ। পিতামহেভ্যঃ স্বধা-शिज्यः यसा नमः। अभिजामरम्ज्यः यसाग्रिजाः यसा नमः। जक्कम् भिज्रः। जमीम-পুঁজনে চ ৰি । ত্ৰ অন্তে অধিকে অধালিকে ন মানয়তি কশ্চন। সমস্ত্যাখকঃ স্তন্ত্ৰিকাং वक्तरमोगम्दशः कलम्। उठउदेव् नामम्द्रम निमनमीयंद्र जन्म मश्कानक। जिन्हि

यांनाद। ठक्क्याट भूनुट ८० ववीमि मा नः थकार ब्रीहित्या त्मांच बीहान् (य॰ ७६, ष्य०न) ७৫ उक्काधिमर्था यथाम्। भद्र एडाविडामा मर्कञ्रक्षमिष्ठिष्मे एक्टः एड्रास्विडा एड्रा রোগস্থাপনে পুজনে চ বি॰। ওঁ পরং ফত্যো অনুপ্রেছি পত্যাং যজ্ঞ অন্যইতরো দেব-

ইত্যনেন বন্দযমমধ্যে স্তুয়েগান্। গণানাং স্থেত্যন্স প্রজাপতিঋ্ষিঃ ত্রীণি যজুংষি গণ-

পতিপেৰত। মণপ্ৰিছাপনে পুজনে চ বি । ওঁ গণানাং ত্বা গণপতিং হ্বামছে বসো মম

एमवज वामीर श्राभटम श्रज्ञत्म চ वि॰। उँ भात्मा एमवीहाङ्ख्रिज्ञाचारमा ভवन्छ मिज्रात्र। <sup>७६</sup> ब्रम्मनिश्च जिम्ह भी भाष्मि । भाषा तम्बी तिजा स्थाङ्काथर्कन्यापिः भाषानी इन्नः जारिभा न्रर्यात् जिया वस नः (य०७५, ज०५२) हे छारमंन वस्तवक्रनगर्धा जभः। मक्राजा याध्याज्ञ নিধীনাং স্থা নিধিপতিং হ্বামহে ব্সো মম আহ্ । (য০২৩, অ০১৯) ইতি ত্রিভিধকুডিঃ जार्मकामि गर्धमा घमकामि गर्धम्। जियाना श्राधान ।

গৌতমঋষিনগিয়ত্রী ছন্দঃ মরুতো দেবতা মরুতাং স্থাপনে পুজনে চ বি॰। ভ্রমকুতো যক্ত হি क्करत्र भाषा मिरवा विमर्गः। म सुर्गाभाउरमा जनः (य॰ ৮, ज॰ ७১) रेजारमम जक्त बायुम्दशः मङ्ग्रः। त्मामा शृथिवीजाञ्च त्मशाञ्जिक्षाविः गाय्वी हन्मः शृथिवी त्मवजा

मुष्वीक्षाभीत भूकत्म ह विः। ७ तमामा भृष्टिवि तमां ज्यानुष्कन्ना मिरवर्भमी। यष्ट्रा मः নদ্যঃ সরস্বতীমপিয়ন্তি সত্রোতসঃ। সরস্বতী তু পঞ্ধা সো দেশেহভবৎ সরিৎ। (য৹ ৩৪ ष । ३३) हे जारमम जटे बर भक्षा मिनमी । हम १ महे जाय । खन ३८ मध्य मिश्वी इन्ह नर्म मख्याः (य॰ ७८, ष्य॰ २১) ट्रजारनन बन्ननः मान्मूरन नृथितीम्। भक्ष नमा ट्रजामा गुरममम्श्रासित्रस्षेष् हमः मत्रवजी मृति मित्रजा गकामिनमीष्टाभरम भूकरम ५ वि॰। ॐ भक्ष श्वभिवश्वादाहरक (य॰ २५ ज॰ ১) इंछात्मन मञ्ज मार्गदाम्। जमूनिति मान्ना मिक्षम्। वारहा मारस्थातीर देवमात्रकीमिज्यर्घो भाकीः अजिकामा रजमार मत्माकुणित्रज्यामिना थानाम् তদ্বাহো উত্তরাদিতঃ গোতমং ভরদাজং বিশামিত্রং কশ্রপং জমদ্মিং বসিস্থমতিম্ক-रिंग्ड क्षजीम्। जन्नारहा आनामिक्तार्गरेन्त्रीः क्रोगातीः बाक्षीः वात्राहीः ठांगुधाः देवम्बतीः বরুণো দেবতা সপ্তমাগরস্থাপনে প্রুমে চ বি৽। ওঁ ইমং সে বরুণ আগ্রী হ্বম্দ্যা চ ফ্ড্র। সোমাদিমমীপক্ষেণ আয়ুগ্লানি গদাং ত্রিশ্লং বজং শক্তিং দঙং থজাৎ পাশমঙ্কশম্ व्यि छिष्टी भा वार्डाकः यथानि भू अरह्म । उन्जयमारम् दिमामाञ्चर् दस्य ठाघेमलभएष निश्चित्कामानम्भटनमामिछामिधाश्मीन् खाभग्नि द्रिष्टि। তু সর্কতোভদ্রনির্মাণ্ড মণ্ডলদেবতাস্থাপন্ৎ তৎপুজন্ৎ চ বিশৈব এইবেদাামাজতে ব্যে

विवृधिकाकेमलभएष निथि उपकार्याण क्षां का प्राप्ति का किया का भाष्य विवृश्य का प्राप्ति । वाक्ष प्रति । वाक्ष प् नामां हार तार पार्य। इति मर्सर जाज्यमञ्जल एक राष्ट्रां भन्ने मनामि।

যজেহামান্ দলিধিং কুরু। উদয়ত্তং মহাতেজতেজাথিমভন্তর্ধন্য । সর্বদুঃধহরং ভক্তা। ৩১ ष्टिङ्क (फिरमम् मक्षार्थवार्थ फ्रामिन् धर्यास्था प्रिम्द्रवर्शियाविभाव । जुक भष्यलाङ्ग । मखार्यवार्गामक भष्ममृत्या वत्रयम् रेजि भिष्या। यन्तमा वका-आधिः देमनी भाष्रजी छन्नः भन्नमाञ्चाधिरम्न्वज व्यावाहरन विः। महावाम् जीनाः करमन বিখাণিত্রজমদ্মিতরছালা ঋষয়ঃ সর্বাসাং প্রজাশতিকা খ্ষিঃ যথাক্রমং দৈবী গায়ত্রী-क्ष्रामांवार्ग्नामार्ग्। ज्वार् क्रिंग वर्ग्याक कलिकविष्याष्ट्र । इक् काणाभार्गात्वा हि ফ্র্ব্যং কুলর্দ্ধিহেতোঃ। পাঘহত্ত মহাবাহে। সপ্তশেতাশ্ববাহন। আগাচ্ছ ভগবন্ ভানে। मह्खार्**७**९ मर्काकनमफ्रें । लाकनाथ् दिश्नाथ् स्थ्यायादाश्यायाह्म् वावाह्या অথাদিত্যাদীনাং গ্রহাদীনাং স্থাপনং দেশকালো সঙ্গীর্ভাযুককর্মণ্যাদিত্যাদিগ্রহাদী-नार कार्यनमर्थन क किया है ज्या होता मरकण्ये विषाय कार्याता । जमाया। अपियांक इर

क्राया त्रक्रमा वर्षमात्मा मिरवनाग्रम् छ० मर्डायः। हित्रनारम् मिरिका त्राथमा (मर्या याष्टि टेम द्राधिक टेमनी भाष्रजी हन्मार्गि । ज्यधिवाधुर्स्याः एमवजाः स्वामावाहत्न विग उ कुरमानि भन्मम् (य॰ ७७, ष्र॰ १७) ट्रिंड मज्ञार छ प्र्या ट्रेड् जिल्लिंडि वार्नीठेमरथा ভুজুৰঃ স্ব ঃকলিকদেশোদ্ভৰ কাশ্যপদণোত্ৰ রক্তৰণ স্থ্য ইহাণজ্ভ্যোবাহ্য। আরুষ্যেন-ठाउम दिव्रनाख्ये व्यामित्रमश्चिष्टिक् एकः मिविछ। प्रविछ। क्र्याष्ट्राभात विः। छ व्या

वित्रिक्ठिष्यमनमध्यकिष्ग्रां धामनाष्ट्रिल वज्रां तक्षाक्षर प्र्याः प्रकार

उँ क्षित्रांथार निमान्षिर ठाउकां ७३ मगति । उपधीनार जू ताकानर माम-মাবাহ্যাম্যহ্ম। অহেছা চক্র জগৎপ্রাণ যমুনাবিষয়োজ্ব। স্ক্রেখতাত্রেয়গোত্রেয় গদাপাণে ওঁ ভুজুৰকঃ ষমুনাতীরোত্তৰ আত্রেয়মণোত্র শুকুৰণ সোম ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য ইমং एमरा इंजामा दक्षियिः जजाधिः एमः त्यारमा एमरज। त्यांमञ्जाभरम विः। **उ**ईमर् क्कटेडं: क्यांभितादः। उत्वा मृत्माकृष्डिविज्ञामिना (भ०२८, भ०५, भ००) व्यान्यिष्ठिकार क्र्या বরপ্রদ। দুশাশ্বহিনাঘাহি উম্ঘা স্থান্মাবিশ। হতাশন্দলে দেব মস্তেণাকৈবতেন চ। ह्रवर ठक्टामीनांग्रिन।

मोस्म्। जूमिशुंखो मश्रीवृष्ट् एडक्यी त्या एत्रक्रतः। अपिष्टिः खुरामानः ७५ ट्यामावार्ताः व्यश्चिम् क्षा फिनड कक्ट्रेशिडः शृथितां व्याम्। व्यभार त्राजार्म किमणि (य॰ ७, ष्य॰ ১২) (য০ ৯, অ০ ৪০) ইতি মন্ত্রাতে সোম ইহ তিষ্ঠেত্যায়েদলে চতুরত্রে শেতে চতুরিংশাকুল छ भत्रभी गर्जमर जूजर निवासिकाकर स्वर्थनम्। कुमांतर क त्रक्तांगर छोममावास्ता-इंडि मुखाएउ ट्लीम इंक् जिटकेंडि मिक्किनम्टल बिटकारन बाक्करल उद्धाम स्पर्गाणि उद्धांमा स्मिममाक्रा कम्मोरम्य उछि । स्मामा श्रीयिषियास्य । सम्मामा अधिकि । অগ্নিমুর্দোত্যস্য বিরুপাক্ষ খাষিণায়ত্রী ছন্দঃ অঙ্গারকো দেবতা অঞ্চারকস্থাপনে বি৽। ওঁ इममगूषा शूजमगूरेषा शूजगरेमा विन अय (वाश्मी वाका माम्मायमाकः बामानां वाका मार्स् । উक्कांत्रिनार ममूर्भनातिक (छोम ठिषुष्ण । छत्रघोषक्रल कांउ मे्लभिक्शिनाथत । দেবা অসপত্রং ক্রক্ষং মহতে ক্র্রায় মহতে জৈজ্যায় মহতে জান্রাজ্যায়েন্দ্রোন্দ্রয়ায় मुखरम स्प्रां डिमूथर स्माम् स्थिङमुष्मां करेडः स्रोभरायः। मूबर छोमर ब्रक्तश्रकांकरेण्ड खांशराव । . जै पूथर वृष्ति श्रिमाञांदर भागियर भावियक्षिनम् । यक्षमानि हिञापांत्र वृषमाना ह्यामाहम्

বরদ সিংহস্থ প্রবণতি সমাবিশ। বিষ্ণুমন্ত্রীশপত্রে চইদং বিষ্ণুপ্রপুজিত। ওঁ ভৃজ্বঃ भत्रत्मकी शामिजिकुम् छन्नः त्रुषा त्मन्जा त्रम्काभत्न विशा छ उष्नू शामात्म अधिकागृष्टि অহে। চল্দস্ত জীমন্ মগংধমু সমুদ্ধব। অত্তিগোত্র চতুৰ্কাছে। খড়াখেটক ধারক । গদা-<del>ষঃ ম্গাধদেশো</del>দ্ভব আঁতোয়সগোত্ৰ পীত্ৰণ বুধ ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য উদুধ্য**ষা**গিইত্যস্য

সীদত .(য০ ১৫ অ০ ৫৪) ইতি মন্ত্ৰান্তে বুধ ইহ তিষ্ঠেতি ঈশানদলে বাণাক্তে) পাতে चिमिष्टाशूर्ट मः स्टब्बथामग्रथः। जिमिन् मधर्ष्य ज्यूराज्जिमिन् वित्य मिना यक्षमानक

ठ्डूत्रकूलम्खरल स्प्रीज्यूषं दूषः भी उभूकाफ्कटेडः खाभरायः।

मावार्ग्नागर्म। जार्म वाज्जात्व भी जमश्कां मिन्नुमधान। बर्गक्तिमानीत्वम स्माक वृष्टिक्षाकार्कार्विक्तःश्रात्व (प्रवानाः या ककः मृष्डः। जिमक्यमञ्जिषः चन्त्रा कक्मा-সুৰক্ষসদ্। শুজ্ঞ কলসংখ্যৰ পাণিভ্যামিছ বিভাত্দ্। বৃহস্পতে সমাগজ্ যজেহসিম্ मन्निधि कुक । स्मक्रमृप्ति गंजामिन्जारम्बजानाः शूरबाह्जिम्। जामानामाः हिजायीत्र धक-বাহয়াম্যহম্। আবাহয়ামি দেবেশং গুকুৎ ত্রিদশ্বন্দিতম্। হেমগোরোচনাবর্ণং পীনক্ষন্ধং

ওঁ ভুভূবঃ ষঃ সিমুদেশোন্তব আলিরসসগোতা পীতবণ গুরো ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য বৃহ-उच्च का मधाक्तर्यवदत्रमक्ष्यक्त वाट्या। गाखरेशत्का मरश्का विधिमम् खात माला।

उद्गाञ्ज प्रविष् ८४ हि छित्र (य॰ २७, ष्य॰ ७) हेि मञ्जात्व खात्र हेर जिले-ত্যুত্তরদলে দীর্ঘচতুরত্রে স্বীতবর্ণে ষ্ডৃস্থুলে সূর্য্যাভিমুখ্ রহস্পতিং প্রীতপুষ্পাক্ষিতৈঃ ওঁ বৃহস্পতে অতি যদর্যো অহাদ্দুাম্দিভাতি জতুমজ্জনেয়। মদীদ্যচ্ছবস্থাতপ্রজাত স্পতে অতীত্যমা গ্ৰমমদ ঋষিস্তিত্ৰ হন্দঃ বৃহস্পতিৰ্দেবতা বৃহস্পতিস্থাপনে বি

য়াম্যহম্। জুল্যতেজঃপ্রভাশ্রঃ দান্বানাং পুরোছিতঃ। তেজ়োহা সর্বশত্রুণাং শুক্রমাবাহ. ৩৮ অন্ত্ৰ প্ৰিঅ্ড ইত্যস্য অশিসরস্থীক্ৰাখ্যয়ঃ লেতিজগতী ছন্দঃ শুকো দেবতা শুক্ত-ख ष्ट्रभूषः यः ভোককটদেশোদ্ভব ভাৰ্গবস্বাোত শুক্রবণ শুক্রইছাগচ্ছেভ্যাবাহ্য ত প্রবিচ্চে কঠরে শক্তোনিস্তঃ পুনরেব য়ঃ। তৎ স্বরারিগুরুং ভক্তা শুক্রমাবাহ-রাম্যহ্য। ভো ভো ভোজকটেজাত শুক্ত খেতাখবাহন। সমাগচ্ছ চতুর্ধাহো ভূগুগোত্র-विज्य। भित्रांकावनीश्य कमधनुधते थाजा। भाकवम् भूर्षभावश्व भितिरावम भूषि क्राभट्डाद

आउडन मङागिन्सिशः विभानः शुक्रमन्तम इन्मरमान्दिग्नमिनः भर्गाश्यङः मधु (य॰ ১৯, ज्य०१৫) हेजि मञ्जारिक खक हेर जिस्कृति शूर्समरल भिक्षांत्र नवाङ्गरल स्वांगिष्ण्यं शुक्रः স্থাপনে বি০। ও অন্নাৎ পরিস্তুতো রসং ত্রন্ধণা ব্লাপিবৎ ক্ষত্রং পয়ঃ সোমং প্রস্থাপতিঃ। ख्रिन्न भुक्ताकटेड व्हाभरत्र ।

চ ममांगेष्ट वहासा गृथुवाह्म। शाकांभट्डान मरश्र्का यमवन् भिक्टिम मट्या । ॐ जूजू वह স্বঃ সৌরাফ্দেশেস্তব কাশ্যপদগোতা ক্ষণ্ডবর শানেশ্চর 'ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য শন্মে দেবীরি-उन्ना म्थाङ्खाथर्वन श्रायनाग्रजी ख्नाः नानिरम्वण नटेनक्ष्यशास्त विः। उँ नद्या मिनीति चिके त्र आप हिन्द की जा । भार त्यां विष्यु न ख । क ७ ७ ४, व ० ५२) हिन অহে। সোরাষ্ট্রসংজাত ছায়াপুত্র চতুতু জ। কৃষ্ণবণাক্রোত্রেয় বাণহত্ত ধক্ষর। ত্রিশ্লী मजाएन मोरेन्क इस् जिल्लिज भिक्तमहान घाष्ट्रान करम पंजाकिण्यभएन थाष्ट्रां उ धर्माहाङाङ्कः ८४वः चित्राक्षनममथन्। हांग्रामार्जस्मञ्जः मनिमार्वाङ्गमग्रह्म । কৃষ্ণাক্ত কৃষ্ণবৰ্তীত ক্ৰেণ্ডাণ্ডিবলবাং তথা। শনৈশ্চর নিরীহেশ শনিমাবাহয়াম্যহ্য। नानिः क्रम्भश्रकाष्क्रेटेडः स्थिति ।

হুমু। রাহো বর্পরকে দেশে সংজাত কায়বজ্জিত। গোত্রীপাসোন্মহোহি সিংহারাচ বর-কিন্ত্ৰ-ইত্যস্য বাষ্দ্ৰেবখাষিপায়তী ছন্দঃ বাছ্পেবতা রাছ্স্থাপনে বি । ত কয়ানশিচত্র बांकुरमूजी ममा इषड मथा। कहा भागिकहा इछ। (म॰ २१, ष॰ ७२) देछि मखोर छ दारहो भारम्। विष्णुनाथ भार्तान्छञ्चा धर्हावश् ममाङ्ग्यम्। উधान्छश् প्राष्ट्रमावार्शामा ইহ ভিত্তেতি নৈখ ত্যদলে শ্ৰণিকারে ক্ষেণ্ড ঘাদশাস্থলমণ্ডলে দক্ষিণামুখং রাত্তং কৃষণ-উ চক্তেণ ছিম্মুদ্ধান্থ বিষ্ণুনা চ নিরীক্ষতম্। সৈৎহিকেয়্থ মহাকায়্থ রাজ্মাবাহ্যা-उ जक्षमां भर्गातो प्रश्नित वह जन भर्गिस्। गर्शक्र कुनक्षां १८ कङ्मावार्गमा थि । कड़ानवम्न (खेळ कानक्रमाळुनथ्छ। (छोज्यायन माखन भूषा रेन्थं छम्बार পুষ্পাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ।

ওঁ ভূড়্বঃ স্বঃ অন্তর্পেদিসমূদ্বা জৈণিনিস্গোত্রীশিচত্রবণাঃ কেতব ইহাণিছতেত্যাবাহ্ হৃষ্। কেতবো বিবিধাকারা মলয়াদ্রিসমূদ্ধবাঃ। দিতুজা জৈমিনেস্থিতে গদাহস্তা বরপ্রদাঃ আগিচ্ছন্ত চ গ্রহাঃ শোভনে মারুতে দলে। বন্দজন্তানংমন্ত্রেণ চিত্রগুপ্বদ্চিতাঃ

.

ওঁ ভূড় বঃ ষঃ ফ্রাাধিদেব ফুদ্র ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য ত্রামকমিত্যস্থ বসিষ্ঠখাষিঃ অনুষ্ঠুপ্ ছন্দঃ উर्वाक्रक्षिय वन्ननाम् ट्यामू क्षीय गण्याद (य॰ ७, ष्य॰ ७०) इं ि मञ्जात्य क्ष्राधित्मव বণ্পুচ্চাক্ষিতঃ স্থ্যাভিমুখান্ কেন্ট্ন্ ছাপায়েৎ। কেন্তুনাং বছত্ত্বপি পুজাদে। বছত্ত্ বি০। ওঁকেতুং ক্লুমকেত্বে পোশো ম্যা অগৈশাসে। সমুষন্তিরজায়ধা (য০২৯, অ০৩৭] বিশিষ্টমেকমেব দেবতাত্ত্বমতএকদাপুজনাদি। স্থ্যাদয়শ্চ ্যথোজকুসুমাক্ষতাভাবে যথা-্ত অথাধিদেবতাঃ সর্কাঃ শেতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপয়েৎ। ওঁ এম্বেছি গোরীশ পিনাক-কেতুৎ ্কণু দ্বিত্যস্য মধুচ্ছন্দা খাষিঃ অনিক্ললা গায়ত্ৰী ছন্দ্ৰ কেতবো দেবতা কেতুছাপনে ইতি মন্ত্ৰান্তে কেতৰ ইহ তিষ্ঠতেতি বায়ব্যদলে ধ্ৰজাকারে চিত্ৰবূৰ্ণে যড়স্থলমণ্ডলে ধ্ৰ্ম-जासका क्राम (मवर्ग क्रम्थानीका विग विग के जासकः यकामार्थ, स्रामित शुक्तिकाम्। পাণে শশাঙ্কমেশলৈ ব্যভাধিরত। দেবাধিদেবেশ মহেশ নিত্যৎ গৃহাণ পুজাৎ ভগবন্নমজে शक्षांधत महारमंत्र भार्त्तजी भागवहाज। जागक जगवहीम यरख्वभित् मिनिधि कुक রুদ ইহ ডিগ্রেতি ফ্র্যাদুতরতো রুদ্রং শুরুপুজাক্ষিতৈঃ জ্বাপয়ে। न्तिकार्यक्रिक क्रिकार

8

ॐ ज्यांवाङ्गांगाङ् (मवीः हिम्पर्किजमञ्जवाम्। तमि घः मर्कम् (मवा) यर छङ्गिम्

নারায়ণপুরুষখাসিত্রিষ্ট্প ছন্দঃ উমা দেবতা উমাস্থাপনে বি॰। ও জীৎ তে লক্ষ্মীশ্চ महेवा। (य॰ ७५, छे॰ २२) हे जि मज्ञार छ ठक्मा थिएन र छ । छ छ छ छि । जायम क्किर সন্নিধিং কুরু। ও ভুজুবঃ ষঃ চন্দাধিদেবতে উমে ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য আশিচ ত ইত্যস্য भन्नावरहाद्यात भार्ष नक्ष्वानि जभमिरमी व्यान्त्र। हेक्शिवानांगुर भट्यान मर्बरलांकर উমাৎ শুক্লপুষ্পাক্ষরৈতঃ স্থাপয়েৎ।

मन्निषि कूक। ॐ कूक् वः यः ভोमाथिएम् कम्म हेश्गिएक्जावाहा वमकम्म हेजामा ভानीत्वी कमनिशिमिष्डमात्र्यी जिष्ट्रेश् कुमः कत्मा प्रविज्ञा कम्कूषित्न विश छ यम्कुमः সমন্বিতম্। ময়ুরবাহনং শক্তিপাণিং বৈ বন্ধচারিণ্য। আগচ্ছ ভগবন্ কন্দ যজ্জেহসিন क्षथम् कांग्रमान उत्तान् ममुम्मित् व। श्रीवाद। त्मानमा श्रम्भा रिविभा वार्च उश्चितार ः ও আবাহ্যামি 'দেবেশং ষণ্মুখং ক্তিকাস্তম্। ক্দতেজঃসমুদ্ৰতং দেবসেনা ভৌমদক্ষিণভাগে কব্দৎ শেতপুষ্পাক্ষইতঃ স্থাপাঁয়ৎ।

ď

• ঔ আবাহরে তং গরুড়োপরিছিতং রখাদ্ধদেহং স্ররাজবন্দিতম্। কংসাত্তকং

স্থাপনে বি । ওঁ বিষ্ণোররাটম্সি বিষ্ণেঃ শুপ্তে স্থো বিষ্ণেঃ স্থার্মি বিষ্ণোধ্র বোইসি গচ্ছেত্যাবাহ্য বিশ্বেধাররাটমসীত্যস্য প্রজাপতিশ্ববিশ্বজিশ্বিক্লিবতা বিষ্ণু-जानक ভनवन् विस्था यस्ज्यिन् मिन्सो जव। ॐ कूक् यः यः तूर्पिषरम् विस्था हेश-চক্রণদাজহন্তং ভঙ্গামি দেবং বস্তুদেবস্থ্য। পদ্মণাভ ক্র্যাকেশ কংসচাত্রগদ্ন

टेनक्षरमंभि विकृत्व भ्रा (य० ६, ष्य० २०) हेि मञ्जात्य तूर्याधितम् वित्यः। हेश जित्त्रेजि ত এহোছি বিপ্রেক্ত পিতামহেশ হংসাধিক্ত ত্রিদশৈকবন্দ্য। বজোৎপলাভাস বুধপজিচমভাগে বিষ্ণুং কোতপুজ্গাক্ষতৈঃ স্থাপায়েৎ।

जानक एम दाम दन विकास मित्र मित्र । उँ कृष्ट्र वः स्कों निश्म अमिश्न होना हक् অনেক্ত্রতকর্তারং সর্কেযাঞ্ পিতামহ্ম। বিশ্বরূপং নিরাধারং নিরালয়ং নিরাময়্ম। ত্যাবাহ্য আ বন্ধরিত্যস্য প্রজাপতিখাবিশ্ছদোহভাবঃ বন্ধা দেবতা বন্ধহাপনে বি৽।

ওঁ আ বন্ধন্ বাদ্ণো বন্ধক্সী জায়তামার্টে রাজন্যঃ শ্র ইয়ব্যাইতিব্যাধী মহারধো

85

যজ্মান্স্য বীরো জায়তাং নিকামেনিকামে নঃ পার্জন্যো বর্জু ফলবভ্যোন ওষধ্যঃ कांत्रजार माग्यो (धन्नरक्षांग्रान्ज्रामाणः मथिः शूर्वान्नर्याय कियः, त्राध्येः मरज्या युवांक भागाचार (योगरक्करम् नः कण्मेजाम् (य॰ २२, षा॰ १२) इंजि मखोद्ज कीर्वाधरम् बर्माभ्रम् जिस्कि कि स्वार भूक् कारन वक्षां कि स्वेज्य कार्क छ था है।

छ मरकाया इंच्य मगरना मक़ष्टिः माम् भिव व्जरा मृत विषान्। कार् मज्रुंतभस्रया उँ परकाशिक गर्काधिक मस्यत्म जिम्हेमक प्रका। महीयां मोक यात्र मिठाः गृश्। गुकाः उभवमभाखः। मितिभाउ महावार्शः मस्विज्ञभञ्जितः। आगिष् ভগ্ৰমিন্ত যজেহামান্ সমিধিং কুফ। এঁ ভূতুৰঃ স্বঃ শুকাধিদেৰ ইন্তা ইহাগচ্ছেতা।-রূপ-গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমত্তে। চিত্রগুণাদিসংযুক্ত দণ্ডমুদারধারক। আগিচ্ছ ভগবন্ বাহ্য সজোষ। ইত্যস্য বিশামিত্রখাষিপ্রিফুণ্ ছন্দ ইন্দো দেবতা ইন্দ্রগণনে বি৽। নুদ্ধাথাভয়ং ফ্রণুছি বিশ্বতো নঃ। (য০ ৭, অ০ ৩৭) ইতি মন্ত্রান্তে শুক্রাধিদেব ইন্দ্র ॐ এহে श्रिक मुखायूध धर्मात्राक कानाक्षमाज्ञाम विभानात्म्य । विभानवमाध्यम (त्रो ख-ड्र िटिकें शिक्य क्ष्मिं क्षार्य क्षार्य क्षार्य हो निराधना.

ঋষভশ্নষিশ্ছদেশ্ভাবশিচত্রগুপ্রে। দেবতা চিত্রগুস্থাপনে বি॰। ' ওঁ চিত্রাবসো স্থিতি তে धर्मा वास्कृतिम् मिन्निष्ट क्रका अं जुजूवः क्षः भरिमक्रताधित्व यम ट्रागित्क्रता-वाहा यमाम्न वाक्तियट हेजामा म्याङ्काथर्काथायिन्कान्नारवां यामा (म्वजा यम-उँ कुर्ज् द अप द शार्या तियाम व काल हे हा भएक जावाहा कार्सित भी जामा श्रकामि जिस वि इक्रके्थ. हमः कारमा (मंदठा कानकाशात दि॰। उँ कार्यित्रि मभूष्रमा घाष्किणा छेत्र-এ ভূবভূবঃ ষঃ কেতুগাহাধিদেব চিত্রগুপ্ত ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য চিত্রাব্সো ইত্যম্য आंधि। ममारमा अस्तित्रां मरमायथी जित्तायथी । (य॰ ७, ज॰ २৮) हे जि मछा ए त्रारश স্থাপনে বি৽। ওঁ ঘমায় ত্রাজিরস্বতে পিতৃমতে স্বাহা। সাহা ঘ্রায় সাহা ঘর্মঃ পিত্র (য০ ৩৮, অ০ ৯) ইতি মন্ত্রাতে শবৈশ্চরাধিদেব যমইহ তিপ্তেতি শনেরাধীয়ভাগে গুরু-র্ষিদেৰ কাল ইহঁ ডিপ্রেডি রাহোরীশানভাগে শেতপুষ্পাক্ষতৈঃ কালং ছাপয়েৎ। शुक्रांकटेटर्भः ष्टांभरत्।

পারমশীয় ইতি মন্ত্রাহে কেতুর্যাহাধিদেব চিত্রগুপ্ত ইহ ডিপ্রেতি কেতুনিশ্ব তভাগে পেত

भूष्णांकटेडिकिव्यक्षरः क्षांभरत्र ।

ঔ এহ্যেছি সর্কামর হ্ব্যবাহ্ মুনিপ্রবিগ্রভিচেচ্চ্ভিকুট। তেজোবতা লোকগণেন मार्किः ममाध्रतः माहि करव मगर्छ। ७ जूजू वः यः प्र्यायाजाधितम्व जार्ध हिरान-

वि॰। ॐ जाधिर मूज्र शूरबाम्रस स्वावास्भूभं कत्व। तम्बाँ जामामृशामिस (यरर, ज्ञांत्र) ইতি মন্ত্রান্তে ফ্রাঞ্ত্রাধিদৈনত অগ্নে ই্ছ্ তিপ্রেতি ফ্র্যতদ্ধিদেবরোশ্বধ্যে শেতপুজাক্ষ-চ্ছেত্যাবাহ্য অগ্নিং দূত্মিত্যস্য বিরূপাক্ষ্মিথিগায়ত্রী ছন্দোখ্রিকেবত। অগ্নিস্থাপনে उंजियि स्रीभेत्रद्र।

আপো হিঞ্চ্যেস্য সিন্ধুদ্বীপঋ্ষিণ্যিত্রী ছন্দ্আপো দেবতা অপাৎ স্থাপনে বি৽। <sup>8২</sup> उँ जारमा हि की मरग्नाष्ट्रवङ्गा न डेटर्ड्ड मथांजन। मरह त्रगांत्र চक्करम (य॰ ১১, जा॰ ৫०) . ভ' আপজোগং তথা পোলং পুষরং বারি কথ্যতে। আপো ছি স্তেতি মস্ত্রেণাবা-হয়ে দোমপদিচমে। ও ভুজুবঃ ষঃ দোমপ্রত্যধিদেবতা আপঃ ইহাণচ্ছতেত্যাবাহ্য ইতি মন্ত্ৰাতে সোমাধিদেবতা আপ ইহ তিজতেতি খেতপুজাক্ষ্ঠতঃ সোমতদ্ধিদেবতয়ে भारभा जर्भः स्राभित्यद् ।

(य॰ ৫, ज॰ ১७) हिंछ गङ्गात्छ तुष्ये छाषिरेमवङ नातायन हेर छिरछे छि नातायन दुष-আগিচ্ছ ভগবন্দেব যজ্ঞেপমিন্ সলিধিং কুরু। ଓ ভূতুবঃ সর্ধপ্রত্যধিদৈবত নারায়ণ ইহাণচেছত্যাবাহ্য ইদং বিষ্ণুরিত্য্য মেধাতিথিখ বিশায়ত্রী ছদো নারারণো দেবতা नांत्रांत्रांश्यांभरन विक। उ हेम् विक्युर्सि हक्तान (ज्यां निम्दं भाम्। मगुरुममा भार द्वात टम्वण श्थिवीक्षाश्यम विः। ॐ त्माम्ना श्रीयवि त्ना ज्वान्क्षा निव्यम्। यक्षा नः भर्ष ভ আবাহয়ে তং গরুড়োপরিছিতং রমাধিদেহং স্বরাজবন্দিত্য। কংসাত্তকং ठकानिष्ड्यः एकाभि तन्यः वद्यानवस्त्रम्। भाषानां स्त्रीतन्त कः मठाव्यमम्। मथथाः। (य॰ ७६, ष्य॰ २১) इंजि मज्ञात्क मक्षनाधितम्बर्ग श्रीथित इंश् जित्विजि श्रीथती॰ क्रनाधिरम् बर्ड भिषि इंश्नीरष्ट्र ड्यानास्य त्यारन्जामा त्यथाजिषियं विभाष्त्री हन्तः शिषिती শ্বেতপুঞ্চাক্ষতৈঃ মঙ্গলতদ্ধিদেবয়োর্মধ্যে স্থাপায়েৎ। তদ্ধিদেবরোর্দ্ধধ্যে ধেতপুষ্পাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ।

শাল্লিপুক্রৈঃ। এহ্যেছি পৃথিবি দেবি যজেহালান্ সন্নিধিৎ কুক। ওঁ ভূভূবঃ স্বৰ্ম-

उँ प्रार्था ह र्जम भाषाधिका महत्यत्न जिम्हेर्य क्या भाष्टी भाष्ट भाष्ट

দ্ধ্যভ্তাথৰ্কণ্মধিক্তন্দোভাবইন্দাণী দেবত। ইন্দাণীস্থাগনে বি০। ওঁ অদিতৈ। রাকা-. ঔ ভূড়্বঃ ষঃ শুক্রপ্রতাধিদেবতে শচি ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য অদিট্তারামানীত্যস্য मील्माना उन्धीयः शुर्यामि यसीय मीष (य॰ ७৮, ज०७) हेि बन्नात्व एक थारिपन्त . जीनार कशखीनार भाकरण यस्याम्। (य००१ ज०८०) हिण्मितार कीववाजापिरेमत् हेस ॐ बारक्राष्ट्रि विरायास्य ध्राभारंत्रमं क्ष्माधिकां जिम्टेनोक्त्रमा। तात्काष्येनांचाम বি০। ও ইন্দ্রতাসাং নেতা, বৃহন্দাতির্দক্ষিণা, যজঃ প্রএতু সোম্ঞ। দেবসেনানামভিভঞ্জ-অনেক্ত্তক্তারং মর্কেষাঞ্চ পিতামহ্ম। বিশ্লুরূপং নিরাধারং নিরালয়ং নিরাময়ম্। ৪৩ নিত্যং গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমস্তে। শদীপতে মহাবাহো সর্বাভরণভূষিত। আগচ্ছ ভগবলিতাং যজেহামুন্ সমিধিং কুক। ও ভুভুবঃ স্বজীবপ্রতাধিদৈবত ইন্দ ইহা-भरष्क्छावाहा इन्द्रामाभिष्णमा अन्नाभिष्भं विखिषुं एक इंद्या (मवर्ष) इन्द्रम् কুশামুহ্ছ গৃহাণ পুজাং ভগবন্ধমত্তে। আবাহ্যাম্যহং দেবং দেবেশঞ্ প্রজাপতিম্। শচি ইহ তিষ্ঠেতি শুক্রতদ্ধিদেবয়োশ্মধ্যে শেতপুষ্পাক্ষতৈঃ শচীৎ স্থাপরেৎ। क्ट जिल्ले जिन्छम्थितम्बरम्बरम्बरम्बरम्भाक्तिक्या कार्यास्त्र ।

কামাজে জুত্মস্তন্ত্রো অস্ত বয়ং স্যাম পত্রোরগ্রীণাম্ (য০ ১০, অ০ ২০) ইতি মন্ত্রান্তে শনি-প্রজাপতিছাপনে বি৹। ওঁ প্রজাপতে ন ত্বদেতান্যন্যো বিষারশুণণি পরিতা বভূব। যৎ প্রত্যধিদৈৰত প্রজাপতে ইহ তিপ্রেতি শনিতদ্ধিদেৰয়োর্মধ্যে প্রজাপতিং তৈঃ স্থাপ্যেৎ।

আগিচ্ছ দেবদেবেশ যজেইমিন্ সমিধিং কুরু। 🙎 ভুতুবঙ ষঃ শানিপ্তাধিদৈবত প্রজা পতে ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য প্রজাপতে ইত্যস্য হিরণ্যগর্ভ্ঝযিষ্ঠিপ্ ছন্দঃ প্রজাপতির্দেবতা

😅 নমোহস্ত সপেতিনা যে কেচ পৃথিবীমন্ত । যে অনুরিক্ষে যে দিরি তেভ্যঃ মপেতিনানমঃ . उ जर्हाह् नारभेन्द्रश्रायरतम मर्सायदेवस्मिल्भामभाषा नामाक्रभाष्ट्रभामभाष्ट्रमाम গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমত্তে। আশীবিষসমেশপেত নাগকন্যাবিরাজিত। আগচ্ছ নাগ্রাজেশ (য০১৩, অ০৬) ইতি মন্ত্রোত্রোত্রতাধিদেবতাঃ সপ্। ইহ তিষ্ত্ততি রাত্তদ্ধিদেব-কর্কোটকশ্চ পদ্মশ্চ মহাপদ্মস্তবৈধ্ব চ। শশ্বপালশ্চ কুলিকো নাগান্টকমুদান্ত্ৰ্য্ ইত্যুক্তা যজ্ঞেথমিন্ সলিধিং কুক। তুঁতুত্বঃ ষঃ রাজ্পতাধিদেবতাঃ সপাহিহাগজ্ভতেতাবোহা ৰলে। জ্ঞান্ত সংগ্ভা ইত্যেস্য প্ৰজাপতিঋ বিৱন্ত পূণ্ছন্দঃ স্প্দেৰতাঃ সপ্জাপনে বি৹। য়োশ্বপ্রে সপান্টভঃ স্থাপ্যেব। তে চ সপাঃ অন্তোবাসুকিলৈব তক্ষকণ্ট ত্তীয়কঃ।

जू बाञ्च किः। उक्ककः मञ्जनः विमाद दूधः कर्ति। हैः ज्या। शंघः वृहम्भाजः विमाद महा-পদাৎ তু ভাগবন্। শজাপালং শনিং বিদ্যাৎ কেতুং কুলিকমেব চা নাগাঃ স্ব্যাদিরপাজ বেদিতব্যাঃ। তেবাঞ্চ ক্রমেণ স্থ্যাদ্য ইতাহরপতা। অনন্তং ভাঙ্করং বিদ্যাৎ সোমো রাজ

ত্যাবাহ্য ত্রদা জ্ঞানমিত্যস্য পৌত্মখাযিত্রিষ্ট্পু ছন্দে। ত্রদা দেবতা ত্রদাস্থাপনে বি৽। সভশ্চ যোনিমুসতশ্চ বিবঃ (য০ ১৩, অ০ ৩) ইতি মন্ত্রাতে কেতুপ্রত্যধিদৈবত একান্নিছ भामुह्छ शृंहां। श्रेजार जावन्नगट्छ। जावाह्याग्रह् तिवर तित्नांक थालांशिष्म। अत्न-দেবদেবেশ যজ্ঞে ইমিন্ সন্নিধিং কুরু। ও ভূতুবঃষঃ কেতুপ্রত্যধিদৈবত বন্ননিহাগচ্ছে-ত বৈশ্ব জত্তানং প্ৰয় প্ৰতাদি সীমতঃ স্কচোবেন আবঃ। সবুগ্ৰা উপমা অস্য বিষ্ঠাঃ কব্রতকর্তারৎ সর্কেষাঞ্চ-পিতামহণ্। বিশ্ররপং শিরাধারৎ নিরালয়ৎ নিরাময়ণ্। আগচ্চ . . . . जे. वार्याष्ट्र-विरायास्य मिलागर्य रूपावित्र विपद्भावित्र । इत्काद्रभेनांचाम क् জাধিদেশতা বামপার্যের তু প্রত্যধিদেবতাঃ স্থাপীয়েদিত্যপ্রেকে। नारहाः अज्यिक्तिन्जाः।

দুরিতাত্যামঃ (ঋ১অফ, ৭৯০পু) ইতি মন্ত্রাত্তে লোকপালে দুর্গে ইহ তিপ্রেতি শনেকতর-मन्निधि कूक । ७ जुजू ४३ यः लाकभात्न मूर्म इश्नीरक्ष्णावाहा जाउदिमरम . छै ष्यांबाहग्राग्रह्थः (मदीश विभन्तिजमञ्जवाम्। (मवि ष्रश्न मत्त्रां) यरब्बशियान् ङ्जामा कांगाभक्षाियञ्जिले म् हत्म। मूर्ना त्मवजा मूर्नाक्षांभद्भ दिः। उ जाज्दमहम ञ्चनवाम সোমमजाতी यट्डा निम्हांडि द्वम । मनः शर्यम्डि मूर्गानि विश्वा नार्वय मिन्नु ह्वागट् वटमा मम ष्याह्मकामि गर्वधमा घमकामि गर्दधम् (य॰ २७, ष्य॰५३) हे ि मह्यार छ भनमाथ वृश् या खार्याम् मिन्द्रियो एव। ॐ कुकू वः यः लांकभाम भनभाउ हेश् मिक्ठावाहा পণামাৎ ত্বা গণপতিৎ হবামহে প্রিয়াণাং ত্বা প্রিয়পতিৎ হবামহে নিধীনাং ত্বা নিধিপতিৎ লোকপাল গণপতে ছহ তিষ্ঠেতি রাহোক্ষত্তরভাগে গণপতিং শ্বেতপুষ্পাক্ষিতৈঃ স্থাপ্যেৎ। গণেশং ভজামি রৌদ্রং সহিতং চ সিদ্ধা। লম্বোদ্র মহাকার গজবন্দ্র চতুতু জ। আগচ্ছ গণানাং ত্বেভাস্য প্রজাপতিখ বিশ্তন্দোহভাবঃ শণপতির্দেবতা গণপতিস্থাপনে বি৽। এ ে • ওঁ আবাহ্যে তং গণরাজদেবং রজেংপুলাভাসমলেশ্যবন্দাস্। বিন্নান্তকং বিশ্বহরং कारम मूर्नाः त्यंत्रम्याकरेतः खांभराव।

**8** 

উদ্দিশো দিগ্ভ্যঃ ষাহা (ষ০ ৬, অ০১৯) ইতি মন্ত্ৰান্তে লোকপাল আকাশ ইহ তিপ্ৰেতি প্রাল বায়ো ইহ ভিপ্তেতি স্ব্রোভরভাগে বায়ুং পেতপুজ্ঞাক্তিঃ স্থাপ্রেথ।

এ ভুতু বঃ মলে কিপাল আকাশ ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য য়তং য়তপাবান ইত্যস্য প্রজাপ্রত্যমিক্তাবাহ্য যুত্র যুত্র মলে কিপাল আকাশ ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য যুত্র যুত্রপাবান ইত্যস্য প্রজাপ্রত্যমিক্তির বিশ্বত ব্যাং ব্যাপাবানঃ পিবতান্তরিক্ষন্ত হবির্ষি স্বাহ্য দিশঃ প্রদিশ আদিশো বিদিশ

ভুতি দিশো দিশ্ভ্যঃ স্থাহা (য০ ৬, অ০ ১৯) ইতি মন্ত্রানে পাল আকাশ ইহ তিপ্রেতি ও ভুজুৰঃ স্বলোকপালাবাশিনাবিহাগজ্জনিত্যাবাহ্য যা বাংকশেত্যস্য মেধাতিথি-व्यांवाङ्ग्रामि (मटवनार जुजानार (मर्थाजिगम्। मर्त्वाधांत्रर महारवनार स्रांवाहनमीष-<u> इम्। थफ़ोङ्खः महोत्वर्गः टेज्लाक्रोख्डात्रिगम्। जागक्ष ७भवम् वारम् यटक्रभुमिन</u> मिन्निषि कुक । उँ कुकू वं यरमांक्यों न वार्या है हांगरिक्च आवाहा वार्या (य ए इंजामा भ्रष्मभमक्षिषिनीम्जी इत्मा वाग्नुत्मिवजा वाग्नुकाभारन दिः। अं वार्षा (यरज मर् चिरा अर्थामस्डि डिजागिरि। नियुर्जे। मामभी उत्त (य॰ २१, ष॰ ७२) हे डि मखास्ड लाक রাছদক্ষিণভাগে আকাশং শেতপুকাক্ষিতঃ স্থাপ্যেথ।

अ विभी ग्रजी इक्ट जा चिटने एम बट जा चिन शामित विश । उँ या वार कमा मधुम छ। चिना

ত্রাতারমিত্যস্ত গর্ণমাধিস্তিষ্ট্রপ্ ছন্দঃ ইন্দ্রো দেবতা ইন্দ্রাপনে বি॰। ওঁ ত্রাতারমিন্দ্র-মিবিতারমিন্দং, হরেহবে স্করবিন্দ্। হ্যামি শতাং পুরুত্তমিন্দং স্বস্তি নো भवता थाष्टिसः (म॰ २०, ज०८०) ट्रि महार हिन्मान ट्रेस ट्र टिकेटि भूक्षामिसर ওঁ এহ্যেছি বুত্রত্ম গজাধিরাত সহস্তনেত্র তিদশৈকবন্দ্য। শাচীপতে শক্ত স্বেশ নিত্যং গৃহাণ পুজাং ভাগবন্ধয়ন্তে। শাচীপতে মহাবাহো সর্নভিরণভূষিত। আগচ্ছ ভগব্যিত্যং য্জেইসান্ সাত্রিংকুরু। ও ভূতুবঃ ষঃ দিক্পালইন্দ্র ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য তত ইব্লাদীন্ দশ দিক্পালান্ স্বদিফু শেতপ্তগাক্ষট্তঃ ছাপরেৎ যথা। শেতপুঞ্চাক্ষটতঃ ছাপয়েক।

ও এহেগহি সর্বাণরহব্যবাহ মুনিপ্রবরিজিতোহভিজুষ্ট ়ে তেজোবতা লোকগাণেন মার্ধিং মুমাধ্র গং পাহি কবে নম্ভে। ও ভূতুবঃ স্বঃ দিক্পাল অগ্নে ইহাণকৈত্যাবাহ্য ত্বং নো অয়ে ইত্যন্ত হিরণ্যন্ত প্রাফিরসম্বাধিস্তিপ্ হনঃ অগ্নিদেবতা অগ্নিস্থাপনে 8% वि । ७ घर तो जारी नकामा निष्नां (मनमा रहाए। जनशामिनीकाः। यजिल्हा नहिल्यः শোশুচানো বিশা দেযাংসি প্রমুদ্ধাসাৎ (য০২১, অ০৩) ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পুলি অংখ

ও এছেছি দঙায়ুধ ধৰ্মরাজ কালাঞ্জনাভাস বিশালনেত্র। বিশালবক্ষঃছল রৌদ্রনেত্র ইছ ডিষেতি আমেযামামিং শেতপুকাক্ষিতৈঃ ছাপায়েৎ।

यहळाश्यम् म्बिरधो छन। ७ जुजूदः चमिक्भान यम हेहागहक्जादाश छना स भछ। मिठाँमा थकार्भिङ्भ विश्विष्टेर्भ हमः यत्मा मिन्छ। यम्बार्भात्म विः। ॐ क्रूनः अ राष्ट्राः त्न। जान्त्रः क्रांशाजू नः वृष्ठि मन्नात्व मिक्माल यम वृष् -िछ। वामार यमः त्ये छ-श्रकामिक्टिङ ख्राभाराय ।

<u>जि</u>निन्द म्याहि क्यांजियारथा ख्रार म जायू । जिरमेषु स्कृतस्छ मणानार देवत्यराज

निमाठमाथ (मारक्षत घर छग्रमगर्छ। निसाछिर थ्लाङ्ख्क मर्त्वरमाटिकक्रमारम्। व्यावार्गाम मह्ज्यविम् भूरक्यर अधिगृय्वार्ग। उ ज्ञूर दः यिक्षिणान निर्भाट हेश-अ जर्याष्ट्र अस्मिनिनायक ख्रं विमानरवज्ञानिमाठ मर्देषः। ममाध्रत्र भाष्ट्रि

89 भज्ञ अथम्भरके दक्रगिक्नामक्षाभागज्ञामिर प्रकेराम्। ्कि किम्वान

(89)

প্র অব্যাহয়। মান্ত বিশ্ব কার্যারণ্য। আগচ্ছ তগ্বন্বায়ে। যন্তেহস্মিন্ সমিথিং বিশ্ব কার্যার্থ হয়। বিশ্ব ক্রিন্তাস্য বসিষ্ঠ বুকুর বঃ স্থাদিক্পাল বায়ে। ইহাগচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য আনোনিযুদ্ধিরতাস্য বসিষ্ঠ বুকুর বঃ স্থাদিক্পাল বায়ে। ইহাগচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য আনোনিযুদ্ধিঃ अविख्यके म् इंट्ला वाग्र्ट्यका बाग्र्यामटन विनित्यात है कि मृष्ठा। अं काटना निग्नुष्टिः निजिनिचित्रध्यः महिष्यिनी जिक्र ने यो विष्या विष्यं मत्त्र माम्यय युर् आवार्श्याम (मरवमाः ज्ञानाः (मर्थादिनम्। मर्ताथातः गर्हारवनः स्नवार्ममीयतम्। भाउ मुखिडि मना नः (य॰ २१ षा॰ २৮ म॰) इंजि मन्नोत्य मिक्नांन वीर्या তিষ্ঠেত্যাদিন। বায়ব্যদিনি বায়ুং জ্বাপয়েৎ।

গৃহস্ত্তাবাহ্ অসুষন্তাম্য প্রজাপতিখ বিষ্ট্রেণ্ড্ হলে নিঋ তির্দেবতা নিঋ তিছাপনে বি০। এ অত্যৰভাষজমানমিচ্ছ তেনমোত্যাময়িহি তক্ষরস্য। অন্যামদিচ্ছ সা ত ইত্যা নমো দেবি নিঋতে তুভামস্ত (য০ ১২, অ০ ৬২) ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পাল নিঋতে ইহ ভিষেতি দৈশ ত্যাং নিশ তিং স্থাপয়েৎ।

ज्यावार्यामि त्रत्याः मिलनमग्रियः अष्ट्र। 'अश्रमाभ्यतः त्रोगः वक्रःः

শেকখাবিজ্ঞিযুণ্ ছন্দে। ব্রুণে। দেবতা বরুণ্ছাপনে বি॰। ও তত্ত্বা য়ামি বহ্নণা বন্দমান-শুদাশান্তে যজমান্তনা হবিভিঃ। অহেড্মানে। বক্তণেহ বোধ্যুক্তশংস মা নআয়ুঃ প্রনোবীঃ वांममार भेजिए। भन्नीत्रथमभात्राहर मनित्रञ्जमभ्तिज्य। जांभेक् स्मित्रका यर छठ्यात्रिन् সলিধিং কুফ । ও ভুজুবঃ স্বদিক্পাল বক্লণ ইহাণচ্ছেত্যাবাছ তত্ত্ব যামীত্যস্ত শুনঃ-

(य०১৮, जा०८२) हेि मज़ात्व मिक्नाल दक्ष हेर जिल्ले जिन्माग्नार दक्ष व्यानात्र ।

ভূষণম্। সুধাকরং দ্বিজাধীশং তৈতলোক্যপ্রীতিকারকম্। এষধ্যাপায়নকরং সোমং কন্দপ্ বর্জনম্। আগক্ত ভগবন্ সোম যজেহসিন্ স৹। ওঁ ভূতুৰঃ ফদিক্পাল সোম ইহাগকে जावाह्यामि (मरवने भगकि इकनीर्भाजम्। क्योरक्रामियममुक्क रहामीनिवि-

৪৭ ত্যাবাহ্য বয়ং সোমেত্যস্য বন্ধুঋ বিশ্যেত্রী ছন্দঃ সোমে। দেবতা সোমস্থাপনে বি॰। ॐ

বয়ং সোম ব্ৰতে তব মনগুৰুমু বিদ্ৰতঃ। প্ৰকাবন্তঃ সচেমহি (য০ ৩ অ০৫১) ইতি মন্ত্ৰান্তে দিক্পাল সোম ইছ তিপ্রেতি উদীচ্যাৎ সোমৎ স্থাপয়েৎ।

নিত্যং গৃহণি পুঁজাং ভাগ। গান্ধাধর মহাদেব পার্কিতীপাণবল্লত। আগচ্ছ ভগবন্ধীশ ॐ ब्राट्टाङ् भोदीम मिनाकर्नाटन मनाक्षात्रोटन व्यङाधिका । मिर्वाधिमार्यम गर्सम

यहक्रिश्यम् मिन्निथि कुई । ॐ कुक् यह सिक्माल केनान हेहांगटष्ट उत्रांदाहा उभीनानिन-ন্ত্যস্ত গোতম্খাযিজগতী ছন্দ ঈশানে। দেবতা ঈশান্সাণ বি॰। ওঁ তমাশান্থ জগতস্তস্থ্ ক্সতিং ধ্রং জিল্মবদে হুমহে ব্যদ্। পুবানো ফথা বেদদামদনুধে রক্ষিতা পাষুরদক্ষঃ ষস্তরে (য০২৫, অ০১৮) ইতি মন্তাতে দিক্পাল ঈশান ইহ তিঠেতি ঐশান্যামীশং

কুশামুহস্ত গৃহাণ পুলাং ভ । আবাহ্যাম্যহং দেবং দেবেশ্ধ প্রক্লাপতিম্। অনেক বত করিরং সর্কেষাঞ্চ পিতামহন্। বিশ্ররপং নিরাধারং নিরালয়ং নিরাময়ন্। আগাচ্ছ ॐ बह्याष्ट्र विद्यांच्य भिष्णागर्यं रूत्मांथिका विम्टेनैक्यूका। बङ्गिष्माणाम श्रीभेट्यद ।

8

দেবদেবেশ যজ্ঞেহস্মিন্স । ওঁভূতুবঃ স্পদিক্পালা অনান্ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য অমে রুদ্র। ইত্যস্য প্রণাথশ্ববিষ্ট্রপুত্দেশ বন্ধা দেবতা বন্ধস্থা বি॰। ওঁ অমে রুদ্র মেহনা उत्हाहि भौजानश्रामरत्रम मार्गाक्रमाकित्रत्रीयग्न। यरक्रांतरगक्रांगरमिक्तमश्रेष श्रीयि (मा ভবाक्कः त्रा निर्वमानी। बक्षा मः भाषा मथ्यथाः ( १००० छ। २२) इंडि गञात् मिक्शील जम छ हे ह जि.छ ि निश्च जिम्मा कार्या के नाम भू संत्यां मार्थ दा - আগফ্ নাগর জেল্ল মজে ব্যিন্দ ন । । ও ভুতুবঃ 'সদিক্পাল অনন্ত ইহাগছত্যাবাহ্য त्यांना भीषदीमा त्यशांकिथियां यिनीयबी इत्मार्नत्वा त्मवारम्बष्टां वि । ७ त्यांना পৰ্কতামো রুমহতো ভরহুতে) দজোঘাঃ। যঃ শংদতে জ্বৰতে থায়ি পজ ইন্দুজোষ্ঠা অসা। অবস্তু দেবাঃ ( য০ ৩৩ অ০ ৫০ ) ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পাল এদান্নিহ তিপ্তেতি পূর্পে-ফলামণ্ডলরাজ্যান গৃহাণু পুজাং ভগবন্নমত্তে। আসীবিষমযোপেত নাগকন্যাবিরাজিত। भागत्यां मार्था देन थे ज्यों कि गर्या मार्था या ज्यां १० खां शेर्य ।

जनख् श्रीभित्रद

<u>A</u>

जसीक् भथ উक्रब्याः कीषुष्ट त्वांजा मृजमा क्यात्या त्ना वमा (सक्र क्के वह स्क) हि महारख अवामरता समय देश जिक्ठाजि देखाधिगरभा अवामीनरभी वस्न अन्नभूकाम्करेजः क । कार्याश्यामि यटकश्यम् वस्मारको स्थावशम्। ७ ७ १ १ व व प्रमारक्ष বস্ব ইহাগচ্ছতেত্যাবাহ্য- জ্ময়া অত্রেত্যম্য বসিষ্ঠ ঋষিষ্ঠিকুশ্ ছন্দো বস্বো দেবতা उँ खांदां इश्लान (मरवर्णाम् वस्त्रमरधी महावलाम्। त्योगग्रुर्जिपदाम् (मदाम्यूध -বস্নাং স্থাপনে 'বি। ওঁ জাুয়া অত্র বসবোরত্ত দ্বো উরাবতরিক্ষে মজ্যন্ত শুলাঃ। कर्त्राष्ट्रिञान्। ७ प्रमुक्तिकमक्षानावानावञ्जविद्याङ्गिञान्। ज्याकान् पिरावञ्जान् मर्कान--क्राश्रहाद्

আগাক্তত মহাভাগাঃ পুজেরং প্রতিগৃহতাম। ওঁ ভুজুবঃ ধ্বীরভদ্রাদ্যো ক্রা ইহা- ৪৮ জ্মুৎ প্রতিহ্য্যতে মতিক্ত্রেজ ন দিব উৎসাঁ উদন্যবে- ্্ষা৽ ৩, ৪৭৪প্) ইতি মন্ত্রাত্তে গচ্চতেত্যাবাছ্য আ রুদ্রাস ইত্যস্যাত্রেয়খ্যবিৰ্জাগতী ছন্দো রুদ্রা দেবতা রুদ্রাণাৎ স্থাপনে বি৽। এ আ ক্রাস ইন্দবতঃ সজোষসো হিরণ্যেথাঃ অবিতায় গত্তন। ইয়ং বো ॐ व्यांत्राण महामित्रा वाज्ञादाज्ञयत्राभिषः। नागहात्रामहारत्रोप्तां प्रक्रिमः हात्रक्रिताः।

दीउ च्छा महा । इस जिर्घ जिर्घ जिर्घ ग्रामित्य । अस्मिन क्षान् भ्यान् भ्रिज्यका कि ।

দেৰতা আদিত্যানাং স্থাপনে বি০। ও ষজো দেবানাং প্ৰত্যৈতি অম্মাদিত্যাসোঁ ভবতা ও পদাসনাঃ পদাহত্তাঃ সিন্দুরাক্লণসপ্তাঃ। রথা্রুটা মহাভাগাঃ কানাপ্যা मश्दियः। जानक्ष्ठामिठारम्याः शूरजन्नः व्यितिभृष्याम्। उँ कृष्ट्रं यः यसाजाम् ॥ जानिका इंश्राक्टक्कावांश् यट्कारम्यानीमकामा क्ष्मभाषिष्ठिभे भ् कम जामिका স্থাপায়েব। একপাদাদয়ো কুদা ইত্যান্য।

গৌতমশ্বধিয়িত্রী ছন্দো মকতো দেবতা মকতাং ছাপনে বিগ। ওঁ মকতো যস্য হি इत्सन मक्ष्या क्रिन् पिट्ठः भूखः मक्रम्भनम्। महानीयाः महावाष्ट्रमास्त्रः मथ কর্মণি। ওঁভুকুবঃ স্বরাবহাদ্যঃ সপ্ত মৃক্ত ইহাগচ্ছতেত্যাবাহ্ মুক্তো য্সোত্যস্য ক্ষয়ে পাথাদিবো বিষহসং। স স্থগোপাতমো জনঃ (য॰ ৮ অ॰ ৬১) ইতি মন্ত্ৰান্তে इन्छ मञ्जारसः थावानग्र ज्यानिष्ठा। इट् छिट्टा ट्रिक्टाम् । नरमाधाराधा भवानीम् वानभामि-ज्यान् कुक्रश्रक्षाकरेजः क्रांभित्रत्।

৪৯ আবহাদ্যঃ সপ্ত মফ্ত ইছ্ ডিক্ডিডিডি বায়ুসোম্যোশ্ধেয়ে আবহাদীন সপ্ত মফ্তঃ খেডি-

मुक्ताकहें के मेरबर।

हेहागरक्छानां इक कछानमिङाख भोज्या वाम्रत्यक्षिष्ठिष्टे प्रत्ना बक्ता प्रवण

কুণ্ডিকাম্। আগচ্ছ তামান্ দেবেশ মজ্জেংমিন্ সমিধিং কুয়ু । ওঁ ভূতুবঃ স্বৰ্ধান

চক্রণদাক্তহতং ভজামি দেবং বস্থদেবসূর্য। ও ভূড়বঃ স্বচ্যত ইহাগচ্ছেতাবাহা

उ इंमर विका स्विष्क त्या निमर्थ भम्म। ममुष्म भार प्रात्त (य॰ ६, षा॰ ६) इंजि

মন্ত্ৰমন্ত অচ্যত ইহ তিঠোত নিখাতিবকুণ্টোৰ্ঘ্যে আনুতেং শেতপুৰ্পাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ।

ইদং বিষ্ণু রিত্যক্ত মেধাতিথিখ বিশায়তী ছদেশা২চ্যতো দেবতা অচ্যুত্ছাপনে বি॰।

্ত্ৰ হছাগাংশুভাগাৰ্থ এমা জাজ্ঞানাৰ্ডাপ্ত গোডানো বাৰ্ণেম্ব্যাবাত্ৰসূপ্ত হুন্ধা এমা মেব্ডা ভ্ৰমান্ত্ৰাপনে বিভ । ওঁ ভ্ৰমা জাজ্ঞানং প্ৰথমং পুরস্তাদ্বিসীমতঃ সুক্রচোবেন আবিঃ। সা বুয়া ভ্ৰমান্ত্ৰা বিষ্ঠাঃসত্ৰ হোশান্ত্ৰম বিবঃ (মৃ০১৩, অ০৩) ইতি মন্ত্ৰাত্তে ভ্ৰমান্ ইছ্ ডিপ্তেডি ভূত্ৰ মানিমা তিম্পো ভ্ৰমাণং স্থাপ্তিম । ভূত্ৰ আবাহ্যে তং গাকুডোপরিছিতং রমান্নিদেহং স্বর্গজবন্দিত্য । কংসাত্তিকং ভূত্ৰ আবাহ্যে তং গাকুডোপরিছিতং রমান্নিদেহং স্বর্গজবন্দিত্য । কংসাত্তকং

ওঁ ভুভুৰঃ ধৰ্মনন্দতে ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্ মনন্দতে ইত্যন্ত প্ৰজাপতিখ বিব্ৰিষ্টুপ্ यक्षे छाज खेळाथिछि विभीष्रजी छमः जहकारमवछ। जक्षाभारम वि॰। अ यभिष्ध শতরণঃ সুবীরঃ। গোভিঃ সংন্দো অমি বীড্যঃ কাছাত। তে জ্যুত্ জেয়ানি (বং১৯জ্ कफ़नांत्र थर्डाउरम बीड्केमांत्र उत्रास । त्वीर्ठम मार्जमर स्राप ( या॰ जा०), ८०७ भु ) हेि ছনঃ বনকাডিকেবতা বনকাতিস্থাপনে বি৽। ও বনকাতে বীজুকো হি ভুয়া অমংসধা जांगक जावमक बाख्यरियम् मिनिषिः कुक। अ जुजू वे यवक हैश्राष्ट्र ज्ञावांक यर्ग-आगक् छगवन्नीम बर्ज्जशियम् मिमिषिः कुक। उँ कुछ् वं यहीमाम इश्रीरिक्छ्जाविश् কদ্রতায়েত্যক্ত গোরপুত্রঃ কণ্খাবিশ্যেতী ছন্দ ঈশানেশ দেবতা ঈশানহাপনে বি॰। । । 'বাহ। বুণাৰ্কঃ কাহা বুণশুক্রঃ বাহা বুণকোনতঃ বাহা বুণকুষ্যঃ বাহেতি (ব০১৮অ০ - ও পঞ্চবক্ত ব্যারাড় প্রতিবক্ত গ্রিলোচ্ট্র। কপালশূলখট্রাজিন চন্দ্রমোলে সদালিব। ওঁ প্ৰাসন প্ৰাহ্ত সিন্দুরাফণ্সপ্রভা র্থার্চ মহাবাহে। কাশ্যসেম মহাদ্যুতে। ৫০) ইতি মন্ত্রাতে অক ইছ তিপ্রেতি বাষ্সোম্যোম্থেষকং ছাপ্রেৎ। मजारख केमान है हिटिछे विद्युदक्र नियमित्या केमान है की पर्यं पर्यं

৫০ ৫২) ইতি মন্ত্ৰাত্তে বনস্পতে ইহ তিপ্ৰেতি অৰ্কস্মীপে ছাপ্যেৰ। মহাবেদিম্থে বন্ধাদি-

দীনাৎ প্রত্যেকং মন্ত্রাভাবেন প্রণবাদিনমোন্তনামমন্ত্রেল। পুজা কার্যা। বস্তুরুদ্রাদিত্যম-नौতि দেবতাঃ স্থাপনমন্ত্রেণ প্রত্যেকং প্রঞাপচারৈঃ মোড্শোপচারৈবা পুজয়ের ব্যা-थठाधिरमवर्षा मव ष्रधानीम् अक्ष विमाग्नकामीम् त्लांकभानामिरकावः घाजिः नरमवर्षा - ঘদশাদিত্যান্ আবহাদীন্ সপ্ত ম্ফতঃ বেন্মাচুচতেশানাক্বনস্জতীন্ পঞ্চেজ্যেবং পঞ্চা यर्थिजिमाज्ञ परश्राभा ज्ञ मज्ञिषो अर्वनम्मजी श्राभिष्यिम् ज्ञः म्य्यामिन-ক্ৰমেণ প্ৰত্যেক্ত, মনোজ্তিরিতি (প ২৪ প্ ১ প ০৩) পাঞ্জনুস্তার্ভ্য সৰ্কেষ্য প্ৰাণ-इक्यांनीन मन मिक्शालान् बत्छे। क्षरानीन् वक्ष्न् এकभामानीतनकामन क्रमान् शाबानीन् उठ आंबोइनकृत्यन थाट्याकः स्थामीन् मव ध्राम् उम्धित्यकाः मव नियमिन अधिकार क्याद।

- তত্ত্র রবেঃ ওঁ কাশ্যপং কত্তিয়ং রক্তং কীলিকং চতুরজুলম্। পঘহস্তদ্যং পূর্বাননং

কতাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে একপঞ্চানদেবতাঃ স্থাপন্ম**েন্**ররেব প্জাা ইতি বিশেষঃ

उन्नाय शामारम् विरम्परः।

हिंद्रनाष्ट्रम जाक्तित्रम्भविष्ठिके भ रूमः मदिन (मदन प्रश्रेष्कान विन । उ जाकास्य সঞ্জাশুবাহনম্। নিবাধিদৈবতং ধ্যায়েৎ বহিপ্রতাধিদৈবত্য। ধ্যানম্। আক্রফোনেত্যন্থ

পশ্যন্। মন্তঃ। রক্তং বস্তং রক্তং চন্দনং হয়ারিকুস্নাং গুণ্গগুলুং ধূপং গুড়োদনং দাক্ষাং ফলং চ নৈবেদাং প্রবালং রত্নমিত্যেবং বিশেষতো দদ্যাথ। ওঁ বন্ধুকপুষ্পনীকাশো রজসা বর্ত্তমানো নিবেশঃমুস্ততং মর্ত্যঞ্চ। হিরণ্যযেন সবিতা রপেশা দেবো যাতি জুবনানি

. बर्जाए मैन मन थिए। ताकनारथा जगदी ज॰ भाषिर यक्ष्य जाक इ। इंछि वार्थना। उ

চক্ত তু সামুদ্রং বৈশ্যমাত্রেয়ং হত্তমাত্রং সিতাষ্রম্। শেতং দিবাছং সোম্প नत्रम् मर्गामण्डम् । मचांचः त्येज्यष्यः विकित्न्याम्। कन्येज्यियेक्यः ৰমঃ স্বিত্ৰে জগদেকচকুষে জগৎপ্স্তিস্থিতিনাশহৈতবে। এয়ীময়ায় ত্ৰিগুণাত্মনে সূৰ্যাদ্যমাহ্লয়েভধা। থানন্। ইনং দেবা ইত্যস্ত বক্লণখাণ্ডিঃ অত্যক্তিঃ ছন্দঃ সোমো নমো বিরিঞ্নারায়ণশক্ষরাত্মনে। ইতি নমকারঃ। দক্ষিণা কপিলা থেকঃ।

एम्बङ। स्मामभुष्करम वि॰। उँ इमः एम्बा षमभूषः स्वन्धः महाङ क्ष्यांत्र महाङ কৈন্ধ্যায় মহতে জানরাজ্যায়েন্দ্রেন্দ্রোয়। ইমমমুষ্য পুত্রমনুষৈয় পুত্রমকৈ বিশ এষ

कूग्रम् शुक्राः हाजात्वः यक्तप्र्यः हाज्यात्रमिक्क्यं देनत्वमाः मुक्लाः इष्टः ममाद। अँ न्याः। उ मिनामधाजुनातां ७ मीत्रामानियमः जन्म। नमामि ममिनः छन्ता मत्नामुक्छे-৫১ বোহমী রাজা সোমোহমাকং ব্যামাণানাং রাজা। মন্তঃ। খেতং বস্ত্রং শেতং চন্দনং मर्कनमानामकामका कामभूष्णान्छक्या। मामारका त्राह्गिष्ठं। मम्माण्डिर प्राक्ष्

मूर्का फिरड ककूटमिडः म्थिया जायम्। जामार त्राजार्म जिम्हा । मञ्जा राज्य (६३ थवांमर इष्ट्रर प्रमार। उर्थनीयार्जमञ्जूरज्य वञ्चानिमम्बर्ज्ञ । मास्तिर प्रमाञ्जू रम मिन्छारे कुमारताश्चमात्रकः महा। यार्थना। उर्थना। उर्थनेग्रेजमश्जूजर विहारश्रीक्षममधाज्य। ভ্যস্ত বিরূপাক খাযিগায়তী ছন্দঃ অঙ্গারকো দেবতা অঙ্গারকপুজনে বি॰। ওঁ অগ্নি-দ্যকং চতুতু জুম্। দক্ষিণোধাক্রমাজ্জিবরাভয়গদেতরম্। কন্দাধিদৈবতং দেবং শিক্তি-अजाधरेमवज्म। जामिजाजिम्थः (छोमः जबरमव विज्ञित्यः। घानम्। व्यिमूर्क-বক্তং রক্তং চন্দনং জবাপুষ্পং সৰ্জনসমুত্সিহ্লাকং ধূপং যাবকং পুগকলঞ্চ নৈবেদাং . कुक्छ अँ जावडार काजियर तकर समस्य ठपूरकूमग्। जातक्रिगानायमम् छात-- ज्यनम्। हेि नेमकांत्रः। भट्या मिकना।

कुमांत्रः अक्लिङ्खः ७ (लाह्डिकः नमाम्रहम् । नमक्षातः । त्रक्लर्घाण मिक्निं।

शुउंद इकुर मम्राद। के विश्वकृकमिकाकार्ता अभैवार कञ्चनमनः। भाविर ममाञ्ज स्म अर्जाधिटेमवर्ज्य। शामम्। जेष्नुषात्राधिष्टेज्य भन्नत्मकी श्रामिखिके भ् ष्टम्कः द्वार्था तमवर्जा दुशश्करम वि॰। उँ उष्नुशायारा अञ्जाश्री श्रायान प्रायान ज्ञकर कुञ्चमः भीजाधकमहिजिमक्तकः धूर्यः क्षीत्राचः नागेत्रकः कलकः देनत्वमाः पीक-अष्णिनम्। क्र्यांक्यः मिश्हनः मोगाः भीजवयः विज्ञिताः। नाताःशनाधिनवशः विष्धु সধক্ষে অধ্যুত্তরস্মিন্ বিশ্বে দেবা যজ্যানশ্চ সীদ্ত। মন্তঃ। পীতং বস্ত্রং কুফুমং চন্দনং निजार दांक गूर्जा दुधः ममा। ७ ठच्न शूर्जा महारज्जाः नानामूर्जिश्दाता विजुः। नाम्जि उ माराधर माष्ट्रत्नाष्ट्राधर दैनणर भोडिर ठड्ड्रक्म। वारमार्क्षकमाण्डमामावतम

मरत्रोकष्ट्र ५००० जम्। मरकांक्षांमक्षयत्रमकत्रकांमध्यांस्वरत्र। जमाधिनेन् स्वांग्यिमिन्-खरत्राः ७ मिक्नमाम्बरमः भौजः रैमक्षवः ठजूतक्रलम्। शांका भौजामतः कीवर ভূবি। সৌম্যং সর্বজ্ঞাণোপেতং ন্মামি শাশিনঃ স্কৃত্য্। স্বৰ্ণ্ড দক্ষিণ্।।

ममार्ड (म निठार वठः, मर्कार्थमाथकः। वीर्षना। उँ विशक्षकनिकाकांत्रः क्रांत्रभाविष्यिर

রকায়। (মাতার ভাবেনা চম্বার ক্রয়েং দশাক্ষং ধুপং দধ্যোদনং জ্বীরফল্ঞ নৈবেদাং গোনেদং বিভুঃসমাং চন্দনং পালং কুয়েংং দশাক্ষং ধুপং দধ্যোদনং জ্বীরফল্ঞ নৈবেদাং গোনেদং গ্রারফল্ঞ নৈবেদাং গোনেদং বিতুঃ। দেবমন্ত্রী মহাতেজামম শান্তিং দেবরক্তঃ দদ্যাহ ত্র স্বর্ণকলিকাকারঃ স্তর্গায়ুঃপ্রেদা বিভুঃ। দেবমন্ত্রী মহাতেজামম শান্তিং দেবরক্ত দদ্যাহ । পুজিতোহসি ঘধানাক্ত্রা দেওছ্ত বৃহস্পতে। কুরআহাভিভূতত শান্তিং দেবভুঃ প্রের্কিক। প্রাধিনা। ও দেবতানাহ্যীণাঞ্চ গুরুং পরম্মম্মতম্। সর্বশাস্ত্রে ব্যায়ুধং তং
লামি বৃহস্পতিম্। নমন্ধারঃ। পীতাম্রয়ুগং দিক্ষণা
প্রক্ত পরম্মম্মরারং। পীতাম্রয়ুগং দিক্ষণা
প্রক্ত প্রমান্ত্রি ক্রায়েক্তিলি তারিং বিপ্রং ভার্বিঞ্চ নবাস্থুলম্। পাল্ডম্বার্মেক্তিলি তারিংপ্রক্ত ক্রা। সদাক্ষবরকরকাদিণ্ডইত্তং মিতাম্বর্ম। শক্তামির্মিক্তিলি তারিং-দৈৰতম্। ধ্যানম্। অন্নাৎ পরিন্ত্রত ইত্যস্ত অশ্বিসরস্থতী আ্থামায়ঃ অতিজগতী ছন্দঃ শুকো ৫১ প্রত্যধিদেবতম্। ধানম্। বৃহস্পতে অতীত্যস্ত গৃৎসমদ ঋষিস্থিউ,প্ ছন্দঃ বৃহস্পতিৰ্দেবতা যুদ্ীদ্যজ্বসঋতপ্রাত তদ্যাসু দ্বিণং ধেহি চিত্রম। মন্তঃ। .ওঁ পীতাধরং বস্তু। কন্তু-রিকায়। দৌ ভাগেণী চত্তারক্ষকলত্ত তু। কুস্কুমস্য তারলৈচব শাশিকক চতুঃসম্মিত্তু জেলকণং বৃহস্পতিপ্রনে বি০। ওঁ বৃহস্পতে অতি যদ্ধো অহাদ্দুামদিভাতি ক্রুমজ্জনেয়।

দৈবতা শুক্রপুক্তমে বি০। ও অন্নাৎ পরিঅুত্তা রসং ব্রদ্ধণা ব্যাপিবৎ ক্ষত্রং পরঃ সোমং

थकाशिष्टः। भारतम मर्जामिम्यः विश्रोत् एक्कमन्त्रमः हेन्द्रमान्त्रित्रमिष्टः भरत्रोत्रम्जः

में क्रायक्तिक रेनत्वमार मुखार तब्द ममारि। उ कानापुष्मधिकानाः मर्त्वखानमारा क्षिकः। मर्कटेमज्याधिभयत्रो खळः भाखिः व्यवकृत्। व्यार्थना। ७ विमकुन्पर्गानाष्टः মধু। মন্তঃ। শেতং চন্দনং শেতং বস্তুং জাতিং কুন্তুমং সাজ্যবিলাওকং ধূপং ঘূতে।দনং दिन्छानि भुत्रम् अकृत् । मर्सनाज्ञश्रवन्तिः छार्गवः अपनामार्स्। नमकातः। त्येछ।

क्षांशक्षक्रानक्षमः। मीनाक्षम त्राश्रीरथा मम नाजिः श्राष्ट्र। शार्थना। ॐ मीनाक्षम-भूषेर क्रमद्भर काण्डिकनक देनरवहार दाक्रावर्डकर बच्चर हहारादा। उँ क्रांशता महाडांग-अध्यक्षिद्रमृत्यम्। शानम्। भट्या (म्वीतिकाम्। म्याध्धायर्वनंशविभावती हन्मः म्बार्कवर्ण महनकत्रभूकृत्म विः। ॐ मह्मा स्परीहिक्यिष्ठमात्मा ज्वस् भीउत्त । भरत्रा त्रिच्यू रक्क तः। .मजः। क्रमः दर्जः क्ख्रीत्रकाः ठम्मनः मृत्रिकाः भूष्णः भूषकाष्ठः भटनः प्र (मोद्राष्ट्रेः काणाभः भूतः क्याप्ताः इत्राह्मः। हम्भः हम्भः वृधः भंडर तमितिः ठष्ट् कम्। भाषा नानवन्नमन्यस्खः ममस्यत्वता मम्पिरम्नजः शका 一日海山

৫७ मम्थिषाः अविस्त्रः महोवारम् । हान्नान्नं गर्जमञ्जूषः वत्म छङ्गा भटिनभ्ठतम् । नमन्नानः ।

事物 (的政务 一年)

ब्राट्गांट ड बाष्ट्र मनग्रकः म्प्र टेनिनः ठञ्डकूनम्। क्रकः क्रकाजिनः मिर्श् भवः। क्ष्याक्रिमः क्षयः वा वमनः कानाधकः ठम्मः कुम्मः शुक्राः क्षयः वा शुक्राः-अ मन्दर भाषा मभास्तरप्तदा। ठठूवां छ् १ थ्लावत्र मृन्तर्भवतः उपा। कानाधि मिन्दर स्प्रभास्त्रर्भ । मन्द्रभाष्ट्रर्भ । मान्य। कहा निष्ठि इंछास्य वागरम व्यक्ष मिन्द्र प्रमाय । कहा मिन्द्र । व्यक्षा मिन्द्र व्यक्ति । व्यक्ष मिन्द्र व्यक्षित । कहा मिन्द्रिह्म इछ।। व्यक्ष क्षियः क्षियः क्षियः क्षियः क्षियः व्यक्ष । व्यक्षा विष्ठा । व्यक्षा क्षियः व्यक्ष । व्यक्ष । व्यक्ष विष्ठित्रा विष्ठा। मन् भाषा ममाखाता । ठेळूर्वाष्ट् भष्णायत्रम्निष्यात् उथा। कानाधिरम्बः स्थान्त

मास्तरमिक्छाननम्। स्र्यान्यः ध्यवमन् वत्तरः गिन्नः छथा। छिष्छाधिरित्वक वर्षा क्ष्मार अ कोमाबीमर क्ष्रांगर देव्यामीयर यस्क्रमम्। श्र्यार गृश्रांचर म्य-त्रोक्टर उर एक्टा क्रामाम्स्। यरका मिक्सा।

मक्कः। वार्षना। ॐ व्यक्तकांग्रः महार्यात्रः त्राष्ट्रः ठन्मिक्मक्ष्म्। मिर्हिकान्नाः ऋष्टः ६७

काउमीश्रकामकाटमां नीलाक्षिनममथाङः। भाखिः मेमांक् त्म निठाः রाक्रमध्यार्कः

ज्यार यक्कप्रभेर प्रभेर क्रांगमारमर नाजित्कनर कनक देनरवकार नीनकर उज्जर महारह।

व्यधिएम्यामीनाः शास्त्रकार्वानिक्यात्रन्य्किकः उन्नाद्भारेताः उन क्ष्याधिरम्बिन्या ७ भथवत्ना व्यक्तिः अधिवनः वित्नाठनः। क्षानम्नयोको ক্দ্যাৎ। ও সিন্দুরক্ষিরাকারো রক্তপঘাবিতশ্বধা। কেতুরারক্তনোত্রাকো মম শান্তিং . ७९ (ककुर धांध्रामास्य। जमकांतः। हात्या मिक्का। यत्याक्रिमकारिक मामानाजः मत्त्रिकाः त्येष्ठः ठम्मनः धामालू धूमः ययवर्षः भूष्मः भाग्नमः दिन्दिमाः यर्षः अवष्ट्र। वार्षना। . . अ भनानध्यमकानः ठात्राधाश्विमक्कम्। त्रोषः क्षाञ्चनः कृत्र न्मिष्टिकाः मार्स भाष्मरकोखत्र ए हेि ६ थानिस्। त्रकूर क्रवृष्तिकामा मधुष्ट्रमा श्रीयः जानिक्रका भाग्रती कमः (कंडरवा मिवडा क्रिक्र्यकान वि.। छ क्रिक्र क्रिनुत्रक अलाधिरेमवर्ष। इति। उ श्या विवाह्यः मह्स भित्र भित्न विक्रानमाः। ग्रंशामनगर्धाः निउर ८क्डवः स्वत्रथमाः। मत्त्रिकितिति। (भाषा पर्शा ताकिश्विवशः। ष्पन्नत उत् (शामी गरी। कारभेभारम । मगुरिष्डित्रकात्रियो । श्रुवर नमनर प्रभेगमर शक्तर मिनि -मुष्ण् मधुमिचिठखङ्घ्ठः धुर्णः िह्वोमन् माङ्मिक्नः ह देन्द्वमाः बाक्नविकः मिन मिक्काीर मम्गामिछ।

পঞ্চাশীভিদেৰতাপূজন প্ৰক্রণম্

क्रममिया वाज्य। इस्विमियानामु महेयान मस्ताकः महेयान। मञ्जः। ७ जन् (महि ४८ - इत्छत्र् श्रिक्त जिम्टेनंत्रिम थानम्। जीक्त उ हेरामा नात्राप्तभप्तम्यभिष्येष् हक्तः उच्चािष्टमन्याता डिमाताः। अ जक्युनक कमलः मर्मनक कमकन्। डमा निर्वास् डिमा मिर्जा डेमाशुक्तत विग अ जीक डि लक्काकि श्रापिरश्वात शार्ष मंक्क्नानि मटना तमि छ। गार छ। वावि तमि ह ।। शुळान् तमि धनः तमे अव्यापः क तमि (म। श्रार्थमा। ७ मर्कमकलमाक्राला निरंद मर्कार्थमाधिक। नाग्रत जाम्रक (मिव मान्नाग्रिन) नेत्यांख उठ इं ि नयम्।

मांबर टैनटवमार ममांदा अँ भक्षवज्य स्विति विल्लाहन ममानिव। हन्तरमील महारम्ब . मम भाष्टिकद्रत जिंदा जार्थना। ७ व्ययाहार क्यांस भाक्तिण्डर नमः। यहमाराक्त-१८ ज्यारमोनिः ममाभिवः ইতি थानम्। जामकमिञामा विषिधापिः व्यस्कृष् हम् जामत्क कटाजा एमराका क्रमुश्वरम विः। ॐ जाभकः यकागरक् स्नामित्रं शुक्तिवर्षमम्। डेक्षाकक মিৰ বন্ধনামু,ডোমু,ফীয় মাস্তাৎ। মন্তঃ। যথালাভং গদ্ধপুল্পাদি গুণালুৎ ধূপং পায়-कांग्राम्न नमक द्वाकितमीलित्न हेि नमनम्।

छ नमः कमांत्र देशवात्र घनेक्क्रियातिरः। भाषाकामान्त्रक्षात्र वभूषात्र ६ ७ नमः बुधाधिरम्डन्रोत्राज्ञश्य । अ नात्राज्ञशन्द्रक्षाष्ट्रः गर्भे ६ ज्जर उद्योद्धतः । मिक्ति कु जा दें ि मखः। अ तमरामन कागन्नाथ वित्यंश यक्तभार विराजा। भादि मूर्थामुर्थनमान् মুকলাধিদেবক্ষনতা। ওঁকুমারঃ যনুখো ধ্যেয়ঃ • লিখণ্ডকবিভূষণঃ। রক্তাহরধরো जिके श्रू एमः करमा मिन्छ। कमश्कान विः। उ यमकमः ध्रधमः कांग्रमान उपान् मगुक्ता मूछ वा शूबीवाद। त्यानम् भक्ता श्रिमम वार् डेभळ्डार मश्कारः उ वर्मन्। मक्तः। अ विष्कान्ननाष्ट्रममि विष्काः भाग्ता त्या विष्काः स्ति विष्ठा विष्ठा अर्दायि विष्ठा प्रतायि विष्ठा व CFCन मध्रमन्तर्गर्भः। कुक्रेडेन्ड ज्यां मजा ज्ञा मिक्निक्छरग्नाः। भाषाक। टेनकग्रसाया বিফে।ররাটমমীতাফা প্রজাপতিখা ফিচ্চনোট্ভাবো বিফাুদ্দেবতা বিফাুপ্জনে বি৽। এ नक्तिर्धाम ह वागरम्। यनकमहेलाम जनकमहेलाम जन्हिर्व क्रमहिमिष्डमाइयी अध्वयोश्नं कम्म भीत्रेष्ठ वर्णन्न। कीर्छित्व महाज्ञात महार कुक महानिर्ध। थार्थना। भमाभष्यः नीमकी मूज्मिम् । वारम बीर्मसकी रुखा शुक्तिः भष्यकता भन्ना इिं धानम्। इंग्डि नम्मम्।

११ उन्हानू शक्तातक। थार्यना। ॐ नमत्त्र भू अतीकांक नमत्त्र भूकरमञ्जा नमत्त्र मर्त-

कीवाधिरम्बवमानः। उ भषामनरम् किटिना वना स्थायम्बु कः। षक्यानाः (लाकाब्राम् मात्राज्ञन नत्यानगड । नमनम्।

का वक्षतिरामा थेकाभिष्यि विक्लान्यार हातः वक्षा तिवर्ण वक्षभूकत्न विः। छ का वक्षन् य त्र विचर भूखकक कमधन्म। वामः क्ष्याजिन् उमा भार्षे रूभाउदिष्ठ । थामिम्।

अभी कम्टलां छ । जार्यना। ७ (वम् विद्या दिक्ता क्रांनिश्चा क्रांत्रा क्रांत्रा क्रांत्रा क्रांत्रा ক্ষেয়ো নঃ কম্পতাম্। মন্তঃ। ওঁ ক্ষঃজিনাব্রধর প্রাধাসন চতুমুধ। ক্টাধর জগদাতঃ দোগ্ধী ধেহার্কোঢ়ানভানাণ্ডঃ সঞ্জি পুরন্ধিরোষা জিফ্ রধেষ্ঠাঃ সভেয়ো মুবাস্ত যজমানস্ত বীরো জায়তাং নিকামেনিকামে নঃ পর্জনো বর্ষতু ফলবড্যোন ওমধ্যঃ পচ্যন্তাং যোগ-जामारण जमारकृती कार्याचारायो त्राक्ताः भ्र ह्यर्गाङ्जियाथी मरात्राथा कांत्रजाः

भगे उट्देग माना उद्या कि । भामम्। मटकाया है छाम्। वियोषिक मिष्टि में हम खकाधितम्बक्षा ७ ठक्मल्यकाकाकात् वज्ञी क्रिनेक्षकः। महीभिष्ध अ क्ट्यू बरुखांत ( जनशा निष्ः।

শুর বিদান্। জহি শত্রুরপস্থো হাদ্যাথোভয়ং রুণুহি বিশতো নঃ। মন্তঃ। ওঁদেবরাজ-গঞ্জার্জ গুরন্দরশতক্রতো। বজ্রহস্ত মহাবাহো বাফ্লিতার্থপ্রদেশ ভব। প্রার্থনা। ও পুরন্দর केटल्या तमन्छ। केल्यभूकत्म विश । उत्मत्नामा हेल्य मगरंशा मक्रिकः तमाम् निष ब्रब्हा

नदिन्धत्राधिरम्वयम्य । ॐ क्रेयदभीरमा यस्मा (धारम्रा मधश्खा विकाम्जा । ब्रज्जमक् कन महावारहा अङ्गी छार निवाइय । आर्थना । उँ क्रेवंट भीन नगरखर छ मधर्ख नरामध्छ ्मीमहरूक महोमहिस्वोहनः। शानम्। यमां श्राम्बर्षाः हेणान मधाङ्कापर्तामान न्क्टन्माथ्डारवा यरमा सम्बन्धा यमभूकत्न वि॰। ७ यमाग्र प्राणित्रथर् मिक्मरि याश् जार पर्वाप्त प्रवास क्षार्ट मिटन । मज्जः। अ धर्मत्रोज महाकार मिक्साधिभट्ट यम। इटक्ट-নমজেহস্ত বক্তহ্ন নমোজ তে। শচীপতে নমস্তভ্যং নমতে মেঘবাহন। নতিঃ। তে। শহিষক নমত্তেহন্ত প্রধারাজ নমোহন্ত তে। নতিঃ।

म्खर्ट्डा (शार्त्या व्निष्ठकत्त्राभवान्। थानम्। कार्यित्रमीज्ज्य शकार्भाज्य वित्रवृष्ट्रेश् हन्मः ब्राक्ष्यक्राधित्मदक्रान । अ कानः क्रानियम्त्ना नीनाक्रणं दिन्तिष्ठा भागहत्त्वा

१७ महित्रकाज महमायशीष्ट्रतावधीः। मळः। दिल्मयाज्ञतः नाण्डि मामानाजः थार्थनाः

क्ष्य्यक्षित्वतिष्यमा। उ उक्षिथरमः याकारम् विज्ञः भिष्यः

ज्यक कांडाशिरम्बर्धामाः श्रीक्षकार्वामिटेकः खानमगेरेखत्वर शुक्रा। उत्यामिडाथ--छाबिटेक्वनादाः। अ कागकः माक्तय्वाश्मिः मथाकिः मजियातकः। निक्तिः नम मिकरण लाथनी कित्रकारका वारम रुषा भवकम्। भिक्रमभाकारकमाकः भीनाककोरतारकम -ইতি শান্স্। চিত্রবিসো ইত্যয় খ্যতখাবিশ্রন্দেণ্ডিবিশিস্ত্রিজ্যান্দ্রা দেবতা চিত্রগুপুরুনে विका . . कि कि कि कि कि कि मात्रमनीय। मञ्जाता कामाद मामारमान मर्कम्।

• • क्या अधिम र ज्ञास । ज्ञाम : ज्ञास भाति। । त्या मकत्राह्म । म्यामा बिछार महमानम् । नमक्रांतः।

विद्धित्वा काभिशुकान विः। ७ व्यभिः मूठः शूरत्रामत्य स्वानास्मूर्भकात। एमता वामा- ६५

म्याक्रि। मञ्जः। ७ ज्यात्याः शुक्रत्यात्रज्ञः मर्नतम्वग्राह्न। धुगत्कञूतकाषाक खत्य

রেণাস্ত্র করমন্যং প্রকল্পায়েৎ। ধ্যানম্। অগ্নিং দুতমিত্যেন্ত বিরূপাক্ষথাবিগায়ত্রী ছল্দোই-

শাশকলমে। মুক্তাভরণভূষিতাঃ। ধ্যানম্। আপো হি ঠেতাতা সিন্ধুদীপঋষিণায়ত্রী ছন্দ कारमा तम्बन व्यभार श्रक्तम विगा ७ व्यतिमा हि का मत्योष्ट्रका म डेटक मथाउन

मक्नाथ्याधित्वविक्तिकः। . ७ ७क्रवनी मशै (पात्री पिरान्त्रमञ्जित। ६०-मृत् इनीय कक्टम। ज्यमाद मामामात् (ख्बाम्।

कू का त्मोमानभूक कार अम्मनाम्बा। इङ्गांबर नमाभावर भावत्माविषम् गुरुम्। शंघर

करत ए था छत्। या मत्मनम् । मिन्नी का निष्ठी । प्राप्ता भूकेन छ ।

उट्टिकाना भ्रिषि क्या ज्यानुक्य निरंदर्भनी। यक्षा मः भर्ष मध्याः। मञ्जा । ह ज्ञ-नाः मागत्रवाचाः थामाम्प्रना भृष्ः। थातिज्य ए जगद मर्त्य, घ्रा छावत्रकम्प्या हिम-थाजि उष्ट्रगर्छ विशेष्त मार्गत्राष्ट्रतः। जिम्म् यरक महारम्पि विद्यास्क ममाप्तितः। जि क्षांनम्। त्मारमञ्ज स्पर्धार्डिष्यं यित्राज्ञी हन्नः श्थिती त्मत्ज श्थितीश्रज्ञात वि॰ मर्गामम् भाषार शुरुषकः अधिभृष्णाम्। व्यार्थन।।

नुष्याष्टिमर्जिदास्त्राः। ज दिस्तुः क्रियामकीभाषाण्याज्ञधन्नः क्रमार। श्रमिक्तिः मिक्किनांषऽकशामांत्रका निज्ञमाः। शानम्। हेम् दिक्कृतिज्ञक मिस्छिथियं िम्सि

उ शूत्रक्तत नमस्थिष्ट व व्हार्ड न्यार्थि ए । मिनिमाज नमञ्जार नमस्ड मियर्गार्थ । भिष्डः ममा (भारता नार्नाण्डरगष्ट्रमन्। धानम्। हेन्सपामामिण्ये प्रकार्भाजिष विजिषे भ शूत्रखष्ट्र . त्मांमः। त्मवत्मनामामण्डिष्काजीनाः कार्योनाः मक्ताजा वञ्जाम्। छ त्मव-. वृङ्म्मिडिलेडािश्रित्वर्डल्या है इक्स्ट्रीक्षित्राः। वही क्लिम्ड्रक्रः। मही-इक रेटका. प्रवर्ध रेख्यश्रकत्म विश । अ रेख्यवामार त्नठा इरुक्णिकिमिक्ता यकः द्राक गंकित्तं प्रक्रमत माजकाता। वक्षर्ख भर्गितार वाक्षिण्विपिता ज्या मग्रुमक भार्ष्यत । अ तिराम् कर्गमाथ वित्यं यक्कारण प्राचा। भाष्टि मूर्यामूर्य त्रमान् ভत्नाम् धरकात्रकः। खार्थना। ढंनमत्य भूखतीकांक नीमत्य भूक्रमिष्म। नमत्य ७१ ছाम्मा विकार प्रमिष्टा विकार् भूकाम विशा थि है मर विकारिक कि काम । मर्कटलाकाज्यम् विकाद दि नरमानमः। निष्टः। न्यक्ति

वंत्रमा (शाज्ञा विज्ञा ह ज्या मिहा। यानग्। जामिटेका ज्ञांनामीकान्य म्याष्ट्राथर्व्याय् कक्रमकाधिरेष्रवक्रमातः। अ बारम मान्नाः करत्र (थात्रा तमोमामखानमक्षता । मिक्स

अक्टमाश्वावहेन्सानी त्मवडा हेन्सानी श्रकत्न विः। वं जिपिटेडा द्राम्नामीन्साना जिक्कीयः श्रामि वसात मीय। मछः। जनार मामानाजः क्रारि।

निम्मा अग्रिष्टिम् वज्यकार्या एडः। अँ बास्कार्यनि वि हरमञ्ज्ञ धक्व सुरू कः। षक्षर सुर

स् 5º विख क्षिकाक श्रकामिछि। शानम्। याजाभाउ इंडाम्य इंत्रनागर्भमितिष्ये क्षिन्

<u>अकामिडिए</u> क्वामिडिश्करन वि॰। उ अकामेटड न घुटमडानारमा। विश्वा क्रमानि

क्रका किना वृत्र व्यवासन ठ कू छ क। को विषय क्रिका छ। यभिन क्राला हुव। यार्थना। उ भित जां वच्च । यदकामात्त्व जूष्मख्या जा वया वया पाजा प्रजाम पाजा तथी नाम । मखः। अ

ৰেদাধারায় বুঁদ্যায় জ্ঞান্তগম্যায় স্থরয়ে। কমগুলুক্মালাস্ত্ৰুবুহস্তায় তে নমঃ। নতিঃ। রাহ্পত্যক্ষিদৈবতসপাণাম্। ওঁ অক্ষস্ত্রধরাঃ সর্বে কুণ্ডলীপুচ্ছভূষণাঃ। একভোগা-স্তিভোগাশত সর্কে ধ্যেয়াশত ভীষণাঃ। ধ্যানম্। নমোষ্স্ত সপেভ্য ইত্যস্ত প্রজাপতিখাষির-क्ष्येण् एमः मर्भात्मवज्ञाः मर्भिष्कत्न विः। अ नत्माश्य मर्भिष्ठा (य त्क छ भृषिवीमञ्ज।

व जाडाहास य मिवि उडडाः मर्शेटडा। नमः। मञ्जः। अध्यक्षार्थिषदाः मर्त्य क्रगोमधनम-िख्याः। अक्टानाः माक्क्य्बाः दत्रमाः मञ्ज त्म ममा। आर्थना। अ नमः विक्रह्छ- **छाञ्जिट्डारमेट्डा मरमानमः। मरमा डीयन्दमरङ्**डाः यक्षेत्रप्रम्हा मरमा नमः। मन्डिः

À

্লা দেবতা বেশগুজনে ।

আন্তঃ প্রক্রেণ বিবঃ। মন্তঃ। ও ক্রজাজিনায়রধর প্রাামন চতুতু ল। জ্টাধঃ

অনুক্ষমালাম্ম ক্সুবহস্তার তে নমঃ। নতিঃ।

অধ্নোকপালামাং তত্ত্ব গণপতেঃ। ও বিদাধারায় বেদ্যার জ্ঞানগম্যার সূর্যে। কম্ (क्षुष्रकाधिरम्बरम्बर्धमानः। ७ भषामन्द्रा काहित्ना वन्ना (धात्रकष्ट्रकः। बक्क-मानार खुदर विज्ञ भूखकर ठ कमधनूम्। वामः क्रकाजिनर ज्ञ भार्य इरमछदेषत छ।

ন্দোহভাষ্ট গণপতিপেৰতা গণপতিপুজনে বিহু। ও গণানাং স্থা গণপতিং হ্ৰাম্চে প্ৰিয়াণাং ज्ञा विज्ञमिटि स्वागर विश्वीना ज्ञा निषिमिटि स्वागर वरमा गग जास्मज्ञान भक्षमा তৃতীয়ে পরশুং বিদ্যাকতুর্থে মোদকং তথা। ধ্যানম্। গণানাং-ত্রেত্যস্ত প্রজাপতিশ্ববিশ্ত-

अमुमानि गर्धयम्। मुन्नः। ॐ नत्मिष्त महाकात्र मुख्यः भाष्ट्रः भाष्ट्रा । भोत्रीस्र गत्ना प्र विष्याक अमीम त्या आर्थना। ७ नगर्छ जमकानाय विष्युक्तमात्र एठ नगः। नगर्छ

(मरी मग्रुफिको पूर्गा पूर्गार्खिनानिनी। शानम्। काण्टदमत्म हेजामा कार्णभाषिष्रिके प् त्नांकभानमूर्गाज्ञाः। अ मज्जिर वानर जया मूनर थकार ठक्क मिक्का। ठक्कविष-गरधा वारम (थ छ मुरक्ष क भानकम्। ७ कर छक्ष विज्ञाना मिरश्कां क छिन्। ज्या রূপায় করিরূপায় তে নমঃ। মতিঃ।

लाकशानवाद्याः। ॐ थावन् इतिनश्केट्या बक्याही मभोतनः। वत्रमानकद्यां भूज-क्टमा मूनी ट्रमवडा- मूनीश्कटन वि॰। ७ कांड्टिमरम खनवाम माममनाडी यरडा निम एम्हि. (भू। आर्थना। ७ मर्कम्मनमाम्नत्ना निरंद मर्कार्यमाधिरक। भंदर्भ बाग्ररक भीति स्ति (यम। मनः भूर्यम्जि मूर्गानि विश्वा नात्वव भिन्नुर मूत्रिजाजाधिश मजः। अ जनर प्पिट् यहना प्रिट डांगार डगर्डाड प्रिट पा। शुवान् प्रिट् धनर प्रिट मर्वान् कार्यार क नाझान नत्मारख त्व। निष्डः।

वत्नी (यारता विकानका। हेि थानम्। वारता त्व ८० हेळाच्य ग्रंटमप्रमिष्मित्राची हत्ना

६> वाद्यार्क्वा वाद्यभूकत्न वि॰। ७ वात्या त्य एउ महाज्याना त्यामत्त्वि छित्रांगहि। नियुर्वे।

न्नांकशीनांचिन्द्राः। ७ त्रीउभष्मत्रर्गाट्डी भष्मभवाष्त्रां। किन्द्रको त्मत- <sup>५३</sup> क्षिज्ञ १८ भोगामर्गम् । शानम्। श्रुट् श्रुट्यावान् हेटामा थकार्याट्य विक्रात्मार् ্কাশো দেৰত। আক্ৰশপুজনে বি৹ু। ও য়তং য়তপাবানঃ পিৰত বসাং বসাপাবানঃ পি্ৰ-त्नोकभाष्माकाषाज्य । उनीतनादभाष्ट्र भगन् छष्नाष्ठ्रभाष्ठि । ठक्काक्र्छः भगज्यार - जाखिक्किक क्वित्रि योश मिनेः शिमन व्यक्तिना विमिन जेष्टिना मिन्जाः याशा । मुखेः। मामभीज्या मछः। ७ थावम् इतिनभ्षेष् धकर्ष ममोत्रन। मधर्ष स्नाका वहर मिह वत्रशक्ष। आर्थना। ७ नत्मा हतिन्ष्केष्ट मभीतन नत्मार्ञ्छ ७०। ध्यवनं नमस्डर्ञ नीजगामिन् नरमाहेख ८७। निष्डि। अनार मामात्नान क्षिम्।

क्रिक्ति शार्ष दात्य ठानामा याक्ता नात्रीयुगैर श्रकखंदार स्त्रज्ञाभर ठाक्रमर्भनम्। ज्यान्ह चित्रको शाउत्यो ज्ञभभः बूट्डो। मर्काज्यनमन्भाज्ञो वित्नयाकाकरनाघत्नो। ज्यात्रायथग्नः क्रांशा मिना मिक्कार् छटा । वागरग्राः शुखरक कार्या मर्नानीरम्न ज्या षिकाः। এकमा

बाममी ट्यारक जनमम्भद उथाकृष्टिः। मधुक्भूष्ममक्ष्मा जनमम्भद अकीर्विटा। बाक्र-ন্যা বাং কলোত্যক্ত মেধাতিথিখ বিশায়ত্রী ছন্দঃ আখিনে। দেবতে আখিনপুজনে বি৽। ওঁ তিঃ ক্ষিতা লোকে শ্রকাণ্ডনিভা তথা। রতুভাগুকরে কার্য্যে চল্রগুকাষ্ত্রে তথা। ধ্যানম্

যা বাং কশা মধুমত্যশ্বিদা স্থন্তাবতী। তয়। যজঃ শিমিক্ষতম্। মন্তঃ। অন্যং সামান্যতঃ क्षिम् । जाज ष्रिकाः भिक्ता वियार काज्यविश शांख्याः।

जर्य िक्शानाना ७ ज्यास्या। ७ ज्यूमत् भाष्ठ प्राप्त प्रकार प्राप्त द्या द्या ह

वारम भाष्ट्राः कर्त्र (धात्रा (म)मामखानमक्षत्री । मिक्किन 'मुकेविनाखर (मरदांजमा कांत्रांत्र । उद्याम् नागडः कार्या, हरखी मक्तिनागरकी। नागर महीशृष्ठेगङः ष्टिहीशर नकुमरयुष्णम् वात्मारमक्रभंडा कार्या छमा डार्या भंछी मुन। नीनवञ्जा ऋवनां डा मर्काड्यनज्ञा

ইতি ধ্যানম্। ত্রতিবিনিত্যম্য গর্ণঋষিত্রিষ্টু স্ছন্দঃ ইল্লো দেবতা ইল্লপুজনে বি৽। जाजाद्यभिक्यभिव्यभिक्य हत्वहत्व ऋहवः भृद्यिक्यम्। स्वग्नमि भकः भुकः कुः
 मिक्यः प्रस्ति तम् भवत् भिष्ठकः। भवः। ७ तम्बन्न गङ्गांकः भूतभात्र भंठ-

करजा। वङ्ख महावारहा वाक्षिजार्थशामा ज्व। वार्षमा ७ श्रमम नगरखश्ख

৬০ বজ্রছক্ত ন্মোহজ তে। শদীপতে ন্মস্তভাৎ ন্মত মেঘ্যাহ্ন। ইতি ন্মস্বারঃ।

वाशूहिएक द्रांथ क्षिण्य। वारमां पमनाजा याहा नाकिः मह्ह । इजुनाजकतो प्रती

. हिट्ल मिक्निक्खरग्राह। जाना जिन्नेन कर्छत्या हाक्कर यानाक वागरक। थानम्। घर

. छ च ६ ८न। चार १ नक्रभमा विष्टान् एमवस्य ८ १एए। जवशामिमीकाः। मिक्टिका विरुज्यः - त्यां कार्मा विषा त्वराश्म क्षेत्रकार्या । यद्धः। ७ जार्यग्नः शुक्रता ब्रज्नः मर्नतम्

त्म ष्यद्य इंज्येष्य हिंद्रगाळ्येषाकित्रमधाविष्येष् एकः जाधित्कव्या व्याधिष्यत् विग

शम्य। उ मजनाषुम्मर्ष्याज्यश्वामोक्राध्यः। महिम्यः म कर्वतः मर्त्राज्यान् ५०

ম্যোহব্যয়ঃ। ধুম্কেতুরজাধ্যক্ষতমৈ নিত্যং ন্মোন্মঃ। নতিঃ।

কাষ্যিক্ত কুজু জঃ। দগুণ জাবিভৌ কার্য্যে ধম্দু ক্ষিণ্ছস্তয়োঃ। জালা ত্রিশূলং কর্ব্যং চাক্ষ-

माना ६ ४ वामरहाः। मरखान्त्रियुधः कार्याः जानामानात्रिज्यगम्। भूयांगा मन्मिरगं श्रुरा

न्यमृह। मीटलांदशमाजार श्र्यानीर वारमादमरक ह कांत्रायद। श्र्यानी ष्रिजुका कांत्रा यमः

ত্রিনেত্রং শাক্রদারিণম্। চতুর্কাত্তং চতুর্কত্তং দেবেশং বায়ুমার্থিম্। চতুন্তিশ্চুণবিলয়ুজ্

उन्ज िन्न क्र छ । क्र को अप्रमार को कार किन्न है। जिस्से । मिक्ट । मिक्ट । मिक्ट उच्छ बाट्य श्राबर कु कांबरबर । बाट्य भागधवः कार्याः कार्टका विक्रेप्रमान्। धानम्। यमश्रेष्ठेगित्छ। छत्वद। वात्म जज्जाः कत्त्र काशिर मञ्जिककः ज्रमन्निम। भार्षाका मिक्तिन

मजाभाद देववश्र छ। त्या ष्रज्ञाश्र करनाष्ट्र मंशा भञ्जः। ७ धर्महाक महाकाয় मिक्किनाधि-भट्ड यम। बट्ड कम्ब महादारहा मम भीड़ार निवाइश। थार्थमा। अ क्रेयदमीमः नम-

सूत्र में भेष्ट्रः अमिनः न नि क्यांधियात्या शहर न जाग्नुः। जरेभेकु म्कून्निर्डः

कून् म महामिठाय धकामिडिश मिखिषे म् इन्मः यत्म। मिन्छ। यम्प्रकान निः। छँ

निश्र टिड । व विज्ञानीतिका विवृद्धां क भाष्ट्र मर्टो क्वानमा । छेब्र किरकाना नत्रक्र ष्टिवास् जीयशाननः। थएगार्डक्र क्रम्बाकः क्रम्बाम्बत्यत्रख्या। अर्माण्डनवान् मध्ये। मर्देष প্ৰজাপতিঋ বিক্ৰিফু প্ছদে। নিঋ তিৰ্দেবতা নিঋ তিপুজনে বি॰। ত অসম্ভ্ৰম্যজ্মান-मिक्ट एउनरमाञागिष्टि उक्दमग्र। अन्यम्यमिक्ट मा उ हेजा नरमा मिव निश्चरि द्रिष्मियं इत्रख्यो। क्रिकाकी क्रक्षत्रमन। भागह्छ। जू त्रांग्जः। आंग्रिम्। जञ्ज्यस्थितिरा ट्टिश्क मधर्खे नरमाश्कु ट्टा महिमक् नमत्ख्य् सर्माता नमञ्ज ट्टा निष्टि।

७১ कुन्छामञ्जा मञ्जा के यज्ञात्रम्यरत्रा बारमा निर्माष्टिम् त्राह्म । क्षारकरना विज्ञानीरक

(गोन्नी बन्नामना। बारम कु समूना कार्या। क्ष्मिरक्षायामाजाका। मीरनादभनकता (मोमा (ग्रांखमा कांग्राय । जार्ग जू मिक्ति गंक्षी मकत्रका महाम्त्रा। मिनमा मिनी मा कांगा हज्य

मैनमैजनैत्रकमिष्टा। शामम्। जञ्जा शामीजामा अमःरामक्यांतिष्ठिषे एतमा वक्राना (म्वजा

ৰক্ষণপুজনে বি । এত তত্ত্বা য়ামি ক্ৰমাণা বন্দুমানজদাশাজে মজমানো হবিভিঃ। আহেড়-

মানো বকুণেছ বোধ্যকুশংস মা ন আয়ুঃ প্রোমীঃ। মন্তঃ। ও শুদ্ধকটিকসন্ধান খেত

. जांद्रा मक्षाकृष्युक्त हो। वात्माद्मक गंजा कांद्रा। क्ष्मध्या हिकुका मुन्प। जेदन्य कांद्र हाहा हा দক্ষিণে শুক্তম্ব চ। পদ্মপালো ক্রমাৎ কার্যো দেবদক্ষিণহন্তয়েঃ। শাস্থ্য রত্নপাত্রঞ্চ বাম-

ক শচতুত্ জঃ। বামভাবে গতং কেতুং মকংং তম্য কারয়েৎ। ছত্রং তু স্থমিতং মুর্সি

बक्रनम् । ७ भक्तोत्रस्य ममाक्रह्मं बक्रह्म। याम्मारम् जिक्षा किक्षटेबम्यामकाणः

मम माखिर श्रष्टक कू। जार्थना। ७ निर्माण्डि भूमान् क्रम्धः मर्वत्रत्कार्धिरिंभा महान्

শ্তাহতো মহামগ্রস্তবৈ নিতাং নমে। নমঃ। মতিঃ।

<u>भ्यात्रंत्रमञ्ज्यमे । किभिमानमञ्जेत्तां मूकार्शात्रकृत्रिकः । मर्काच्य्नाम् दाञ्चम् जनाम-</u>

বায়োঃ। ওঁ বাষুরমূরগো ধ্যেয়ক্তদাকারামুরক্তথা। কাঠাপুরিতচক্ত দিভূজো রূপ হারাম্বরার্জ। পাশহন্ত মহাবাহে। দরাং কুকু দ্রানিধে। প্রাধ্না। ও বরুণার ন্যক্তে-হত্ত শুদ্ধকাটিকদীপ্তয়ে। নমত্তে শেতহারায় জলোশায় নমো নমঃ। নতিঃ।

পৰনো দ্বিজ্ঞ। তথা চ দেবী কৰ্ত্ব্যা শিবা প্রমস্কন্দরী। ব্যাদিতাশুক্ত্বা কার্য্যো দেবোহাকুঞ निक। अ जा तमा निश्वाद्धः मधिनी डिइ४इ९ महाखिनी डिक्कभ गाहि गळाम्। वारश जियान সংযুতঃ। গমনেচ্ছঃ শিব। ভাষা। তস্য কাষ্যা চ বাশতঃ। কার্যাে গৃহীতচক্রাক্ষঃ করাভাাং -मूर्ककः। धानम्। जत्ना निमुखितिजामा विमक्षमित्रिके भ् छत्नः वासुर्कत्जा वासुर्कत्न

সোম্ভা 'ওঁ শ্বেডঃ শ্বেতাহরধরো দশাশঃ শ্বেতভূষণঃ ; গদাপাণিদ্বিয়েশ্চ বরদঃ श्रक्ट ख. ममीजग.म ७ ट्य मा ता ह . बहर (महि बह था मा । वी महमा हि बह भी के छ अवत्न मानयक् मृत्रः भाऊ कुछिछिः मन। नः (य०२१, ष्य०२৮) मञ्जः। ॐ धावन् इति। शुकेष्ठ জ্ঞাৎ সদা শশী। থ্যান্য। ব্যং সোমেতাত বন্ধুখ বিগ্যিতী ছন্দঃ সোমে। দেবত। সোম সমীরণ ন্মোহস্ত তে। ধূতাবর্ণ নমন্তেহস্ত শীত্রগামিন্ নমোহস্ত তে। নতিঃ।

शुक्राम विः। . ७ वरः (माम वर्ष्ठ ठव मनखस्य विच्र । अक्षित्वः मर्घमिष्ट्। मखः

৬২ उँ অভিপুত্র নিশানাথ দ্বিজরাজ সুধাকর। সোম সুং সৌম্যভাবেন গ্রহপীড়াং নিরাকুক্স।

आर्थना। ७ (गोत्रवर्धः शुमान् (मोमाः मर्त्योयिषममिष्ठः। नक्त्वाधिभिष्ठिः (मामच्डेत्य

कृत्या । उ शुर्त्वाख्त ब्रिन्बन्ध रुष्ट्यिक्षिन्। क्षान्नानिक्ष्यिक्षिण्यनि

मिछार महमा ममड । मछि ।

. পর্মেশ্রঃ। 'ধ্রান্ম। তমীশাম্মিত্যক্ত গৌতম্ঋ্যিজগতী ছন্দ ঈশানে। দেবত। ঈশান-

शुक्रान वि॰।ं ७ जमीमामर काराज्यक् मन्नाजिर विश्र किमग्राम कुमार राग्। श्री त्ना

. ग्या (तममाममृत्य त्रिक्ति) भाग्नतमकः यखता। मञ्जा। अ भक्षतक् त्रमात्रा जिल्लाक्त

शुखकः ए कमधन्म्। वामः क्ष्माजिमः जन्म भारम् रूपमछ्देषत ए। भानम्। जारम

तका है जामा था भाषभाषिष्य है में हरमा बन्धा मिन ज बन्धा प्रमा विका के जाया মেহৰা পৰ্কতামো ব্ৰহতে ভরহতে। সজোষাঃ। কংশংসতে স্তৰতে ধায়ি প্জ

ত্রমাণঃ। ওঁ পাঘপত্রাসনস্থত ত্রমা ধোয়শচতুমুখঃ। তাক্ষমালাং স্তুবং বিভাৎ

- ममामित्। ठक्करमोटन महारम्व मम नाष्टिकरत्र ज्या थार्थना। उ क्रेमानः भूक्षमः खन्नः

স্ক্ৰিদ্যাধিসো; মহান্। শূল্হজে। বিরূপাক্ষস্তমৈ নিতাং নমো নমঃ। নতিঃ।

ুঞ্জীতী অমুী অবস্ত দেবাঃ। মন্তঃ। ক্ষণাজিনায়ুরধর প্যাসন চতুতু জ। জ্চাধর অনন্ত্র । এ অন্তোরক্তকায়শ্চ সিত্পক্ষমালিকঃ। সিত্সাহ্সভোগোহহিঃ শিরঃ-क्रमिनाउः अमीम कमत्नाष्ट्रव। आर्थना। उत्तिमाधातात्र त्वमाप्त क्वानगमात्र स्वत्ता । कम ওলক্ষমালাঅ্ক্সুবহন্তায় তে নমঃ। নতিঃ।

कूरनग्नाषिछः। शामम्। त्यामा भृथिवीय त्यशिषिश्च विभाग्नी हत्मायनत्या त्मर्षा ष्यमञ्जूष्कत्म विः। ॐ त्य्यामा शृथिवि त्मा स्वामुक्तज्ञा मित्वमंभी। यञ्चा मः भर्षा मथाथाः

. बज्रहा ७ द्याश्माउमख्रात्मन बन्नाख्यः महत्राहत्म्। शूष्मवित्रात्म्म् मि जित्या मिजाय न्त्या मगः। शिक मिकः।

পদাসন্ত্রা দিভুজা ধ্যাতব্যা বসবঃ সদা। ধ্যান্য্। জা্য়া অত্রেত্যস্য বসিষ্ঠ ঋষি-Galaखितिक भक्त्रक अवाः। जाक्षिक भय देमखाः क्रमु १० (जांच। मूटमा क्षा<u>्त्रा</u> वस्मार, मग्रमिण्टामवजाञ्चभाष्कः। उ अमञ्चवम्माः त्रोगा वत्रमाः मज्जिभागाः। क्षिक्रेम् इत्मा वमत्वा त्मवजा दश्माः भूकत्म विः। ॐ क्षाुश व्या वमत्वा दछ तिया ा खमा। मुख्रा

6 **अट्टिक्ट्रम्बर्धाय्यक्रम्स्म । ५ क्रम्म । ७ माना भक्षम्बीटमाया हज्** 

२ धत्रमा । . ७ भषाष्ट्रमानित्क यमा मक्तवांमकत्रहता । मीत्रं की प्रधात्मारेत्र शतात्थाः-कम्अनुः। मक्ताधन्नामिरदाम यमा न्याः म कर्ता मणः। धानम्। ६ क्रिवान - ३ तमी वर्ष्टमाण्डां थानम्। उ धतायानम इि मञ्जा। 阿阿

 अधिनम् । अ अक्षमात्मा्भिवीत्उ ह मृशिभक्तो क्रिष्यः। यमा स्टः (मोदिनिनार्थाः ও সোমস্য। ও মুক্তাফলর্মতা মালা পক্ষণ শক্তিরস্কুশঃ। স ব্স্তঃ কীর্তিতো যস্ত 8 क्यांत्रका उँ मदाम्हको दरमार्थमा हिहाइको छः भक्तिमश्युष्ठो। मीदाक्रभाविष्ठो हां ४३ म ज्यात्र मिर्के मर्के कि कार्या नम् । मिर्के । मिर्के । मिर्के । दमायनारमिडिटिव बुटेबड । धार्मम्। उट मामांश नमः। मञ्जः।

माष्क्रक्र भक्षरमा दञ्ड। धानम्। उ व्यनिनाम् नमः।

 अन्तर्य। ७ खूराक्रमानिक मत्क वास्य अकिक्यान्छ। मत्त्राक्ष्मिक्या-(मग्रंट्रम) मनाथाञ्च रक्ट कुडिं। थ्रामिष्। ७ मनांत्र मभेट। १ अक्षमा। ७ थोष्ट्री कक्षतः मत्तः नक्षित्य हं यत्त्राच्ना अक्ष्मात्या वक्ष क प्रथम के भिक्ति कि । स्राम्। उ क्रिकायां मनः।

न्। क अकर्वना कुछ। वान्धन्नकाः। थान्। जा कृषाम इन्त्रमात्वाश्वापक्षिभाति ছদ্দো ক্রা দেবতা রুরাণাং পুজনে বি৽। ওঁ আ রুদাস ইন্দবতঃ সজোযসো হিরণ্য-রখাঃ ফুবিতার গল্ডন। ইয়ং বো অন্যং প্রতিহ্য্যতে মতিজ্ঞাজে ন দিব উৎসা উদ্-नमत्या धाष्ट्राः। थरत्रा अन्यर कारिङ कार्निङ। ७ मिनावक्रा मिनारम्हाः शुष्णमानावि-जुरिकाः। 'दमरवारेटो महाजागाः वत्रमाः मञ्ज त्म ममा। आर्थमा। ॐ ममकरतामि দেবেশান্ নানাবস্তবিরাজিতান্। শুদ্ধকাজীকসঙ্গান্ দিব্যায়্ধকরাশ্বস্ন্। নতিঃ। क्छांनार मग्रमिटरमवटाष्ट्रभरक। उँ तक्तवनीक्षिनतम विकुकाम्ऽस्टामीनत्रः। कि পোছপ্যনিলো নলঃ। প্রত্যুষশ্চ প্রভাসশ্চ বসবোষ্টে প্রকীর্ততা ইতি বিষ্ণুধর্মোভরোক্তা ৮ প্রভাসম্য। ওঁ মব্যে দণ্ডকপালাচ্যো দক্ষে তু শ্নিশজ্নিক। শুভদঃ কীর্তিকায়ং क्षां हिंदी है है। स्राम् मृ । है क्षां मार्थ । क्षां स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ ।

नार्वा मञ्जू

প্রত্যেকদেব্তাত্রপক্ষে। ১ অজস্য। ওঁ অজনামা মহারুদ্রে। ধতে শ্লমথাক্সশম্

उक्नीगूर्धकलमर थेट्रोक् उम्४३ करत । ममार 5 महिनार घलीर मक्टि भत्रक्रकृष्टिकाम्। कश्रांतर एमक्र मर्गर मुमान्नक क्रमन्त्रम्। जक्कक्राम्टाम मटक ज्यां नाम कताकेटक भागम्। ७ व्यक्ताः नमर्रे छि भन्तः।

্ত অহিবুগুমা। ও অহিবুগুগু গদাং চক্রম্মিং ভমরম্মারো। শ্লাফুশাক্ষমালাশ্চ ১৪ ভোগসংশীতং কুরুতে যজুনঃ সদা। ধ্যানম্। ঔ একপদে নম ইতি মন্তঃ। অসৈয় 548 FO कर्मासः ६ (क्रीमुनीः उर्ज्जनीयिष्। अत्रुष्टः ठक्नाप्षरः क्राप्तामार्थरक कर्ता। जात्नक-श ब्रू घले। र जक्ष्महै। उ जक्ष्मामाज्ञिया विश्व एक एकि माष्ट्रम् भवम्। ठक्ष म्लर मुम्लाइर उमर्था दर्म। जाक्तर स्वार मिल्नावान् थेट्रेक्तिर मञ्जरक। প্রথমপ্রমিত্যমো।

8 विज्ञासक्ता। अ विज्ञासकः मृठः थलाः मृत्ः ज्यक्षास्य प्रमा। मर्भः ठकः भवा-मरकार्षायः करेतः क्रमाद । ट्यायतः भक्तिमः ध्यं क्यांनः जर्जनीष्ठेष्। भक्तिः भत्रकतः नारम मक्कवन्ना दश्जानम्। ७ जिल्हे भाषानम्। मज्ञा

मक्त्र्याः विष्य क्रांकेटक। (थेटे थेटे किक् मिलिं भिर्छे ए इंकिमी घरिम्। यक्षिक्रभान-६ द्विउज्जा। ॐ द्विद्दा मिक्कित्व काश्रीर भेजार ज्ञानार जामाभिष्या। ठकाक्क्रभाक 

भिक्तिक भावः वागवाक्तकटकवदः। मर्तमम्भदकत्ता (स्थतः कांग्रट्ज ठाकिमाकुमम्। थानम्।

मानांख शात्रम् क्षमामिठः। भन्नः (योहेकथोट्रोक् मलीर उक्किमिकार उठः। भन्नकर

ও রেবতার নম ইতি মন্তঃ।

. ७ रतमाः। ॐ रतारथा मुन्नातः हेठव डमकः भूनमञ्जाम्। भनामनीक्य्यानि

१ वक्त्रभगेरं। ७ वक्तरभा मधकटिकच्यक्थ समर्भाग्। मर्थर भूनाङ्करन ८० इर ८कोटमा-थाउरान मिक्करश्रेष्ठ । मिक्रिन टिजामत्र मिक्टि भेत्रकर जर्मीर घर्षे । थाई । वर्षे मीर जनमालिकाम्। घर्कार कमालर थर्हे किर ठर्जनीर कुष्किन्र धन्नः। भन्न अप्त भक्तिन् (शि विद्यार्था किएम के प्राम्म। है इताय नम देशि मञ्जः।

टेठव वाटमांबां क्रिक्रां केटक। यानम्। ॐ वछक्रांभात्र नम इंि मञ्जः।

৮ जास्कमा। ॐ जास्टकारिभ मधककः एमकः गुमांतः भात्म। भानाङ्गमाहि

जागार मक्कवाख्येटक चिछि। शक्रज्ञर अधिगर घलेर भव्रक्षर उक्क मीर धन्छ। बहु। बहु। > सूरत्रचंत्रमा। ७ स्रत्रचरत्रायिश् एमक्र ठकम्नाङ्गानामि। मंत्र ६ मुम्मात्र ७० जाणाथ मटकार्वामिक्टमन हि। नामायेट्रोक्मावानि कार्यकः उक्कमीर यहेम्। প্রিশং চেতি বামোধাদিকরাউকে। ধ্যানম্। ও তামকায়নম ইতি মত্রঃ।

১০ জয়ন্ত্ৰয়। ঔ জয়ন্তো দশমে। কুজোহপাস্থুলাং চক্ৰয়ুদ্ধারে। শূলাহিতমকং धात्राम् भावः वामाकेक्त्रभक्तत । ध्रामम्। ७ छत्त्रक्तांत्र मम इंडि मजः।

मक्यक्रमानाः मध्य क्रमाय। मिक्टिथिकामानाविक्किनीयहेशक्रकम्। घरोमछपतः भष्यः ७६ অইজ্কপাদহিবু গ্রোবিরূপাক্ষক রেবতঃ। হরশ বহুরূপাক ত্রাস্কশ্চ স্থরেশ্বরঃ। রুদ্রা একাদশ প্রোক্তা জয়ন্ত শ্বাজিত ইতি বিষ্ণু ধর্মোক্তা নামতো গ্রাছাঃ। বীরভদ্রশ্চ শাস্ত্র শিরী-वानमक्त्र्व घमाछे द । गमाथे क्रियक क्षान का जिल्ले क्षिन । ४ व्ह क्षी मरथा क्षा-১১ ष्मभूताकिउथा। अ व्ययाभूताकिट्या मटेक्ट्डाम् १ थ्वामङ्गम्। म्नाहिठक्ड थात्रम् क्षमामिष्डः। उद्धनारः घोषिर्छाकम्। शानम्। ॐ ष्मभेत्राकिष्णात्र नम् हिष्मि मङः। मियां बर्यास्त केटक मध्र। ध्रामम्। उ जत्र छात्र नम हिण्मितः।

म् । बाम्नामिक्रात्खरकाम् अनमश्क्रिकाः । शानम् । यर्कात्मवानामिकामा कूरमश्रिषिष्रेभ् ऽ धांकुः। छ मिक्काल (शिकती माना करत बारम कमअगुः। श्रेषांकार मामिकारमा ভवज रुष्युखः। जा त्वाश्र्याठी ममज्जिय्जाद्राहर्गाकमा विद्या विछ-করাদিক দ্বপর্যত্তং সনালপঘ্ধারিণঃ। অধঃসংস্থিতমেষাদিরাশয়ঃ প্রভয়ার্তাঃ। ধাতা। ছন্দ আদিত্যা দেবতা আদিত্যানাং পুজনে বি॰। ওঁ যজে। দেবানাং প্রত্যেতি স্কন্ন-न्य महायनाः। जटक्ममामहित्रः भिनाकी ठाभन्नकिणः। जुरमायीय्रोदेष्ठ क्मानी A मत्मारक्ष व्यवारहरूणा कृष्यर्डाक्ष मत्मा नमः। ठक्माक्किमोनियातिणा व्यत्मर्ट्या ह विमाश्मिटा छान् र्भिक छन्याम् कृषात्वकामम सृष्य हेणुळनाम् रूप्प-क्षामाणादम न धाइनम्। षट्ना जू बठमामका बवाब तिक्छ। हेछि वम्छि। उभक्ष-वक्ना व्यात्राहाखित्वाक्ष्यत्योनिनः। क्ष्या वकामन त्वता यय भाखिकहाः ममा। थार्थना। আদিত্যানাং দমুদিতদেবতাত্বপক্ষে। এ প্যাসন্ত্য দিত্জাঃ প্যাণভিত্ৰিকান্ত্যঃ द्रांम् । मञ्जः। शुरुकाकतम्बर्धान्त्रामः। नत्मा नमः। इणि नमकादः।

بحر

২ মিত্রজা। ওঁ শূলং বামকরে যস্যাদক্ষিণে সোম্ভব চ। মিত্রা নাম ত্রিনয়না কুলে-শোভিতকর সা ধাতী প্রথমা তয়ঃ। ধ্যানম্। ওঁ ধাতো নমঃ ইতি মন্তঃ

७ व्यर्गम् । ७ व्यथरम् कू करत्र ठक्कर ज्या दारम् ठ टक्भिमी। मुर्खितार्यामनी टब्बता मगरेषाः भाषिमान्नदेवः। यानम्। ॐ व्यर्गम्त्। मम् वृष्टि मखः। শয়বিভূষিতা। ধ্যান্য। ও মিত্রায় ন্ম ইতি মন্তঃ।

ি ৫ বফ্লস্তা। ওঁ চক্রন্ত দক্ষিণে যস্যা বামে পাশস্ত্র শোভনঃ। সা বারুণী ভবেমুর্তিঃ ৪ ক্দুস্ত। ও অক্ষমালা করে সবে চক্রং বামে প্রতিষ্ঠিতস্থ। সা মূর্জীরোদ্রী-বিজ্ঞেয়া প্রধানপ্যাস্থিতা। ধ্যানম্। ওঁ রুদায় নম ইতি মন্তঃ। श्यादा शक्र हा । शानम्। उ दक्र । अस्ति मञ्जा

उ क्रांच्य । उँ कमध्यूमिकिन्टन माना नाक्ष्मशी ভद्वर । मा ভद्वर मरमजा क्र्या मुर्जिः भषादिङ्गिष्ठा। थानम्। ॐ क्याप्र नम् हेि मञ्जः।

१ ज्यास्त । जैयमा मिक्किन्जः म्लि वामृहत्ख स्रमर्भनम्। ज्यम्बिंड ममाथानि भष्न-হত্তঃ গুডাহজয়। ধ্যানম্। ওঁ ভগায় নম ইতি মন্তঃ ৮ मारि भाषाक्षमनक्ष्मा। याम्म। उ दिवयत्त नम हि मिछः।

৮ বিবস্বতঃ। ও যস্যা বামকরে মালা তিশ্লং দিকণে স্তম্। বিবস্মুভিরেষা

১ প্ষঃ। ও প্ৰাথ্যস্য ভবেমু ভিদি ভূজা পঘলাঞ্জিতা। সৰ্বপাপহরা জ্যো সৰ্ব

नक्ष्मनिक्ता शानम्। उँ शृह्यः नम् हेण्यि मञ्जः।

১० मिविजुः। उ मिक्टिन जू निमा यम् । वारम टेन्व ज्यमर्गमन्। भष्यवाथी जू माविजी

. ১১ जुचूं । अ खुवर চ मिक्कित इत्ख वात्म दिशमक्रकालिका। मुख्यिए । एति । भिष्मक्रक्कक मिक्क कर हारा। धानम्। अ खुक् नमः। मखः। मूर्जिः मर्खार्थमाथनी। धरानम्। उँ मदित्व नम र्राज्य मञ्जः।

১২ विट्रिशः। ॐ ऋमर्गनकता टर्माटमा भष्महळ; जू वामजः। अया मार वामभी-মুতিবিফোরমিততেজসঃ। ধ্যানম্। এ বিফাবে নম ইতি মন্তঃ।

ভাকরাঃ। প্রাধন। জবাকুস্মসকাশাঃ কাশ্যপেয়া মহাত্বিয়। প্রারয়ক পাপ্রাঃ अ वम्म कथ्कानीकामा इत्कादम्लम्ल थ्वाः। त्नांकनाथ। कराबीकः माखिः मम्ब्रे

প্রণতোমি দিবাকরাঃ। নদ্মারঃ। ধাতা মিত্রোধ্যমা করে। বরুণঃ সুধ্যএব চ। ভাগো

দশ্যঃ স্তঃ। ডওঁস্বফা ততো বিষ্যুরজঘন্যক স স্ত ইত্যুক্তনামাং তু পৃধ্য্যানাভাবেন ७१ विवयान् श्रुषा চ मविछा मनामः मुङः। এकामनाख्यां घ्यां विष्णुष मिन छ। इत्राका (विक्रिड्या) । भाजांशामा ७ मिल्र विक्रानिश्क्ष्यं भाष्ट्र विक्राना

পৃথক্ ন সন্তি প্রণবাদিনমোন্তাত্রিক মন্ত্রাঃ। মুক্তো নাম তে দেবো গণা হৈব সপ্ত সপ্তকাঃ। ৬৭ বেদিতব্যাঃ। এ ধাবতো ফ্রাপ্রফুছা ধ্রজৃহস্তা। সমীরণাঃ। দ্ওহ্তঃ। ফ্রাার্কা বরং দত্ত বর-थिमाः। थार्यमा। ॐ मत्मा रतिनश्षेष्या माक्ष्णा (वा नित्मा ममः। भूखवनी मत्मा (वारेष्ठ হুসঃ। স স্তুণোপাতমো জনঃ। মন্তঃ। প্রত্যেকদেবতাত্তপক্ষে আবহাদীনাং ধ্যানানি আবহঃ প্রষ্টশচৰ উদ্দৃহঃ সংবহ্সথা। বিবৃহঃ প্রাবৃহ্টশচৰ তথা পরিবহোষনিলা ইত্যুক্তা मर्वाम्नामुख्याम्बाखकत्मनायुध्यात्रिनः। त्रकाक्कांक महाविषाः मर्कक्षमण्ड्षिणः। धृष-ব্ণা. ফ্গারাড়াঃ সর্বেতে শবলাংশুকাঃ। ধ্যানম্। মুক্তো যুসো্ড্যস্থ গোত্মশ্ববিগায়ত্রী ছদেশ মুক্তো দেবতা মুকুতাং পুজনে বি॰। ওঁ মুকুতো যুস্য হি ক্ষয়ে পাথাদিবো বিম-মরুদ্ধানাণাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে। ওঁ সর্বে চতুভূজা ধোয়া মুবানঃ কুটিলক্রবঃ। ন এহণম্। কেচিভু ধ্যানাভাবেষপোতএব গৃহ্জে ইত্যাহঃ।

महमाश्ख मीखगामिनः। मण्डि। जेनभक्षांमध्मश्याकांमाः वट्जाक्यांनमरञ्जिभ मरेकिनिवस, चित्राव्हामीमार मञ्जानात्मवाज त्मव्हाज्ञित्मभी ८ ट्यांक श्रुषक्षांनाजात्वन मामानाथान-

(मेर् कर्वराम्।

शुंखकथ कमधनुम्। दामः क्रक्षाक्रिमः जमा भीत्र्यं श्रमखदेथद छ। धामिम्। जमा कष्काम-वमानः। ७ भषाममरक् कंहित्ना वमा (श्राम्क्ष्र्कः। जक्षमानाः क्यरः विजय

मिक्किनोधःकटेत्रः क्रमाद। धामम्। इमर विक्षुतिज्ञ स्माजिधिभाषिनीयवी इत्मार ह्रारज (मवजा अह्राज्यूकत्न वि॰। उँ हेमर विक्षुर्सिज्जत्म त्वधा निमाध भेमम्। ममु-ম্সতশ্চ বিবঃ। মন্তঃ। ও ক্ষণজিনাধ্রধর পাঘাসন চতুভুজ। জ্টোধর জগদাতঃ প্র-আচুতেত্ত । ওঁ গদাং সরোজং চক্রঞ শন্তং ধত্তেহচুতেঃ সদা। শুরুদেহো নীলবাসা মিত্যক্ত গোতমো বামদেবঋষিত্রিষ্ঠু প্ ছন্দো এক্ষা দেবতা এক্ষপুজনে বি॰। ও এক্ষ कळानश् अथंतर श्रुक्छां वि मीगडः यक्रा (यन व्यावः। म द्रांत व्यात विकाः मडम (यानि मीम कग्रत्नां छङ्। व्यार्थना। उट्टे त्वमाथात्रात्र त्वमात्रात्र क्वानगम्। क्युलुक्षमान। ব্দক্স বহস্তায় তে নমঃ। নতিঃ।

एमच्य भारक्रत । मञ्जः। अ त्मन्त्रमन कार्याय नित्मा पद्धान । भाहि मृश्यामृत्य

কুলাজা। এ স্নাস্তব্যুক্ত্যাঘোরবাম্ভাতাঃ ক্রমেণ তু। সিত্পাত্র্যুক্তাম্চতু-কুল্ফ্স্যুক্তিরাঃ। প্রবিত্যুক্ত্যাঘোরবাম্ভাতা সর্বে দশাদেক্রিভূষিতাঃ। ধ্যান্য। ব্যুক্তাম্বেট্ধস্থব্যান্ত্র-জুল্ফ্স্যুক্তিরাঃ ব্যক্তিরাক্ত্রকেরশোভাঃ শূলপক্ষ্পাণায়ঃ। ধ্যান্য। ব্যুক্তামায়েত্যস্ত গৌর-জুল্ফ্স্যুক্তিরায় তব্যসে। বোচেন শংত্যং হাদে। মন্তঃ। এ পঞ্চত্র হ্যান্ত ত্রিলাচন সদা-জুল্মিরা তব্যসে। বোচেন শংত্যং হাদে। মন্তঃ। এ পঞ্চত্র হ্যান্ত ত্রিলোচন সদা-জুল্মিরা তব্যসে। বাচিন মান্তিকরো ভব। প্রাধিনা। ও হ্যবাহায় দেবায় পার্বিতী প্রক্রেন্যঃ। বরদায়ান্ত্রিকায়ায় ন্যুক্তন্ত্রানিনিলন। নতিঃ। ঈশন্ত। এ ঈশস্তৎপুরুষাঘোরবামজাতাঃ ক্রমেণ তু। সিত্পীত্রমণ্ডরুলাশ্চতু-उमान् एकामू शर्कातक। यार्थना। उँ नगर्छ भूखतीकांक नगर्छ भूकरमालम। नगर्छ मर्सरलाकाष्ट्रग्रह्णांख नमञ्जाता। निष्टिः।

जर्मा। ७ भवामनः भवन्तः भवाग्रिमनमूगिङः। 'मधाभाषाभाष्य्र ष्रिष्ड রি০ ৷ ঔ স্বণ্যমঃ সাহ৷ স্বণ্কঃ সাহ৷ স্বণ্শজ্ঞঃ সাহ৷ স্বণ্জোতিঃ সাহ৷ স্বণস্ধ্যঃ সদা রবিঃ। ধ্যান্য্। স্থাত্মইত্যত্ত প্রজাপত্তিঋ্ষিণায়ত্রী ছন্দঃ অর্কোদেবতা অর্কপুজনে

ふろ

नासिः वष्कु जाकतः। वार्यना। अ ज्वाद्भयमकाना काणापातः महामाजिम। शाचा-क्राइडि । मञ्जः । ७ वम्मूकभूष्मनीकात्मा इत्छाद्भम् मनञ्जः । लाकनात्मा क्रांत्रीकर

**७ क्ष्**रीगंग नम् इत्जावः व्यत्ज्ञकमञ्जनाठीन् जनः जनम्प्रत्यान्तिम् प्रतिमान्त्र र्षाखनाममस्अन ममार। डेन्डाङ्ड जावाङ्नामनाधार भामग्रहमनमभूभर्कतमवाकः। वारमा-ক্লপেটপৰ ধ্যানম্। তদ্ধপাশ্বত বহুশোহভিহিতত্তাৎ তন্মধ্যে যৎকিঞ্চিদেকং ধ্যানং কৰ্ব্য-ম্পতিপুজনে বি০। ও বনম্পতে বীত্তকো হি ভূয়া অমংসধা প্রতরণঃ স্ববীরঃ। গোভিঃ मर्नामा जाम वीएशः योष्टा । जत्र ज्यात्र जियानि। गतः। जार्थनामणी मामारमारेनव স্ধাদিবনন্পভাত্তদেবতাপুজনপ্ৰারত্ত্বেব্য। আ ক্ষত্বেনভাদিমন্ত্ৰপাঠাতে ইদমাসনম্ वनम्भट्डर्गामानिष्धारमश्री छ्वित्रागार वनम्भिष्डिप्राट्डिस्थ्र्त्रभेषायामास्थ মিতি সম্প্রায়ঃ। বনন্সতে ইত্যস্য প্রজাপতিখ যিজিষ্ট্রণ্ ছন্দঃ বনন্সতির্দেবতা বন-द्विर मर्समामद्वर प्रगट्टार्यम् मिरोक्डम। मण्डि। 1 12000

ভূষণগন্ধাঃ সুষনোয়ত্ত্বপদীপভোজ্যানি। প্রাদ্দ্দিণ্যং নতিরিতি কথবন্ত, পিচারষোজ্শ-

R

वक्रावाण्य সংপ্রাভিমন্তরে । • यथा उँ कलमण्य गुर्थ विष्ठुः करके क्रमः ममासिङः। ७२ মুলে তত্ত্ব ছিতো বন্দা মধ্যে মাত্রগণঃ ছিতঃ। কুন্দে। তু সাণারাঃ সপ্ত সপ্তদীপা বস্তন্ধরা। त्रमः ममारमी : जारेशकत्मकः जिलवः निनाकम्। यनमा प्रभाति भूत्रमा देग्दना शूरमा प्रमा-कः कथिए । मूनीटेक् जिकु जनका । एक । उर्ज प्राची मना विभागमा प्रयोगम् उठः धार्यनिमानज्ञात थाखज्ञिमा (२२४०२१० ७५०) माखिकनमः मःश्रांभा उत क्षिषि (इस्मिष्मिन्यक्ष्रिउष्टिम्पार्थभावितित्योक्ति वास्त्री नकु ठाक्तिकाः। रमवाज स्राम्मा यटका प्रमाद विम्योगित मुकाळकमा मुर मनामः वा ममाद। मनामभ्राञ्ज द्यात्मी ত্তত্থতে। মত্তাগকুঠং দিওণো গুড্ক লাক্ষাতায়ং পঞ্চ নথস্য ভাগাঃ। হরিতকী সর্জ व्यापः कीत्रः क्नावानि एशक्ताजन्ति । यदाः जिष्नार्थकार्यात्रकाषः अमेरिक देकि द्यांषिश्रुक्विषिश्रुकार्यात्वाकाकोक्ष्यकारः ममार श्रुपेक स्थामीनाः विरंग-य द्याद्यमार ममारि।

भारकामान्य वेषुर्वात्रमः मागरवरमाश्यक्षाः। जहेमक महिलाः मर्त कलमः जुममाजिलाः। অনুত্র পায়ত্রী সাবিত্রী শান্তিঃ পুষ্টিকরী তথা। আয়ান্ত্র যজমানস্য দুরিডক্ষয়কারণাৎ

मिष्यः नियाम कटेनत्रकुष्का कृषिनाकाः नित्रमा जान्या कारत्मान रुभारान द। त्यां जित्रम् ভত্ত পূর্বকুণ্ডে খাথিদোক্তবিধানেন বহিং ছাপয়েধ। যথা কুগুনিযুপ্রমাণং ছণ্ডিলং বা কৃত্বা গোম্য়েনোপলিপ্য সমিধা কুশমূলেন বা ষড্ডেপা লিধেং। তত্ত্র অগ্নিছাপনপন্তি শাগায়তে মধ্যে ডিব্ৰ উদগণা অসংহতা ইত্যবং ষড্ৰেখা উলিখ্য তাস্থ রেখাস্থ তামুলেখন-मरम्हम थाएमनाम्मिज उम्मया व्ययम उम्हा व्याम्हिल्ल मिक्टलाङ्ग्राङ्गरम् प्र इत्रक्षक् सार्यम् । ।
 इत्रक्षक् सार्यम् ।
 इत्रक्षक् सार्यम मानिषाः कुक (म (मर श्रमत्म। उर मर्तम।। उठः कनभूष्ममात्नाभरमां डिडः भक्षर्भः विज्ञानः वृङ्क्यां जिरेषवर्जात्रमः यर्थाकः विज्ञानम् अँ स्र्यामिरञ्जा नम् हे जि मम्राद। जज्ञः ভূতানি ত্বয়ি প্রাণাঃ প্রতিষ্ঠিতাঃ। আদিত্যা বসবো ক্রা বিশ্বে দেবাঃ সপৈতৃকাঃ। ত্রিষ জাচাষ্যকুণ্ডে তু স্থ্যাদ্যাবাহন্যোগ্যতার্থন্মিপ্রণয়ন্মিশ্বাপনে ইতি সাম্রিদায়ঃ। कुछ विश्वत्य विक्यूमा यश्म्। घुरखारत्र मर्सठीतीनि मर्स्स मियायुति क्रिकाः। युति जिथेखि जिन्ने जिन्ने स्टिश्न स्टिश्न कामकन थिन। जुद्यमानामियर बद्धर कर्ड्न मीरक् ज्ञानाह्न क्रांडिमक्का थार्थरहर । ' ७ त्म्रमान्यमध्यातम भथामात्नै मरश्मर्था । छेदभाम्भि उमा

कम्। खूर् खूर् छूर । मिलिक व्यक्तमानाक मिक्ति। जामत् राजन रेठि मुख्मावर कु মুপে। ছাদশকোটি মুক্রাখ্যে দ্বিপঞ্চাশ্বকলায়তম্। বাহাস্থাব্যট্কারৈরক্তিৎ মেষ্-বামকে। বিভাতং সপ্ততিইট্ডেছিমুখং সপ্তজিকান্। দক্ষিণে চতুর্জিহাং ত্রিজিহামুভ্রে खैं हरेर वाग्रमिल हता कार्यतमा मारबर जा र वर्ष क्षामम् हेलारमनाभिर अर्थाना म मिन्दाथ व्यद्यो जुखोर मञ्जानिमुकि ज्ञमिष्य ड॰ वर्षितकामाननक्कार मरनक भथनत्रिधामोक्रिन विनिद्यांग हे जि मुजा। अ करामिमधि अहिलामि मूत्र यमताकार नेष्क्र तियोग् (आ००० म०১७ स्० भाग) हे जारमन रैनथा जारि क्तिरंभे । उठवानमा जुर्जु देः यतिजामा श्रकांभिष्टिथा कित्रकृषे क्लमा वृहम्मा जिल्मिन विक्रिका निक्रिका निक्। अ कृष्ट्रेन विज्ञास्त्रा क्रिक्ष निक् হক্তপ্রমাণাদি সংগ্র বহিং ধ্যায়ে । যথা ও ক্রেতেজঃসমুদ্ধতং দিমুর্জানং দিনাসিক্ম। ক্ষাপয়েও। ইইহবায়মিতাশু প্রকাপতিখা বিশ্রন্দোইভাবে। বহিদেবতা রফিজালনে বি॰। হজমারণাাদিজং বা বহিমানীয় কুণ্ডাৎ জ্ঞিনাদ্বা বহিরাধেয়্যাং জ্ঞাপয়েৎ। তত্রস্থবিজ্জি শুলদিক্ষনং গৃহীত্বা ক্রব্যাদমিত্যস্য প্রজাপতিশ্ব বিরস্তুপ্ ছন্দোথবিদ্ধেবতা অধিসংক্ষারে

थांग्रिकिखामवका व्यात्काम विश्वाम (मवाम् मध्यातिष मात्काम कथा। इर मर्काम् बत्का শেষণ ষিক্তিকতং হুত্তশেষেণ অগ্নিময়সং দেবান্ বিষ্ণুম্মিং বায়ুং সূৰ্যাং প্ৰজাপতিঞ সৰ্কাঃ দিব্নস্পত্যন্তাঞ্প্রধানদেবতাশ্চ চর্বাদিদ্রব্যেণ রুদ্রং চ অনুযাজসন্নহ্নাভ্যাং পশুপতিং চরু-यक्तामी ि दिकू कार्या महावास्त्र जिन्नामी मात्र जिन्नामी मात्र जिन्न मिन वावद जिन्नु मे ব্যত আজ্যেন অগীয়োমে চফুমী আজেন অগ্নিং প্ৰমানং প্ৰজাপ্তিঞ্চত্যতান্ স্থ্যা-কুহোমক্মণি তদকাঘাধানমহং করিমে। ইতি প্রথমং সামন্যতোহভিলপ্য তত্র চ দেবতা-বিশেষপরিএছাধ্মদিমন্ত্রাহাছিতেহগ্রে অগ্নিং জাতবেদসমিধ্যেন প্রজাপতিমিন্ত্রং চাঘারদে-विक्याविष्याग्रहम्। 'ष्रः ग्रुथः मर्त्वतिनामाः मर्थार्फित्रिमञ्जूताज । जानक् जनवन् तम् যজেহসিন্ সলিধে। ভবেত্যাবাহ্য যথাবিভবং সংপ্জয়েৎ। ততো ভূমে। পাতিত দক্ষিণজাহঃ लाएमनगाना श्रुजाकान्डियः मगिरश वरशे कुखीः क्षिकुं। तमनकातनो मरकैछि। कुनामाना-মঞ্লনামানং বহিমাবাহয়েৎ। ঘথা অগ্নে দ্বং-শতমঙ্গলনামাসীত্যুচাধ্যি ওঁ শতমঞ্চলনামানং नार्ज्य। त्रक्तभानाम्बर्धतः ब्रज्नभषाममण्डिज्य। उट्टाइट्धमाम क्र्यार। अक्रांड 5 मज-

কুশানামুদ্গগ্রং পুর্কাগ্রং বা পরিজ্ঞরণ্ৎ প্রোক্ষণ্ঞ কুর্যাৎ। ততোহয়েঃ পুর্বত আরভ্য দক্ষি-

खडनक्षभः द्यमाम्नमूभैकण्भा थाष्र्यखिष्ठेन् ७ (मिविषिठरयाम्ठिखिष्रामा मम्दन मीम डा अस्तर्म एडटेन करमनारमः भष्रिकन क्ष्या हिन्न । हिन्ने । हाजा-त्यांग्रद भाक्ज्य हेङ्गकार्था याग्रह्यानामिकाक्ष्मकाज्य महत्मकर शृश्या नित्रख हे छ। मा नामिक्करम् उ उत्रिम्भः याव (मामरकम् भागिमा विश्वाकानन्त्रभः भन्निम्भ्रम्भः क्रमार । কৰ্মণি কতাকতাবেক্ষণরপ্রক্ষকরণায়ামুক্ণোত্রমমুক্দেবশ্র্মণিং স্থাম্থং রূণে ইত্য-২০১৯ ক্তত্তর্দিশ্যপনিত্য বন্দণো দক্ষিণাকুষ্ঠমাসাদ্য অথেত্যাদি মৎকর্তব্যতুলাদানাক্ষ্যোম-. जिनैमिरंड खेँ इरडाइयोडि अजूरळ उमरधः शूर्सनानीय मिक्ननिमि शुगोक्रडकुमा \$

त्यक्तन। उभिवास वाक्षानमुख्या जियानमुख्या विष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या विष्या क्ष्या क् महस्र देनभा छा। फिर्मे । ७ इममङ्मर्वाष्ट्रमाः ममत्न मीमामीजि बाकुाक्ति সদন্ত্যাসিষাতে বৃহত্পতে যজ্ঞং গোপায় সংযজ্ঞং পাহি স মাং পাহি ভুজুবঃ স্থ-िक्यां िवती ग्रजी हरमाः विकारमित्र करम विभित्रांग हे जि मुत्रा छ इरम्मे जिम ষ্কশীতিং প্রস্ততেতি মন্তং জপেৎ। তত উদগব্যৈরু কুশোরু পাত্রণাসাদরেৎ। যথা - প্রজাপতিখ বিশায়তী ছন্দোহযির্দেবতা ত্ণনিরসনে বি॰। ওঁ নিরস্তঃ পরাবস্থরিত্যনেন

क्षिमभूमूथनभूभटन व्योकार उष्टुना त्मकार शूक्षाठन्मनामीनि भूर्गशीज्ञक व्याकारहारम जू लक्कार यथा। (श्राक्कोमांज्य दाङ्ग्य हामभाक्ट्रलमींघर कर्उममिष्ट्यांट्र भष्मधाः श्कामामिडकुम्मभावज्ञाः गृशीया ८६ भवित्व थारम्भगात् मार्थं यथा मार्डिया मुस्य-**इक्ट्राम्मिरिकाष्ट्राम्मिरिक्राः मर्दा ६ भिष्टि अभिराम् अभिक्राम् । जाकाष्ट्रामिर्क** श्वारना व्यक्वपरो ह्यावर्शि ममार्जनक्षाः यहे উभग्नमक्षाः मञ्ज म्रिं कंष्ण-क्रिं। जाकाष्ट्रांनी एकष्टांनी ए टेडक्सी स्नाती वा। व्यव्य थांक्रिंट इन्ध्यांव्यक्ष्रेभर्क-মাত্রধাতবর্জুলমুখ্য। অুক্ থাদিরী হস্তমাত্রা হস্তাক্তিঃ। শ্পঃ নলময়ঃ হস্তমাত্রবি-ख्येन्ड। इथ्रामज्जातामः विथाएमन्यमानः या जक्रियम्करः भक्षमनामाक्रकः या ক্রিঞ্পাৎ কৃত্র। তয়া সক্ষেফিতামুদ্ণগ্রামাজ্বনোহ্রতে। বহিঃসমেতাং স্থাপয়েৎ। অথ भामामः शाहितः वाहे वा। वर्षः कुममुक्तियतामा हेधावन्नी त्रञ्जूः। ष्रमाद नांकशिन-कम्। छक्षिष्ट्राउन यामभागिनार्थश्ट्राउन मिक्काभागिना हेथारकानीर बब्बुर अयोव्राव् व्यक्त्यक्रकक्षानीक्रक्षाकिनम्शरिमक्तर्वातृथनभूषनानि नामामराब्र । जब पांबामीनार एमटम क्रिमाज । उठ अर्माणि भावाणि भविवाङ्गाः करमण उमक्मामात्र ट्याएकर।

कर्डबाज्या ट्यामि श्राटाक् मुक्कि ग्रह्मामिकमानदेनव ज्ञाम् वर्षाम् । जञ्ड भूर्वजीत्ना १२ क्रामाम क्रका कित्न उपूर्यमर निषा उत्र नृश्क्वीशीन् अभिक्षा भन्नी यग्न दा मूयानना-ৱহ্ন্যাৎ। ততঃ শূপেণ নিস্ত্রযীকুষ্যাৎ। তত্যে নিস্ত্র্যান্ শুক্রীরুতান্ তত্তুলান্ ত্রিঃ প্রকাল্য তত্ত্ব দুগ্ধং দত্তা চকস্থাল্যাং নিক্ষিপ্য ত্তেকং প্চেৎ। ততেঃ শূপ্স্পবিত্তে আজ্যস্থাল্যাং

নিধায় ত2এবাজামাসিচ্য অমেকতরতোইকারাণ্যানীয় ত2এবাজাছালীমধিষ্ড্য অধিষ্ডং

नभाभिजार गृष्टीया मविकृष्टिकामा हिंद्रनाख्यभक्षायः शूद्रकेषिकक् छन्नः मविका प्रविका जारकार्यभाव विष्य कि मिवक्के। अमव्यक्ष्य मार्काकार्य भविष्य भविष्य वरमा १ क्ष्री स्थ म्माटमीटेनदाङाखानीमाकर्यद। उउजाजाट्य भदित्व जमश्हर मान्नकानामिकाजामुङ যুতং দ্রবীরুত্য তত্ত্র দর্ভাতাদ্বয়ং নিঃকিপ্য জ্বন্তু গমাজেয়াপরি ত্রিল যিয়িত্বা অকারাজ্ব সং-

भिष्वाचार जिः त्याका भूनः थाजामा घृणामूखराज। वर्षित निम्पार। उठः युष्मा-निधांत युवर वांगश्ख श्र्या ममाक्किनकूनारियः य्वयम्नगांत्रजा विनर्भाखर मरस्का পুনঃ প্রতাপ্য সন্মাজ্জ নকুশমুলৈবিলমারভ্যাধ্জামুলপ্রান্ত্র ত্রিঃ সংহজ্য প্রণীতোদকেন গাস্তায় তত্তাজ্যপাত্রং নিদ্ধানে। ততঃ অনুবং অচুফাধোমুধং বহেল। প্রতাপ্য অচুহং ভূমে। রশিশ্ভিঃ (য০ ১ অ০ ৩১) ইত্যনেন সরুৎ সূত্যুৎপু্য দিন্ত্রধীযুৎপু্য রুতাজ্যোৎপবনাত্যাৎ পবিত্রাভ্যাং স্বৃতং প্রোক্ষেৎ। ততঃ পবিত্রে অনলে ক্ষিপ্ত্র। প্রাণাদাদিতকুশমুটিং প্রত্য-

ক্ষিপেৎ। চকুহোমসত্ত্রেতু চকুং য়তেন সংস্কা উপাপ্যাজ্যায়োর্মধ্যেন নীত্রাজ্যস্ত দায় অনুবৰ্ৎ সংস্কৃত্য য়তাদুভ্রতো বহিষি শিদ্ধাৎ। তত্ত্তান্ কুশান্ সংপ্রোক্ষ্য বহে।

गम ইতীধুমাদায় व्यु ट्वनाकार शृहीय। वाग्नवीर मिनागांत्रज्ञाट्यांत्रींश यांवर ग्रज्यांत्रार मम्गोर १७ তত্র হোতুণাং বছত্ত্বাৎ তত্তৎকর্তৃকাছ্তিমু যজমানেইনকেন প্রত্যাজ্তি দ্রব্যত্যাগঃ কর্ত্ত্য-পৰ্যাশুদিশং ডিলাজ্যসমিৎসহিতং দ্ৰব্যং প্ৰজাপতীন্দাগ্ৰীষোমাৰ্কাদিএইকূদ্ৰাদিততদ্বাহা-বর্জায় চামান্ প্রজয়া পশুভিত্র কার্কমেনালাদেন সমেধ্য়া স্থাহ। ইদ্মগ্নয়ে জাতবেদ্সে ন भका हेि हि। मात्रज्ञां थार्गि दान्ना मिनीर्जन्त ज्ञ ज्ञां प्रमाश्क्रमश्मानक्षानि मर्कार्गा उर्धरस्जबुमकाम्। अंघटेया ब्रु स्नह्ज कांजर्वम छ लांकगर्धं क्रनदेशमानम्। अधिनर मनु-ত্রিণং বীরবন্তং গোমন্তং রহিং ন শতে স্বন্তি (ঋণ্ডমণ্ডসূত্র,১০,১১মণ) ইতিমন্তৈর্বাইমালন্ধ্ তেताथोग्नाकारमार म्नाटाश्चार्याच्या मरम्मुमानाग्न व्ययस हेजास वागतनस्यिषिस्रिके प् ছत्मा काउद्यम्पिरिक्रेज। इथ्रामित्म विः। उँ वाग्न इथ्र वाज्या काउद्यम्प्यदेनस्य क्रमः कीव्रिना मनामारनार्रमर्जाः मर्जाः (कार्रोम । काज्यरमा मर्गा वयाष्ट्र (धरि थर्जान्धि ক্ষিষ্ট্ প্ ছন্দো জাতবেদোহগ্রিদ্বেতা অগ্নালঙ্করণে বি॰। ওঁ বিশানি নো দুর্গহা জাতবেদঃ मिन्नुर नांवा मूहिलांजिभर्घ। जार्घ जाजिवन्नममा गुनात्नारमांकर (वांधाविज। उस्माए। ॐ मन्ता দক্ষিণদিশি বহিষি নিদ্ধ্যাৎ। ততঃ ক্তাঞ্জলিঃ বিশানি ন ইত্ত্যেষামাত্রেয়ে। বস্তুক্রত্মদি

ख्यं वनाग्रे श्विश्रमात्रः (श्वांकनी शांत्व खांशराय । उत्ता निस्नं उत्कांनामांत्र । केमान्तिन <u>দিবৈত্ৰহ্যাদিত্তদ্থহ্পত্যধিদৈৰত বিনায়কাদিপঞ্কেন্দাদিদশদিক্পালবস্থন্দাদিত্য-</u> মকুদাণ্ডকাচ্যুতেশার্কবনম্পত্যয়িবায়ুস্ধ্যপ্রশাপতিষিষ্টকুদ্যিত্যে হোমার্থম্বযুৎসূজে ষ্থাদৈবতমস্ত ন মমেতাৎস্জেৎ। এ প্রজাপত্য়ে স্বাহা ইদং প্রজাপত্য়ে ন মমেতি সর্ধত্র

এতাবাঘারাজ্যভাগে ভাষিতে। ততঃ প্রকৃতহোমঃ। চক্র্যোসত্ত্র তু চরোরর্মমুদ্ধুত্য मखा ठक्रभावकः ठक्रथां डिमाइत्शिम् ठावमान्यत्र्यं। गृशीया ७ ज्यात् यारा देमग्रात्र ইদম্মীষোমাভ্যামিতি বিভক্তা রেখাৎ কুর্যাৎ। ততঃ অুবেণ দুর্ব্যামাজ্যং নিধার চরে। চ য়তস্রবং দত্তা মেক্ষণোনাঘিমচকুমধ্যাদকুষ্ঠপর্মমাত্রং চক্রং বার্চয়েং গৃহীয়। য়তস্রবং ইদুমুধ্যে ন মমেত্যুগ্নেকুক্তিণং লোচনং স্পৃষ্ঠং ভাবয়েথ। ততোহয়েকুত্তরে পশ্চিমান্তাৎ উপবিশ্যায়ে ক্লিকেনে পশ্চিমান্তাং পূর্বান্তং যাবং যুত্ধারাং দদ্যাথ। ওঁ অর্থরে স্থাহ্য शुक्रान्छः यावद ७ तमामाग्न ष्राहा हेम् तमामाग्न न मरमजारभवामनजः प्रमेष्टे जाबरग्न ।

न मत्मि । दर्श्यास अन्या कुष्या । भून त्रमान सत्मान प्रमान प्रमान कि भूषीय। अन्यीतमामाना

(म्वजाञ्जभएक अकानोजिएमवजानारमटेकक्ठकीक्षिण् कुण्याद। यथा कार्याम्यजन्यक्षकम् মিৎকাঃ আ ফফোনত্যাদিমগ্রৈশুভদাষাদিমারণপূর্ধকমুভানপাণিন। অটোভরশভমটা-ভবেষুক্তপা ছোতব্যমিতি সম্পুদায়ঃ। অনেন্যাং হ্বনকালে ধ্যান্যাত্ৰমাবশ্যকং এছা-গান্ত বণাদিজ্ঞানমপ্যাৰশ্যকমতঃ বৰ্ণগোত্ৰাদিমহিতং প্ৰাঞ্জং ধ্যানং বিধায় হোমঃ ন্হেনিঃ। উত্ত হোতা উদ্ধুশো হোম্যদেবতা মন্সা ধ্যায়ন্ য়তাজাঃ সতিলস-কাহ। ইদ্মমীকোমাভ্যাৎ ন মমেতি বল্লেঃ প্রাঞ্দক্ বা জুজ্যাৎ। ততঃ স্ব্যাদিবনম্পত্যত দেৰতানাং বস্তকুদ্রাদিত্যমুকুতাং সমুদিতদেৰতাত্বপক্ষে একপ্ঞাশদেৰতানাং প্রত্যেক-जा कृत्यान्जामित्यकायान्यान्यान्यात्व्यात्व हमः क्यााय न मह्यज्ञामूर्यः। जजः व्यथा-পক্ষে ছাদশাস্থানাঃ প্রত্যেকমাত্তীজুত্যাৎ। তথা চ যথা সহঅসংখ্যাতোহস্থানাত্তয়ো विश्वाधि द्यामीनार मग्नीम उत्पवजाबुभात्क विश्वोज्ञाना खाजाकतम्बजाब कार्याः। जाठेशमार विक्रमामामानि भृथक् मति जाठउद्यामांनर विक्रिमावांक कुक्शार। 663 4 आफिठ्याक्रीनाः दक्तिनामानि जू विनित्धांगगूरथनांज्यिमाग्जजारको क्र भी कुछ्याद।

তত্ত রবেঃ। অবা ক্ষ্যেনতাক্ত হিরণ্যকুশখ্যিত্রপূষ্তদঃ স্থ্যা দেবত। স্থাপ্রী-ष्यथ सार्यामनायाव्याज्या ।

जार्थः किषिलाशीतकमिष्णिक्। वि जा कृत्यन बुक्रमा वर्षभात्ना निद्वणंग्रज्ञ-ফ্তং মর্জাঞ্চ। ছিরণ্যধেন সবিতা রথেনা দেবো যাতি ভূবনানি পশ্যন্ (ঋ০১ম০৩৫স্থ০২ম০)

ठस्म आशाहरम् छात्र त्री उनमायिन वित्र क्षि दिन दिन त्राम वी डार्यर काहा हेम् र क्याति न ग्रा

निकंनार्यो भनाभगमिषाकिरश्रम वि॰। अ जाभोग्नय मरमञ्जू ज विश्व कः त्यांम वृष्णा ।

धुमरकषुरवी थामित्रमिष्मामिरहास्म विग । अ जायिम् कि। मिनः कक्ष्मिष्डः भृषिया जायम्। মঙ্লক অধিমুদ্ধেত্যস্ত বিরপাক্ষধিবিগায়তী জনঃ ভৌমো দেবতা ভৌম প্রীত্যর্পং उन् विषय मर्गाय (स्वार्गार्थ (स्वार्गार्गा कार्य) कोर्ग हिम्द (मिनाहा न म्या

तुष्य प्राप्त विवयमिन्छा अक्रनु सविज्ञिकुम् हत्म। तुर्धा त्मवा तुष्यी छार्थः कार्ठ-आरक्षी जामानानीमिनिक्। प्राप्त विश्वा अहे जारक्ष विवयसूयमिकिज्ञ आरक्षा जामका। जा का অপাধ্রেতাংসি জিম্বতি (ঋ০৮ম০৪৪সূ০১ম০) স্বাহা ইদং ভৌমায় ন মম।

खुर कोखरवरम। वर्श घममा तमनो अपनु ४३ (सा०ऽम०८८ छू०ऽम०) योश हिम॰ तुधांत्र न गम।

রক্ষোহা মিত্রা অপবাধমানঃ। প্রভঞ্জন্ৎসেনাঃ প্রস্থো মুধা জগন্মাকমেধ্যবিতা রথানান্ ৰুহুম্পতেঃ বৃহ্ম্পতে প্রীত্যস্তাপ্রতিরধ্খ্যিষ্ট্র্ত্দ্ ছন্দে। বৃহ্ম্পতিদেবতা বৃহ্ম্ (খ্ৰত১০ম০১৬স্ট্ৰম০) স্বাহা ইদ্ৎ বৃহস্পতায়ে ন মম।

শনেঃ শুমুগ্নিতাক্ত বিঠখনিক্তিক ছন্দঃ শনিৰ্দেবতা শনিপ্ৰীতয়ে মুহাতেজোগ্নো ৭৫ नशैमिषिमामिरहारम वि॰। ॐमर्गायेत्रियिङि कत्रष्ट्र नखभेषु स्प्राः। मर बरिजा वा घुत्रभा হাটকাগ্নাবোড্যরসমিদাদিহোমে বি৽। ওঁশুক্রং তে অন্যাম্মজতং তে অন্যাদিযুরপে অহনী শুক্তমান শুকুং তে ইতাস্য ভরদানশাবিশ্রিষ্ণ চ্দঃ শুকো দেবতা শুকুপাতার্থং জাপান্তিখঃ (খাত৮ম০১৮স্ত্রমত) স্বাহা ইদ্থ শ্রন্ত্রে ন ম্য। ऽम०) खांचा इंमर खेळात्र न मम।

রাহোঃ কয়ান ইত্যস্ত বামদেবখাষিণায়্রী ছল্পে রাছ্দেবতা রাছ্পীত্যধিং ছ্তাশ-

सारथी मूर्कामिषमामिरहारम वि॰। ॐ कग्ना मन्ष्ठित जा जूरमूछी ममात्रधः मथा। कग्ना भिि-কেতোঃ কেতুমিতাস্ত মধুচ্ছন্দাঋষিশায়ত্রী ছন্দঃ কেতুর্ধেবতা কেতুপ্রীতয়ে রোছি-केश वर्जा (क्षेत्रिक्ष्यक्ष्ठिक्ष्यक) कोक्ष हेम् होस्क्र न गम।

जारभी कुनमिमिमिस्हारम वि । 'उ तककुर क्षिन्न कारकज्जात स्मामिम् । प्राप्त । ममूस-ডিরজারধাঃ (ঋ০১ম০৬সু০৩ম০) সাহা ইদং কেবুভোগ ন মম।

অধাধিদেবানামাছতিমন্ত্রান্তরেশ্বরস্য। আবে। রাজানমিত্যস্য বামদেবঋষিন্তিন্তুপ্

. ছरमा करमा मिनछ। क्रम्योड्स भनाभामिमभिमामिममिन। छ जात्वा बोकानम्थ-রস্য কলং হোতারং সত্যযকং রোদস্যোগ। আয়িং পুরা তনয়িছোরচিতানিরণ্যরপান্সে े डेमाग्नाः (भीज्ञीस्मगत्त्रजामा मीर्यञ्माथािस्कान्ते। इन्म . डेमा (मर्वजा डेमा नी जत्त्र -क्रधूर (सा०८म० ७००० ४४०) याश हममीयताय न मम।

भनामामि वि. व त्योत्रीर्मियात मनिनामि उक्ताकाका विश्वमी मा ठेड्टकामी। जकोमिन नवमिन वष्ट्रवृषी महत्र्याकता भंतरम (वामिन् (भा०ऽम०ऽ७८ याहा

खानीकममा न किनष्क्रनामः भूतः भन्गन्धि निह्ज्यत्राज्ञे (क्षण्यमण्यसूण्यम्) यात्। हेमः ক্ষ্য কুমারং মাতেত্যস্যাত্রিপুত্রঃ কুমারখাষিজ্ঞিপু ছন্দঃ কলে। দেবতা কন্দ প্রতিয়ে পলাশাদি । বি কুমারং মাতা যুবতিঃ সমুধাং গুহা বিভার্ত ন দদাতি পিত্রে।

वक्त्व व्याप्तिया हेडामा गर्भवाषित् हडी हत्मा वक्ता (मन्डा वक्तायोडता भेना-विक् शिउरत्र शनाभाषि वि । ॐ इष्ट विक् विज्ञाप जिया निष्रं शम्। मगूष्मगा विरक्षाः हेम् विक्रु तिजाय कार्शुलाजा त्म्याचिष्यं विभाग्नो इत्मा विष्टुर्फवजा भार्ष्ट्रत (क्षा॰. ऽम० २२ रू० ऽ१म०) व्याहा हेम दिष्ठाद न गम।

किक्षि न गम।

শাদি বিগ । ও ইকুং বো বিশ্ব জন্ত হ্বামুক্ত জনেতাঃ। অসাক্ষাস্ত কেবলঃ (খা০১ম০ हेक्स हेक्स वहेजाय मधुष्ट्रमा थाविनीयवी हम हेत्या (मवजा हेक्स बीज्र भिना-जादिव मिस्टि (वधमः (मा०) ष०) था॰ । मार्ग हमः विमार्ग न गम। 

मांकि दिन। छ चुमिर मथेषा चमा चार्य जाज्यां छ कदिः। घर विश्वामः मनिषान मीमिर

• চিত্ৰগুঞ্জন্য উমো বালমিত্যন্ত প্ৰস্কণুশ্বিষ্ইতী ছন্দশ্চিত্ৰগুপো দেবতা তৎপ্ৰীত্যে यमक यमाग्न (माममिठामा यम्भवित्रमुखेन छत्ना, यत्मा (मवर्ण यम्भाग)र्थः भाना-কালফ একা জভ্ৰানমিত্যক্ত প্ৰকাপতিখ্যিষিত্ৰত্ব ছন্দঃ কালো দেবতা কালপ্ৰা-তয়ে পালাশাদিত বি০। ত্রক্ষ জন্তানং প্রস্থাহ্ পুরস্তাদ্বি দীমতঃ স্কর্চা বেন আবঃ। স পালাশাদি বি । ও উবে। বাজং হি বংস্ব যশ্চিত্রো মার্যে জনে। তেনাবহ স্কুর্নতা শাদিত বিত। ও যমায় সোমং সূত্ৰত যমায় ক্ৰছতা হবিঃ। যমেশিহ বজং গচ্ছতায়িদূতো অধুরী উপ যে ত্রা গুণজ্ঞি বহুরঃ (ঝ০১ম০৪৮ছ০১১ম০) স্বাহা ইদং চিত্রগুপ্তায় ন মম। दुश्रा छेश्रमा ष्यं विकाः मुठक (यानिममुठक विवः याहा हेम् कालाय न मुम। खात्र क्रि (क्ष०००म००४४० ०७म०) याह्। हेम्र घर्मात्र न मम।

नीयनी इत्मारेशिक्षण उट्यीख्य भानाभामि दि। व जाये मूख्र द्रीमत्र हो-ज्याम् ज्याम् म हे छ। मा कार्त्वा त्यथा जिथा विवस्त में हक्त जारमा त्मर्या जर-অংশ প্রত্যধিদেবতানাং তত্ত্রাগ্রেঃ। অগ্নিং দুত্মিত্যস্ত কণ্পুত্তো মেধাতিথিখামি তারং বিশ্বদেবসম্। অত্য যজ্ঞস্য স্কুত্ত্ (ঋ০১ম০১২স্থ০১ম০) সাহা ইদমগ্রে ন মম।

68

भी उत्त भी मार्गामिक विका अं जाअन्त ता त्मारमा जावनी म उर्विषानि ट्यका। जाश्वर इ विश्वार कृतमात्रक विश्वत्त्वमाह (श्वारुमार अव्याप श्वाह हम्महत्त्रा न मम।

भासामामि वि.। उ त्मामा भृथिवि ख्वानुक्का निरंतमनी। वष्टा मः भर्ष मथ्यदः नादाय्वकं मस्यमीत्रेज्यमा नात्रायवश्चित्रस्के श्र हत्म। नादायत्वा त्ववा जद्यीज्य शालामापि दि। अ महत्रमीया शुक्रयः महत्वाकः महत्वभाद। म ज्ञिर विष्टा वृष्टी अधिवााः स्मारमञ्ज कारन् रिम्याधिष्यं विनीत्रजी एमः भृषिते प्रवण उदयीज्य बाउाउिकेफ्नाफ्टिन (सा०ऽ०म०२०प्र०ऽम०) याहा हे प्र नांद्रांश्वांश न गम। (क्षंऽज्ञार्ट्य्र्ट्र्ट्र्य्ट्र्य्य्ट्र्य्यं विष्ट्रियं न गर्म।

श्रीमांगामि॰ वि॰। उ उछान्नशर्भ छ्डर्ग मिवर क्र्ड. मह्यछि। मभन्नी॰ मि भन्नाध्रम र्म्य रेमारामविज्ञ क्रमभश्रिवीश्वी रूम रेट्मा (म्वजा उर्थीज्य भाना-नामि दि। ७ हेल्मा त्रास्मा मक्ष्यां भव्य मधुम्खाः। भाज्य (यानिमामम् (भाष्प्रम महा। उत्वानभर्ग हेजाय हेक्सानी सार्त्यके भ् कम हेक्सानी समर्वा उदयी उत्य ७८च्छ० २२म०) याहा हेम्बिस्सि न मम।

अस्टि (म ८करलः कुक ( भा० Sono Satro रमः) याहा हममिलादिना न मग।

अवाभाष्टः शकाभाष्ट देवाम हित्रन्हित्यविष्ये प्रकः शकाभाष्टित्वा ६९-घ९कामाट्ड कुक्मख्ता ज्ञाड तहर माम भंज्या त्रोगिर (सं०५०म० ১२५ प्र०५०म०) याहा প্ৰীতয়ে পালাশাদিত বি । ও প্ৰজাপতে ন মুদেতান্যন্না বিশাজাতানি পরিতা বভূব।

मर्भागम् जात्रः (ग्रीत्रजास मर्भत्राख्ने स्विभावती इन्नः मर्भारम्बजाख्यीज्य भाना-इक् श्रेकार्शकत्य न ममा

नामि । विकास व्याप्तः (मो श्रीकाकमीमममाज्यः श्रुवः। भिज्यक व्यम्दयः (था०००मि

১৮३४.ऽम्क) वाह्य हेम् मर्गिट्डा न मम।

ज्य विमान्नकापिभक्षत्माक्रभानामाः उत्र विमान्नक्षाः ज्योष्ट्र इत्याजामा कुमीपः বৃদ্ধাঃ বৃদ্ধান্মিত্যস্য গৌতমো বাশদেবঋষিত্রিত প্ছন্দঃ বৃদ্ধা দিবতা বুদ্ধা ब्रीडरंग भामाभाषि वि.। अ जक कष्डांमर अथमर भूतवाषि मीमङ प्रकृत्त (यम जायः। म दुश्रा छम्या ज्यमा विकाः मज्य (वानियम्ज्य विवः याश हिमः वर्माल न ग्य।

कन अधिनांत्रजी ছरम, विनाग्रका मिवला उद्योख्य शांनांभामि॰ वि॰। उँ वाष्ट्रि न इंख

मूर्नायाः काज्यमस्य हेजामा यात्रीतः कामाभयायिष्यम् हत्मा मूर्ना स्मि मिन्जा छद कुमहर जिल खांडर परगुजात। महारखी मिक्कालन (क्षे॰ ठम॰ १० २० ० ४०) याहा विन शिक्षि न भभ।

, বায়োঃ ক্রাণা শিশুরিত্যস্য ত্রিতঋষিক্ষিক্ছন্দে। বায়ুর্দেবতা বায়ুপ্রীত্রে পালাশাদি 'म नः भवमिष्ट मूर्तानि विषी नारवव मिन्नु मूरिजानाधिः (स॰ऽम०२२पूर ऽम०) याहा हेम् शैउट्य भोमाभाषि वि.। ॐ काउटवम्ट्स खनवाम सामम्बाजीयट्या निष्हां दिन । मूर्नाटेश न मम।

व्यक्तानमा व्यक्तियञ्जरमाञामा वरमभाषितीयची एक व्यक्तियो (क्वज) उरमीज्य भानाभाषि वि । उँ जाषिश्यक्रुमा द्वित्या क्यां क्यां किमा किमा कि वाम त्रम्। भरता यिषि शार् (क्षा० भ्रम० ५० ५ १०) खाहा हेम् र वाग्नत न मम।

दिः। अ काण मिलम्बोनाः हिष्मू छात्रा मीषिष्य। दिन्। प्रिवाश प्रतिथिता प्रुरम्थ हिण

জাশিশ্যোঃ এবো উবা ইত্যস্য প্রস্কৃথাবিশায়ক্রী ছন্দোহশ্বিনো দেবতে তৎপ্রীতয়ে फिना (आ. फ मा ७ ४ २० ७० म०) याहा इम्याका नामा

;

ज्यथ मिक्भानाना ७ ज्या विषा है जामा माश्रष्टिक परामा (कड़नामा श्रावित्र ह शानाभाषिः वि.। ॐ जत्यो छेयां ख्यूकीं बुष्क्षिं खिंग्रा फिरः। खत्य वामित्रा इहद (स.०ऽम. ८७ ४० ० १०) योश हिम्मित्रिनां डार्

• जर्भः • जामः मृज्यिज्ञमा कारन्। त्यथाजिषिधावित्राजी हरमार्थिदक्रजा उदयी-उत्य भानामाहि॰ विः। ॐ व्याघार हृङ इनीमरह ह्यांजात्र विश्वत्वहमम्। व्यमा बक्छमा कुं इन्ह इंट्या प्रवछ। छद्धीछत्त्र भानामाहि वि । ७ इन्ह विषा व्यवीव्धन्द मग्रूष-व्यक्तमर निद्रक्ष , त्रथी ज्यार त्रथी नार ताकानार मरमिटर भाष्ट्र (क्षाण्डमण्डेऽस्वार) याहा इम्बिक्सि न ग्रा

ওঁ যদায় সোমং স্কুন্ত যমায় জুত্তা হবিঃ। যমো হ মজং গত্তায়িদুতো আরং কত षम्मा यमारम्जामा यम्यवित्रक्षे न् हत्ना यत्मा तम्बा व्यम्नी जत्म निर्मानि वि নিশ্তেঃ মোষুণ ইত্যম্য কণুশ্বিশায়তী ছন্দো নিশ্বতিৰ্দেবতা তৎপ্ৰীত্য়ে পালা-ऋकुष्ट्र यात् हेमग्रीत न गग। कारा हमर यमाय न मम्।

भाषि दि । खँदा व १३ भन्नाभन्ना निव्य जिसू र भाषि । भन्ने छक्ता मर (वर्ष अध्याप प्र

७ मः) ज्याहा हेम् निथं ७८য় न मम।

स्माममा समामा (अम्मिज्यमा भीजमभिष्यिके भ् क्नः स्माम् (मन्ज्र जिल्ली जिल्ली जरा

শাদি । বি । ত বাত আবাতু ভেবজং শন্তু ময়োতু নো হাদে। প্র গ্রায়্থবি তারিষৎ

(अ०००म००४० क्०२ म०) स्रोह्। हेम् दोग्रत न मम।

. বায়োঃ বাতইত্যস্য বাতায়ন উলপশ্বিশায়ত্রী ছন্দে। বায়ুর্দেবতা বায়্প্রীতয়ে পালা-

नाहा न यम्।

বয়মাদিত্য ব্ৰতে তৰামাপসো অদিতয়ে স্যাম ( ঋ-১ম০২৪স্থ০১৫ম০) স্বাহা ইদং বরু-

अहित्य भीमामामि विश अ छमूखमः वक्रुन भीमम्यम्वाध्यः वि मधामः खर्षात । ज्या

वक्रनमा उम्खम्बम्मिर्धामानिर्माखि खनः थनः विष्यमिष्यम् इत्मा वक्राना मिव्हा उद

भानामामि॰ वि॰। ७ त्मात्मा अवश त्मात्म् व्यक्तवमाण्ड तंमात्मा बैहर कर्मकारमाणि। मामना र विमधार मट्डा भिक्यावन (या भागमटेया (या०) यश्र विमर

ट्रमायात्र म मम्।

त्मा त्रथा (यममाममध्रय ब्रिक्टा भाग्नुत्रमक्षः चच्छता (क्ष०ऽम०৮ ३ च्र० ६ म०) याम इममीमा-. केमानमा उमीमानमिठामा भीजम्थायिक्षभाषी इस क्रेमात्मा एम्वजा उद्योउत्य शालांगामि॰ दि॰। ७ ज्योगामः क्राज्यक् क्रांजिः थियः किष्यपत्म इग्रह दत्त्म्। भूषा

. जमस्मा महत्वनीत्रज्ञ मात्राय्वभित्रस्येन् हत्मिन्नत्य तिर्जा जिल्ली जिल्ली जिल्ली नामिल वि। . अ. महत्यनीकी शुक्रमं अहचाक्कं महत्यभादे। म जुनिर विभेटन इत्री षाठा-उक्तनः उक्त कड्डानिष्ठामा हिड्डान्निंधिष्येष् हम उक्ता प्रविष्ठा उद्योज्य श्रामानामि विः। अ उम कळान् थ्यथम् भूत्रव्याषि मीमञ्ड ग्रुक्टा दिन व्यादः। म नुशा किनमा जामा विकाट मडक (यानिममङक विवट याश हेमर जमारन न मम नांत्र न मन्

मञ्जातः छमाः। व्यक्षिम् प्रक्षाः क्रम् ध्रः त्मां । मूउमा क्याता (मा व्यमा (संक्षिः म्बर्जाख्य क्रीड्र भामाभाषिः विः। ७ का्या षा वमाता त्रेड प्रवा छत्रावखतियः वस्मार ममूमि उत्मवजाब्यात्म जामा व्यत्वजास्य विष्येषाधिके म् इत्मा दमरवा-िछक्षणाकुल वाहा हेम्यन खांत्र न यम।

6

'त्मनजांख्य भी जां नानानामि वि.। ७ जा क्रमाम- इंज्यन्छः मरकायत्मा इत्रनात्रथा स्विजाय भक्त। इंगर त्या ष्यम् शिक इशास्त गिक्क्याक म मिन छेरमा डेममार विश्मिठास्ताक्डीर्फ्माद। श्राटाक्तम्वठाञ्भाक्ष कु ७ बाकाय् यांश इममकात्र न गम ७३० ७४०) योश हे मर अवामित्यर छा। म मत्मि विरम्भाग्रामाय ग्रीक्तार। शाहाक-দেবতাত্তপক্ষেত্ত এ প্রবায় স্বাহা ইদং প্রবায় ন মমেত্যাদিক্রেমণ প্রত্যকমন্তানাং দ্বাদ-मठाख्टत ७ वीत्रज्याम याश र्षमः वीत्रज्याम म म्हमज्यापिकत्मन जर्ममामार शह्जाकर क्षांगि मग्नमिज्दम्वजाष्ट्रभट्क जा क्षांभ हेजमा भावांच्यांविक्ष्मों हत्मा क्ष वाम्नास्त्रमाष्ट्रीक्ष्माद। टि ५ (७४म 📚 🐑 💉 🗷 थाधन्ताः। नाज्ञानाक्जिकिमार । उठ (४८म० ५म० ४म०) व्याख्याः।

আদিত্যানাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষেত্ৰ কিন্তানামিত্যস্ত ক্লংস্থাৰিস্তিক্ প্ছন্দ্ৰ আদিত্য দেবতাত্তংপ্ৰতিয়ে পালাশাদিক ক্ৰিক্তি ক্ৰেমাদিত্য-त्मां ख्वजा रूष्डाखः। जा त्वाश्र्वाहरू क्ष्यां कामिश्ह्यां किमा विद्यामि

জুজ্যাৎ। প্রত্যেকদেবতাত্বপক্ষে তু ও ধাজে স্বাহা ইদং ধাত্রে ন ম্মেত্যাদিক্রমেণ দাদ্র-শানাং প্রত্যেকং দাদশাদ্যনাক্তীক্দ্যাৎ। ১ চ (প৽১৭প৽১,২) উজাঃ। তত্র মতভেদেন (भा० ऽम० ऽ०१ पू० ऽम०) यात्रा इमर धावामगमिराजारज्ञा न मरमित विश्माजानाम्हो.

नामट्डट्रमूर्याम विकल्म अवाचायानी अव्यानां उद्धाक उत्र भंश्त विशामक अवममा जामि।

মক্লাণানাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে আ বিদ্যুদিত্যস্ত গে)তম্ম্যমিঃ প্রস্তারপ্রজি-ক্তলেশ মফতো দেবতাগুৎপ্রীত্যে পালাশাদি বি । এ আ বিদাম্দ্রিমুক্তঃ ষ্টকর্থে-

ভিষতি आफिनक्तिभ्रभिटेन । जा विविद्या न ह्या वत्या न भथका स्मायाः (या०ऽम०४ न्यू० ১४०) वाश रमगावश्मिमकाष्ट्रा न मामि विश्माण्यामास्योक्तार । याजाकामर्थः ज्यभट्य ज् अ व्यावहांग्रं याहा हेमगावहांग्रं न मटमजामिकट्मन प्रटाकः मछानाः घामभा-

ত্রশাগঃ তাদ্ জন্তানমিত্যস্ত গৌতম্খাযিজিন্তুপ্ ছন্দে। তাদা দেবতা তৎপ্রীতয়ে পালা-नामि दि । उ जम कळान थ्यथम शुरखाषि मीम छः अक्टि (तम जारः। मत्रा डिन्या जामा दिखाः मडक (यानिममडक दिवः योश् हिन् बमारन न मम माम्बर्धिक्ताद। उठ (१०७११०२) डकाः।

পৃথিৰী অভ্যৱিক্ষং সূৰ্য্য আত্মা জগান্তফু ষ্শচ (ঋণ্ডমণ্ড১৫সূ০১মণ্ড সাহা ইদমকীয় ন মম।
বন্দীতেঃ বনম্পতে ইত্যস্য ভাৰ্ম ক্ষাৰ্শীৰীজ্ঞু ছন্দো বনস্পতিৰ্দ্দেবতা তৎপ্ৰীত্য়ে পালশাদিণ বিণ। ও বনস্পত্তে ইন্দ্ৰা অ্যথস্থা প্ৰত্যণঃ স্বীরঃ।
গোভিঃ সংনদ্ধো অসি বীড্য়স্থাস্থাতি হৈ ক্ষান্ধ কিন্তমণ্ডমণ্ড স্থাহা नामि॰ वि॰। उ छिबर एमरानामुम्गामनीकर ठक्कमिंबच रक्षमार्थः। जायां माराः-क्रम्य क्ष्फ्रपारम्डाय वात्रभूवः क्ष्यिति।यवी हक् क्रेटमा प्रवण उदयी डार्थः शानांगांकिः विः। वं कम्मांत्र शटिज्य गीतृसेगांत्र जवारम। त्वारम् भंष्ज्यः श्राम ত্রকঞ্জ - চিত্রং দেবানামিত্যন্ত কুৎসশ্ববিশ্রমুশ্ ছন্দোথর্কে। দেবতা তৎপ্রতিয়ে পাল। श्रीखरंश भानामापि विश । उँ इमर विक्यूरिङकतम जिया निमस्थ भाम्। ममूष्ममा भार व्यक्तान्त्रा हेमः विक्रवृतिजाञ्च त्रियां जिथियं विशास्त्री हत्मां कृत्राज्ञ त्मिवज्ञ (सा० ऽम० ८७ चर्० ऽम०) कार्श हिममीनाय न मम। न्नुरत योश हमम्हाजात न मम।

ইদ্ৎ বনক্ষতায়ে ন মম একপ্থাশাম এক্শ্লিক বিংশত্যন্নাঃ প্থাশাতিদেবতাপক্ষ

তু দাদশাহান। আহতীতিলাকামিমিতশালাশথাদিরে।ড্যরান্তমসমিডিজ্বহাণ।

ভভোহ্যে বক্ষ্যমাণস্বিষ্ঠরুদাদিহোমঃ ব্রুগ্রঃ। অভৈব সময়ে জাপকাজ্বভদেবতা স্কুলং স্বস্থাধোকং তদসত্তে তভমুপ্রো বা নারাদিমারণপুর্ককং জপেয়ঃ।

ष्याना भारप्रिमना क्रमाञ्जाना डियोग्रह्म। उत्र क्रामा

नग्नम्छ भक्षि । हिंद्र ग्रायम मिविछ। द्राथम। त्मर्या याछि जुनमामि भक्षम्॥ २॥ स्वग्नोमाधिन ज्ञामिक टेमाक मिना क्यां क्ष्या हिं बाख भवा कि उम्भवि नामा नि নিবেশনীং হ্রয়াফি দেবং সবিতারমূতয়ে॥১॥ আ ্কফেল রজসা বর্তমানো নিবে-म्गांक क्रभंजी एकः निष्योगार जिष्टुम् एकः व्यर्था प्रवा प्रवाणीजार्थः करम वि॰। उ स्रवामाधिः अथमः षडात स्वामि मिवावक्गाविहावत्म। स्वामि ताबीः कभाजा

48.000 যাতি দেবঃ প্রবতা যাত্যদ্বতা যাতি শুলাতাং যজতো হ্রীভ্যায়। আ দেবো যাতি সৰিতা পরাবতোহপ বিশা দুরিতা বাধমানঃ ॥ ৩॥ অভীরতং ফশনৈবিশ্ররপং হিরণ্যশম্যং যজতো বৃহত্তম্। অস্থাদ্রধং সবিতা চিত্রভারঃ কৃষ্ণারজাংসি তবিষীং मधानः॥ ।। वि कमान् नागवाः निजिपातना ज्यान् त्रथः वित्रगान्नकार

के इसा क्रमांत्र उरत्म कर्माकत्म क्ष्ममीतात्र थ कर्मामत्त्र मजीः। यथा न्यमिष्टित हरू-भूसिगारमाश्रद्भनवः स्कृत्वा व्यखितिकः। उज्जिली व्यम् भिषिष्धः स्वर्गाष्टी त्रका ५ त्या व्यिषि क्ष्यमः, रेमा क्रमारित्राधिक्रेयका 🐃 💌 याधित्मवक्षयक्षम क्ष्यम्थितिकामा त्योजना मर्ख मिक्नुन्। हिंद्रशाक्तः मिव्जा प्रिय व्यागोक्ष्यप्रजा मांभ्यत् वार्यानि॥ ।। हिर्ग পাণিঃ সবিতা বিচৰ্পিকতে দ্যাবাপ্থিবী জন্ত্রীয়তে। অপামীবাং বাষ্তে বেতি সূষ্যম্ভি-(कड्ट ॥ ७ ॥ वि ज्युभर्गा व्यवतिकानामाजीत्ररम्भ व्ययुन्तः ज्यमीयः। किमामीर क्र्याः ক্সিচকেত কতমাং দ্যাং রশ্মিরস্যাততান॥ ।। ।। অফে ব্যধ্যং ককুতঃ পৃথিব্যাস্ত্রী থষ অপ্সেধন্ রক্ষমো যাতুধানান্তাদ্দেবঃ প্রতিদোষং গুণানঃ॥১০॥ বে তে পত্তাঃ সবিতা अकामणा क विषे भ् एकः निष्यानाः कर क्ष्या करा मार्का कराया (मन्छ। क्ष्ययोग्रिश करण निः। क्टअन उक्रमः माष्ट्रनाडि॥ २॥ क्रिनाक्ट्र व्यक्तः स्नीयः स्ट्डीकः स्वान्यविष्ट् উপস্থা একা যমস্ত ভূবনে বিরাষাচ্। আণিং ন রখ্যমস্তাধি তফুরিছ ববীতু য উ তক্তি-भर भाषाविष्ड मिक्ट्रक्ष्वारमाथिएक विषी ज्वनामि ज्यु ॥ । । जिट्या माविः मविकृष्टी চ জাহি **লি**ব॥ ১১॥ (ঋ৽ ১য়৽ ৩৫য়৽)

<u>۸</u>

রাষা চনো অস্ত মর্ভভোলনং খানে তোকায় তন্যায় স্ড্॥ ৬॥ মানো মহান্তমুত नः विश्वास्त्रत्त्रो कृष दीतिषः॥ १॥ मा नत्यात्क जनत्य मा न व्यात्यो मा त्ना त्यांत्र मा त्ना नम्मा विषम ७०। मक्टर ह त्यां मजुराह्य है। भिजा जनकाम जब कप्त थानी जिम्र ॥ र ॥ मा (मा जार्डकः मा म डिकार्डमूड मा न डिकार्डम्। मा त्मा वधीः भिष्ड १ (मांड मांड ११ मा অভেশ্বর রীরিষঃ।. বীরান্মা নো রুদ্র ভাষিতো বধীধ্বিয়ান্তঃ সদ্মিত্ব। হ্বামহে ॥ ৮॥ উপ कारम विषे भूके थारम व्याचिमाज्यमाज्यम्॥ ।। एका तम कर्षां करार्षा तमा क्रिय व्यक्ताम एउ स्थमिटिश (मनयकात्रा क्रम्मितिश्र और काम मीष्ट्रिश। स्थमात्रमिष्टिला व्ययाकिमा म्बङ्गः यश्मदः॥ ॥॥ इमः भिर्व भक्रजामुङ्गर्ड वहः सारमाः समिता क्रमात् वर्षनम्। তে জোমান্ পশুপা ইবাকরং রাষা পিতমাকুতাং সুমুম্মে। ভদ্র। হি তে সুমতিষ্ড্যত आहत जमारेक्नाः (क्रंड) जमाजू सम्जिमिष्यममा वृगीमरक्॥ । क्रिंवां वर्ताक्मक्रयः कर्नाफनः (बुषः ज्ञानः नम्मा नि ख्रामारः। राख विजाखमका वार्षाति नदा विकित-চরারিউক্লরা জুহ্বাদ তে হবিঃ॥৩॥ স্বেদং ব্য়ং ক্রদ্র ঘত্তসাধং বৃদ্ধং কবিষ্বসে নি হ্বয়ামহে শাখা বয়ম্ব ইত্তে ব্লীমহে॥ ১॥ আরে তে গোদ্ধমুত পুরুষত্ব ক্ষর্দীর স্কুম্যমে তে জস্ত क्छा ह (ना अधि ह अधि प्रताथा ह नः अधि घळ विवर्षः॥ १०॥ आवाहाम नरमा अमा অবস্তাবঃ শৃণোতু নে। হবং ক্রেনা মকুত্বান্। তলো মিত্রো ব্রুণো মামহন্তামদিতিঃ

> 9 4

জাহীনামিঃ সমিধ্যতে কবিগৃহপতিষুবা। হ্ব্যবাহ্ জুহ্বাস্যঃ ॥ ৬ ॥ কবিমায়িমুপ জ্ব হি ৮৩ সত্যধ্মাণমধ্বরে। দেবমমীবচাতনম্ কিন্তু মুহ্মেই হবিজাতিদুতং দেব সপর্যতি। তক্ত যা প্রাবিত। ভব ॥ ৮ ॥ বো আছি কিন্তু হবিয়া। আবিবাস্তি। তবৈয় পাবক जाति (इंडिंग न क्रेडा: ॥ ७॥ जा डेमट्डा वि (वायम यम्ट्री मामि मूडाम्। मिट्रमा मद्दा त्मथाजिषिक्ष विनेशिज्ञी इत्मार्श्यात्मवजार्शियीज्या कर्म विः। ॐ अधिः मृज्य वृषीयत्र विभ्भिष्ति। . स्वावोस्थ श्रुक्तिश्रम् ॥ २ ॥ ष्याधे तम्त्रै। हेश्वर् कछात्म। बृज्यविश्षि। क्ष वर्ग छिश्रक्ष रुविक नः।। ५०।। ब्राधः, बाधिः मूर्वाव्यापिक्य घामनक्षिमा स्थायात्राधित्वयाधिस्वाधिस्वमा कात्। (हांछांत्रः विश्वत्वम्मम्। जञ्ज वक्कञ स्रक्रज्म्॥ ।॥ जाभगिभिः ह्योम्। अम। ह्वज वर्सिक ॥ ८ ॥ घ्राटार्यन मीमियः अधिया तियर्जा मर्ग जर्भ घ्रः त्रक्षियनः ॥ ८ ॥ अधियो उठ (मा) ॥ ऽ ॥ (सा॰ ऽस॰ ऽऽ८रू॰) क् छ्या। अ म नः भावकं मीमित्व न म मड़ खवान का छत्र गांत्रत्वन नवीत्रमा । अतिर बीतवजीविषम् ॥ ১১ ॥ जत्मे खत्कन त्या किया विश्वास्टिक् बर्ग्या हिम् (खामर कुं 🎎 नः।। ১२।। (भ॰ ১म॰ ১२ प्र॰)।

हमः माम्या मिर्जा माम्यीजार्यः करमे विः। अँघः माम्य छ हिक्छा मनीम घः तिकि रमाममा, ष्रः त्मारमञ्जामिकच ब्रायाविक क्रिक्ट त्मामञ्ख्य त्मोजमश्राष्ट्रा নাং ষোড়শ্যন্তানাং দ্বাদশানাস্চাং গায়ত্ৰী ছন্দঃ সপ্তদশ্যা উষ্ণিক্ ছন্দঃ নিটানাং ত্ৰিষ্ট্প্

क्षांमानि मिवि या श्रीयेवारि या श्रीकटिट वायिषिक्या । टिन्धिन्। विदेशः क्रममा जरहलम् मृत्मिण्म् ग्रमण्टाया मृष्माः ॥ २ ॥ बाष्ट्यां त्र एठ वक्रमण्य ज्ञानि - ब्रह्माणीत्रः एव त्माम थाम। अधिके मिन थिएम न मिएक। मक्तारमा -व्यक्तामनामि त्माम ॥ ७॥ मा ८७ রাজন্ৎ সোম প্রতি হব্যা গুভায়।। ৪।। স্বং সোমাসি সৎপতিস্বং রাজোত বুত্রহা। স্বং मन् ति निष्याम्। उद खनीजी मिउत्ता न हेत्ना त्मर्वमू त्रप्रमण्डन बीताः ॥ ।। ष्र माम क्र कृष्टि अक्र कुर्ट् वः मरेक्टः अमरका विषायमाः। घः इया इया इया किर्माह्या

दनम्मिन्डि ॥ ७॥ वश्वरमाम मरह ज्यार वृष्ट्र मुन् अजाग्रट । मक्कर मर्थाम जीवरम ॥ १॥

ভদে। जामि ककुः॥ १॥ घर ६ मिष्य त्नां वर्णा जीवाकुर न महामरह। विग्रत्यांत्वा

সংবৃষ্ণ্যান্যভিষাছঃ। আপ্যায়ম্নে। জ্বেছাছা ক্যাম দিবি অবাংস্থ্যভ্যামি থিছ।। ৮৪ ১৮।। যা তে ধামানি হবিষা যজন্তি । বিষ্ণু বিষ্ণু মুক্ত ক্ষান্ত্ৰ যজ্জন্ত গায়ফানঃ প্ৰতরণং স্থবীরোহবীরহা প্র চরা সোম দুর্যান্ । বিষ্ণু শামান ক্ষান্তং সোমো उ विश्वकः त्माम वृष्ण्यम्। ज्या वाक्मा मक्ट्या। २७॥ ज्याभाग्यम् मिन्छम् त्माम वि-(चिच्छित्रः खिच्छिः। ज्या नः सुर्खानस्थमः मथी वृष्ट्य।। ५१।। म९ ८७ भग्नारिम मग्नु ग्रेख बोकाः (माम त्ना छत्।। ऽ२।। त्माम ब्राविक त्ना कृषि भारवान म घवरम् था। भर्या हेव च अरका।। ५७॥ यः त्माय मत्या ज्य द्रावन्त्म्य म्बा । ज्यम् मार् मार्ज कविः । १८॥ ज्यमा कुंक्यां डिमांगरिं। त्यांय द्वर त्यां वृत्य छव ॥ ३०॥ त्यांय गींडिके। वहर वर्षायांत्यां वरा विषः। द्रमनीरका न का विभा। ১১।। भन्नकारमा जमीवहा वद्यविद भुष्टिवर्षमः। द्रमित्र (मा-काष्टिनात्यः त्रांग नि भोश्श्रमः। मथा ग्राम्य विधि मः॥ ऽ।। आभाग्रिय गत्यक् महम्मिक्केटमः मिखि मिखित्य। टास्टिन्। जाविका ख्वा। ।। हेम् यक्षिमिर व्हा

वीत्रः कर्षनाः ममाछ। जामनाः विम्थाः मर्डाः मिञ्जातनः या ममानामरेया।। २०।।

किटमा भवित्यो ॥ १७॥ (अ० ১४० ३५००)

डियाबाः, जारभाह्रिकामिकमा नवकमा ठच्छाधिरमवरणायाञ्चमा मिन्नुबीभथिषि

तुखारत्रात्रमुखे भ कमः भिष्णेनाः भात्रजी कम डेम। प्रमञ्जा डेमाथी उत्त कर्भ विः। डे

<u>कम्।। ए।। ज्यन्त्रं ८म त्मारमा व्यवनीम् जर्मिमामि एउम्जा। जाप्यः ५ विष्यं इत्म</u> । ७।। जाभिः भूनोउ ट्वमकः वत्रथः उत्य मम। द्याक् ठ अर्थाः मृत्या। १।। हम-उमस्यमा जाक्रमाण्ड नः। डमजीति मण्डिः॥ २॥ "जमा खत्रः गमाम त्यायमा क्याय न्द्रमात्रिक्कित्व नः॥ ।। क्रेनाना नार्यानार क्यात्रीक्ष्यंनाम्। जात्ना या गिमि इत्य-ब्यारमा कि की मरहोष्ट्रक्या न डेटब्र्न म्थांडन। गर्ड इनांग्र ठक्तरमा ।।। देश वः निवडतमा किव्या जारमा कनम्या हनः ॥ ७॥ भट्या प्रतीतनीकी का जारमा ज्वन्त्र मीज्या।

৮৫ मानः श्रवह वर्षिक्षक्रिक्ति विष्यः मित्रा वर्षाह्मणि मूर्प्षां वर्षा रमात्र छेष्ठानुष्य ॥ ৮॥ कारिना क्यान् वर्गात्रियः त्रामन मन्नममहि। भग्नमान्य कार्गाह ७० मा मःस्क वर्कमा।।।।।

শশ্মানঃ পুরা নিদঃ। অদ্বেষো হস্তরোদিধে॥। ৪॥ ভগভক্তস্য তে বয়মুদশেষ তবাবসা। ৮৫ मुक्तानर त्रांग्रकांत्रस्य ॥ ४॥ म हि एक क्कान्तरम्य मरहा न मग्नार रह्मकामी भक्ता कार्यक्ष व्याप्तकः। त्नम्। व्यारमा व्यानिमयर ५३खीन (य नाक्मा कार्मकाष्ट्रम् ॥ ४॥ व्यतुर्ध द्राका रक्ता यम्तरेगांकिः खूनः ममत् भूतमकः। नीतीनाः क्रुक्नांत त्रुप्त अयामत्य ज्ञानिश्चाः অভি ত্বা দেব সবিতরীশানং বাধ্যাণান্। সদাবন্ ভাগদীমহে।।।।। যাশ্ভিদ্ধি ত ইংখা ভগঃ मट्ट ठाक तम्बमा माम। म त्ना म्या जिम्छत्य भूनक्षि भिठत्रक मृत्नग्रः मछित्रक ॥ २॥ क्षीउद्ध कर्म. वि॰। अक्रमा द्यन् कज्यमाष्ट्रजानाः यनायर् ठाक प्रवम्। तम्। तम्। भक्षा जाम्ज्य शुनकाथ भिजत्र ह मृत्नांत्र माज्यक्ष ॥५॥ जायक्षार अथममार्गण्डानार मना-ष्यभाष्, कमा स्नामज्ञापिकमा भक्षम्भरमा ठक्षयेजाषिरेष्वज्ञनयुक्तमाजिगर्छिः শুনঃশোক্ষাযিরভিত্তেত্যাদিত্চস্য গায়ত্রী ছন্দঃ শিকীনাং ত্রিন্ট্রপ্ ছন্দঃ বরুণো দেবতা তৎ | (かな o ko s の ko) |

(जीयक, मिथाधिविडा। मिक्सा विश्मक्राज्य मक्स युक्सा विक्रमा कित्रमा कित्रमा कित्रमा कित्रमा कित्रमा कि বিচাকশচন্ত্ৰমা শক্তমেতি।। ১০।। তত্ত্বা মামি ত্ৰমণা বন্দমানস্তদা শান্তে ঘলমানে। হবি-. जिंड। व्यार्ट्डमात्ना दक्षणमा त्वाश्राक्रमश्म मा न जायूः थ त्यायोः ॥ ५५॥ जिममज्ञ . उम्मिया मर्ग्या एउमग्रः (कर्डा त्रम व्या वि हत्ये। क्ष्मः रूपारमा यम् सम्मुची छः त्माश्यान् - ष्रोदन् दोन्ना द्रुपः मस्त्राष्ट्रित् वमत्त्रा विग्रामाके भाषाम् ॥ ५७ ॥ ष्यव (७ (हर्ष्ण जंकः क्रामि।। ১৪।। उत्तृत्वाः दक्रन भागमयम्वास्याः वि मध्रमः जाषाः। जाषा द्यमा हक्दरः स्राः॥ १॥ ७कः वि त्राकः क्ष्यां क्ष्यां विष्यां विष्यां विष्यां विष्यां वांका वकरना गुरमोळ्या ३२ ॥ जनश्लाका वस्त्रम्भे जीजवामिठार फ्रभरम्भू वक्षः। नकुन नरमाध्यि अन् यरख्वा ज्ञीयर्थ स्निक्ति। क्ष्युत्रम्म ज्ञायकायस्त्र थर्ठा अक्तिनारिम नि দিত্য ব্রতে তর্বানাগনে। অদিত্যে স্যাম।। ১৫।। (ঋ॰ ১ম॰ ২৪স্থ॰)

नुख् थाडिकारम वहीयडः। डिक्सि प्रमश् मस्क्रेड ॥ ১১ ॥ व्यक्ति थामहा अञ्चा नक्षत्रवाम्। कविदित्यन वा वृत्य ॥ ३२ ॥ केटब्बा न भाजमास्ट्रें व्यक्ति भावक त्नांक्तिम्। काम्मन् वत्क व्यक्षत् ॥ ३७॥ म तना निज्ञ रह्माय खत्कन त्नांक्यि। पर्देवता मर्शिम व्यवद्वतानामिष्टिबित्रम् । १ ॥ कुरात्ना व्यक्तिक्ट्स मा इर्गानगञ्जक् । व्यक्ति मक्कर न यक्ष-(हाजात्रभक्ता क्ष्मरकेषुर विज्ञावस्था। यख्वानार तक्षुमोगरह ।। ५ ॥ ष्यद्य मि भाहि •बर्षि ।। ১৪ ।। त्या जाघर उत्त्याम त्य तम्बर मजाः म भराजि । ज्या देमीमध्यम् ॥ १ ८ डेट्ड व्हट्डाार्क्काः मिष्यानमा मिष्टिः। ज्याप कद्मान मेत्रटः॥ । डेम या कुर्या - मम श्रुकार्गिक स्थाज। जार्ध स्वा क्ष्यंत्र नः।। १।। मक्सर र्हाजात्रस्थिकर हिज्जात्र. जू ॥ में ॥ मिष्यम उमहाखकरना हि इश्वर। हिकिष्यम् (मराक्षमम् ॥ ।। विकर थिय। व्यात्र्यान् रुत्ता कृत्राज्म॥ऽ॥ व्यात्र त्छायः कृषय तम वर्षायातन मयाना। व्याज्यकानि क्षामः।। र ॥ जाभिः मृष्टः शूरता मृत्य क्वावांक्युत्र कार्य। तिना जामामग्नामिक्।। ७॥ विভावस्थम्। अधिमौरम स्वेबद्य ॥ ७॥ अष्ट्र स्थितिमीष्टार कृषेमधिर कविक्रम्। ছদ্দে হক্ষারকে। দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। ওঁ সমিধায়িং দুবন্সত ষ্টতকোধয়তাতি

S)

-অধিয়ন্ধা দিবঃ ককুৎপতিঃ পৃথিব। জনুক্ত অপুনা কেবাংসি জিষতি।। ১৬।। উদ্ধে শুচয়ক্তৰ শুক্ৰান্তান্ত উদ্যতে। তথ্ন ক্ষুক্ষ্যঃ।। ১৭।। ঈশিষে বাৰ্যস্য হি দাভি-স্যায়ে স্পতিঃ। জোতাস্যাৎ তব ক্ষেত্ৰ

२३ ॥ यमत्ये माग्यर् घर घर वामानमा जार्म्। द्याचे मजा हेश्नियः। २७॥ वद्य-शुक्रदवभमम्। जाघर लखामि मम्निष्डि ॥ २७ ॥ मज्जानार त्राथा वग्नर जियार जाजाम दी-नहर । त्यारेमव्रिमाध्रममाध्रम । २१ ॥ ज्यम्यं त्य जामि कविष्णु जूमका। उरम् भावक क्नज़। २৮॥ शीरताक्रमाण मिष्टिं न कार्गिवः मन्।। जर्भ निष्यमि मारि।। २०॥ फिः। चार वर्षत्र मा भित्रः॥ ४ ।। वर्षा क्षा कर्णा हिः। प्रत्या द्वा मा। वर्षाः व्याक्छ ।। २১।। उट का बीज हा मम गिरता वर्षक विष्या। व्यद्भः मथामा वाषिमः।। বুসুপতিছিক মুসায়ে বিভাবস্থঃ। স্যাম তে স্মুখতাবিশি।। ২৪॥ অনুগে ধৃতত্ত্রতায় তে मबार ब्नीमरम्। २०॥ जाग्नः अधिवज्ञमः अधिस्थः अधिः कविः। अधिरमण् ममूजारत्रव मिन्नवः। निरता वाजाम मेतर्जा। २०॥ मुवान् विम्मिण्डि कविः विभानिः

भूतारम मूजिएजङाः भूता सर्भुङाः करत। य न व्यम्भित्मा छित्।। ७०॥ (था॰ ममः ४४स्)

जाया जय इंश्वत्म हांजार विके ভावजीम्। नक्रजीर विष्वार वर्गा ३०॥ जिल्ला ४१ कम्मा, थाउर्टकाः। मिक्मा भक्षमार्कमा कुर्वाधिम्बरक्रमञ्जमा त्रथाणिष्यां जांद्रः मृष्टकमम् ॥ १॥ मथात्र जा नि दीम् ज महज त्छारमा स् नः। मांजा दाधार्भि त्मनी अनमा मरू भर्मा म्थानी । जिल्ला मुन्या । १५।। हेरह्त्मानीयुर्भ स्वरत्त्र । १६।। हेरह्त्मानीयुर्भ स्वरत्त ब्रक्ननामीर स्वस्ततः। ज्यातीर त्यामशीख्रा १०।। मही त्मांश्र शृथिनी छ न हेमर रा छः के महिवामिक मृत्रक यजा त्राथम शक्छथः। जिथिमा मिसिमा गृहम्॥ ।। हित्रगाणीनि मृज्य मिविज्ञानम्भव्यतः। म किन्ना मिस्या । ।। जिथार मेराज्यवत्म मिविज्ञ अखि ॥ म ॥ व्यटम भन्नीत्रहावह त्मवानामुग्जीक्रम । षुष्ठांत्र त्माममीज्य ॥ २ ॥ मिर्मिक्काम्। मिन्ठाः त्ना ड्रीमिडिः ॥ ३७ ॥ ज्यापिम् इज्वद भएता विथा तिर्हाख गून खिर्। . जमा खडाक्राश्वामि॥ ७॥ विज्ञाहर स्वांगर वरमान्धिवमा द्राधमः। मिन भीमजी एक करका त्मवन जिल्ली ज्याजित कर्म विशा के व्याज्य का वित्यामिनारवर अष्ट्राम्। अमा (माम्मा भोउत्या ।। ।। या व्यवधा वयीउत्मांडा (म्या मिविन्याना। अधिमा ত। হ্বামহে ।। ২ ।। যা বাং কশা মধুমত্যশ্বিনা অন্তাবতী। তয়া ষত্তং মিমিক্ষতম্॥ ৩।

भीजिङ्ड। शंक्षर्व अर्प शरम ॥ ১৪ ॥ म्यामा श्रिष्टि ভवानुक्तत्रा निवनमी । बक्दा मः

वी हमः श्यिवी त्मवजा उद्योज्यः कर्षः दिन्ता क्याना श्यिव छवानुक्तः। निरवर्भनी। শর্ম সপ্রথঃ।। ১৫ ।। (ঋ০ ১ম০ ২২ফুণ ক্ষিতেঃ, মঙ্গলপ্রতাধিদৈবতপ্থিবঃ

त्रुधमा, छेष्ट्रश्रधाश्विज्ञामिकमा बान्नाक्य त्रुथस्यक्य त्रुथस्यिषिस्रेष् हत्मा तूर्धा मिन्जा बुधनीण्डा करन विव। अँ छेष्ट्र धर ममनमः मथाग्नः मग्निष्य रहतः मनीलाः। मधि-যক্তা নঃ শর্ম সপ্রবঃ ॥ ১॥ (খাণ ১মণ ২ ছণ ।

ड्टम्बाइ भक्तमग्रेट ॥ ७॥ मौत्र ग्रुक्षिक कवात्री यूनी विजयत्त भृथक् धीत मित्वमू स-उम्। हेक्काह्यियवर, स्रवत्रब् - स्रविनम् डेप्तिन् मिरक्षं अष्कितम्।। ह ।। श्रीनीजात्राम् नावमतिज्ञ भवनीर क्रभू धन्। इक्रभूष्माय्थात्र क्रभूष्य आष्ट्र यक्टर यभग्रजा मथाग्रह।। शुनक সীরা বিষুণা তর্ধং কতে ঘোনো বপতেহ বীজম্। ণিরা চ অংফিঃ সভরা অসলো নেদীয় ন্নয়। নিরাহাবান কণোতন সংবরতা দ্যাতন ॥ ৪॥ অবতমুদ্রিণং বয়ং স্কেমসুপক্ষি-काम्धिम्यम् १० ८ ए वीनिक्यावर्ड। वरम निस्तरम् व ।। ५।। मन्या क्रीपुर धिम्न व्याज्यक्षर

वित्रकाः, जाजा तम्या हेळामिकमा षष्टमा वूर्षाधितम्यज्विष्कुञ्जनमा त्राथाजिथि ৮৮ एमवा एमबीर घछाछार बिछ्डामिक्। मा त्ना फ्राक्टी यमावरमव गंत्री महत्वधाता भग्नमामही मनकक्षाण्डिक्त शूर्त्रो अधिविधि शुन्छ।। । । । । । । । পুলয়ঃ কপৃথমুদ্ধাতন চোদয়ত খুদত বাজসাতিয়ে। পুত্রমাচ্যাব্যোত্য ইন্দ্রং সবাধ ইহ न्द एउटि विकामिः। दमक्षािंद दम बाख्रांश्यक्षः निष्म्यिष्ध्यथम् उद्मम्।। ५०॥ क-৮৮ ছিত্তং জয়াথ ক্তিবাহং রথমিৎ কৃণুধুম্। দ্রোণাহাবমবলমুখা চক্রমং সত্রকোশং সিঞ্চত্র मुभीवार ॥ ७॥ जजर क्रबुष्टर म हि त्या मुभीरवा यया मीवाझर बळ्ला भृथुनि । भूर इक्रबुष्ट यात्रमीत्रक्षके। मा देः ऋष्ट्याकमत्मी मृश्क् जाजम्।। १।। जात्वाधित्रः मञ्जिताः वर्जकेज्यः (भी: ॥ ৮ ॥ जाज्यिः চ हतिमीट्याक्रभट्य वानी-डिज्यकान्यात्रीडिः। भतिषक्ष-(मामभी उत्य ॥ ३५ ॥ (सा॰ ५०म , ५०५ रू०)

असिनीयवी हत्मा विकार्मन्वा उदमीज्य हुन विन। ज चत्जा प्रवि त। विव चत्वा प्रवि चत्वा विक त। वर्जा विक विक विक्रि अंगुष्में मा भार प्रदा ।। हो नि भम। विष्कत्म विकृत्नां भा वमाणाः। व्यत्नां भमानि

ভাষুম্বেঃঃ পরমুৎ পদ্ধ সদা পশ্যত্তি সুক্ষা, কিন্দু সমূরাততম্ ।। ৫ ।। তদ্বিপ্রামো বিপ ন্যবো জাগ্বাংসঃ সমিদ্ধতে। বিষ্কে শিক্ষা কিন্দু। (মাণ ১মণ ২২সুণ) भाउन्ना ॥ ७॥ विद्यंशः कमानि भन्न क्रिक्ताः निर्माति । हेस्तुमा बुकाः मथा॥॥

मिमारको शूर ।।।। यरशूकरम र विया मिन यक्कमञ्चल। व्यास्ता जमामीमाकार जीय-শনে অভি।।৪।। তমাদিরাতকায়ত বিরাজে। অধিপুরুষঃ। স জাতো অত্যরিচাত পশচান্ত্র-नात्रायन्थ, महत्यनीर्घठ्यापिकमा त्याङ्गठमा युष्टाठाधितम्वज्ञात्रायक्ष्यमा वियुध् विद्रख्यायां खिकुम् निकीनामभुकुम् हत्मा नाद्राग्रत्। त्ववं जिद्यी उत्य कर्म विः। अ मह्य-শীধা পুরুষঃ সহস্রাক্ষঃ সহস্রপাৎ। স ভুমিং বিশতো র্মাত্যতিউদ্দশাস্থলম্।। ১।। পুরুষ এবেদং সর্বাং যদ্ধতং যচ্চ ভব্যম্। উতাস্তত্বমোশানো যদমে নাতি রোহতি।। ২ ।। এতা-वानमा महिमा उटन काशाश्य शुक्रवः। भारमाध्या विषा जुनान जिभामगाम्छः मिवि। र्षाः महम्बिः। ७॥ उर बद्धः वर्षिति द्यांकन् भूक्षरः कांज्यधानः। टिन मित्रो षात्रक्छ . । जिनामूक उर्देष भूक्षयः भारमाश्रमाश्वाख्य भूमः। उर्द्धा विष्य राक्षांमय मानमान-

माध्यां अष्रक्षण द्या। १।। उद्याम्बङ्गाद मर्स्क् उंड मर्स्क् उर्श्वा श्वमाकाम्। श्रम् उर्ष्तिक

७> विश्वार्गवित्रवित्रान् व्योग्रांक दि ।।। छ। उत्यांक्ष्यकार मर्वेक् अप्तः मांगिन किन्द्रिः। हक्तार्-মি জড়িতরে পুমাম্মজুন্তমাদজায়ত।। ১।। তমাদ্ধা অভায়ন্ত যে কে চোভ্য়াদ্তঃ। গাবে

হ জজ্জিরে ডমাভিমাজ্জাতা অজাবয়ঃ॥১০॥ যৎপুরুষং ব্যদ্ধুঃ কতিধা ব্যকণপায়ন্। মুধং িত্র তদ্দা ষ্ট্রশাঃ প্রাং শ্রে অকায়ত॥ ১২॥ ১০জ্মা মন্সো জাতশ্চকোঃ স্থো অকায়ত। মুধাদিক্তকাগ্নিক প্রাণাদায়ুরজায়ত ॥১৩॥ নাভ্যা আসীদন্তরিক্ষং শীষেও (म्रोड मम्माष्ट । भक्तार जूमिक्निड (बाजिर ज्या त्लाक्पिक क्यांत्र ॥ ५८ ॥ मश्रोमामन् भविष्यञ्जिः मख मिष्ठः क्रजाः। त्म्या यम्बद्धः जवान। व्यवधुन् श्रुक्तयः भक्षम् ॥ ১৫॥ यर छन य छन य म क ए पर्वाचानि धर्मानि थिष्मान । एउ नाकः महिमानः म पत्र य ब किममा (को वाङ् का छेज भीना উচ্চোতে॥ ১১॥ जाक्तरशारमा भूधमामीषाङ् ब्राक्तनाः क्रडः।

वृक्ष्णाटः, यञ्जञ्जामिकमा जीवक्ष्णादेमाकाम्भारमा वागामवक्षायिक्ष्णमा कारी-हन्तः भिष्ठानाः विष्टे भ् ছत्मा वृष्णाण्डित् जा उद्योज्य कार्भ विश । छ यञ्जञ्ज मस्मी वि एक्नी जान्नाम् ब्रह्म्मिजिश्वमधत्का त्रह्म। उर प्राञ्जाम स्थारता मीथानिक भूत्रा शुरर्क माधग्रं मिख (मना ॥ ১७॥ (॥ ० ३०म० २० श्रु०)

বিপ্রা দ্ধিরে মন্ত্রজিষ্ম্ ॥ ১॥ ধুনেত্ত হান্দিত্ব মুদ্তো বৃহস্পতে অভি সে নস্তত্সে। পৃষক্তং স্থামদ্ধামুর্ধং বৃহস্পতে রক্ষান্দ শিল্ম ॥ ২॥ বৃহস্পতে যা পরমা পরাবদত আ ত ঋতস্পুশো নিষেদুঃ। তুভাং ক্ষান্দি শিল্পিয়া মধঃ কোতিন্তাভিতো বির-माना व्यक्ष प्र। का वार विभाष्ट्रिक्त क क्षित्र विश्व द्रिः मर्कवीत्र नि यष्ट्र ॥ ५०॥ व्ह-इना भिष्ट विश्वमानीम्। उटेम विनः यग्नाम्। नमण्य मिम् वमा बार्कान पुर्वविणि ।৮॥ অপ্রতীতো জয়তি সং ধনানি প্রতিজন্যায়্যত যা সজন্যা। অব্দ্যাবে যো বরিবঃ ক্লণোতি ব্ৰহ্মণে রাজা তমবন্তি দেবাঃ॥ ১॥ ইব্ৰুশ্চ সোমং পিবতং বৃহস্পতে অসিন্ যজ্ঞে মন্দ্ বিজাতো রবেণ বিসপ্তরশ্বিষ্যত্মাধ্যিশী । সম্মুভাস ঋকতা গণেন বলং করোজ য়ে রয়ীণাম্॥ ও॥ স ইদ্রাজ। প্রতিজন্যানি বিশা শুয়োণ তহ্থাবাভি বীর্যোণ। রহস্পতিং .যঃ স্কৃতং বিভ্ঠি বংশুয়তি বন্দতে পূৰ্বভাজম্॥ ৭॥ "সইৎ ক্ষেতি সুধিতএকসি সে তস্যা ফলিগং রবেণ। রহজাতিক্রিয়া হ্বাস্ক্র কনিক্রদ্ধাবশতী ক্রদাজৎ॥ ৫॥ এবাপিত্রে विजेत्मवां वृद्धि वरेक्वविश्वम नममा क्षिछि । व्रुष्णात् ऋथका वीत्रवाका वार माम भेज-

.

স্পত ইন্দ্র বর্ষতং নঃ স চা সা বাং স্থমতি ভূর্মমো। অবিকং থিয়ো লিগ্তং প্রদীৰ্জন স্তম্ব্যা বনুষামরাতীঃ ॥ ১১॥ (ঋ॰ ৪ম॰ ৫০ছ॰)

ब्यानः, जाश्र बाह्याही ज्यामिकमा दिश्मकु 15मा जीवाशित्मव्याम्य एन छ ज्यानि शिक्ष विः

विञ्जामः मिमम मीमिन जा विनामृष्टि द्वधमः॥ ८ ॥ त्यां ठात्यां ठिष्ठं मीमिहि वित्यं मत्यां २० -श्र्वम् ॥ २ ॥ जारभ्र किर्विश्वाज्ञाति हिन्छ। भावक यक्काः। मरक्सा मिक्टिका ज्यद्वात्रज्ञीरका वि-রাম্ব ত্তোত্রে মহাঅসি। দেবানাং শব্যাম মন্ত্র ক্রয়ঃ শত্রাহঃ স্বয়য়ঃ।। ৬।। যথাচিদ্দা মতমুম্যে সংজ্বসিক্ষমি। এবাদ্হ মিত্রমহে এ। আমু প্রনুদ্ধামাকশ্চ বেনতি।।গা মানো মুর্জার রিপবে রক্ষবিনে মাঘশংসায় রীরধঃ 🐧 অত্যেক্ষন্তিজ্ঞরণিভিষ্বিষ্ট্যশিবেভিঃ পাহি . जांत्रः क्षां त्रनीमरह। जा श्रामनज् थात्रजा हित्याजी यिक्किः वर्षित्राभरम्॥ ॥ जाक्षा हि - (थिषिः ಅक्रमम् िः ।७॥ व्यत्तिषम् वरम् । भर्ज मिष्णारम् । जिष्ण्यारि প্রগাধশ্চনঃ জীবাধিদেবরনা দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি:।. ভ অগ্রআগ্রাহ্যিতির্ধো ज्ञी मर्मा स्ट्रेना व्यक्तिक व्यक्तकत्त्वाश्वतः। डेटब्क्नानभावः घ्रज्यक्रमग्रीमरह्यभिः यरब्ब्य **ऋषि** । वरमागरि मम्ययोजि डिस्जि ॥ धिमद मथया जमारमे जांठ सं उक्षि । घार

পাহি চতফভির্বমো। ৯।। পাহি বিশ্ব<u>ার্থ করা করাদ</u>গঃ প্রস্থা বাজেয়ু নোহব। স্থা-মিদ্ধি নেদিষ্ঠং দেবতাতয় আপিংনক্ষাম্বের কর্মিত। জানো অগ্নে বয়ো র্ধং রয়িং পাবক भाष्र्रिकः॥ ৮॥ भाषि त्नार्थं अक्षां कर्णकामाः। भाषि गोर्जिकरण्डिककित्रिकार

শংস্তাম্। রাস্বাচন উপমাতে পুরুম্পুত্ং বুকু হাজান্তরম্।। ১১।। যেন বংসামপ্তনাস্থ भक्षि उच्छ इरखा व्यक्षामिन। म ब्रुट्सा वर्ष कामा मही वरमा कि च थिरमा वद्यविष्ट । ১২

বাজং নেদিপ্তমূত্যে।। ১৮।। তাগে জরিতক্পতিত্তে পানে। দেব রক্ষসঃ। তাপোধিবান্ ১৭।। কে তেন শর্মন্ সচতে স্থামণ্যগ্নে ভুভাৎ চিকিন্থন।। ইষণ্যধা নঃ পুরুরূপমাভর वहर ॥ ১७॥ म हि जि जार्य व्यंच अधिष्रम कहारमा यिष्ठिकसम। म घुर ना हि। छ। क्वडाकमङ्काम्। जिन्दमाप्तिः उभम्। विरमाहिम। थार्यः जिक्षे जन्। जाि ॥ ३७॥ जािय-অভ্যদোহ ব্যাবহুদি হুবিদ্ত আদিদেবেষু রাজিমি॥১৫॥ সপ্ত হোতারগুমিদীলতে স্থাথে শিশানেশ র্ষভৌচ্যুময়িঃ শুক্তে দবিধুৎ। তিথা অস্য হনবো ন প্রতিধুষে স্কন্তঃ সহসো ম্মিং রো অধিঞ্ ছবেম রক্তবহিনঃ। অগ্নিং হিতপ্রমনঃ শশ্তীষাহোতারং চর্গীনাম্।। স্কৃত্তং ক্ৰিক্ষি বংসানো বাৰ্যাপুক।। ১৪।। শেষে বনেষু মাত্ৰোঃ সং স্থা মৰ্ভা স ইন্ধতে।

गुङ्भिङ्मिङ्गं व्यक्ति मिनक्यांयुष्ट्रतानयुः ॥ ५२ ॥ भा त्मा तक्तः व्यादिनोमाय्नोयत्मा माद्याज् ধাতুৰাতুমাৰতাম্। পারো গব্যত্যনিরাময় কুষম্মে সেধ রক্ষমিনঃ।।২০।। (ঋ০৮ম০৪৯ স্থ০) শক্তঞ, জীবপ্রত্যধিদৈবতেক্রন্ত স্কাভাবাৎ ইন্দায়েন্দ্বিত্যাদিমন্ত্রন্ত কত্যপ্রধাদি-

"मक्खाउ भवत्र मधुमलमः। साज्य (यानिमांसम्। (सा भव भव ७८ प्र २२ म०)

नीयबी इरम्मा कीव था छा थिरमवजनात्का (मवजा जदकी जरा विः। ॐ हेष्मारिशामा

তী ছন্দঃ শিষ্ঠানাং ত্রিষ্টুপু ছন্দঃ শুক্রে। দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি। ও শুকুং তে • শুক্রস্থ শুকুং তে ইত্যাদিক্য শুকুস্থলস চতুখা চন্স ভরদাজখাবিদি তীয়ায়া জগ-অন্যক্ষজতং তে অন্যদিযুদ্ধপে অহনী দেগরিবাসি। বিশাহি মায়া অবসি স্বধাবো ভদা

जानिकः। जाकार भूषा निषित्राग्रुषत्रीत्रज्ञ मर्फ्नारण जूनमा मिर क्रेयर्जा। र ॥ मरिङ পুষন্নাবে। অনতঃ সমুদ্রে হিরণ্যারিত্তরিক্ষে চর্জি। তাভিযাসি দূত্যং স্থাস্থ কামেন কত-ত্রব ইচ্ছমানঃ॥ ৩॥ পুষা স্থবন্ধাদিব আ ্থিব্যা ইলম্পতিশ্ববা দ্যাবৰ্চাঃ। বং দেবা-তে পুষত্মিছ রাতিরস্ত ॥ ১॥ অজাশঃ পশুপা বাজপজ্যো ধিয়ৎ জিমো ভূবনে বিশে

टुम जिममू अर्थादि क्रोटिंग क्रिंट उदमर स्थि। ।। (स॰ ७म॰ ৫৮२०)

ইব্দেশ্ত, ইব্দং বিশা ইত্যাদিক্য কাৰ্যা ক্ৰিয়া প্ৰেন্তেব্দুস্ক্ত ভা জেত্নামকো মাধু ছ্ৰুদ্ম থাষিৱস্থুপ্ছন্দ ইব্দো দেবতা হুকুন্ত কাৰ্যা অবী-র্ধন্ৎ সমুদ্ধব্যচমং গিরঃ। রথীতমং ক্রিট্না কার্যাং সৎপতিং পতিষ্ ॥১॥ সংখ্য ত ইব্দ বাজিনো মা ভেম শ্বসম্পতে পুৰ্বীরিজ্ঞস্ত রাত্রো ন বিদস্তত্ত্যতয়ঃ। যদী বাজ্স্ত গোষতঃ জোত্ত্তো সংহতে মঘষ্।। ফুডঃ॥ ৪॥ ঃ ছং বলস্তা গোমতোহপাবরদ্রিবে। বিলম্। ছাং দেবা অবিভাষস্তজামানাস ও।। পুরা ভিন্দু মূবা কবিরমিতৌজা অজায়ত। ইন্দো বিশ্বস্থ কর্মণো ধর্তা বন্ত্রী প্রু আবিষুঃ।। ৫।। তবাহং শ্র রাতিভিঃ প্রত্যায়ং সিন্ধুমাবদন্। উপাতিগুন্ত গির্ধণো বিদুফে তত্ত্ব কারবঃ। ডি।। মায়াভিরিন্দে মায়িনং ত্বং শুষ্ণম্বর্মতিরঃ। বিদুষ্টে তত্ত্ব দেধিরাস্তেষাং শ্ৰবাংসুসতির। বি।। ইন্দ্রশীশানমোজ্সাতি জোমা অহুষত। সহলং যশু রাতয় উত বা য়াঃ পঞ্চপদা পঙ্ক্তিঃ শিষ্টানামমুজুণ্ ছন্দঃ শচী দেবত। তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। ওঁ ইমাং শচাঃ, ইমামিত্যাদিকস্ত মড়চস্ত শুক্রপ্রাধিদৈবতশাদীস্জস্ত ইন্দাণী খাষিরন্ত্যা-मिक कुर्रमो ।। ৮।। (स्र ) भ ० ५५ छ)

৯২ थनारमग्रविष् बीक्ष्य वनवज्याम्। यहा मभन्नी वाधरज्यहा मध्विमरज् भिष्टिम।। ।।

यम्य, भरत्रतिवाश्मिमिक्य (वाङ्गरिक न्रोत्मिक्य प्राप्तार्थक्याम्ग्रानाः २२ পঞ্চানাং যম্মাযিঃ মন্ত্রাজাফিরসক্তত্তিস্থাং খানার্যী শিক্তানাং যম্মাধিরাদ্যানাং দ্বাদশানাং ত্রিকুপ্ততো দুয়োঃ পাদনির্ভাতিকুপ্ পঞ্চশ্যা রহতী যোড়শ্যা অনুষ্ঠু প্ न्त्रः, जारभ हि किंगामिक्य न्रह्य भान्युक्य पिसूही भ्षयित्रखार्यात्रस्थे श् मंक्षामार यामा (मन्छ। यम्बीछात जामावि। छै भातितिवारमर व्यव्छ। महीत्रक् उठधार महमामामि या थार महीयमा। मा थाउठ मत्नावदमर त्रोतिव सावजु यथा। वातिव मिया महमाना्थ घ्रमिया मानिहः॥ ॥ । । । । । जिल्ला महत्र हो । ज्ञा मनेष्री । । यहावरिह । जिन र ॥ टेज्डार्मुकंत डेज्रमूज्जां जारा मर्भाष्टी या गर्माध्ता मा ध्रां जारा । जारा नाम शृङ्गामि (न्। षाणिम्रमट कत्न ॥ ८॥ भेत्रास्मय भेत्रावङ, मंभूष्टीः भग्नामि। ष्यह-উন্তামপূর্ণে ফুভুগে দেবজতে সহ্সতি। সপত্নীৎ মে প্রাধ্ম পতিং মে কেবলং কুরু॥ निकाना भारती हम भाष्टिका मनियोज्य कर्म विश (४०४०५,२१०) थायद। 料本項 II 5 II (松o So和o SBは至o)

স্তর মাহি সীদাজিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদানঃ। অত্যা মন্ত্রা কবিশন্তা বহত্ত্বেনা রাজন্ বৃধানঃ। যাংশ্চ দেবা বার্ধুর্যে চ দেবান্ সাহান্যে স্ধ্যান্যে মদন্তি॥ ৩॥ ইমং যম প্র-दक्छ। अस्थामस् भन्नानाम्। देववस्व प्रमन्धानः जनानाः द्राकानः रुविषां क्रवस्य ॥ ५॥ পুরে নাজজানাঃ পথা। অনুষাঃ॥ ২॥ মাতনাকবৈ্যধ্যোহসিরোভির্হস্পতি ঋক্তিবা-बरमा तना भाष्ट्रः अथरमा विरवम टेनमा भवाज्यिभाष्टर्वता छ। यजा नः भूरति भिष्ठतः भरत क्विया मामग्रम् ॥ ८ ॥ जिष्ट्यां जित्रांगीष्ट् यि छित्रां जियम देवत्रोत्रां मामग्रम् । विवय् छ९

ত্ৰিচ সপ্তাতো অমা এতং পিতরং লোকমকন্। অহোভিরছিরজুভিব্যক্তং যমে। म माछायमानगरमा ॥ ।। आधिमय मात्रामरही थारनी उज्राक्षी भावतनी माधुना भाषा। भन्नस्म द्यामम्। . विश्वा यावम्त्रः शूनन्तख्यमि मः गष्क्य ज्यां स्रवर्धाः ॥ म। जाभज्यो-অথকাণে। ভূপনঃ সোম্যাসঃ। তেষাং বয়ং স্থমতে। যজিয়ানাম্পি ভদ্রে সৌমন্সে স্থান स्वध्यो ममेखा यमः भर्णामि वक्रनक्ष तिनम्॥ १॥ सः नक्षत्र निष्कृष्टिः सः यत्मतम् । १८६ छत्व यः भिष्य एउरियम् यत्छः वर्षित्रा नियम्।। ।। व्यक्तिरता नः भिरुता न वर्ष। ॥ ১॥ প্রেছি প্রেছি পৃথিভিঃ পূর্বেভিধ্রা নঃ পূর্বে পিতরঃ পরেয়ঃ। উভা রাঙ্গানা

कुक्जा इविः। यमः ह यट्या गक्त् ग्रियात्जा जार क्रडः॥ ১७॥ यमाग्न घ्रज्यक्षितिक् रिश् व ह जिकेत । म त्ना त्मत्वमा यमकीर्यमाष्ट्रः अकीवत्म ॥ ১८ ॥ यमाक्ष मधुमञ्जमः द्रारुक्त जावमाजार मुनारम क्यांगिम शुनाकी जिस्मारमाङ् एम्स्।। ১२॥ विभाग स्मान क्रमुज यम्। ভিঃ পততি ষতু स्नीत्त्रकषिष्ठ् इर । विके व्शायबीष्ट्रन्मारिम भर्षाण घम आहिण । ১১॥ अभी भिष्टुं म् स्विष्टाँ। डेटभीइ यत्मन ८भम धमामः ममछि॥ ३०॥ त्यो ८७ भारनी घम ज्यममी तथ (शिष्ट् ॥ ५) ॥ जिन्न भाग तक्कक्मा जेम इंतरलो यम् छ मृरजो ५३रजो कमा। जन्न । ह्वार कुर्हाच्ना हेम्र नम श्रिष्ठाः भूटर्वाडाः श्र्वाङाः श्रिक्षाः। १८॥ जिक्षारक-इक्किडारतो চতুরকে পথি वक्को मृष्करमो। তাভ্যমেন পরিদেহি রাজন্ৎ সন্তি চাক্ষ 2

अकांभरुडः, अटेनॐऽत्रेय्डाब्रिटेम्ब्ड्यकांभरुडः क्वांडाब्रिट थकांभरुड हेड्यामिक्ख ( # 50 50 5 5 2 5 5 5 c

মন্ত্রম্য হিরণ্যগর্ভথাষিত্রিকু প্রত্যক্ষণ প্রকাশতির্দেবতা তৎপ্রীত্যে জপে বি॰। ও প্রজান ं ब्राट्साः, क्या स्थित हे ज्ञापिक अ न्यह्य ब्राष्ट्रेस्ट या बार प्रविधिति विक्रि পতে ইত্যাদি (৪৪প ॰ ১প ॰) প্রাশ্বৎ।

e N

वीजान्॥ । मुख्याः श्रमः त्राशियत्या यटेम्ज्यायीय आयुः अञ्जर मधंनाः। जाशाय-মানাঃ প্রজয়া ধনেন শুদ্ধাঃ পূতা ভবত ব্জিয়াসঃ ॥ ২॥ ইমে জীবাবিস্তৈরাব্যুত্রং ন ॥ ७॥ छ ज्याहि ज्यामाङ्जिमध्यामः मिनिए । माङ्ग्यापिमिषयुम् ॥ १॥ छ ज्या क्रांतज, भंदर म्डादिड्यापिकछ ठड्या ठच्या वांच्याम् थितमवकांनम्खन्य मङ्गयक्याि वव्दक्ष ठक्रः म वृज्यक्षिञः। नियुष्टिश्वकिनीमाम्॥ ।। व्यव्जा वि कञ्नामा वा भटम्य भक्छ-मि। ज्याकिक क्रारी मिन। ॥ १। मश्यक हेस्स मनाव मर जानि स्थिभिता। जाथ (शु जाथ क्रार्थ ममा है भिद्र भाषामाना स्थार । शुक्र कियार हतम वस्र ॥ ৮॥ म हि ग्रा जि भाउर हम द्रांत्या ক্রিফু প্ছন্দঃ কালো দেবতা তৎপ্রীত্যে জপে বি॰। ও পরং, সত্যো অরুপরেছি পরাং যতে কুইত্রো দেব যানাথ। চকুয়ে তে শুণুতে তে অবীমি মাঁনঃ প্রজাং রীরিষো মোত दास्त्वा दास्यी उत्त कर्म वि । उ क्या मिन्त का ज्वमू में प्रश्निमा क्या मिछिशा वृज्या॥ ३॥ कञ्चा मट्जा यमानाः मुह्हिछो मदममन्त्रमः। मृष्यं किमो कृटक वन्नु॥ २॥ अधी मू नः मथीनामविठा कतित्वाम्। मठैर जवास्तिष्टिः॥७॥ अधी मधा বরন্ত আমুরঃ ! ন চোষ্টানি করিষ্যতঃ॥ ৯॥ (ঝ০ ৪ম০ ৩১ স্থ০)

म्नीलाम्, जाग्नः त्रोतिज्ञाकिकम कृष्य वास्याज्ञिष्टमेरज्ञम्बन्य मर्भवाक्षी ভূদ্ধা দেবরুতিরো অদ্য। প্রাথেগ অগামনুত্যে হা যদ্রাঘীয়ঃ আয়ুঃপ্রতরং দর্থনাঃ॥ ৩॥ देरम कीरवज्ञः भनिधि मधािम टेमयोः व नामगत्ना वर्षम्याज् । भजः क्रीवख भन्नः शुक हीत्रखर कार मध्डा भर्ताडम ॥ ८ ॥ (अ॰ ১०म॰ २४॰)

श्रवित्रिव्धी इक्ट मर्भ (मवटाः मर्भयोष्टाः कर्म विश ७ जाइ९ त्मीः भृष्तिक्रमीम ব্যথাসাহিষোশদিবম্।। ১।। ত্রিংশদাম বিরাজতি বাক্পাতকায় ধীয়তে। প্রতিবজ্যে রহ-मम्मां ७३९ भूत है। भिष्ठत्रक व्यत्रस्ट्यः ॥ ३॥ व्यक्तक्रित् द्राघ्नां व्यानामणी।

রোচনা দিবি॥১॥ মুঞ্জন্তাস্ত কাম্যা হ্রী বিপক্ষ্যা রথে। শোণা ধ্যঃ ন্বাহ্যা॥২॥ কেতুং রুণুমকেতবে পেশো মধ্যা অপেশসেশ সমুষ্ছিরজায়থাঃ।।৩॥ আদহ্ স্থামন্ত্ কেতুনাং, যুঞ্জীত্যাদিকস দশচস্থ কেতুস্ক্তস্ম মধুচ্ছ দাখবিশায়ত্ৰী ছদঃ কেত-शूनर्न अस्मित्र । मृथाना नाम यिक्यम् ॥ ८॥ वीष् िष्माक्रकन्न जिष् रिमाक्रकन्त्र जिष्मा मूरिवा ७। (वा० ऽ०म० ১৮३०४०)

मिट्यो यो द्रबाज्योम्स्थि। ममस्यित्र क्षिट्ड गिन्नः ॥ ॥ हेट्डा यो माल्जिमिरङ मिट्यो यो भी-न्यदिन ऐस्यिया वार्य ॥ ए॥ एमवरात्वा यथा मध्यक्वा विमघन्यः गिराः। मर्गमत्रमञ जनवरेमात्रचिम्। जिन्न मस्यमक्ति। भरेभतिक्य कोरमाः॥ ।। जाउः भतिक्राभ्राभि ত্ৰতম।। ৬।। ইত্ৰেণসং হি দৃক্তসে সংহ্ঞানে। অধিভূমো। মন্দু সমানবৰ্জনা।। ৭।।

চিত্ৰগুপ্ত স্কাভাবাৎ সচিত্ৰেল্যাদিচিত্ৰগুপ্ত্ৰস্থ . विवामिषि । हेल्स्ट भट्हा या द्रांक्पाः ॥ ५०॥ [था० ऽम० ४०४०]

जन्म %, हिंदनामर्स्ट्रिंगां किया क्यारं अ क्यू अर्गाघरे क्वज महत्रनामर् आविष्ठिके मुक्टम् हिन्द्रे अधिनविज्यमा मिवल उदयोज्य करमे वि॰। ७ हित्रगा-গর্ভঃ সম্বর্ততাতো ভূতক্ত কাতঃ পতিরেক আসীৎ। স দাধার পৃথিবীং দাামুতেমাং কলৈ দেবায় হবিষা বিধেম ॥১॥ ব আত্মদবলদা ষক্ত বিশ্ব উপাসতে প্ৰশিষ্থ বস্তু দেবাঃ। বস্তু চিত্রকাত চিত্তমং বয়োধাম্। চন্দ্রং রায়ং পুরুবীরং বৃহত্তং চন্দ্র চন্দ্রাভিগ্ণতে যুবস্থ।ऽ। (湖) 各町の ちでの 4町の)

विद्धम ॥ ৮॥ मा त्मा हिश्मी ज्ज्ञानिजा यह भृथिया। त्या मिवश मज्यभ्या काकान। यकांभ- ३६ ন্দী অবস্তিজভানে অভৈয়েক্ষতাং মন্সা রেজ্মানে। ষ্রাধিস্ত উদিতো বিভাতি কথৈ अङ्खा वृङ्जोळ्डान कटेया त्मवांत्र हिवया विद्यम्॥ ॥ ॥ थाका भट्ड म क्रमणानारा वियो জাতানি পরিতা বভূব। যথকামাতে জুত্মক্ নো অস্ত বয়ং স্থাম পতরো র্যীণাম্ ॥ ১০॥ क्क ज्ञांक्ड यक क्षुं कदेय प्रवां इविया विस्था ॥ २॥ यह शांगां निर्मिष्ड मिष्ट वार् कटेम एमवोम रुविमा विद्यम ॥ ८ ॥ त्यन एमोक्यो भृथिषो ६ मृछ। त्यन थे र खिडिट ততে দেবানাং সমবর্ততাস্তরে কঃ কটন্ম দেবায় হবিষা বিধেশ ॥ १ ॥ यिक्टमाপো মহিনা भरी भाषाक कर मधाना जनग्रहीर छन्। ता तिरविष्टिम अक जामीद कटेम तियों इविष् द्य क देखांका कर्गटा वजून। य केटन जय हिश्मन कज्ञां मः कटेया रमवांत्र स्विया विरथम ॥ ७॥ यत्थरम न्हमवत्छ। महिज्ञा मभुष्टः त्रमग्ना महोछः। यत्थ्यमोः श्रीमत्मा बज्ज - दमन नांकः। 'दंया ष्यखितिक त्रकारमा विमानः करेया मिनांग स्विम विरधम ॥ ॥ ॥ ॥ वश जन टम्बाय श्विषा विष्यम ॥ ७ ॥ जाएना इ यष्ट्रहीसिश्वमायन् गर्छर मथाना जनमञ्जीत्रियम्। (क्ष॰०००क० ১२० १ ८मोक्याग्रामाकुलाव्भिक्षाभवकत्मदेशव स्कामिक्षा कार्यात

200

দুৰ্নায়াঃ, ফ্ৰোভাবাৎ জাতবেদমে ইত্যাদিদুৰ্নামন্ত্ৰক কাশ্ৰপখমিন্তিউ, প্ ছন্দো দুৰ্না त्मवजा छह्यी जा करम विग । अ का जरवमास स्मनाम त्माममहाजीवरजा नि महाजि কুসীদঃ কাণু ঋষিণায়ত্রী ছন্দো বিনায়কে। স্থ্রেতা তৎপ্রীত্যে জপে বি॰। আ জু ন ইন্দ্র जूबि एमक्षर जूबीमधम्। जूबिमां ज्यादाण्डिशा २॥ न हि घ्रां भूत्राम्या न मर्छारमा मिर-স্তম্। ভীমেন গাং নারয়তে।। ৩॥ এতে। বিজ্ঞবামেশানং বৃষ্ণঃ স্বাজম্। নরাধসা মদ্দি-कनानाम्। ज्यमान्षेषेत्रय (वमः॥१॥ क्ष्य घ छ य ८७ जाख-वात्का विरंथि। मिन्दः। অমাতিঃ স্তত্ সন্তহি॥৮॥ সদো জুবজে বাজা অমতাং বিশ্বচন্দাঃ। বলৈশ্য গংমূ জর-दबस्ड। म नः शर्यम्डि सूर्गानि दिन्धा मार्द्य मिक्नुः मूतिङाङाप्तिः॥>॥ (अ॰ऽमः ১৯ सू॰ऽम्०) यन्नः॥ । अत्त्वायमूर्भगोमियक्कृत्यमाम् गोयमानम्। अध्वित्रायमां कृष्णन्यः॥ । जात्ना <u> ज्य मिक्करणमां किमरवाम क्षेत्रमा विक्रमा मा तमा विमानि जिल्ला ॥ ॥ जिल्लामयां ज्या ध्राप्ता ध्राप्ता । इस</u> . অথ লোকপালামাম্ তত্ত বিনায়ক্ত্ৰ, আতুন ইত্যাদিক্ত্ৰ নবৰ্চত বিনায়ক্ত্ৰক্ত क्षमञ्चर किन् थां कर भरगु छ। । महा इसी मिक्करन ॥ । विषा हि द्यार जू विकृषि (國 | 2 | (湖 ) 下列 40至 0)

কাশো দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি৽। ওঁ আদিৎ প্রতুষ্প রেতমো জেণাতিষ্পাশতি বাসরম্। . कार्षिमद्रग्रोड, जाया छेया इंछारिक्य शंकमणंडिकार्विमञ्ख्ना शंक्ष्णंशिवाती বায়েঃ, স্কাভাবাৎ কাণা শিশুরিত্যাদিবায়ুমন্ত্রস্ত ত্রিতথাবিক্ষিক্ ছদ্ণো বায়ু-जांकामण, श्रकांভावाद जामिमिकामिराकामाञ्च वदमभयिभाग्री हमः जा-( स्वज्। वायु की उटा करण विक। उटे काना निष्धि हो नार हिश्म उच्छ मी बिछा। প্রেয় যদিপ্তাত্তে দিব। ॥ ১ ॥ (ঋ॰ ৮ম॰ ৬ত্ত্ ০ ৩০ম০) প্রিপ্রিয়া ভূবদ্ধদ্বিতা ॥ ১॥ (মা০ ১ম০ ১০২স্থ০ ১ম০)

বচ্যত্তে বাং ককুহাসো জ্ণীয়ামধি বিউপি। যদাং রথো বিভিষ্ণ তাৎ ॥ ।। হবিষা জারো उगिरंस द्रामाथाधिषम् ॥ ७ ॥ जा त्ना नांना मृजीनार मांजर भांताय भंडर । मुक्षांथांमिन-ज्यार भिषा भिष्ठान्त्राः। भिष्ठा कृतेक प्रतिः॥॥ जामात्त्रो वार मजीनार नामछा। ছকোহাশ্বনো দেবতে তৎপ্রীত। ওঁএমো উষা অপুর্বণা ব্যুষ্ততি প্রিয়া দিবঃ। স্ত্রমে বাষ-क्षिमा वृष्ट ॥ ১॥ या मचा मिन्नुगाउता मत्नाउता त्रोगोग्। थिया मिया वन्नविमा ॥ २॥ मञ्बहमा। भाउः माममा श्रृष्णः या॥ व। मा भाषः भीभावम् थिन। ज्याणियाजी ज्यस्ति ।

मिनका मि इक्तान वक् मिक्रमार भरम। यर रजिर कुर धिरमधः॥ ॥ ष्यञ्तू छ। छ षर-শবে হিরণাং প্রতি ক্রাঃ। ব্যথাজ্জিকারা দিতঃ॥১০॥ অভুদু পারমেতবে পক্রা ঋতস্ত माधुग्ना। जमन्ति विकाधिक्तिः॥ ऽऽ॥ उज्जिमनियान। त्राया कतिषा थिषि ज्यषि । भरम त्मियक मिथा । ३२॥ वावमाना विवयि त्माम्य मीठा भिता। मश्रम्ख्य, जारी-न इथ्य ॥ १॥ अतिवेश वर्ष मिनम्मुष् ठीर्थ निमाना निष्ठ। विश्र ब्रुख देनतः॥ ।।॥

व्यथ मिक्भीनानाम्। उत्वास्त्य, हेन्सः विश्वा हेन्त्रामिक्याकिक्य मिक्भीतनस् उम्। ३७॥ मूरवाक्रमा ष्यम्बिमः भित्रज्ञात्माक्रभाष्ट्रदा साजा वनत्या ष्यक्र्रिज्ञ ॥ ५८॥ -ज्ङाम गायुष्टम्ता जिला यावित्रम्भेष् हम हित्या मिवला उद्योज्य कर्म विः। कि উভা পিৰতমাশ্বনোভানঃ শৰ্ম যক্ত্ত্য। অবিদ্যাভিরতিভিঃ ॥১৫॥ (খা॰ ১ম০ ৪১স্থ) इन्द्र विश्वा हेडार्गि थांघर। (३२ भ० ५९०)

बह्छः, जाधिः मिखिमिड्यामिकमा मर्खन्मा विक्युक्तम् (मीदिक्विधिषे विक्रिपे भ् इम्मः देवचान्त्राश्वित्कवन उज्जीज्य कर्म विः। अ जाप्तः मखिर वाक्रज्ञतः ममाजाप्ति-

रीत्रः कण्डाः कर्षानकोम्। जशी त्रांममी विष्ठतः ममक्षन्नशिनांत्रीः वीतकृष्णः शूर्वाक्तम्॥>॥

यम्ख, भरत्रात्रवार्माम्ज्याहिक्य (योङ्गेर्च यम्ञूज्यामानार मेश्वानार यम्भयिः २१ যঃ সহস্রা সনোতি। অগ্নিকিবি হ্বামাততানাগেদ্ধামানি বিভূতা পুরুতা। ॥।। অগ্নিমুক্থে -स मरम विस्तर्शेख अधिः नरम यामनि वामिजामः। जिप्तः बरम जन्नितमः भेजरत्मभिष् गर्मा भित्रवां ि दमानाम्॥ ८॥ ष्याग्रेश दिन केलटा मान्योता जाग्निश्यात्या नछत्या दि∙ জাতাঃ। অগ্নিং গান্ধর্ণং প্রাাস্ত্স্যাথেগ্র্যতিষ্ঠ আনিষ্তা॥ ৬॥ অগ্নায় বন্ধ খতব भाममित्रका जिके भ् भक्षमभाग त्रहजी स्वाङ्गा जन्नके भ् क्रम्। यसा स्मिन्जा यमथीजस यस एककाम खड़ायिन् स्मधः अझ्या क्ष्मंद मम्॥ ७॥ जाधिम सिंदी ११ बीउर भना जाधिभाषि ষষ্ঠ্যাজাজিরসশুতজ্তিস্থাং শানার্ষী চতস্থাং যম্খাষিদ্দিশানাং ত্রিষ্ট্প্ ততো দুয়োঃ जारमंत्रक्रमः मिमम् उपाधिमंत्री त्राम्मी व्यावित्यम्। व्याधित्वकः (ठाम्त्रः ममदय्वित्रं वाभि मग्रट भूजानि ॥ २ ॥ व्यधि इत्र १ कडाउ कर्मावाधि तट्हा। नित्रम र छना ज्यधि । व्यधि त्रि कर्म किः। ॐ भरविश्विराश्मिष्ठामि थाये (२२, २७ भः २,५ भः)। 9 11 (310 > 040 PO 20)

বরুণস্তা, মোষু বরুণেত্যাদিক্স্য পঞ্চতিন্ত বরুণস্থল্ডস্য বসিষ্ঠঝষিশ্চতস্থাং গায়ত্রী ज्यसाम कर्नजी हत्या वकरनी त्मवण उदयीज्य कर्म वि॰। ॐ त्यां यू वक्रन स्नाम . নিশ্বতঃ, ফ্রুভাতাবাৎ বেপা হীত্যাদিনিশ্বতিনন্ত্রত ব্যথম্বিক্ষিক্ ছন্দো নি-भ जिएक्ष्वा उद्योउता करम विग उ त्या हि निभ जीनार वडाइक शतिर्घण्य। आइ-जुरू अक्रांट भरिमममित्। ।। (भाष ४ मण २८ खूर)

প প আযুংযি তারিষৎ।। ১।। উত বাত পিতাসিন উত ভাতোত নঃ সখা। স নো জীবা বায়েঃ, বাত আবাদিকভা তৃচন্ত বায়ুস্থুজন্ত বাতায়নউলপ অধিণায়ত্ৰী ছন্দো স্ড্য। ৩।। - অপাং মধ্যে তিস্থিবাংসং তৃষ্ণ বিদজ্জরিতারম্। স্ড্াস্থ- কাএস্ড্য।। ৪।। वः। यहां स्र क्षा महा।। १।। कृषः मगर्मीन् थिनेप् क्षां मास्ता प्रहां मा वाग्नुरर्भवजा उदयीजात्र करम विग । उँ वांच वांवांचू (ज्यक् भाष्मुभात्रांचू (नां कांम । গৃহৎ রাজন্নহ্ৎ গমম্। ফড়াসু ক্লত্রস্ড্য॥১॥ যদেশি প্রক্রনিব র্তিন খাতে। অদি-, यद किएक्षमः दक्रन टिमर्टा करन्यिष्टाम्बार् मञ्याम्ब्याम्ब्याम्ब्याम्ब्याम्ब्र भुभान्छमारम्नरम् (प्रव द्योतिष्ठ । ।।। (भा॰ १म॰ ४० ४०)

4.

उद्यक्त क्रिया १ ।। समरमा वाज एक श्रेटर मज्ज निविधिष्ठः। ज्याजा (मिरि की बरम (かんりょうのはのへのなの)

(माम्य, द्वर (मारम्जामिक्य ब्रह्मविश्मक्राध्य थाये (५८भ०),२५०) क्रेमान्य, इमा क्रमाराजामिक्य थाये (४२, ४७४० २,५ थि०)

वक्कनः, हिंद्रनागर्ड हेजामिक्य यायुर (जि भे॰ ८,२ भै॰)

অধ বহাদীনাম্। তত্র বহুনাম্। হুক্তাভাবাৎ জাুয়া ইত্যাদিকস্য বহুমন্ত্রস্থ বিষষ্ঠ अम्ख्य, मर्म्योर्धग्रामिक्य थाये (५२५° ५,२५°)

ঋষিক্রিষ্টুপ্ছন্দো বসবো দেবতাগুৎপ্রীতয়ে জপে বি৽। ত জ্লায়া আত্র বসবো রন্ত দেবা উরাবভারিকে মজ্জাত শুলাঃ। অর্কাক্পথ উক্জায়ঃ কণুধং শোতা দৃতত্ত কথাুমো নো জ্ঞ । (%। १म० १म० ७३ स्० ७म०)

क्रमानाम्, जा क्रमाम हेल्यामिक्मगार्केट्य क्रमञ्ख्नमः भावात्रं स्निषः मक्षमार्केटमा-ইন্দৰন্তঃ সজোষদো হিরণারথাঃ সুবিতায় গন্তন। ইয়ং বো অমত্পতি হ্যাতে মতিক্-ज्ञिकुम् निकीनाः क्रमा क्रमा क्रमा तम्बाख्यीज्य करम विग । ॐ वा क्रमाम

जकीय (विश्वरमी टेमवाच्य ॥ १॥ हत्य नत्या गक्राण स्फुण नक्षवीमयातमा ष्यस्ज भाजर वास्त्रास्ता वनः हिण्म। मुम्ना भीर्ययाष्ट्रया त्रायम् त्या विश्वा वः जीत्रधि उत्तम् भिरिना ॥ आ त्रिमिम्चीत्वथवद्यवीत्रः ठव्यव्यात्या मक्टा ममा मङ। यमस्डिश्मः মো দিনো অৰ্কা অস্তং নাম ভেজিরে॥ ৫॥ ঋষ্ট্রো বো মুক্তো অসংযোর্ধি সৃষ্ঠ এজো নিষ্টিক।ঃ। স্বশাঃ স্থঃ সুর্থাঃ পৃদ্ধিমাত্রঃ স্বায়ুধা ম্কুতো বাথন। শুভ্যু ।। ২ ।। পুরুধ मगर भक्छान् माखरम रख्न नि तो बना किहर ज्यामीता छिगा। काश्रिम भृषिते भृषि-शुक्रम्ला जाक्षिमञ्डः स्प्रमानदास्थ्यमः मृत्ना व्यनवस्थायमः। स्वज्ञाज्या कन्नावक्ष जामिछानाम्, हेमां भित्र हेछा। फिक्छ मधममफिछा मिछा मुख्क क्रम-मुह एक न मिन छ दमा छमनात्व॥ ।। वानीमंख शक्तिमत्त्व। मनीविन इसिवान इंसुमरका मुंबा ऋरभेनामः। भिन्नाकान्। जाक्रनात्रा जात्रममः अत्रममः अञ्चक्षात्रा महिना त्मातिरवात्रवः॥ ८॥ মাতরঃ শুভে ঘদুআঃ পৃষতীরয়ুগ্ধন্ন। ৩।। বাতিত্বিযো মকতো বর্ষনিণিজো ঘমা ইব স্থস-ভরাঃ। সভ্যত্রতঃ কবয়ো যুবানো বৃহদিণরয়ো বৃহদুক্ষমাণাঃ॥ ৮॥ (ঋ॰ ৫ম০ ৫৭স্থ০)

श्विषिष्ठभू हम व्यामिना मिरनोख्योज्या करमे वि॰। ॐ देमा गित्र व्यामित्नाया

R N

क्रियार मार्थामा ऋरमिष्डः। वृष्टिमान्छ दक्रन्छ भारमाथ छाम शुक्रवीता ष्रतिस्था ॥ १॥ २२ म छेत्रद्या भछीता जमकारमा मिस्नाखा जूर्यकाः। जाखः भगाचि र्जित्नां माधु मर्तरः রাক্তভ্যঃ পরম্য চিদত্তি॥ ৩॥ ধারয়ত্ত আদিত্যামো জগৎছা দেবা বিশ্বত্য ভূবনত্ত গোপারণ होस्। धिरয় রক্ষমাণা অস্থাস্তাবান্তয়মানা ঋণানি ॥ ৪॥ विদ্যামাদিত্যা ভাবসো বো জ্ধি বোচতা নো যচ্ছতা নো দুষ্পরিহন্ত শর্ম॥ ৬॥ সিপর্ভু নো অদিতী রাজপুত্রাতি তিলো ভূমীধারয়ম্ বী'কত দান্তীণি বতা বিদংধ অন্তরেষাম্। ঋতেনাদিত্যা মহি বো भुकाः। अष्यभटका बानिषिया जमका छक्रमःमा क्षकरव मर्हाग्र ॥ २॥ घर वित्यवार ज्य वस्रीयन् ७३ जा ियाताष्ट्र। स्थाकः विवायकण अभीत्। भात भटन मूतिणानि वृक्ताम्॥ ६॥ ऋत्ता हि त्या व्यश्मिष्य भया व्यन्कत्ता वक्रन माधूत्रिष्ठ । टब्नामिट्या महिष्यः उमर्गमन् वक्रण मिल ठांक ॥ ৮॥ जी द्रांठना मित्रा थांत्राख हित्राग्रां छठता थांत्र-বক্লণো দক্ষো অংশঃ। ১,॥ ইমং ত্রোমং স ক্রতবো মে অদ্য মিত্রো অধ্যমা বক্লণো জুমন্ত। আদিত্যাসঃ শুচয়ো ধারপুতা অর্জিনা অন্বদ্যা অরিফাঃ॥ ২॥ ত আদিত্যা-

मक्रमानाम्, मक्रटी वमा शैजामिकमा मन्तिमा मक्रमान्युक्तमा त्मीक्मभिष निका ॥ ३८॥ टेट कट्य भी भग्न ३ भयी है मिर्या वृष्टिर स्व इति । विष् ষজনাঃ শাশা রিপবে বিচ্তাঃ। অশীব তাঁ অতি বেষং রথেনারিটা উরাবা শর্মন্ৎ স্থাম । क्रग्रावाक्राम् यां भिष्यावरकी चवछः माथ् वित्यः॥ ३८॥ यो तो माग्ना व्यिष्यिन्त দৃদ্শি যৎ বৰ্ষয়ন্তি পুষ্ঠয়ক নিত্যাঃ। স রেবান্ যাতি প্রধ্যে। রথেন বস্তুদাবা বিদ্ধেষ্ ক্তিতো ন দুরাদ্য আদিত্যানাং ভবতি প্রণীতে। ১৩। আদিতে মিত্র বরুণোত স্ভ बर्डा दश्र ठक्रमा किकमागः। उक्रमाग्डार ज्याजितिस मा त्या मीया अधि मनेख-১৬।। मार्क्ट भटवातमा दक्रन थियम् छित्रमादु जा विमर् भूनमारभेड। मा द्रारम् द्रांकन्ड বুরুণাসি রাজাযে চ দেবা অস্তর যে চ মর্তাঃ। শতং নৌ রাস্থ শরদো বিচক্ষেহশ্যামাগ্র্ষি পাক্যা চিদ্বসবো ধীর্যা চিদ্যুশানীতো অভয়ং জ্যোতিরস্যাম্॥ ১১॥ যো রাজভ্য ঋতনিভ্যো প্রশক্তঃ। ১২॥ শুচিরপঃ স্থবসা আদন্ধ উপ ক্ষেতি বুদ্ধবয়াঃ স্বীরঃ। নকিউং দ্বন্ত্য-अधिज्ञामि शुर्सा॥ ३०॥ म मिक्किश विहि किएज म मर्गा म व्याही मर्गामिक्या (मांज भक्षा। क्रुध्यामित छार ब्र्ध्हरम् विमरिथ छ्यतीत्राह ॥ ५१ :। (थ० २ म० २१४२०)

১०० भीष्रवी क्रामा मक्राज (मनजांख श्रीजां कार्य वि॰। अँ मक्राजा यमा कि क्राय भाषा

**फिर्**बा विश्वस्तरः। म स्टरमाशाज्यमा जनः।। १॥ घटेळात्। यळवराष्ट्रमा विश्वमा वा मजी-নাম্। মকুতঃ শুণুতা হবম্।৷ ২ ॥ উত বা ষস্য বাজিনোহরু বিপ্রমতক্ষত। স গতা গোম

विमा काममा (बनजः॥ मा मुग्नर जद मठामवम जाविकर्छ मश्चिमा। विधान विमान त्रकः।। ।। गुर्जा क्ष्यः ज्या वियाज विष्मिज्ञिष्। क्याज्ञिक्डी महुर्भामि।। ३०।। मक्र टा बाल मही । यमा था द्यारिम भर्ष ॥ १॥ भागमानमा वा नइ ८ द्यम्मा मुद्रम् । जि खरक ॥ ७ ॥ जमा बीतमा बर्सिय क्रडः मारमा मिविकिया। जिक्षः मम्क मामारज। 8। जामा ट्यांष्यं क्रा क्रा विका कर्षिति । स्टूड कि मसूसी विषः ।। १ 🔊 ज्जिङ् ममान्निम नात्रस्थिकरङ। द्यम्। दर्गाङ म्हर्गाम्। ७॥ प्रक्राः म व्ययकार्त् (物の 5年の から交の)

क्रेमग्र, जा ८७ भिर्वित्रिज्ञामिक्य भिक्षम्मिष्ट क्रेमक्ष्क्य ग्रममम भाषित्रिक्षे ए ए बाह्राउमा, महत्यनीतर्जामिकमा थाये (५२भ० ५,२ भ०)

जक्रवाः, व्रिन्तार्गर्ड हेन्यां किस्मा व्योषद (२०११० ५,२ १)

000

दक्कः खरक्कि कि भिनित्म हित्रतेना । जैभीम्मिमा जूनम्मा जूत्वर्म न छ विविक्तमा मि বুষভ চক্ষনীথাও। ৭।। প্ৰ বন্ধৰে বুষভায় শিতীচে মহে। দহীং স্ক্তিমীরয়ামি। নম্ম্যা कनानीकिन् नत्यां छिष् गीयमि त्युष् क्ष्यमा नाम ॥ ৮ । व्हिर्इछिर्देष शुक्रत्रम छ। या क्रीयमा वयमा नाथकानम्। श्रुनीव क्रीयाम्बन्धा व्यक्तीया जिवारमग्नः कृष्यमा व्यम्मः। । ।। वर्षे उन्हेस स्कृत्रांकृर्टत्यो त्यां व्यक्ति उन्हेस्त क्रिनायः। व्यन्ति त्रभरमा देमवमान्ति स् नारक्।। अर्थि १० भारामश्क्रमः यस्थि विभा जाजीजी त्रभारमा मूर्यापि। ७।। मा या क्रम চুकुशमां नत्मां जिया मुकुठी इयक मा मङ्गी। उत्मा नीग्रांजभंत त्वयत्मि जिया दा ज्यिका कार भूरधामि ॥ ८ ॥ ह्यीमच्छ्यट (या स्विध्यित्याः खारम् । क्रम् भिष्ठा । भाषूम २० कुर्ति मात्म जरेमा रक्तः क्रिमाथा बेरियम्नारेस ॥ ६॥ उम्रामम ह्राणा मक्ष्यान् व क्रेटमा (मनका उद्योग्टता करम वि॰। छ जा (ङ भिरुभक्ताः स्मारमञ्ज मा मः स्थाम সংদূশো যুষোধাঃ। অভিনো বারো অর্নতি ক্ষণেত প্রসায়েমহি ক্র প্রজাভিঃ। ১।। ব্যনী বাশ্চাত্যসা বিষ্টীঃ।। ২।।, তোষো জাত্ম্য কুদ্র লিয়াসি তরক্ষ্যস্তর্মাং ব্র-সুদিভেতী কুদ্র শংতমেতিঃ শতং হিমা অশীয় ভেষ্যেলভিঃ। বাসদ্বো বিতরং বাংহো

রোচমানাং মর্যে। ন ঘোষামভোতি পশ্চাৎ। যত্রা নরে। দেবয়তো মুগানি বিভন্যতে প্রতি ১০১ ইক্সুমুমন। হড়। জরিত্রে রুদ্রজবানোইন্যং তে অমান্নি বপস্ত সেনাঃ ।। ১১ । কুমারনিচ 🛫 শিতরং বন্দ মান্ধ প্রতি নানাম ফ্রেরাপয়ন্তম্। ভূরেদাতারং সৎপতিং গুণীমে স্ততক্ষ্ (स्वकी ब्रामास्य ॥ ১२॥ यो त्वा एडवज्ञा मक्छ उट्टिमि यो मध्ज्या व्यर्गा या मह्हा है • ष्कर्मण, किवार मियानामिछा। मिकमा मङ्ग्मार्कश्रकम कूरम भाषिष्रभेष हरमाथर्क। >०>। । । व्यर्ग विड्यि माग्रकानि धन्नार्शिक्ष मक्डि विभंजभग्। व्यर्गिष् पृग्तम विष्-भष्ट्र म या अमेरिया क्रम श्रमित ॥ ३०॥ अहि चाज्र भर्त्रमम्र यूरामर प्राप्त म जीयमुभ-ज्यायी मगवाश्थियी ज्याखिकः स्था जाजा क्राज्य कृष्ण ॥ ।। प्रत्या मियोग्र्यपर मिवछ। उद्यो उत्य करम वि॰। उँ हिव् मिवानायूमगामनीकः हक्कमिवमा दक्रनमार्थः। কানি মনুরত্বীতা পিতা নতা নথা কোশ্চ রুদুজ্ঞ বন্ধি ॥-১৩॥ (ঝ০২ম০ ৬৩সূ০)

ज्याभ ज्यम् ॥ २ ॥ ज्या अभी रुजिङः स्थामा जिवा वज्या वज्यामामः। नममारजा क्षित का श्रकमक , भित्र माताश्यिती यक्ति ममाः ॥ ७॥ जद क्रामा मित्रक् जमाहिष्य মুধা কৰ্জোৰিততং সংজভার। যদেদযুক্ত হরিতঃ সথস্থাদ্দ্রোত্রী বাসক্তর্তে সিম্বৈম্ ॥।।।।

क्रक्श्यनाष्ट्राहितः मर्डहाँख ॥ ६ ॥ जषमा ८४वा डिक्टा क्र्यामा निवर्श्यः भिष्ठा निव-বদ্যাৎ। তলো মিত্রো বরুণো মামহন্তামদিতিঃ সিদ্ধুঃ পৃথিবী উত দেগঃ ॥ ৬ ॥ ्डिमिजुमा दक्षामा डिहाक क्टर्मा ज्ञाभे क्ष्नुंट दिमा क्ष्मेटका ज्याख्यमा क्ष्मा भीकः

वनण्यातः, वनन्यात हेल्यामिकमा कृष्मा वनन्याध्यक्षा भर्भायिष्ये प्रत्ना (20 54 · 556 70)

म्मिया भर्याक छक् उर यमम्मिडिडाः भर्याकृष्टः महः। जाभारमाञ्जामर भवि भ्याकि नमन्नां उत्तम्मां उत्ता उत्यो उत्त करम विः। उत्तम्मार वी एवरका कि ज्ञा व्याप्तम् अञ्जर्भः स्वीतः। त्रां िः मर्नरक्षा जिम वीनात्रवाष्टां ए कत्रकृ क्षित्रामि ॥ ऽ॥ मिन-डाकुर्जायसमा रखः श्विमा तथः यक ॥ २ ॥ हेल्समा यत्जा भक्षामनीकः भिजमा दक्रभमा नाष्टिः। ८ममा९ ८ना ह्वामाण्डिः जूमार्गा एम् त्रथं श्राण्ड्या भूजात्।। ७ (খা০ ৬খ০ ৪৭ ফু০ ২৬, ২৭, ২৮ ম০)

ष्ट्रोज्य कारम द्वात्रभामाः स्वस्नार्थाङ्गाधिस्कानिकः भेरवेषुः। जानिकार्यकानिकः

८उ। अवश् कार्यकात्रभानाच्याः स्टब्लामिष् कत्थिषु स्थाप्णकाकः कत्त्र क्षार्था घषा

हेन्छाम्। त्मथाजिषिश्वा विभीवनी इत्मार्थाश्वर्षत्वन याद्यान्वन्त्रांस वि॰। उँ व्याप्नां दिनां २०२ অবন্তু নো যতে। বিষণ্ণ বিচক্রমে। পৃথিব্যাঃ সপ্রধানভিঃ স্বাহা ইদৎ দেবেভো ন মম। इं मर् विक्षुत्रिकामा स्मिषाणिषियां विषायती हत्या विक्षुरफ्वक। आंत्रिकिक्टहांस विश वि क्ष्या बरको किरमद। जरः भतिख्यानामि जुक्यीर बरको किरमद। उठः मक्षणम् किरे পায় কি ভহে হানে বি৽। ওঁ অয়াক চায়ে ২ সানভিশ তা্যাক সম্মিত্ন লা অসি। অনুসাবনুসা कुछारश्वास्मर स्वारमिहरमस्यः तम् त्यिहि छ्यमङ यास् सम्यामस्यातः न मम्। जात्ना प्रत् अभिकिछट्यामः। यथा। ज्याम्कारम् इंडाञ्ज वामरम्वसामः भक्ष्किन्धरम्यारम् ड्मर् विक्रु विज्जात्म एवधा निष्ट्य श्रीमम्। मुमुष्गमा भारकात को हः हेमर विक्षाद न मम्। কুহোতি। তত ইধাবন্ধনীরজ্ঞুং বিশ্রস ক্ষবক্রানেশিং প্রোঞ্চা ও ক্রায় স্পাদ্ধী छ यम्मा कर्माटनाव्छादीतिष्टः यद्या क्रामिय्विक्षम्। जापीके ९ थियोक्षिम् मर्त्वः यिकेः मश्वक्रिया मक्षामः कामान् मश्वक्र याहा। हमग्रात् विकेक्र ज मम। आक्रम् সুভ্তং করোডু মে। অধীয়ে মিউকতে সুভ্তকতে স্বিধায়ন্তিভাছ্টানং ব্যামানাং ১০২ হদম্যোতি মন্ত্রণ্য হিরণ্যগার্ড ঋষিরতি শুতি শুতি শুক্ত কি দিয়ি দেবতা স্বিউক্লোমে বি৽

. उमायाः, जार्भा हि किन्य मिस्नुषी भंभः भः हः डेमा (मः उद्योः विः। जार्भा हिट्छा कि अधि (बार ) कार का कि । कम्स्यः, व्यथितिराज्य बना थः विः एः कत्मा पः उदयोः विः। व्यथिति মুনো ত্বিষিতঃ সহস্ত দেনানীরঃ সন্ত্রে হত এথি। হত্তায় শত্র্ন্ বিভক্তস্ব বেদ এজো মি-মুদেন। বি হরে। হুদ্র (অর্থ- ৪কা- ৬১ক - ২ম০)

उमा ०३, उमा क छहा निम्छा खार्थ ता था । जिल हे जमा ति । उमा नाजायन्य, व उष्टिक निज्ञियिकी सं गां ह मांग्यत्। ति उद्योख वि वि उन्दिय् अवर् वीर्याणि स्टर्गा न जीयः क्रट्रा निविधः। भन्नाव् व्याक्रिभमाद भन्नारः। (অধ০ ৭কা০ ২৬ক০ ২ম০)

कडानमिटार्गि (१२४० ५४०) त्योधः (व्यथः ४कः० ५४०) .

भक्छ, इत्सममिउछ वक्षा था बाजू क भटका एम ० उद्योख विश इत्सम প্ৰভয়ং কৃষি मुक्कांতानागमधनी। রায়ফেশাবেণ সংফ্ৰন্ধ জীবাতবে জর্মে নয়

ज्य श्रुजािश्रम्य ज्यार्थः, ममार्ख्याय जमा या जि॰ छ॰ ज्यिर्धि छ॰ ऽ६॰ यम्कान्तः यम। कान्त्रः मकामा कर्माना मिथः। जार्षे घ्रः जमाद भाषि त्रम यथायथ-कालमा, त्वाहिष्ठ हेठामाथिक्षा था षष्ठा हा कात्ना त्रिः उदयोः विः। त्वाहिष्ठः প্ৰভয়াসসাদ বহুভাঃ পত্ৰামনুপক্ষশানঃ। বোহ্সোশে দ্বিপদে। যশ্চতুক্ষদন্তনৈ যমায় . চিত্ৰগুপ্তম, यमका जित्रजा को निक् सा॰ षासू॰ ए॰ চিত্ৰগুপ্তো দে॰ তথ্যो। दि॰। কালো অভৰদ্ৰোইতোহয়ে প্ৰজাপতিঃ। রোহিতো যজানাং মুধং রোহিতঃ স্বাভরৎ। নমো অস্ত স্ত্যবে (অধি ৬কা ২৮ক ৩ম০) (অথ০ ১৩ক/০ ২ অন্ত্ৰ, ৩৯ম০) মহারে সাহা

· ज्याप्ता, भात्र हेठाता जना था॰ गा॰ छ॰ जारमा म्बर्गछ< शोङ वि। भात्री नी॰ दि॰। समाखाद्य थाउटरा वर्षात्रस्थ मध्वदमत्रा समस्ता यानि मज्या। मधिमस्त्राम मीमि-হি রোচনেন বিশ্বা আভাহি প্রদিশশচতস্রঃ (অর্থ০ ২কা০ ৬ক০ ১ম০)

(मर्ने तडीको कारभो ভবक भौज्य। भारत्राति खन्द नः (खपः ऽकाः ७कः ऽमः)

ক্ষিতেঃ, ভূমেরিত্যস্য বন্ধা খা অনুত ছ কিতিকে তৎপ্রীত বি । ভূমে মাতরি ধেহি মা ভদ্রগা স্থপ্রিভিম্। সংবিদান। দিবা কবে জিয়াং মা ধেহি ভূত্যাম্। (জর্মণ ১২কা০ ১অনুন ৬৩ম০)

, इसका, इस क्रायाकामाथिका था जकु है हिस्सा ए उथ्योज दिः। इस - विस्थाद, रेमर विक्षु जिन्नामाथकी या॰ मा॰ छ॰ विक्षु रर्फ॰ उद्योजि॰ वि॰। रेमर विक्षु জুমুফ প্রহা মাহি শুর হরিভাগ্য। পিবা স্তুল্য মতেরিহ মধোশচকানশচারুশীদায়। . विडामि (४४१० २५०) अधि (व्ययः १काः २४कः ४४०)

अक्दूबर वर्षः भ्रत्या ग्रहान्। इत्मात्नाष्ट्र अथमानीजाग्र्यिण भूतः। (जाभः প্রজাপতেঃ, নজমিতাত্রাথবা ঋণ অমুষুপ্ ছন্দঃ প্রজাপতির্দেবতা তৎপ্রীণ বি৽। भागाः, প्याज्ञान्त्राथका थाः जङ्गाति । त्याज्य भागि (ज्यंथ रक्ि एक ऽम०) ১কা০ ২৭ক০ ৪ম০)

১৫১. नज्जर क्रांजारमायर शाम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम क्रांम भिन्न

য়কো দেবতা তৎপ্রী । বিংগ্রমাৎ ললামাং নিররাতিং স্থবাম্স। অথ বা ভটো ১৫১ मूर्गामाः, शृष्टमाकिष्णिकाश्राथस्। याचिष्ठकुष् ছत्मा मूर्गा (मन्छ। उद्योजि श्रमि ं उक्त १३, त्य मिनोमिज्य अथक्। अ॰ जि॰ ह॰ जक्ती (म॰ उदयी॰ वि॰। त्य मिनोमिख-एकर भर जा क्र क्र कि कि जिल्ला के महार का कि प्रकार का का का जा कि कि का दें। एक भना देश : অথ লোকপালানাং তত্র বিনায়কস্তা, নিলক্ষ্যানিত্যস্ত দ্রবিণাদা ঋণ ত্রি ছণ বিনা-मर्भागम, त्यंत्रज्ञक्षणमाथक्ष थः मर्शक्ष्यक्ष मर्भा त्म्वज्ञाञ्च श्रीजः विः। त्यंत्र-छक माइड भून(क्षा यस यांडवः भून(ईडिः किमीमिनः। यभा क्र्डाण्य व्यावः थारेश्ख्य किं। शृज्याकिएः मह्मान्यिधुकृदेथर्वागरह भन्मां मध्याद। म मध ভানি নঃ প্রজায়া অরাতিং ন্যাম্সি (অ্থ০ ১কা০ ১৮ক০ ১ন০) ৰ্যথন্তাং প্ৰভ্যগেশনান্ প্ৰতিসরেণ হ্মি (অ্থ০ ৪কা০ ৪০ক ৮ম০) স্থা: মাংসান্যত্ত (অর্থণ ২কাণ ২৪কণ ১মণ) यद (ज्यथः ऽकाः २७कः ऽमः)

नारग्नाः, जाखितमा क्रेडाम बन्धा थाः जासः वास्त्रिका उदयोः विः। जाखितः ट्रिक वाग्नट्रत मभनमन्द्रम ज्यारप्त १९। यथांखितिएक वाग्नट्र ममनगटम् । मञ्जर मरनम् अरबगछ मूर्गीनि विका क्यांगरफरवाशिक मूतिकाकाभिः (ज्यथः १ काः ५७ कः)

,আমাজতঃ পচতো বিদ্ধি স্বস্তঃ পত্নাং স্বর্ণম্থিরোহবৈদম্। বেন রোহাৎ প্রমণ্পদ্য যদ্য व्यक्तिमा, जामाउ इन्यमाथका था जि क् जाकात्मा त्मवन उट्यो विम উত্তমং নাকং-পরমং বোাম (অ্থ০ ১১কা০ ১অন্ত০ ৩০মৃ০) (অ্থত ৪কাত ডেকত ত্যাত)

व्यथ मिक्नानानार उत्वास्त्रम, इमिन्स् जामा वन्ना था जि॰ ए॰ इत्या मिन्जो उद भी । देममिक्ट वर्षा काजिश्य म देमर विभारमकर्षर कृषु भुम्। निर्माजानकृ-সংচেত্রয়াথে। অশ্বিনা কামিনা সংচ বক্ষথঃ। সংবা ভগাসো অগ্যত সংচিত্তানি সমূবতা काधिनताः, मश्रामिकामाकिता था वास् ह वाधिता (पराठ उदयीक दि। হৃত্য সর্কাৎস্তান্ রহ্মবাসা অহ্মুন্তরেয়। (অধ্ ৪কা০ ২২ক০ ১ম০) (ज्याधि २ का० ७०क० २ म०)

कारोंं, जार्शसंत्र हेटाउन वन्ना था जिं ह जारिएक उदयो विश जार्धसीरत

यम्ख, यतमा स्कूतिकामा बन्ना था॰ जि॰ व गत्मा तिवका छ श्री॰ वि॰। यतमा स्कूत क्षक्षमम् अटिडिमः भिक्षक्रमामः वष्या ग्रमिक्षटः । वित्यादिमः श्रिविभिवारममीगरम् म (म। गूक्ष घर इस । (जर्ष । किने र एक ऽम०)

भविष्ठक्ष ही होन्। (जयः ७काः ३७कः ५मः)

भ्रषंगात्त्रो नियारथो वज्यः भारविष्ठ्या नीमनियथः। मिवजनाः मिनत्त्राजिष्ट्रवार्गरख अयोकः

ं निश्न टिड, ष्र्वां उत्तिकामार्थकी यः षञ् ए विश्व विद्या उद्यो विः। षणि ডং নিশ্ব ভিষ্তাম্পনিবাশাভিধান্য। মলো যো মহং কুধ্যতি স উ পাশান্ন মুচাতে। (ज्यथ् 8का ० ७४क ० ४०म०)

वक्रम्भ, त्य श्रेकामिन्डामाथिकी था॰ वि॰ ष्ट् वक्राणी मिवजी उद्योि वि॰। त्य ५६२ পশ্চজ্যাহ্মতি জাতবেদঃ প্রতীচ্যা দিশোহতিদাসন্ত্যমান্। বরুণস্থাতে পরাঞ্চো শ্রথ-ন্ত্রাং প্রত্যগোনান্ প্রতিসরেণ হ্নি (অথ০ ৪কা০ ৪০ক০ ৩ম০)

. . ৰাজোঃ, ৰাজোরিভ্যম্যাথকা ঋণ ত্রিণ ছণ বায়ুদ্দেবতা তৎপ্রীণ বিণ। বায়োঃ সবি-

रमाममा, य উত্তরত ইত্যमा जमा था॰ जि॰ है॰ माम्या मिन्छ। उरशी॰ दि॰। य डे कुर्विमथानि मग्रारक् यांवाजान्निमिरथा (यो ठ त्रक्तथः। (यो विश्वका भतिष्ट् वष्ट्वधुर्खो (ना मुक्षज्ञश्रमः। (जयः ८८का १८ (क० ५ म॰)

ভরতো জুক্ষতি জাতবেদ উদীচ্যা দিশোহভিদাসত্ত্যমান্। সোমস্থা তে পরাঞ্চো ব্যথন্তাং ঞুত্যগোনান্ প্রতিসরেণ হিমি। (অথ০৪কা০৪ কং৪ম০)

ष्णनस्मा, ष्णनस्मिर्धायम् विष्णं भ्राति । ज्ञानस्मिर्धाः । ज्ञानस्मिर्धाः । उक्त १३, वक्तां भर्मा महिक्ता थि। जि॰ हि॰ वक्तां प्रविज उद्यो। विका अक्तां भर् যুক্তাভাং তাদা পুর্বাৎ তাদ্মাততো মধ্যতো তাদা সর্বতঃ। অনাব্যাধাৎ দেবপুরাৎ প্রপদ্য শিব্য ঈশানত্ত, ধাতা দ্ধাত্বিত্যম্যাক্তিরা ঋণ গাণ ছ০ ঈশানে। দেবতা তংপ্রীণ বিন। ধাতা দয়াতু নো রয়িমীশানো জগতম্পতিঃ। স নঃ পূর্ণেন য়ছতু (অথ০ ৭কা০ ১৭ক০ ১ম০) স্ত্রোনা পাতিলোকে বিরাজ। (অথ০১৪কা০ ১অর্১৬৪ম০)

নত্তং বিভতং পুরুৱানত্তমন্তবক। সমতে। তে নাকপালকরতি বিচিয়ন্ বিদান্ ভূতমুত ख्दात्रण । (जायः ১०काः प्रकः ১२म०)

ৰি০। আদিত্যেভ্যা অক্সিরোভ্যো মধিদং যুতেন মিশ্রং প্রতিবেদ্যামি। শুদ্ধক্রে ১৫৩ भ्रक ७१९० ५,२१०। वाष्ट्रकनामगटेखः व्यन्वामियाहाटेखर्दामः। ज्यम्था ६ ५५९० : আদিত্যানাম্, আদিত্যেত্য ইত্যম্য বন্ধা খ্যিঃ ত্রি৽ ছন্দ আদিত্যা দেবতাস্তৎপ্রী৽ ত্রাক্ষণস্যানিহটত্যতং স্বর্গং স্ক্রতাবপীতম্। (অথঃ ১২কা৽৩অন্ত,৪৪ম০) প্রত্যেকদেবতাত্র मिवजाञ्जास्का (४८९१० . ५९१०) थाखन्माग्यदेखः अन्तामियोश्टिखर्शामः। मन्या ज (फ.०१० २५०) थायद। क्रमानाम्, मान हेळामा बक्तां था व्यञ्क् क्रमा तिन्यास्थ जिल्लामि (५८२) में २५०) थाये । अट्लाक्टम्वर्षिक अन्तिमिष्टा हिलाम्बर्धि । ष्मथं वशामीमार उत्र वस्ताम्, यानावर रेजामा जन्नां था जि ह व पराव (पर-जांख दशी। विश वानावर टेनाजा मिन मिवार खान् (शहा एव जार अपरस्थ। जिक्क-वारमः भिष्यारमा मधुनाटेमा थन वमत्वा वस्ति। (ज्यक प्रका २१क ७भ०) थाउ क-**उन्नामानि ৮ (७৫,७७४ २.५४) वाखनानि (राममःया ६ [४०४० २१०) वायः।** ऽशृष्टे वायद।

व्यर्कमा, बदरमा विद्यांक हे जामा बक्षां भाषिः विस्त्रे प् हरमाहरकी एमवज्ञ जदली वि जनायर जिय की निभिष्य क्ष्मिक्ट। जामिर अधियातमा ज्ञामान् करन्। (ज्यः क्रमंगा, करम्छामा बन्ना थावित्रक्षेत्र क्मड केटना मिवछ। ज्या ত্রকা বৃহদিবঃ ফণবদিন্দায় শ্যমগ্রিয়ঃ স্বাঃ। মহো গোত্রস্থ কয়তি স্রাজা তুর্নিচাল্বখনণ-<u>जमानः, हम। वस्मान्य जमा थातः जिन्ने भ्रत्म। जमा (मन्ना उद्यो विग हम।</u> ि (नो मूक्षयुर्श्मः। (जर्षः 8कां॰ २१कः ऽमः) " প্রত্যেকদেবতাত্বপক্ষে (৬१भं॰ ऽभं०) ভাং মঙ্গে অধি মে কুবন্ত প্রেমং বাজং বাজ্মাতে অবন্ত। আশুনিব সুয়মানহৰ উত্যে . • मङ्जाम्, मङ्जामिज्यमाथकी श्राविके प् हत्मा मङ्जा (मवजाखद्यी वि । मङ् অচ্যত্ৰস্য, তদ্বিষণারত্যস্য বন্ধা ঋষিণায়তী ছন্দঃ অচ্যতো দেবতা তৎপ্রী বি প্রাগুক্তনামমন্ত্রেণ প্রণবাদিসাহ্যক্তেন হোমঃ। হোমসংখ্যা চ (৮১প০ ১প০) প্রায়ৎ। তুদ্ধিফোট পরমংপদমিত্যাদি স্পষ্ঠম্ (অথ০ ৭কা০ ২৬ক০ ৭ম০) ব্তুপথান। (অ্থও কে।০ ২ক০ ৮ম০) २का० २१क० ७४०)

১৫৪ বৎসো বিরাজে। রুষ্ভো মতীনামা কুরোহ শুক্রপৃঞ্চোই ভরিক্ষম্। য়তেনার্কমভ্যেজি বৎসং उक्त मस्र उक्तनी वर्षग्रिस [ ज्यक् ऽध्का ऽज्यम् ।

वनम्मार वीष्वत्या कि कृश व्यय मथा প्रज्ञनः स्वीतः। त्मां छिः मरनत्यारि वीनग्रया-क्वांजा टक क्वांकू टक वामि। (जय ० ७का० ১२ ८क० ১म०) प्रदेश क्वांक्य रथाता भक्षांमीजि বনম্পতেঃ, বনম্পতে ইত্যমাথর্কা ঋষিস্তিষ্ট্ প্ ছন্দো বনম্পতিৰ্দেবতা তৎপ্রীণ বি मिवेनारमकभिक्षां नोष्फ्रवांनां वा ह्याम् कुर्याद।

ं बर्धमाः क्रमाञ्चलाज्ञाठारक। তত্ত রবেঃ, বিষ্মিহিমিত্যাদিষভূচमा স্থাস্জস্থা-

क्र हेल्फगायुग्राम् जुग्नामम् ॥ ३॥ नियामहिमिज्यापि । व्य हेल्यः थिएय एक्नामार जु- ५८८ ग्रामम्। २। विमामहिर ०। व्य हेन्स् थिग्नः थाकानार जुन्नामम्॥ ७॥ विमामहिर ०। व्य পিহীয়াৎসম্। সহমানং সহোজিতং স্বজিতং গোজিতং সংধনাজিতম্। স্তাং নাম थकी था कना क कर्यारम उदयीउ विश कि विमामहि महमान मामहानर

इन्दर थियः भर्मार ज्यामम्॥ ।। वियामिहर । स्व इन्दर थियः ममानानार ज्या-मग्।। ৫।। डिकिश् मिशि कर्षा वर्ष्ठमा गाष्ट्रामिशि। विषय्न मश्यः तथाजु मो ठाश्य विषय इसम्। তদে द्वितिश वक्षा विशानि। ष्रः नः श्नीहि भक्ष जितिभक्तरेभः स्रक्षांशः मा (श्रहि

পরমে ব্যোমন্॥ ७॥ (অথ০ ১৭কা০ ১অকু০ ১অব্ধি ৬মন্ত্রাঃ)

त्मामक, नक्षुममिज्यामिष्ट्यां हमा त्मामञ्ख्नमाथक्षां था॰ षात्र॰ ह॰ त्मारमा ति॰ छ९-मुमामिष्धि॥ ।। ज्यांश् (ना मधाः मित्न ज्यांश् मायमञ्जमः। ज्यांश् (ना ज्यांत

. ट्रिम्म, प्रश्न मनाविज्ञामिमश्रक्ता ट्रिम्यूक्य वन्ना सा॰ जि॰ ह॰ ट्रिमा ति॰ ड॰-मर्गिनामा डेमेथास नत्या ज्यिसिक्रमाः॥ >॥ ज्यिसित भरमा बिधिङः मर्घ रममानीर्झः क्षीज विश अ अक्षूमर नक्षवानि यहांकानमकूर्वा । जहांकानमत्रे वांक् क्री. कि जुरा मत्ना मत्रथमांककृत्त्वा हर्यमांगा क्रिकारमा मक्ष्म्। जिल्पासन जामुक्षा ভ্রাহ্মসভাং রাজগুক্ষুমং সুং ক্ষি॥ । বো নো ভ্রাহ্মকরঃ সায়ং নক্তমখো দিব। ডবৈশ্ব তে নক্ষত্ররাজ শক্ষ্ম সদানমঃ॥॥। (অথ॰ ৬ক।০১২৮ক০ ১অব্ধি ৪মন্তাঃ) व्याज दावी ड्याइमञ्ज नः ॥ २ ॥ व्याहा दावांचार अक्षावडाः क्र्याच्यमभांखाम्।

भरमा अध्याधिभरम कलम् स्थम् अस्थम् (थिश् भोजम्। डेशः (ज भोरक्षा भन्नो ककर्षु अस्टा क्रज्यि। क्षांश्र भाजुन् विज्ञा दिन अङ्ग गिमात्न। विस्टाध शुम्य ॥ २॥ मक्ष

मा कृषि श्रक्ता ७ धरमन ७ ॥३॥ मर्ग्लार्शम मर्नाट्डार्शम ममर्थार्गम मम्ख्र । मम्बर्भ मम् त्रमा, त्माममारम हेजामिठ्या हमा व्षक्छनाथिका था जामार्या अज्ञाह जि॰ छ॰ दुर्घा (म॰ तूथत्री॰ वि॰। ॐ (माममा१००) मुधार भए उरुस्ना नाम वा जिम। जन्न- मर्भ দেব; অংশুমাপ্যায়ষ্তি যম্ফিতম্ফিতা ভক্ষয়তি। তেনামানিকো বক্ণো বৃহস্তিরা-১৫৫ ৰশী বশং ন্যাসা একজ তুন্ ॥ ৩॥ একো বহ্নাস্সি মন্য ঈভিতা বিশংবিশং যুদ্ধায় সং ক্রুণ নোমনো সহ মেদেয়ি মহাধনতা পুরুত্ত সংস্জি॥ ৬॥ সংস্ফং ধনমুভয়ং সমা-ক্তমমুভাং ধ্রতাং বরুণশ্চ মন্তঃ। তিয়ো দধানা হাদয়েমু শাত্রবঃ পরাজিতামো তাপ নিল-त्या कुशांभर त्मां जिंदरेषः क्षक्या भक्षिक्ये देहध्तन ॥ २ ॥ त्यारेमान् विकि यथ व्यर षिश्वक्रमा घुर आरननामाग्रय। का व्यर माग्निमिह भोजित्रदेषः धः ॥ ७॥ यर निमाधि। जाक्रजक् कृशो मुकायग्नर मूमम्बर विषय विकाश क्रामि ॥ ८॥ विटमय क्रिक्स ट्वानवज्रत्वार्याकः मरना अधिना ज्यव्या व्यिषः एज नाम मङ्द्र गुणीयमि विषा তমুৎসং ্যত আবিভূথ ॥ ৫॥ ' আভূত্যা সহজা বজ সায়ক সহো বিভৰ্ষি সহজ্ত উত্তরম্। ग्रज्ञाम् ॥ १॥ (जाथः ८काः ७ऽकः ऽञ्जवधि १मञ्जाः)

বৃহস্ততেঃ, ভদ্রদিধীত্যাদে।কর্চম্য বৃহস্পতিস্ক্রম্য বন্ধা ঋষিষ্রিষ্ট্রপ্ ছন্দে। বৃহস্প-প্রায়েক্স ভুবনম্য গোপাঃ ॥ ৪॥ (অথ॰ ৭ কা॰ ৮১ ক০ ৬ অব্ধি ৬ মন্তাঃ)

जिटक्षित्र उर्जी विश छ ज्यामिष त्यायः त्यिषि वृष्णितः भूतवार। त्य षास । जाय-ममञ्जा दर्जा शृथिद्रा कार्त मक्ट कृष्टि मर्क्वीहर्ग। (जयः १का० ४कः ऽमः)

তৎপ্রী বি । এ শুক্রোহমি আন্তোহমি স্বরমি জ্যোত্রিরমি। আপুহি শ্রোগ্রমমতি खक्मा, खाक्मिरिडाकर्षमा खक्रमणमाथकी श्रवित्रवृष्ट्रेष् हमः खाको प्रविष् मम् काम। (जथ० २का० ১১क० (म०)

প্রতিষ্ঠিতম।। ১॥ নমক্তে প্রাণ ক্রন্দায় নমতে জন্মিত্রবে। নমতে প্রাণ বিদ্যুতে নমতে প্রাণ বর্ষতে ॥২॥ ঘৎপ্রাণ স্তন্ত্রি নাভিক্রতোষধীঃ। প্রীয়জে গর্ভান্ দ্ধতেখ্যো বহ্বী नातः, 'थांनारत्रज्यामिक्रमा नानिष्यक्तमा बन्ता श्राचित्रकृष् कृत्तः नानिरमित्जा जद-क्री , विशा के व्यानाय नत्मा यमा मर्कामम् वत्न । त्या कुछ भर्कतमार्चत्रा यिमन्द मर्कर বিজায়তে।। ৩॥ (অথ ১১ক/০ ৪ক ১, ২, ১ম০)

. রাহ্যেঃ, স্ক্রাভাবাৎ (১৪৯প॰ ২পৃ॰) পাগবদায়জপঃ।

のとい

त्य गांगाः। टेमनीमान्नस्यायत्वा ममामिजान् विविधाञ् । ।। त्यां मः त्यां त्यां व्यत्नाः ५५७ . ज्यथाधिरम्याना छव कम्मा, मा (ना विम्बिछार्मिम्छ्याम्मा क्ष्रक्रमा बमा स्रिष्टि मका उ उ निका प्राप्त वर्षा वर्षा विनिमित्र । क्षा भावरा देवा मुमामित्र विविधा ॥ क्रांवछाः अक्रांभर्छमू श्विरतो मः विमारन। त्यना मः गक्रां छभ म। म मिक्कांकांक वनानि इक्ट तक्उर्वा (मवजाखद शी. दि.। अ याख भृष् खनाब्जूर्य भाषा टेमवः क्रिक्र्मिश्चित्र हो-म्म्। मा त्मा वधीविमूख (मव ममार त्मांक वधीविभाष्टिः क्र्यामा ॥ ५॥ मन्। ह मा मिषि পিতরঃ সংগতেষু ॥২॥ বিঘ তে সভে নাম নরিফা নাম বা অসি। যে তে কে চ সভাসদজ্যে जि॰ ह॰ करमो त्मरजा उदबी। विशा असी त्मा विमम् वि वार्षिरमा त्मा व्यक्तियाषिरमा विषम्। जात्राक्त्रत्या जमक्तिहोतित्म भाउत्र ॥ । ।। विषर्भा जमक्त्रदः भठछ (य जन्म ' क्लुनार, याख ईज्यामिक्टमा क्लूक्लमाथिकी अधिवामारमाञ्चिष्टे म खायामा बाइ॰ নে সন্ত সবাচমঃ (অথ০ ৭কা০ ১অনু০ ১১, ১২ক ১,১,২୩০) 6. (44° 54° 54° 534° 5, 2, 64°)

্ উমায়াঃ প্তনাজিতমিত্যাদ্যেকচিম্যোম্মিজ্সা বন্ধা ঋণত্ৰিত্ততমা দেবতা তৎপ্ৰী

वि॰। अँ भृजमाजिज् महमानम्भियुक्टेथर्वाग्रह भन्ना मध्यात । म नः भयम्जि मूर्गानि বিশা ক্ষামদেবে অতি দুরিতায়িঃ। (অথ০ ৭কা: ৬অর্০ ৬৩ক০)

क्रममा, क्ष्कांडावाद (১৫०भ० ১९०) वायवत्त्रा क्रभाः

हु छ । छ यत्र हेटना अथनम्बम्धितिय तम्बा मङ्ग्रा वर स्कि । जम-नांद्रायुष्य, यज्ञ हेल्य हेल्यापिश्यक्तमा नांद्रायुक्तन्याथक्षाथका था॰ जि॰ ह॰ नांदायता

भ्रम्भा मरहाधितिक मर्गम् वक्रभः भूक्ट्रिङः ॥७॥ विरक्षाञ्च कः श्र (वां कः वीर्याणि यः क्ष छिष्किष्कुः खबर्ड बीर्याणि स्ट्रां न जीयः कूर्ट्या निर्विष्ठाः। भेदाव् क्रोज्यमारि कुछिः॥२॥ यरमाम् थामिन्य विद्योग्ड थ गमि वि वि ग्रिक मिनिन्। भूति प्रिक नार्षियानि विभटम त्रकार्शि। त्यां व्यक्त ज्ञामूखत् भथक्ः विष्क्रमान्त्वत्याक्रितातः॥ ॥ त्वे बोर्याचीत्रकमा भाषको। त्यो भरजार जाकाजीरजी मरहाजिविश्वमभन् दक्रभः भूर्य-স্মভ্যং সবিতা সত্যধ্র্মা প্রকাপতিরকুমতিরিবচ্ছাৎ॥ ১॥ বরেরারোজ্সা ক্ষতিতা রজাংসি भन्नणाः ॥ ६॥ (जयः १काः धक्तः २८, २८, २४कः)

उक्त १३, उक्त कळान्मिछारिमधक्छ उक्त्यापक्ष थ० वि ह० उक्त ८५०

वृक्षणिष्ट नंगमांव क शक्काद। घर वित्यंतार कमिना यथांमः कवित्कता न मनाग्रद स्था- ५८१ क्यूरम ज्वरमधी । ज्यो बज्र अक्टर व्यात्रमण्य धर्मर जीबन्द प्रथमात्र धांमार्टन ॥ २॥ ज जांबर। महामही षाक्रजांबिकारिंड। म्रार मध्य भाविंदर ह तकः॥ ।। म दूशामाके विवम् विवाह ॥ ॥ स्मर जम्म कार्या हिर्माणि मर्श एम्बमा भूक्मा थाम। व्यम ज्ञा वर्षा कि मार्कामणी शूर्त जार्क विविध् ममम्॥ ॥ । वाश्यका १ भिष्ठ १ मिरवस् डिममा बामा विका: मड्म (यानिममङम निवः ॥ )॥ इत्र मिना द्रारकोष्ट्र अथमात त्या जटक विषानम्य वक्करिया (मवानाः जनिमा विविक्ता । जन्न जन्न उक्करात्र भशामीरेड-केटेफ इं क्या जिए खेउएको । ७ ॥ म हि मिन अप्रिन्ता क्षाउका मही त्काम (जाममी जाक-क्यामिकायः वृश्यमिटिक्वा उमा मजारे । व्यर्थक् कः (कााजिया किन्छाथ मृभित्त বান্॥ १॥ (ज्ययः ৪কা০ ১ অনুত ১ অব্ধি १ मञ्जाः)

भक्तक, इत्सा क्यारोजामिक्टमा भक्रकमा जमा था वि ह भिका (पि उद क्रीडि दिन। उँ ईत्यम महाजिन भन्ना मनाज्ञा व्यविद्यास्मा हामस्त्र हामहारिज। हर्क्डा-

कानमा, त्राहित हेज्यामिष्ट क्रिया कानक्छमाथिक। याः षञ् क्र कात्ना मि छद-नी वि । अ (ताहिणः कात्ना कडवत्याहित्जाशता शकामिष्टः। (त्राहित्य मध्यानार क्रांखिक्यारमस्य जयाकः भतिरक्षिस वीराम्॥ ১॥ यमम्। स्टिपर्तमर्तम। मृत्यम नर्माग्राज छेण . ख्याम्बर्गात्वमाहित्य तन्त्री भक्टला विश्वतिममः। ज्योतिमामा वक्रणः भूजमका वाजाभ-- वि । ड याम म्कूर्यमात्रा निश्चार्या वक्षं भार्याच्छा नीनभिष्छ। प्रविन्नाः रमन-ষমস্ত্র, যমো স্তুরিত্যাদিত্চস্ত যমস্ক্তস্ত বন্ধা ঋ তি ছ বমো দে তৎপ্রীত क्रेड्डा वन्मारकार्णमरमा नगरमा ज्यवस् ॥ ऽ॥ श्रीमन्माधिताकः खेवस्राख्यः जूतिष्ड्ि अन्मानाम्। षुर टेम्वीरिंग इंगावि त्राकाशुश्रदक्तवमङ्ग् टि जाखा । १॥ थारा मिनवि মিন্দাসি রাজোতোদীচা দিশো ব্রহ্ঞকহোহ্মি। যুর যতি প্রোত্যাগুজিতং তে দক্ষি-मूषः स्मिहिङः यत्राच्त्रः॥ ऽ॥ स्मिहिङ। लास्कि। जाङ्ग्याहिङ। जाङ्ग्याकियम् अस्मार्गिः স্থ মতে। স্থাম। ৩॥ (অধ্ ১কা ১১তক ১,২,৩ম০) गटा व्यक्त विषि स्वाः॥ ७॥ (जायः ७काः २४कः ५,२.७मः)

১৫৮ রোছিতে। রশিশভিভূমিং সমুদ্রময়সঞ্রৎ ॥২॥ (অথ॰ ১৩কা॰ ২অন্ত্ ৩৯,৪০ম॰)

ष्यं थाउनिश्वरम्य ज्याद्यः, ष्यद्यतिज्ञामिक्य कृष्याधिष्यक्य बन्ना थाः ১৫৮ বিষ্ণু বিচিত্তঃ শবমাধিতি ঠন্প প্র কেতুনা সহতে বিশ্বমেজ ।। ১॥ চিত্র শিচকি স্বাম্ছি-'त्क्यूतमीकः त्कां छिषाम् थिनिनाः स्र्या छमान्। मिनाकता कि माटेम् अभाषि विश्वाकाती-यः स्मेष् व्यारिशान्त्राम्मिमी व्यन्तिकम्। व्यास्थिति भाति स्प्रांश वमात्न श्रामा विश्वा জ্যোতিয়ান্ পক্ষী মহিষো বয়োধা বিশা আছাৎ প্রদিশঃ কম্মানঃ ॥৩॥ চিত্রং দেবানাং यभिकार । बिटम्मेरिका अविभिवारमत्रीयहरू म तम्। मूक्ष्युरस्मः।।।। यथा रुतार वर्शाम ক্লাত্ৰেদো যথা যজ্ঞং কম্পায়দি প্ৰজানন্। এবা দেবেভাঃ স্থমতিং ন আবহু সনো ।॥ ২॥ िन्न कथ्य, व्यक्ति हिन्ना मिन्ज्य क्य निनक्ष क्य क्यापिक्। ये निन क्र निनक्ष जिंदण वैर्याणि॥ २॥ जिल्या विचाक् छक् निमाल्मारहर्गम्मङ खब्जा इद्रांशः। जि॰ ह॰ जियिए । उटा जि॰। उटा जारी मार्च अथम् अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित्र अपित (म॰ उदयी॰ वि॰। ७ जर्मांड् भन्छांद श्राराज नाम जाएसिमांक्ट भन्मम् भन्मः म् विर्धान खक्कः॥ ८॥ (ष्रषः ऽष्काः र षञ् ०ऽष्ठाप्ति ४मछोः)

यामनागम् भयुक्तः वृध्िकेः कथान् कथामाज्यभाषिभीएए। तरफाष्ट्रा यक्त्र्यरः घ्रजाक्रज्ञः म हनी । गाजा (जार्थ 8का १ ८४० ५, ८, ७४०)

मयक्का गा॰ ह॰ जारमा (मनजाख्य थी ७० वि॰। ७ गत्त्रा (मनीव जी ये । जनस ह विकास क्रवम् ॥ २॥ ज्यानः भनीज (अपकः वज्रवः वहुत मम। व्याक् छ स्पाः मृत्म ॥७॥ मध्दमाः जारभा धमनाः भग्न मञ्जूषाः। मध्मः भः प्रधानिविमा जाभः भग्नाः कुछ ष्यभाष्, भन्न हेड्याफिट्यूथ ह्याश्यूकमा वक्ता था टिय्नोर भी छ व्यक्तात्रा मोठाता। मश्स्यात्रिक व्यन्त्व नः। जन्म तम् तमात्मा व्यवतीम्क्रिमानि (ज्यका। व्यक्ति।

क्षिट्ड, मठाविज्ञारमार्ककमा किच्छिन्छनमा वक्षा था॰ जि॰ छ॰ किचिर्क ७६-नीं के दिन। उँ मछाः वृश्मृष्यमुर्धाः मीका उत्भावक्ष वष्कः भृथिदीः शविश्वा मा ता विरम्भाः, यत्र हेत्याज्यापिकभथकः विक्षु क्रकः (১৫१भः ५भः) व्याप्तः। कुछमा क्रवास भन्ना कर (लांकर शृथियो नः करनांकु। (जथ ऽरका ऽक ऽम) र्ज्यम् , र्टामा जग्नोजामीत्मम्जः (३६१, ५६४ भः २, ५१०) वायद। আছেতাঃ শিবা নঃ সস্ত বার্ষিকীঃ॥ ৪॥ (অথ॰ ১কা॰ ৬ক॰ ১,২,৩,৪ম০)

्र क्षक्रीगरुठः, श्रक्रीगरुष्ट्र हातिष्ठात्य श्रक्षां भिक्षि है। है। श्रक्षि भगाः, त्थरः शामानिष्डाककः भगिष्रकः (১৫১भ० ১९४०) थायः।

(आक्रिएकोक भूनरकी यन्त ।। ७'॥ मनीक्रमन भूनरकी यन ।। ।। कुनि भूनरकी यन्त ५६२ माउदः भूमर्रिङ किमीमिनीः। यञ्च ।। १। डेभरक भूमर्ता यञ्च ।। ।। व्यक्ति "भूगति यस ०॥ १॥ छत्रांकि शूनति यस याजवः भूनत्रिष्टः किमोमिनोः। यस इ०॥ ग॥ . मर्गावार्, भाउण्डिकार्मिकमार्ककम प्रश्वमाथका भाव नहिक्क प्रश क् उमक (कांवः थारेश्डमङ यां मारमानाङ॥ ।। त्नव्धक त्नव्ध भूनत्वां यञ्ड ।। ।। (एरंडाख्ड्योकः विः। (अंडडक (अंडड शूनर्सा वस यांडवः भूनर्रिङ किमी पिनः। यमा मक्रीर माजीशामिष्मिर्वातम्। (य ज्ञीर घटेख्वरिख्ताम् व्यक्तिमान्त्रामी एक मारक स्वकृष्ड शिविकोङ यद्कामार छ कुर्क मख्या जल दार काम भठता दारी नाम् ॥५॥ ८भी नामी अथमा बिख्यामी-ভিৰ্দেশতা ভংপ্ৰী বি । ও প্ৰজাপতে ন ঘুদেতান্তন্য বিশা রূপাণি পরিভূজিলান। (অর্ বর্ণাত ৮০ক০ ৬,৪,ম০)

(जाक १००० १८००० जायाध

खमानः, जम कट्टांनमिट्रामिकः मश्रकः जमञ्जः (১৫१मे॰ २९०) थायदा

দ্ৰবিণোদা ঋত আদ্যান্ত্যয়োরস্কুত ছত মধ্যয়োজিত বিনায়কো দেবতা তৎপ্রীতত বিত। নির্ল-ক্ষমাৎ ললামাং নিররাতিং সুবামসি। অথ যা ভদ্রা তানি নঃ প্রজায়া অরাতিং নয়ামসি অধ লোকপালানাং তত্র বিনায়কত্র, নিল্মম্যামিত্যাদিচতুখাচত্র বিনায়কস্কুক্তত

बारग्राः, बारग्रांत्रिकामिष्राष्ठमा वाष्र्यक्ष्याथक्षा थः जिः वाष्र्रक्ष्वा उथ्योः विः। ॥ 🗦 ॥ मिन्नन्नि भिन्न भाविष्य भागिष्य हिल्ला भिन्न । भिन्न मान्य हिल्ला भिन्न । भिन्न मान्य हिल्ला ররাণা প্রেমাং দেব। অসাবিষ্ঠ সৌভগায়।। ২।। যক্ত আতানি তহাং ঘোরমস্তি ঘদ্না क्टलम् अञ्चिककत्। मर्सर जद्यां ग्यंर (मर्द्या प्रार (मर्द्या मिवजी स्थाप्त ॥ ७॥ दिमा-अ वारम् मिष्ट्रिक्यानि ममारक् यावाज्ञमिष्टिया (य) চ त्रक्तथः। (यो विश्वमा भविष्ट् अमौर इयम्छोर (नाट्यथार विथमामूछ। विलीहार ललामार जाञ्यमान्यामिन । 8॥ मूनीब्राः, भुष्ठमाकिर्धामणकर्षः मूर्गिष्ठ्वः (১६११० २९१०) थाये । (जार्षः इकाः ३४कः ५,२,७,८४वः)

বভূবপুজে নো মুঞ্তমংহ্মঃ॥ ১॥ ম্যোঃ সংখ্যাত। ব্রিমা পার্থিবানি ঘাত্যাং রজো

अथ मिक्नानाना छात्रसम्भ, हेन्स हेळामिक्निसम्भलः (১१६,১৫৮९०२,५९०) थायद জ্যোতিষা বৃতঃ॥ ७॥॥ তিমিন্ হিরণুয়ে কোশে ত্রারে ত্রিপ্রতিতিত। তিমিন্ যদ্যকণা-न देव छ छक्क क्वां कि न थारनी कत्रमः शुत्री। शुत्र द्या जनातनी त्वम यमाहः शुक्रम हे-हाएँ ॥ २॥ ॥ - अपेरिका मन्द्रांत्रा त्मर्नामाः श्रायाया। जमार ह्रिन्तुमः क्नाः यत्नात्का एमरछ। छ्ट्यीः विः। ७ भूतः व्या जमार्गा त्वम समाः भूक्ष छहार्छ।।।। वा देव छार जक्तानां त्वमाष्ट्राञ्जाव्जाः भूत्रम्। जटेम वक्त ह जाकांक हक्तुः वानः अनाः महः॥ ॥॥ व्यांकानान, भूत्रः य हेन्जानिमार्किन्ज्या निमाकानास्य लगा वक्षा था वस्त ह । वाकारना ेडि मुनिडमस्तिकः। यहाराः शाहर-नाम्नोन्टमं कक्ष्म छो त्नां मूक्षा ज्यरहमः।। र ॥ (ज्यरे जारोः, जरभ्यति हजामिक्नमभिष्टकः (১৫४, ১৫৯१० २, ५५०) थायेद। जाम्बिनয়ाइ, সংচেদিত্যাদোকজমাশ্বিনস্তুত্তং (১৫২११॰ ১९१०) প্রাধ্ব। কুষ্ভদৈ বন্ধা বিদেশ বিদুও ॥ ৪॥ ॥ (অথ॰ ১০কা০ ২ক॰ ২৭॥অব্ধি ৪॥মন্ত্রাঃ) यम्मा, यत्मा स्कूतिज्ञामिक्ट यमञ्चल्क् १८०म० ५ म्) व्यायेद। 8本10と仕帯のち、2年の)

यक्रवास, तमूलम् मिन्नारमाक्क्य यक्रवस्त्र अस्त विका स्व जि क प्रत्रा (म॰ उद-. নিশ্বতেঃ, যন্তান্ত ইত্যাদিকস্ত তৃচন্ত নিশ্বতিস্ক্তস্ত বন্ধা খাত মধায়া গাত শিক্ষোঃ निक क निश्व छिटक छ टी उ विश के यकां के कां मिन द्यार कूर होत्या यो विष्यान বসজ্জনায় কম্। ভূমিরিতি ত্রাভি প্রমন্তত জনা নিঋ তিরিতি ত্বাহ্ৎ পরি বেদ সর্বতঃ॥১॥ जुरा क्रियाओं टरेन्य एं डार्गा द्यां षायांत्र। ग्राक्षमानगुर्नमाः यांश्री। १॥ এবোष-यतिश्रां एक्रनह। भ्रमययान् विष्ठा वक्षभाभान्। यत्मा मण्यः शूनविज्ञाः मनाजि उतेय उक्का, जम कखानमिछ।मिक् मध्ये जबस्य प्र (১৫१म॰ ১,२५०) थायेद क्रेमख, या (मा विमिन्न छा। मिक्र छन्। ध्योभष्ट छर (५०७भ० २५०) थायर। বায়োঃ, বায়োঃ সবিত্রবিত্যাদিদ্যচং বায়স্কতং (১৬০প০ ১,২পৃ০) প্রাথৎ और। उ उमूखममिडार्गि (१२९० २९०) आये (जयर १कां ४ एकः ४म०) त्मामका, भक्ष्ममिज्ञामिष्टकुर्था ६९ (मामञ्जूलः (५६६म॰ ५९०) थायुर। ष्मन्छ्य, त्रांत्रष्टाक्डामिष्ठक्षमन्छ्युक्ट (১৫৯भ॰ २१०) थोषि । যুম্য নমো অস্তু স্ভাবে॥ ও : (অথ০ ৬কা০ ৮৪ক০ ১, ২, ৩ম০)

V8.V काथ नकामीनाम्, उत्र नक्षमाः, यानावर् रेजारमाककः वस्कुलः (১৫७५०२५०) शायं এবং দারপালৈজ্ঞাপকৈশ্চ পাঠাজপাস্জাদিষ্ধাতেষু হোতোত্তরাদ্ধং কর্ম কুষ্ণাৎ আদিত্যানাং, স্কাভাবিৎি হোমমন্ত্রতাব (১৫৩প০ ২প০) প্রাঞ্জেলী জপাঃ। उक्ति, उमा कळानमिजामिमक्षर्भः उमाय्लः (ऽ१११० ১.२ ९०) थाये । जरुअ, विष्यामिश्वामिष्ट् व्यक्ष्ट (३५८,५५९भ॰ २,५भ॰) वांघर। क्रेमच, मा (मा विमिन्न गामिन्कु सिनीन स्कर् (५६७४० २९०) वायद। কুদ্রাণাম্, স্থ্রেলাভাবাৎ ছোনমন্ত এব (১৪৯৭০ ২৭০) প্রাশুজো ক্রপাঃ। ज्राज्य, यम हेल हेजामिश्यक्षम्राज्यकः (५६१भः ५९०) आर्षः। गक्रजाम्, म्हलांखावार (हाममञ्जात (১৫৪म॰ ১५०) पाष्टाकाष्मभः। वसम्माजः, म्जाडावाद (हाममञ्जय (১৫৪भ॰ २५०) शायद क्रभाः। क्रोटेब्र मम्हण् घांत्रभाटेलक्ष्मायांनेभाक्तांधांतांतिकः भठनीयम्।

उत्र भूनीक्डियोग्डावीन मर्कारनाव कथानि जियात्वव मिरन कुर्वार भूनीक्षिष्ठ अक-उ महमिरन यक्षियोग्नामखर कूर्यामिणि विरम्पष्ठ। उद्याग्जायीन कर्षाणुग्गान्छ।

जासुतिकः (धमुखस्त्रावाष्ट्रसंदमः। मात्म वाष्ट्रना वद्ग्यत्ममुर्कामण्डामि॥। मिन्ना-किन्। प्रमन्यन्त्य जात्य्राद । यथा किनाकिन्। प्रमन्यात्र्यां ममन्यत्यां मण्ड परनम्ड परनम्छ ॥६॥ तमगेरधंत्रखमा व्यामिट्डा ब्रमः। मा म व्यामिट्डान ॰ ॥ ७ ॥ मिकु छ<u>क्षांत्र</u> मभनमन्दम हत्सा वर्षः। जा (भ हत्सन क्रामत्निष्मुक्षिमिन्तामि ॥ ৮॥ (जथ ०८को । ७०क ०० ज्यात्रि ৮মন্ত্রাঃ) অংথাপন্তীর্যহোমঃ। - ধ্পা ওঁ প্রজাপতে ন স্থদেতান্দেশ বিশারূপাণি পরিভূ-मम्नम्यम् अपरिष्री । यथा खितिएक वाह्यत ममनम्यान्। मक्ः मश्नमः मश्नमेखा ।।। आह्मिनि । यथा मिक्क ठक्तात मननमत्त्रता मञ्द मध्नमः मध्नमञ्जा ॥ । मिरमो (धननखामोर म्झ् भरमभः मध्नमञ्ज ॥ । भाषतो (षञ्ख्या जाग्रंस्टमः। मा त्मर्शामा वर्तमत्मर हिमिडे। यथा। ७ अधियामियोर्श मभनमन्तम जारिप्रीट। यथा भुवियामियोर मभनमरम् उन्न टोक्मर (১৪৮९०),२१०) श्रक्षिकाजिनिष्गाः मञ्ज मनोछ् निक्गार। उठः मर्माङ् मःवर्षत्र भाग्रत्वन तथन्तरः व्रमागित्र वर्षान क्षार्। 'रोष ठण्टान क्ष्यार। उठः मन्ति मुब्बर कान्नर मूर्शन्। जात्रुकायन् शकार त्यांत्रर त्रीग्नर त्रांत्र त्रांह।। र । जाजुनिक वांग्रत য়াহ যথা। ওঁ আফটৈত্য স্থাহা। ওঁ কাশায় ত্বা স্থাহা। ওঁ সহধে ত্বা স্থাহা। ওঁ শ্বা জ্যানং

उ टिवरक गूटका बाहा। व निकृष्तिका वाहा। व टेमवी जाक इनाः बाहा। व बाहा-उट्डिक्म्डिस्मा । अ यम्मुडि हरूम कि हिम्मे डेन्सिम हत्र क्रिन्। उड क्षां थाशिक खरशाय क्षार । यथा अ यार हरकेजा यारा। अ वयषिरकेजा यारा। काद्मिश्मान जिनकोक म ज्रमिज्यमा जाम। जाममा मनमा श्रुटाशशास ह्यारमाहित जाम विक्रमः मरकूरश्मि मजाः मख मज्ञानमा कामाः मारा । ७ शूनर्मात्रिकाः शूनराजा ॥-क्षिमाः भटक्षमाः ठज्ञाम् छत्र छो। वमारम् कर्रा ना क्रियामा क्रा क्ष्मा क्ष्मा क्षा क्ष्मामान नामामान नामामान यक्क्वांम उन्त्र थात्वांकुम्। जिमितिहान्तम यकांद म हेत्कां जा त्मार्श्वतान्दम क्षजून कण्मेश्रि (बाव ० ३ ज्यां १ ४ व्या १ वर्ष व्या १ वर्ष वर्ष १ वर्ष क्षेथ कन्नाहोगः। ७ यत्य कन्नः मन्त्रा काउत्वत्म। यम्। कम्माविष्यं यज्ञा वज्ञा उद्योत्या विन खोक्तनक। शूनद्रधारत्रा धिका घथाकाम कल्माङ्मिट्ह्व माहा (जर्ष०१का०५१क०५म०) नीहिष्यः नः टोट्डिङ छट्ड मथिट्डा व्यक्डबुम्य नः। (जयः १क्। ১०५कः ५मः) ১७२ व्हेंब्राम । यदकामारिक जूक्मकत्त्र | क्य नगर माम मेज्या नग्नार यात्र । उठः थिकेन-শোষেই যাহা। ঔড়ঃ মাহ।। ও ভূবঃ মাহা। ও মঃ মাহা। ইতি প্রায়িশ্ভহোমঃ।

শূহীত্বা তৃষ্ণীনেকাছতিং স্বভ্যাদিতি মানসহোমঃ। তত আত্তরণবহিত্যিঞ্নীক্ত্যাকা-হতেভ্যঃ। দেবা গাড় বিদো গাড়ং বিজা গাড়মিত॥গ॥ (অধণ্ণকাণ ১৭ক০১অবধিণমন্ত্রাঃ) অবং মানসহে। ও মনসম্পত ইমং নে। দিবি দেবেমু মজ্জং সাহ।॥ ১॥ এ দিবি ৭ক।১৯৭ক ৬ ৮ম০) তত আক্তাহ্রালীয়তমূত্র হৈ চক্ষ গৃহীত্বাক্তাধান্যাং ছাপরিত্রা ক্তবেণ স্বাহা॥।। ঔপ্থিবৈ স্বাহা।।।। এ অত্রিক্ষার স্বাহা।।।।। এবাতে ধাং স্বাহা।।।।। । ट्य । किकिवारमः भिषावारमा नधुनातेम थन वमाया वस्ता वस्ता भाषा । । । किस्ता त्वा ति । अमनो अकर्ष घळा कथा भवत्न मां क्र्यांगाः। वर्षानाः ज्यांगाः यां वर्षान वर्षः पर्षाः দিবশারোহতার।। ৪।। ও যজ যজং গক্ত যজ্ঞপতিং গক্ত স্বাং যোনিং গক্ত স্বাহা।। ৫। त्नम (गीडिः मर्ष्यतिष्टितिकन्तम मुखा। मर् बमानीर (मवहित्र यम्खि मर्मिनार स्रम-(छ। मञ्जित्राम्।। १॥ ॐ यानावर छभाटा (मवरमवाश्खान् (थन्न व्याद्यं मध-अक्रवमत्ता अक्रवमूजा मनिक अदिक्षान् य छन्नुभ याहि त्यांमम् ॥ ॥ भ मिन्न त्यां मनमा ও এম তে মজ্জো মজপতে সহ স্কেবাকঃ স্বীধ্যঃ সাজ্য। ৬॥ ও বম্চ্তুতেভ্যঃ বম্ভ अवभारिक्षिक्रहोमः। ७ यममा व। क्षरिक यहक जामान् होजिक्षित्र वृगीमहीर।

প্র বহিছ জা। ৫ সংস্রবভাগাঃ ফু হ্বিষা হৃ৹ হৃঃ প্রস্তরে বহিষম্পদন্ম বা। ইসং বজ্জগভি
রু বিশ্লে পুণন্ত ফাহা। ও দেবানাসম্ভা মাদয়ন্তাং ফাহা। ইতি সংস্রবং জুছ্যাং। ততো

রু দিক্পালেভো বলিঃ। (১০৩,১০৪ প০২,১পু) (প্রাশ্বং) ততো দ্বিভীয়েহ্ন পুণাহ্বাচ
রু দাদ্নস্তরং পুনিস্তৃতিং দ্দানং। যথা যদি ক্ষণণক্ষে হ্যান্ড দিব আরুণ্ন ব্দাধ্যের মাধাবাদ্যে সংবদন্তো মহিত্র। তেনা নো যজ্জং- পিপুহি বিশ্বারে রিয়িং নো

রু জোগ্রেমমাবাদ্যে সংবদন্তো মহিত্র। তেনা নো যজ্জং- পিপুহি বিশ্বারে রিয়িং নো

রু স্থেহি স্কভগে স্ববীরয়। (তাধ্বং প্রায়। তেনা নো যজ্জং- পিপুহি বিশ্বারে রিয়িং নো

সু দুত পুণা পুরক্তামধ্যতঃপোণমাদীং কিগায়। তদ্যাং দেবৈঃ সংবদ্ধান মহিত্রা নাক্-১৬৩

স্থা প্রেই স্বিয়া মদেম। (জ্বংং প্রতি ৮০কং ১মং।। ততঃ অফ্কজ্ববে স্থিত্ मूठ भूनी भूत्रखाम्मशाउः भोनमामी. किनाम। जनार त्मट्रः मर्वमत्त्रा मिक्या नाक- ১७७ भक्षाम्डः। मश्रामदेवविश्वरामर्वाज्यकामिन्नः गञ्चकु स्विः याश (व्यथः १काः २४कः) इंजि क्चा ७ ममाखार थठाता वर्षा छ मध्वत्मा थठात यानि मङ्गा मधित्याम দীদিছি রোচনেন বিশা জাতাহি প্রদশক্ষতমঃ। অভ্যক্ত স্থুতিং গব্যরাজিম্মাস ১১ॐ थानीब्राउनाडाका उँ भिषिता. (वृष्टि मूलगडाक्षापा । अ जास्तिकां । (वृष्टि मधाम्। अ प्रिट् एषु छ। छम् अवर जियो क्रज्ञा। वं मर्विङ बज्जर इविष्यो घृट्डम मभिटन्म । वक्षमा मर्

জ্ঞাতবেদসমযিৎ হোতারমজরং রথস্তম্। স দেবানাং জনিমা ন রিঘান্ যথাভাগং বহুত্ . इंदा मधित महा । इंजि मभिष्ट जुख्याद । उठः उँ जारषा इरामाधियोग याश मिमिमि जार्खात्रक मीम श्रीयव्यार मीरमान्द्रताष्ट्र जुर्गामग्यरत मरमञ्जन। देणि व्यन्वर क्रामन দিবি অভারক্তে পৃথিব্যাঞ্জ কৃত্ৰ আব্বশাদ্ভম্যেক্তরতঃ কৃত্র ত বিমুঞ্ামি বন্ধণা मत्मिषियीय यात्र (उटका मति (शिष्ट योष्ट्रिंग मूथेर मार्कात्रर । उट्छा विक क्रमांन् करमर। विस्काः क्रामार्श मश्रम् श्रीयदीमः निर्णितार्था । श्रीयदीमञ्जितम् विक्रम् । . भूषिवारकः मिङ्कारमा (मिश्याम् प्रकि मः वतः भिष्यः म मा जीवोजः थारिना जर्षाज् ॥ >॥ ত বিষ্ণেঃ ক্রমোইনি সপত্রহান্তরিক্ষসংশিতো বায়তেজাঃ। জাত্তরিক্ষমন্ বিক্রমেংহ্মত निकालः निर्धकारमा । ॥२॥ अ विस्थाः करमार्गम मन्यूम त्माम्भिष्ड स्प्रार्थकाः। ख्यां खिवनामि थन । त्थन्नहात्को वांचानमा निहरेजाज्य मर्गञ्चनामीज्य यांहा। हेि माखन भूनाक्टि, मचा। ॐ मावानि मुजां चिम्जः मर्भञ्चमः। मिरि मीम।

मिवगञ्ज विक्रामध्यः मिवछः मिछकातमा (यायमान् ।। ७॥ (जर्थः ১०काः एकः २६, २४,

२१म०) हे जि जि जि जि जि जीन् 'विक कुमान् काच्या विश्विक मा। उष्प्रामावृष्येषावर्ड

বিশাফি। ততো হোতা ৫ জলানি বতপত্রে স্বাহেতি তত্র সমিধ্যাধায় ওঁ সত্যং স্বর্তেন ১৬৪ भूखर को अहिरनीमि स्रोर व्यानिमिन शष्क्र । ज्यानिको भर्त्रहातमा व्यानमः किक नामस्थ । इत्या जनात्मा विनय महन्त्रमा वनिष्ठा । न ७९ श्रिकाः त्ना निवि वन व्यानिक बीक्रभ ইত্যুম্বাপ্য তদুদ্দেশ আপো হিস্তেতি প্রাগুক্ত মল্জেণ যজমানং মার্জ্জয়ে। তত্তা যজ-मानः व्यव्यमुम्भावक्र्यूम्कः घ छ इत्यन वहत्मजाञ्जममनिहित्यन मन्दिवः होन्निश्चिः छ म. ইতি দাতাং তদুদকং যজনানাঞ্জলৌ নিকিপা তবৈত্ৰৰ যজনানো বীরপুরুবোংহ্মিতি মুধং भी बिक्शिम काउटवमः इত्याधः भी बिक्याका का नी मुखाना जन्मकर्षा अञ्जिषि मः कण्णे पूर्वकः भूर्गमाजः मिक्कां मिमार। टटा मक्किष्डाः नामि कुर्यार। हेटाथक्तिनाना ज्यांग्र यः यनगम मःत्या (ज्यांजियांगम वरमा) ज्यांमः वज्यान् यख्वा वज्रत्योषोत्र वज्र-১১৪ मिक्किशोम्बाब्डम। मो म्यादिशः बक्ड्रमी म्याक्षिमम्। हेजि थमिक्कि। कृष्ण ७ ত ইল্ডে বচমা বয়ং মিত্রম্য বক্লণ্ম্য চ। জন্মণা ছাপিতং পাত্রং পুনক্ষ থাপয়ামমীতি। मान जुग्रांमर बस् मग्नि (सर्वेष्ठि मह्यानामिडार नित्रोहक्षड। बह्यामनाज्यां थानहत्र यथा।

भिष्यात्रेनामिविधिः।

র্ক্টোহথ বিলুঃ। তত্ত্ব ফলানি তপদা রুদন্ত মায়া অনুরায়ান্ত বাহ্যা অলক্ষ্মীঃ।।৬॥ উপৈছ . हमानी १ मर्कमहामानाज्ञा हनामिनात्र भारथमग्रामिकत्मण घात्रभानभाठिग्रामि क्रकामी. क्र बार्जनगानमकक्ष्मिकिन था अक्षमीयक्षािष्ठ ह निर्मामञ्ज ह बार्क उद्यो कर्भ वि । उ हित्रगुर्गार इतिनी स्प्रवित क्रविन स्प्रवित क्रविन क्ष्या । ठला हित्रगुरी नम्मीर विरम्पार गीमचेर शुक्रयांनश्य ॥ २॥ जार्षश्रार व्यवप्रार श्ख्यांप्यार्वाधिनीम्। खिश्र দেবীযুপকায়ে জামা দেবী জুষতাম্ ॥ ৩॥ কাশমিতাং হিরণ্যপাকারামার্দাং জুলন্তীং ভূপ্তাং তৃপয়ন্তীয়। পামোঞ্জিতাং পদাবণীং তামিছোপন্ধয়ে জিয়ম্॥৪॥ চন্দাং প্রভা-मार मनामा खनाखीर जिहार तनारक तमरकुकोमुमाहाम्। जार भाषानिभि भहानिभि जनक्रीर्य नणजार द्वार हत्यामि ॥ ৫॥ जामिकावत् जुनस्मिन्धित्य वनम्भिष्डिव भोत्तामग्राम्यक्ष्यकुर ब्राक्षांष्र ( ६ वि वस्तु १ ६ ) हेजु । ज्ञान ( वि वि व ग्रामि । ज्ञान भूकि জাতিবেদে। মমাবহ ॥ ১॥ তাম আবহ জাতবেদে। লক্ষীমনপ্গামিনাম্। যস্যা হিরণ্থ भावर समाखिতा भरठेटामिट्याकर्यः । उत्राप्ति व्याष्ट्रकः घथा । स्ट्रिग्यन्तिच्याम् स्थम्बा नां छिषीयत्छ उवारम्। भरयिम्नाठामि "बीष्ट्रकः भावगान्धः त्याय्व्रकः स्वयक्षनम्।

गमननीम्। यम्। ह्रजार नीत्वा मारमग्रेचीम् विल्म्यः शूक्रयोग्ह्यु ॥ ১৫ ॥ ১४ भष्मालिमीम्॥ ১১॥ जाभः स्बन्ध सिक्षामि हिन्नों उत्तर ग्रह्। विह मिवीर माउत्रः हित्रभागी लम्मो काउटवरमा गमावर ॥ ১०॥ जामार प्रैकतिनी प्रकि प्रवर्गा रहमा निनीम्। ठन्माः हित्रभाषीः नक्कीः कांठ ।॥ ३८॥ ठाः म वादर कांउर्दामा नक्की-किन्नार वामन त्य कूटन ॥ ১२ ॥ जाज १९ शुक्तिनीर शुक्ति शिक्रनार भषमानिनीम्। क्र्यार ভিয়ন্॥ ১॥ মনসং কামমাকুতিং বাচঃ সত্যমশীমহি। পশ্নাং রূপমন্ত ময়ি এ। ভায়-छा रंगा ।। ३०॥ कर्फरमन थिका जूज गित्र मखद कर्फ्य। खित्र दागव तम कूरन मोजत्र ১১৫ गार प्रदम्मथः कोर्डिक गिना मर्गा थांमूज् टिवारिया त्रारक्षेत्र्यम् कीर्विश त्रिक्षिर मागे द्र प्रभागा कुद्भिभागाना (काकी जनक्षीनाभशामार्ग। जङ्ङिगमर्घिक मसी निर्मित य ग्रांटा ৮॥ शक्ष हाडा पूडा थरीर मिठा पुको ९ कही विशेष । क्षेत्री ९ मर्क कुराम १ का मिरहा में खर (क्षा नक्तो रूज्य)

অথ পাবমানস্ক্রম্। তচ্চ সাদিষ্ট্রেতি স্ক্রমারভ্য হিষ্ট্রীতি স্ক্রপর্যন্তম্। ষ্ট্রহি क्ष्जाज्ञक्छ शादमान्छ मरधा यामिछताजि म्नोक्ता भष्टक्नां विभागिज्ञ, शंदय मिर्वोत्त-

आविष्ट, वारमियारमा विभिष्टि हेट्यामिय्हृष्ट्य विष्टः, अञ्चर्त हेट्यामिय्हृष्टमा, ज्रमथः, এয বाक्रीजामि यष्ट्च्य विश्वामथः, वामा थांता इजामियष्ट्मा ज्रमथः, व्यथांता इउगामियफ्ठ ख विसूः, वास्तामाम हे उगामियफ् ज्या (गोउमः वासामासामा माम जामियफ् ज्य इंड्यां मिनवर्कमा, भविधिया इंड्या मिनवर्कमा, अयानाम इंड्यां मिनवर्कम, डेभारेमु इंड्यां मि-कमा, हिंबनाखभः, मिषक इंजारमाकामभक्षमा कार्याप्रीमाजा (प्रवान वा, मब्सराजापि-ब्बर्फमा, मामा ष्यस्यमिट्रामिनवर्फ्य, मामः भूनान हेर्ड्याम्निवर्फमा थैनिम्नत्वान्त्व्यामा-फ्रेस्मा भविष्याम हेटामि मञ्जरमा भविषामियामिटाम्हरोर्हा ज्य विषय ग्रामाक्ष्य, बाउँ माणां हेणामाकेकमा, यर मार्गणामियकेक, थकवितिणामियकेक, बाज ত্যাদিদশ্চস্য মেথাতিথিঃ কাণুঃ. এষ দেব ইত্যাদিদশ্চত্ত, শ্ৰমঃশোকঃ, সনা চেতি দ্শ-मृष्ट्राज जानकाः, जमस्कत्वजामियक्ष्य, मोर्ग्राज्यावरः, वस कवित्रिज्ञामियक्ष्य, अरमामाम इंजामिमथकमा ठेमां र खानामिमिछ। प्रवासाम, भवत्र मरक्षामिष्ठमा न्वक्तमामिर्डा मिवरली वी, खक्यमिड्यामिन्वक्मी मिवरली वी कांगरिशो वी, बर्ड मिम भारखी ज्यापि मथफ ख, 'बर जामाम हे ज्यापिमथफ ख, जाम। बर्याम् ज्यापिमथफ ख,

ठत्रदममम्मोक्जापि हजू भारत्र व्यापि हजू भारत्य व्यापार ब्रापि हजू भारत्य हा हा विद्या हा विद्या हा उप भित्रमाम इंछापिष्टकुश्च ष्टमाप्यमात्रः कांग्णभः, थ एठ थात्राइंछापिष्टकुश्च ष्मा हिम्बौछांपि जिश्मम् हमा ज्यक्षांक विकाम शिक्षा थायिः मिष्क हेटांमा केर्क्या ज्याह-भक्षक्रमा भवत्र वृष्टिविट्यापिभक्षक्रमा ६ कविः, উट्ड श्रमाम इंड्यापिभक्षक्रमांख्या बांकितमः, जद्दार्गा हेन्यामिनकक्ता नित्रमुक्त हेन्यामिनक्षकमा त्वानथाः डेन हेन्यामि আ প্ৰস্বেত্যাদিত্ৰিংশদৃচত্ৰ নিথুনিঃ কাশ্যপঃ, র্ষা সোমেত্যাদিত্ৰিংশদৃচত্ৰ কন্যপঃ, ১১১ ক্রিডঃ, আ মঃ প্রস্বেত্যাদিম্ডুচন্ত প্রভূবস্তঃ অসজ্জীত্যাদিষ্ডুচন্ত, সস্ত ইত্যাদি-इं ज्यापिय कु ठ छ, थार या भाव क् ज्यापिय कु ठ छ, क म प्रश्निक कु ठ भा क त्यथा कि विदेश, वाश्यामद्वामियक्रमा, वाश्वामा क्रामिभक्षकमा ह जार्गवः कविः, जः प्रामि-उच्च हमा, जमा श्रज्ञमिन्तामिहज्य हमा, यवश्यव्यिन्तामिहज्य हमा हांवदमांवः, ষড্চভা, চ রহুণণঃ, এষ উমোত্যাদিষড্চতা আজিরধিত্যাদিষড্চতা চ রহমতিঃ, পুনান (वारठा इंछामियछ्टमा, व्यं। हेन्स ईंछामियछ्टमायडः, म भेवत्यंछामियछ्डमा, অয়াবীত্যাদিত্রিংশদৃচত্ত অমহীয়ুঃ, এতে অফ্থামিত্যাদিত্রিংশদৃচত্ত, ভার্গবো জামদ্যিঃ,

ज्यम्नामस्के म्, वाभाग्रत्वात्रामिन्ड्यार्ट क्वीयाता डेस्थिक्, डिक्टिनर्सक्किनिन् मकीमाः गाय्यो एमः मर्कञ्ज्ञानाः मकीमाः भवमानकाविन्छः मारमा मिरजा जद्रश्रीवत्य क्रिंग विः। ত সাদিষ্যা মদিষ্যা প্ৰস্থ সোলধার্যা। ইন্দায় পাত্ৰে স্থতঃ॥১॥ রক্ষোহা বিশ্বচর্ষ-তমঃ। পরিরাধো মঘোনাম্॥৩॥ অভ্যর্ষ মহানাং দেবানাং বীতিমন্ত্রসা। অভিবাজমূত-खंद 1811 क्षांमध्य ठदामिन उपिनर्षः मिर्विन्ति । हरम्ह ८३ व्यानमः ॥ ६॥ श्रुमां ि ८० পরিক্রতং সোমং ফ্রাঞ দুহিতা। বারেণ শব্তা তন। ॥৬॥ তমীমণীঃ সম্য আ গৃত্ণক্তি शिक्षिक त्यानिमत्या क्ष्यम् । कना मधक्यामिष्ट ॥ २॥ विद्यात्यां थाज्यमा ज्य मशिक्षा वृज्यक् कु वाबाः मधु॥ ৮॥ षाडी ममधुरा डेड जीनीख स्थनदः भिष्म्। त्माममिन्सां माडत्। द्यांबर्भ मन्। विमाज्ञः भीर्द्या मिवि ॥१॥ जमीर हिम्खाध्रांद्रां धमचि वांकूत्रः मृजिम्। जिथा

প্রারে রুষেন্দে। দুয়েরবন্তমঃ। আ্যোনিস্কর্ণিঃ সদঃ॥২॥ অধুক্ষত প্রিয়ং মধুধারা স্কৃতস্থা भवत्र एमव बीर्जाफ भविज्ञः त्माम त्रश्या। हेल्ममिरमा व्याविभा। ।। जावठात्र महि অভেন্তাদিজেশ মদেষাবিশা ব্রাণি জিল্পতে। শূরো মঘা চ মংহতে॥ ১০॥ ১০%

ভাষুভিঃ। হরিকজিনায় ফজ্যতে॥ ৩॥ এম বিশানি বার্ধ্য শুরে। যত্নিবসম্বভিঃ। প্রমানঃ ১৬৭ ऐत्मिककृत्रीमत्र। उत् श्रमख्रमा महीः॥ ৮॥ अमुङ्गिमनिन्मप्रमाधः श्रवम् धा-अब विदेश रिक्केट । त्यां एमर्या विभार्ट । मध्य भ्रामि माध्यत्य ॥ ७॥ अय मिवर विथा-কতি ভিচের। রজাংসি ধারয়া। প্রমানঃ কনিক্রদ্ধ।।। এয দিবং ব্যাসরভিরে ১১१ (वसमः। जारमा विषिष्ठ ख्रक्रच्रः॥ ७॥ महांख्यः व्यागशिवगरिमा व्यवित्य मिक्रवः। यत्मान ख इंम्ह कमां यर् काट ह वाग हा व्यक्ति वाजियाना । उस् भागना इष इ अय एमटवा ज्यमकाः भनितिव मीत्रिक्त । ज्याज्ञानमम्॥ ।। ।। अय एमटवा विगी-क्रैट्डाइ जिस्हामि थावि । भेवमारमा जामां ॥ । । । । विष्या विश्वाप्ति भवमान भ मियोमि ॥ ॥ अब एमर्या उथर्वि अंयमारम्। मभूग्रि । जाविक्वर्गाि वर्धकुम्॥ ६॥ ज्ञिक्षामित्रवारम ॥ ८॥ ममूर्षा ज्यम् माश्र् कि विषे ८ त्वा भक्ता मिवः। त्यायः भिवर् আসুসুঃ॥ ৫॥ অচিক্রদদূবা হরিপ্রান্ মিত্রো ন দশতি। সংস্থেগি রোচতে॥ ৬। গির-सग्री। शक्करना व्किम ह्वा ।। भाषा हल्मा न्या व्यथमा वाक्मा छ। बाबा बर्कुमा श्रेकाः॥ ५०॥ २ श्रु॰

क्रिंड भिवत्व व्यर्शिज ॥ ३॥ व्यर ऐमा श्रुक्रवर्षा कच्छारम्। कमग्रिमः। थांत्रम्। भेषर् রকাই স্যতঃ। প্রমানঃ স্থরঃ॥৮॥ এম প্রেল্ন জন্মনা দেবে। দেবেভ্য়ে স্তঃ।

मन् ६ (माम् इक्षिक भवमान महिवादः। ज्यापा तना प्रामञ्जीय॥ ३॥ मन् जिर्गाणिः मुन। স্বধিশা চ সোম সৌতগা। অ্থা ।। ২॥ সন। দক্ষ্যুত ক্রতুমপ্সোমাম্থো জহি।

. ज्या । ॥ । । अवीजातः भूमोजम (मार्माम्बात्र भाजरवः। ज्या । ॥ ॥ ष्रः स्र्यं न আভিজ তব ক্রত্বা তবোতিতিঃ। অথা ।।।।।। তব ক্রত্বা চবোতিতিজ্যোক পশোম সূর্য্যম্। 'অগ্না । ॥ ৬॥ অভ্যর্ষ ক্রায়ুধ সোম দ্বির্হ্মৎ রগ্নিম্। অ্থা ।। ৭॥ অভ্যর্যান্যচুচতো রগ্নিং

স্মিদ্ধো বিশ্বতম্পতিঃ প্ৰমানে। বিরাজতি। ঐীণন্ ব্যা কন্দিজদুৎ ॥১॥ তন্তুনপাৎ अगुरक मामहिः। जाथा ।। ।। । वार यटेळातवीत्रधन् भवमान विश्वमिति। जायो ।।।।। इत्रिः मन्द्रिममिटन्ता विषीषुमाङ् । ज्या । ॥ ऽ ॥ ४४०

त्रशिक्तिबोकि मृग्मोन्। भर्षायीत्रां िह्तोकमा ॥ ७ ॥ वर्षिः थोहोमरमोक्तम। भवमां मः कुनन् भ्वमानः भ्रम निर्मात्नां व्यर्गित। व्यत्नित्यन द्रावज्ञत ॥२॥ केटल्यनाः भवमात्ना

অব পাবিত্র আ।। অভিবাজমুততাবঃ ॥৩॥ অন্তুদ্রজাস ইন্দব আপোন প্রবভাসরন্। পুনা-১৯৮ দেবাঃ স্বাহাক্তিৎ প্ৰমানস্যাগত। বায়ুর্হন্পতিঃ স্ব্যোচ্যিরিজ্ঞঃ সজোষসঃ ॥১১॥ ৫স্থ **७**९ (गाध्यित् मनः समाग्न एमन नीज्या। ऋष्टः ज्यांग्न मश्यम ॥ ७॥ एमरन्। एमराग्न हैभांभार भूरता यावानमाक्टव । डेन्मूतिटक्ता वृषा इतिः भवमानः श्रकामिष्डिः ॥ ३॥ वनन्त्र-না ইক্রমাশত ॥ ৪ ॥ যমত্যমিব বাজিনং হজতি যোষণো দশ। বনে ক্রীড্তমত্যবিমূ॥ ৫ ॥ थातरत्रक्ताय भवट उक्ष अत्या भरता यनमा भीभव्य ॥ ।। जाया यक्तमा दश्य राषा भव-डेडा (मर्वा मुक्कमा ह्वाडांत्रा रिम्बाख्द्व। भ्वमान इंट्या वृष्टा ॥ १॥ डांवडी भ्वभानमा जिङ्ग भवमानम् मा स्वास्त्रा । सङ्ख्य ५ सन् इति । जिङ्ग । ५० ॥ वित्य मेमिममिया हि कि का व्याध्याकित्मा व्यक्ति। १ ॥ व्यक्ति छार श्र्वार मार छ्यातमा ১৬৮ इतिः। मिरवर्षे मिव मेशरज ॥ 8॥ टिमारेजिक्सरज व्ह्मारता मिवीर्दित्रगात्रीः। भवगारम-म ऋष्ठेजाः॥ ॥ अभिरण्य इक्जी मही श्वमात्मा इम्बाजि। नरकामा मा मर्मार्ज॥ ॥॥ मत्रकृष्णि गर्शे। हेगर (ना वक्ष्यानिम्बिट्या मित्रै। कराभनमः ॥ ৮॥ घ्रकांत्रमणेकार मल्फ्या (मामधात्र्या व्या भवय (मव्यूः। जात्या वात्र्यम्यूः॥ ।। जां जिल्ला मार

उं कुछः। अष्टः निमाणि काराम्॥ ।। अराश्नान रेज्यप्रमारः मिछ वीज्या। धरा-हिष्ट्रिय शिंद्र ॥ ३ ॥ ७४०

জস্তামিন্দ্বঃ পথ। ধৰ্মন্ন তম্য স্থানিয়ঃ। বিদাশ। অম্য ঘোজনম্।। ১।। প্ৰধারা মধো

मधः भव्छः छमाग्रः। विमाना ष्रमा भक्माङः॥ ৮॥ ष्रमुखाः द्रांम्मी त्राप्तः मरक्षा वाक्ष्य क्षिको मियोमि ।। ८।। भवमारमा व्यक्तिक्युरश विरूपा द्रारक्षव मीमि । वमीरुनुन्ति द्वध-मद्मश्रमिस्ममिष्मा मांकः भारमन गष्कि । इशोरश्रा जमा ध्रमिष्डिः ॥ १॥ जामिबादक्शं रूगंः अधिरम महीत्ररभी विभोक्ट । इचिक् विष्यु वम्माः।। श्राष्ट्रां वारा विद्या विषय हक्रमम्दन । मण्लां जिश्व ।। ।। भित्र वकाना किन् म्वानिमान। जर्वा य-मः॥ ।। । ज्यात्वा वात्त्र भतिथित्य। क्तिक्यम् मीमिङ। त्राङ्ग वक्ष्माङ मङी॥ ।।

मुसरमा गक्छछ। वाधुमिश्वना। टिंटनाथार कु स्वविधिम्।। २ ।। इन्द्रमा मामद्राधरम श्रेनारना जरु कामा अधिश्रमिक्तमा काममकत्त्। वर्षत्या वमा वीराम्।। ।। भूनानामकः र्गाफ (ठान्य। अञ्ज व्यानिमीमन्य।। ७॥ स्कचि घाएण किर्मा क्रिक्ति मध्योज्यः সাতয়ে। আবো বস্থান সঞ্জিতম্।। ১।। ৭স্থ

১১৯ जक्रविद्या जमामिषुः॥ ८॥ त्मरमञ्जूषात्रपांत्रकः स्कानमञ्जितमताः। मन्दर्गाण्कितामयागित्र ॥

क्का कि विश्वा जा अधिवा । के टिक्स । मधात्रमाविका ॥ १ ॥ इस्छिट मिन ३ भी तत्र अपितात्र ५ भिष्या ज-थि। मरक्। मः आमिश् अर्थाः ॥ ৮ ॥ मृष्णमः श्री यहाभिक्य भौतः सर्मितम्। जक्तीमहि ৫॥ श्रुमानः कलरम्यावद्यागुक्रस्यां श्रिः। भृति भयानग्राणः॥ ७॥ भह्यान जाभिवय (न

· প्रिटिश मियः क्रियिकाशिम मत्थार्शिङ । श्र्यारमा याजि क्रिक्रिकुः ॥ ।। अथ-

क्यांत्र भनाएम क्नांत्र कुरछ। ष्राफ्टर । दीज्नर्थ ह निक्यां॥ २॥ मञ्जूषांज्यां ७ हिब्बार्डा

-क्रांट अत्रांघ्यः। महाम्ही थाउार्या।। ।। म मख्यीजिङ्टि । नरमा बिङ्यम्प्रस्थः।

•বা একম্নি বার্ধুঃ।। ৪। তা অভিসন্তমন্ত্ তং মহে মুবান্মাদ্ধুঃ। ইন্দুমিন্দ্র তব বতে।। ৫॥

আভিবছিঃমন্ত্যঃ মপ্ত পশ্চতি বা বহিঃ। ক্রিবিদ্বৌরতপ্য়ৎ।। ৬।। অবা কল্পোয় নঃ পুম- ১৬১

ख्यार्गि त्रांगत्यांधत । जानि श्रुनान कष्णनः ॥ १ ॥ सूनवारमन वीधारम स्कांत्र माधकां-

भक्षः। अञ्चरम्बाठमा क्रष्ठः॥ मा भवमान महिल्दा गामभः तामि वीत्रवर। मना त्राथार-

मना यह ॥ ३ ॥ अष्ट

' अश्रानात्मा व्यक्तियां में व्यक्तात् । त्यामात्मा वात्म जक्ष्य ।। १।। हिमाना-

সোর্থা ইবক্ষ্রির গভক্রোঃ। ভরাসঃ কারিণামিব।। ২।। রাজানো ন প্রশান্তিভিঃ टमामारमा भी जिन्न अहमा विष्ठा न मक्ष्याकृष्टिः । । अतिस्रवामाम हेम्परवा भिष्ण বহণা গিরা। স্কুতা কার্যভি ধার্যা ।। ৪।। আপানাসে। বিবস্বতো জনন্ত উষ্পো ভগম্। मूत्रो ब्र्निस उपर ।। ब्रम्पमात्रामजीनाः थ्रेष्ट्रा स्र्निस् कांत्रवः। त्राकः हतम बांग्रवः। ও।। সমীচীনাস আসতে হোতারঃ সপ্ত জাময়ঃ। পদমেকস্য শিপ্রতঃ।। ৭।। নাভানাতিৎ

ন আদদে চকুণিচৎ স্থৰো সচা। কবেরপত্যমাদুহে ॥৮॥.অভিপ্রায় দিবস্পদমধুয়ু ভিগু হা-হিত্য। হুরঃ পশ্চতি চম্মা।। ৯। ১০হু॰

॥ ৪॥ হস্তচ্তেভির্দ্রিভিঃ স্ত্তং সোমং পুনীতন। মধানা ধাবতা মধু ॥ ৫॥ নম্সে ফ্রপ . भरम्घथक्तारणां व्याण्यायुः। एमवः एमवाय एमव्युः ॥ २ ॥ म मः भवत्र मार्शरव माञ्जाय मार् ৰ্বতে। শং রাজ্যোবধীত্যঃ॥৩॥ বত্তবে রু স্বতব্সেহরুণায় দিবিস্পৃশে। সোমায় গাথনষ্ঠতে - : উপাইম গায়তা নরঃ প্রমামায়েন্দ্বে। অভিদেশ। ইম্কতে ॥ ১॥ অভিতে মধুনা সীদত দধ্রেদভিজ্ঞীনীতন। ইন্দুনিব্রেদ্ধাতন।।১।। অমিত্র বিচর্ণিঃ পবস্ব সোম শংগবে ১१० (मर्टबर्ट्डा) व्यक्तकाक्र ॥ १॥ क्वा अत्राधनीकर ममाम निर्विष्ठारम । भन्निक्ष्मनमन्त ि ।। ।। अवमान सूरीर्वार द्राहार त्याम जिल्लीर नः। इन्मिवटस्यन त्या मूका ॥।॥ ऽऽस्

अमिन् श्रियक्टल ॥ < ॥. थावां शिक्त तिया जिम्ह निया जिम्ह निया । कियन तिया । कियन तिया । त्मामः भूनारमा व्यर्धि महत्र्यशास्त्रा बाउग्रिवः। तास्त्रातिक्रमा निक्रज्म।। ।। भव-कहु ज्या । । निर्ভाटखाट्या वनक्षितिमिष्टः प्रवृष्ट्यः। हिम्नाटना मान्नया क्रुपा ॥ ५॥ काजिथिया किरम्भिन। टमाटमा हिमाटना व्यक्ति। निर्धमा भावता किरिः॥ ७॥ जाभित्यान जञ्चक भारवा वस्तर म माउन्नः। इन्नर त्मायमा भी जरम ॥ र ॥ मम्हार त्याजि माष्ट्र मिटकाक्रमा विभिष्टि । त्मारम्। त्मोत्री जाविज्ञिङ ॥ ।। मिटवा नाञ् विष्कर्माक्रमा वारत মনীয়তে। সোমো যঃ মুক্ততুঃ কবিঃ॥৪॥ ষঃ সোমঃ কল্লোষাস অন্তঃ পবিত্র আহিতঃ। टमामा जरुधमिक्दरः क्रुडा याडमा मामरन। इक्नाम मधूमखमाः ॥ ।। ज्ञितिथा क्षांत्रज्ञ त्रविश् महस्त्रवर्ष्टमः। षात्य हेल्मा व्याष्ट्रिवम् ॥ ३ ॥ ३२ ष्ट्

দানম্বস্যবেঃ কিপ্ৰশ্ভি প্ৰণায়ত। সুদাৰং দেব্বীত্য়ে ॥ ২॥ প্ৰল্ভে বাজসাত্যে সোমাঃ 

न निर्मिक्म ॥ १॥ ।। व्याजिकिको जिङ्गका भवाकिभाष्यभूता । वश्र्मिशर्कि १९ विष्म ॥ ७॥ बाडि क्रिनेः ममधाउ मळ्युवीतियम्माठम्। श्रेषा गृष्णा वाजिनः॥ १।। भारितियानि यक्नीख्यक्षतः भक्ष जाजा जनमातः। भतिक् भूचि धर्गम्॥ ।। आहमा खिशाता तरम অত্যাসং জিপ্রতে যুজা।। ৪।। নদীভিধো বিবস্বতঃ, শুলো ন মাদ্জো যুবা। গাঃ ফ্ণানো कर्मसीमा वाश्विष्य म । मध्यित । मध्यित भाष्टाखाः।। ।। कूछे हेन्सांत्र मदमत्रः भाषाम किनक्रिम् । विश्वा व्यमिष्टियां व्यक्ति। ।। व्यभेष्टत्यां व्यक्षांम्। भवमानाः स्रमृभाः। द्या किरमा स्रवीराम् ॥ ४ ॥ ८७ नः महास्रां शहार भवस्रिमास्रवीराम् । स्रवाना त्रवाम हेम-वः ॥ ६ ॥ जज्मि घोमानरङ्कुच्डित्रम्थः वोक्नमांज्यः । विवादमवामान्यः ॥ ७ ॥ वाचा পরিপ্রাণিষ্যদ্ কবিঃ সিন্ধোর্নশাব্ধিশিতঃ। কারং বিজ্ঞৎ পুরুম্পুষ্য ।। ১।। শিরা বিশ্বে দেবা অমৎসত। धनी গোভিৰ্মায়তে।।৩।। নিরিণানো বিধাবতি জহজ্যাণি তামা। मर्भिषिष्यानि त्रांमभीषिष्।। षष्ट्रिन याञ्चार्युः॥ ৮॥ ১४४० ब्हिज्या मीम् ।। ३७%

এষ ধিয়া যাত্যগা শুরো রথেভিরাশুভিঃ। গচ্ছনিক্রা নিক্তম্।। ১।। এষ পুরুষি

मध्कमोमिन ॥ ८ ॥ व्यञ्जी मरमिजितिक्त हेन्स स्मोग व्यत्यक्त । भरह जन्नांत्र कार्तिन ॥ ६ ॥ ५१५ বতা পধা। যদী তুঞ্জতি ভূণ্যঃ।। ও।। এষ শৃঙ্গাণি দোধুবচ্ছিশীতে ঘূথো। র্ষা। নৃষ্ণ ं था एक ट्यांजीत करना त्रमर महात्र श्रमत्त्र । मत्त्री मेक्टक्लाजनाः ॥ ऽ ॥ क्यां हक्तम-प्यां अक्सा ॥ 8 ॥ अय क्रंक्षिण्डोग्रट वाकी खटाबां इश्खिङ। भाउः मिस्नार्ड-चि मर्कामू भए प्रांति क्षांत्र व । व जिल्ला क्ष्मी विष्युकार मना किए भा कि वि त्रेथामरमी वमानमन्त्रमा। त्रीमामर्शुमु मन्ष्ठिम।। २ ।। ज्यन्न्यम्भा मूखेत्रः त्रामः भविज-১৭১ যায়তে রুহতে দেবতাতয়ে। যুত্রাস্তাস আসতে ॥ ২ ॥ এম হিতো বিশীয়তে হন্তঃ গুডা बन्।। ८ ॥ अम वस्त्रीन मिक्ना भक्षमा महिना जिल्। जिल्लातमह शस्त्रित ॥ ७ ॥ अत्र म् छ-बास्का भूनीशोक्साय भाउत्य । ७॥ अभूनानमा ८००मा भामः भवित्व व्यविति। क्र्या পুনানো রূপে অব্যয়ে বিশা অধিন্নভিত্রিয়ঃ। শ্রোন গোষু তিষ্ঠিতি।। ।। দিবোন সালু পিপুয়েশী ধারা স্মত্স্য বেধ্সঃ। র্থা পবিত্রে অর্ধতি। ৭।। সুং সোদ বিপন্চিতং তনা शुमान काश्चर । जरवा वादर विश्वविम ॥ ৮॥ ১५२० मर्ख धीजाः। यात्रुषः मन्त्रमम्॥ ।। ১৫ स्॰

ি প্ৰিয়েশ্বে সিন্ধবো দ্বলে। ব্ৰাণি ভূণ্যঃ। সোমা অস্থ্যম্শিবঃ॥১॥ অভিন্ধ-वानाम हम्मत्वा द्रकेग्नड भिषिवीमिव। हेन्स् मागातमा जफ्तान् ॥ २॥ जजुर्मिम ६मत्त्रा मह সোমঃ পবিত্রে অর্থতি। বিশ্বনকাংসি দেবয়ুঃ। ৩।। আকল্লের ধাবতি পবিত্রে পরি-िषठारज। उक्टेथर्यरब्छम् वर्षारज्या ८॥ ज्याज्जी त्माम त्रांघना त्रांच्म जांकरम मिनम्। ह्रिक्ट एक्वंत्र (ठिक्ति १३ ॥ ॥ ॥ जिल्लिं विष्यो जन्य ५ क्ष्मा ज्या का क्षा क्षा कि कि विष्य ॥ ७॥ ज्युङ्। योकिनः नत्रांथां जिस्यां व्यवमायः । रुक्जि प्रवर्जाज्यः ॥ १॥ मत्यांथात्रा

भित्रक्षवात्ना भिष्किकोः भिवत्त्र त्मात्मा अक्काः। गरम्यू मर्क्षा अभि ॥ ऽ॥ घर विध भरम ॰ ॥ ७ ॥ जारम विश्वानि वांत्री वस्त्रीन क्खरम्राक्रम । भरम्यू ॰ ॥ ४ ॥ य हरम (बाम्मी . छ< कविष्यु श्रकाज्यक्रमक्षमः। मरम्यु । ॥ २ ॥ जव विरुष्यं मरकामरमा रम्बामः भोज्यां मे । मरी मरमाउरत्नव (मार्राउ। मरमः ॥॥॥ भित्न (यो (त्राममी डेट्ड मरमा। वारक्डित्रविछ। गरम ।। ७।। म अमी कलत्वाकांत्र्नारम्। व्यक्तिम् । मरम् ०।। ४।। ४४ कृ० मक्ष्कत्र डीक्ट मध्यमामह। ठाक्र्या जात्र भोउत्त ॥।।। ऽ१ष्ट्र

যৎ সোম চিত্রমুকথং দিকাং পার্থিবং বস্তা। তন্ত্র পুনান আভর।। ১। যুবং হি স্থঃ

विक्षि। हिन्नः मन् व्यानिमामम् ॥ ७॥ ज्यावमाख योज्या व्यज्मापिरत्रज्मि। स्र्त्नार्ख- दममा माउँ ।। ।। क्विष्म् मनाखीं ।
 भूमारमा गर्धमामध्य। याः अज्ञः पूर्वाज भगः।। ৫॥ উপ্শিক্ষায তছ্বো ভিয়ঃ সমাধেহি শক্ত্যু। প্ৰমান বিদা রয়িং॥ ।। नि শক্রোঃ ट्रम्म इंकार मिख्यार निवर्शक्त । मृत्र वा मत्जो जिन्त वो ॥१। ५३ रू.

ष्मसूछ ॥ ६ ॥ म बिह्नत्रम् मुकेटता श्रकामात्मा गंडत्खाः। तमायन्ध्यू मीमिछ ॥ ७ ॥ की- ५१२ क्रमात्याममश्रम्भः भवित्र तमाम गंक्षिम । मधद खांत्व ऋवीर्यम् ॥ १ ॥ २०२० अक्विट्र्यंत्रदी उट्ट्रिंट्रिंगा बार्डिड्रिंडिं। माक्काविया जिल्ल्युम्ड ॥५॥ महिम्रा वा क-রিজ্ভ্য আবালং গোমন্তমিল্ডি। প্ৰমানঃ সহব্যিণ্য। । পরিবিশানি চেত্স। ফশসে ইয়ং ক্ষোত্তা আতর ॥ ৪॥ বং রাজেব স্করতো গিরঃ সোমা বিবেশিথ। পুনানো বরে भैत्रम मञी। म नः मामज्ञात्यो विषः ॥ ७॥ जाजार्ष बृष्ट्म्यत्नां मघवत्ष्कां अन्यः त्रिम्।

ফুজঃ সুষয়ে বরিবোবিদঃ। স্বয়ং জোত্রে বয়স্কৃতঃ।। ২ু॥ রথা ক্রীডন্ড ইন্দবঃ সধস্বমভ্যে-जरक धावलीम्बनः स्मामा इन्साम् मुष्माः । मदमन्नामः सर्वितः॥ ।। व्यव्नेराज्ञा जान्नि

के उषीर नदर मधाजा (कजमामिरमा। खकाः भवंद्रमर्गा॥ ।। जब छर्जा खबीदमम् কুমিৎ। মিকোর্কাব্যক্রন॥৩॥ এতে বিশানিবাধ্যাপ্বমান্সে আশিত। হিতান সপ্তরো রংগু। ৪। অনিমন্ সিশক্ষিক্তেবা দ্ধাত। বেন্মাদিলে। যে। অস্ভ্যমরাবা॥ ৫॥ ঋজু वरि भागाम जाभरता तथा हैव ध्वर्गाक्रिमः। मनीः म्यो जर्ह्यण्॥ ।। वरि वांण इरबाबरः भक्तमारमाय वृष्ण्यः। व्यद्भावित ज्ञमा वृथा ॥२॥ ५८७ भूज विभिष्णिज्ञः मामारमा मथामित्रः। विभावामक्षित्रः ॥ ७॥ जाउँ स्का व्याद्याः मस्वारत्मा न नोबागुः। र्यक्षक्रङ भरम् त्रकः॥ ८॥ । । । । वर्षि भूको निर्दामत्मा विष्यात्रात्वा वर्गमभः। । छर्छ-দুমুত্মং রকঃ॥ ৫॥ ডক্তং তম্বান্মুত্মমূর্প্রত আশত। উত্তেদমূত্মায্য্য। ।।। তৃং মোম त्यामा ज्यस्थामां वार्थामाममा भारता। ज्याणिकियानि कांता।। ।। ज्यस्थामा व्याव्यवः भेषः नक्तीत्वां व्यक्तग्रः न कट्ठ जनन्छ क्र्याम्॥ २॥ व्याभवमान तना छतारम् । व्यम भिष्डा ज्यावस्त्रभवानि श्रानग्रः। उठ्ड उद्धम्पिक्षमः ॥ १॥ १२ स्काम्। काछो १ वाजिएन। जाका । मण्ड थामाविष्वीणिम् ॥ १॥ २५ क्रु

अत्यो गंग्रम्। कृषि श्रकावजीत्रमः॥ ७॥ जिन्तिमागाम जाग्ननः भवत्त्व ममार ममम्। जिन्ध-

১९७ (कांगर मश्रुम्फ जम् ॥ ८॥ तमात्मा व्यर्गि धर्गिमस्थान क्विमात्र तमम्। स्वोत्त व्यजिनिष्

व्वक्खरमाक्र्यिध्वित्रभ्रमामाः। अधिः भावत्मे षाष्ट्रजः॥ ४ ॥ अधिः भावक छ। । त्रामः भाउँर । जुष्टिर्यट्रे विम्हेश्रत ॥ ७ ॥ घर (माम ज्यामनः भवत्र कर्षनी मरह । मिट्रारी बाज् मामाः।। ॥॥ इत्मा यम्प्रिज्ः युष्डः भवितः भिष्यविभा । अत्मिक्ष्ण थात्म ॥ ॥ भवय भीट्वा अर्थ चनुत्रांत्रा न यावणात्रजीः। शुनाना हे स्मनाना ज। ॥ याभवमान धन्नि (मारम् सा अरमामारमा व्यक्तिक भवमानाम इन्मवः। जीनान्। व्यम्प्र म्छा ।। व्यक्ति भी ।। इस्मात्र (मात्र भवत्य (मात्रजा मध्यामाः। इत्मा वार्षः मियामित ॥ ७॥ ज्ञ भीड़ा महानामित्सा इजानाथिडि। जयान जयनक जू ॥ १॥ २७ श्रुक्या कुछन्य मधः। त्मर्गर्वात्रमन्त्रम्।। १॥ २८ कुछम्।

अवस्त्र मंक्कमांधरना त्मरविष्ठाः भीउरत्र स्त्ता मक्रत्या वांग्रत्य ममः॥ ॥ अवमान थि- ५१७ স্তাস আসতে ॥ ৪॥ অফ্ষে। জনয়ন্ শিরঃ সোমঃ পবত আয়ুষক্। ইন্দ্রং গরুন্ কবিক্র-मान्धियः। इज्रह्। त्मर्योटमः॥ ७॥ विश्वांक्रभागाविश्यं भूनात्मा याजि हर्वजः। यज्ञा

कुः। ६॥ जांभवत्र मिल्डम भवित्रः शांत्रग्न/ कत्व ज्यक्ति त्यांनिमांमम्न । ७॥ २६ प्रजन्म।

उमस्कान वाकिनमूनीट्य व्यक्तिन्त्रिय। विद्यारमा व्यन्त विशा ॥ ।॥ उ॰ भारता व्यन्त स्वे अहंत्यवाद्रम् किन् । हेन्स् वर्डाद्रमानिवः॥२॥ जः (त्रधाः (मध्राष्ट्रम् भद्रमानम्थि-मावि। श्र्रीमर कुत्रिधायमम् ॥ ७ ॥- जमश्म जूतिराजापिया मर्यमानर विवयवः। भिज्

का उर की विश्व (त्रथमः भवमान गित्रावृथम्। हेम्पितकात्र मदमत्रम्॥ ७॥ २७४०।

अस क्रिका कि जो प्रतित्व ज्यि (जाना जार्म जाना मन्निक्ष ।। ।। अस हेन्स्र

मार्टा अमार्टाम् ॥ ८ भागाविष्कागर्या स्तिर स्थित्राप्तिः। स्थेटर ज्तिरुक्षमम्॥

इस्। ऋष्डः। त्मारमा बटनमू विश्ववित् ॥ ७ ॥ अम् गेत्रविक्तिम् श्वमारमा हित्रगाग्नुः। स्नुः नाग्रत्य स्विकित भरितिक । भरित्व मक्तमाथनः ॥ २॥ जाय मृजिसिनोग्रत्य मित्रा मुक्ती

मजाकिम्छ छ।। । अय स्ट्रांग हामट्ड भवमात्ना जिवमा्व। भिवट्ड मदमत्ता यमः अम क्यामियामम्खितिक त्रमा हतिः। श्रनान रेन्यूतिस्मा ॥ ७ ॥ २१ स्काम्।

अय बाझी हिट्छ। मुखिति भिविद्यम्भभ्या छि । जारवागिहर विधावि ॥ ५॥ अय भिवर्ष

আকরৎ সোমো দেবেভাঃ স্থতঃ। বিশ্বধাধাশান্যাবিশন্॥ ১॥ এম দেবঃ শুভায়তে মিয়ো

नीक्त ॥<। न्यत्नाका मधुमकम् त्मामिक्तात्र नक्ति। ठाक्र भन्तात्र मदम्॥<।। ७० स्० रैवधंरमा भुनखंडकाद्रादा भिंदा । ज्याजिक्क क्वानमुक्थाम् ॥ २ ॥ ऋषहा त्माम ज्यामि (ज भूमा-ना इं शकुन्ता। निका म्याप्रमुक्षाम्॥ ७॥ निका निका मर्काम् भन्य माम धानमा। इत् (पृष्टिंदिम मधाक ॥ ८ ॥ तक्काञ्चरम। जातक्रमः यमार ममभा कछािट । निरम् यज् मुमुर्गर र बीइबख शुक्रम्मृहम्। भवष मोग बाह्या। ७ । थामामा जिंधाह्या भवमात्मा जिम-ষ্যদ্ধ। জাভদ্রোণান্যাসদ্য ॥ ৪ ॥ জন্ম ত্রা মধুমত্রমং হরিং হিষত্যদ্রিতিঃ। ইন্দবিন্দার योमा थात्रा जक्ततम् तृष्धः ऋज्तमोकमो। त्मरा जञ्जाज्यज्यक्। । ॥ मिथिर स्किन्छ या नः त्माज्ञिक् कामानः कनिक्तर। इत्रि वध्निमिक्यम्।। यानः खग्नर नृषाण् নাবদর্জঃ। রুত্রহা দেববীতমঃ॥ ও॥ এম রুষা কনিক্রদদশভির্জামিভিযতঃ অভিদ্রো- व्यथात्रां जामा श्रीवाला व्या भवित्व व्यक्तत्रम्। भूमात्मा वाविष्यावि॥ ३॥ वृक्त्यि गिनि अपिनि । । । अये क्षीमद्राह्य भैरमोदन। विहिनिः। विश्वांशोमानि विश्वेविद् ॥ ६॥ । ৫ ॥ अदम् निर्मिष्ट अग्निर मिनार निनम थात्रा। मूम्बर अग्नमञ्जा ॥ ७ ॥ २३ क्ष्रम्। এম শুমুদোভাঃ মোমঃ পুনানে। অর্ধতি। দেবাবীরঘশংসহ।॥ ১॥ ২৮ স্থুক্তম। 298

• "आरमामामः स्राधः भवमानारमा जाकमूः। इशिर क्रुजि एउनम्।। ।। मिवण्यु-থিব্যা অন্ত্রিত্বেশে। দুয়েবর্দনঃ। তবা বাজানাং পতিঃ। ২া। তুভাং বাতা অভিথিয় স্তভ্যমুধ্যি সিন্ধবঃ। সোম বর্দান্ত তে মহঃ॥ ৩॥ তাপ্যায়ষ সমেতু তে বিশ্বতঃ সোম ं आस्मारमा मम्हाउः खंबरमत्ना म्रवानः। ऋष्ं विमर्थ बाक्रमुः ॥ ऽ॥ बामीजि-क्षाम्। ज्या वाज्य मकरथ ॥ ८।। जूजार गीत्व मृज्य भागा बत्जा पूम्ह जिल्ला । नुर्वित्के जाधिमानि ॥ १॥ याग्नुधमा ८७ मर ठ। जूरनमा भर ज्यम्। हरमा मथिषुभूषाि 1 ७॥ ७५ म्लम

अरमामारमा विभिक्तिज्ञामानयस्त्रामाञ्जा वनानि महिया हैव॥ ऽ॥ अधित्रांशानि अन्दर्गियम् विषयमित्रम्। बर्डा न भिष्टिकार्ड। ७॥ ट्रिड मिर्मावर्डाकम् स्रि ন ডক্তো অধ্সি। সীদয়্তত্ত বোনিমা॥৪॥ অভিগাবো অনুষ্ত বোষা জার্মিব থি-त्रम्। ज्यनोत्रां विश् वर्षाहित्य्॥ ८॥ ज्यत्य (थिहि मुग्रम्यत्भी गथवद्धांभ्यः गब्र् ६। मनिर् ज्य त्यायत्ना स्तिः विश्वतात्विष्टिः। हेन्युनिन्धात्र भीजत्त्र॥२॥ ष्यामीर हरत्मा यथा (मधाम्जाबदः ॥ ७ ॥ ७२ क्लम्।

হরিরেতি কনিক্রদ্থ ॥ ৪ ॥ অভিব্রদীরহূষত ঘদীখতস্থ মতিরঃ। মহজাত্তে দিবঃ ১৭৫ বজবঃ শুক্ত ধারয়া। বাজং গোমন্তমক্রন্॥ ২॥ স্তা ইন্দায় বায়বে বরুণায় मक्ष्याः। त्मामा व्यर्विक विकाद ॥ ७॥ किट्या वांठ किमीबट्ठ भोरवा मिभक्ति (थनवः।

निध्य। १। ब्रायः ममूमं निष्ठुत्वाक्ष्मजार त्माम विष्ठः। जाभवय महिमाः । ६।। ७७ मुक्स

" अञ्चर्तातम् बाउर्रा द्वतम्क् रिवातम् वर्षित। ककं कृ हारिवाकिमा॥ ।। ग्रज रेक्साय ৰায়ুৰে ৰক্ষণায়-মক্জাঃ। সোমেশ অৰ্তি বিষ্ণুৰে॥ ২॥ । ব্যাণং ব্যতিষ্তং স্মৃত্তি সোম-भवितिः। मुर्खि भक्षमा भग्नः॥ ७॥ जूर्विज्या गर्का जूर्विष्योग मुर्विष्योग मध्मतः। मध्मतेभद-काटि হয়িঃ॥ ৪॥ অভীস্তত্ত বিউপং দুহতে প্রিমাতরঃ। চারু থিয়তমং হবিঃ॥ ৫॥ मसम्बम्भ जा हम। गिर्दा व्यविष्ठ मञ्जठः। स्यूक्तित्वां व्यवीयम् ॥ ७॥ ७८ कृष्णम्।

ब्या नः भरत्र थांत्रग्न भवमान त्रांत्रः भृष्य्। यत्रां क्यां जितिमामिनः ॥ ५॥ इत्मा मभूम-मीबान भवत विवादमान । द्रांत्या थर्डा म अन्त्रमा ॥ २ ॥ प्रुश वीत्रत वीद्रत्वार्चाच्याम भुष्पा-ডঃ। क्रद्रारण অভিবাধ্যম্॥ ७॥ প্রবাজমিশুরিয়তি সিষাসমাজসা ঋষিঃ। বতা बागूमा ॥ ८॥ जन्नीर्डिकां ज्योत् श्रुमानः यामग्रामि । त्यांगः जनमा त्यां भिष्टिम्॥ ८ वित्यो यस्त्र जात. माधांत्र धर्माश्मात्त्वः। शूनांनस्य श्रष्ट्रांताः। ७॥ ७৫ स्थलम्।

जमक्ति इरथा। यथा भवित्त करमाः स्ट डः। काग्नं वाजीनाक्रमीत ॥।॥ म विकः तमा

म काश्विः भवत्र (मवतीत्रिः। क्षिष्टिकांन्य मध्कुष्ट्वम् ॥ २॥ म त्नो (क्रांजीशिष श्रेकी

প্ৰমাণ বিরোচয়। ক্রত্তে দক্ষায় নো হিন্ত ॥ ৩ ॥ শুভামান খাতাযুভিক্জামানো গভ-

द्रिक्काः। भवत् वाद्य ष्रवाद्य ॥ ४॥ म विषामाण्यम् - वञ्च त्मारम्। मिवानि भाषिता।

भ्वं ज्यांस्टिकिशा ॥ ६ ॥ ज्यामिनम्बृक्यभ्वृत्र्वाष्ठ्रः त्याम त्राहिम। वीवष्ठः भवमन्त्रोत्

॥४॥ ७७ श्रक्तम्। ४

ः मञ्चलः भौज्यः वृषा तमामः भिवत् व्यर्धि। विष्यकार्धिम प्रविष्यः॥ । ॥ भिवर्

विष्कर्म इतित्रर्घे अर्गितः। व्यक्तियानिः किनकम् ॥ र ॥ मं योको त्रांत्र्ना मिनः भेव-मात्म विधावि अत्कार्श वात्मवात्रम् ॥ ७॥ मजिङमाधिमानवि भवगात्म। ब्यत्तान्ति ।

मह्द ॥ ६ ॥ म एम्वः कविटन्षिट्वाश्चित्वानानि धावि । हेम्पूतिकां मध्हन ॥ ।। ७१ स्थ

জামিডিঃ স্থাৎ মহ। ৪। শস্বুনুহা বৃষা স্কতো ব্রিবো বিদদভিঃ। সোনো বাজমিবা-

क्रमीयाक्रा ॥ । । । जादिवामन् भाग्रावर्णाश्या व्यवीवजः श्रुजः। हेन्नाग्न मिग्राज् ५१७ এम উস্ত বৃদ; রথোখবোবোরেভিরম্তি। গক্ষন্ বাজৎ সহ্সিণম্।। ১ । এতং ত্রিতস্ত • ज्यमा ययोज्यञ्जिर। वृक्तिः मिनः भित्रज्ञन ॥ १॥ छ्र छ- जि । भिर्ज ज्या विभिन्न मधान अअमा। विज्ञात्रा विर्याष्ट्रम् ॥ ७॥ व्यार म त्या मिनम्भित उमायामाभिविज्ञ जा। मिरका मधु ।। ৫॥ ममोठीमा षास्त्रक हतिः हिन्नकामिण्डिः। त्यामार्कामा भीष्ठ ॥ ७॥ ७५४० भूनाहमा जक्रमीमां जिथास्टर १ विठार्षा १ । अञ्चा विषय पीटि । । ।। जाता-ত আশুরুর ইংমতে পরিপ্রিয়েণ ধাম।। যত্র দেবা ইতি ত্রবন্।। ১।। পরিষ্ণণু মনিষ্ণতং क्रिकेङ्शाक्रह्मायम्बर् र्या क्रुडः। क्रुट्य मम्मि मीम्डि॥२॥ ब्रुट्ना ब्रन्नि गर्शमित्म। যোষ্ণো হ্রিং হিল্লগ্রাদ্রভিঃ। ইন্দুনিক্রায় পীতয়ে ॥২। এতং ত্যং হরিতো দশ মফ জ্য-शक्छम् कारता न त्याविष्ण्य ॥ ६ ॥ अयमा मरम्या तरमावहर मियः निष्णः। य हेन्सू स्रोतमा-निकादन है। अषमा भी ठाय ऋटक। इत्रिवर्शिक भ्रामिश। क्रम्पम् यानिम्डियिव्योग्। ७॥ ক্তে অপফ্যবঃ। যাভিৰ্দায় শুভতে।। ৩।। এথস্য মাত্ৰ্যীষাশোনা নবিক্ষ সীদতি। ७४ क्लम 298

विमाः मर्श्यनीतियः ॥ ४॥ म नः शूनान व्याज्य ततिः छाटा यूरीयाम् । कविष्क्रीका হমুত্যং সোল বিশ্বতঃ। আপিবস্থ মহজিন্য ।। ত।। বিশ্বা সোম প্ৰমান দুয়োনী কৰাজ্য।

প্রে গাবোন ভূণ্যত্ত্বেষাঅয়াসো অকুমুঃ। প্রতঃ ক্ষোমপ্রচম্ ।। ১॥ অবিত্সা মুনামহে হতিমেতুৎ দুরাব্যে। সাদাংসো দস্তামত্তন্।।২।। শ্বে, র্ডেরিব স্বনঃ প্রমান্স্য নিরঃ॥ ৫॥ পুনান ইন্দবাভর সোম দ্বিভহসং রয়িম্। রম্মিন্দো ন উক্থম্॥ ৬॥ ৪০স্থ

রে। সোমাঃ সহস্রপান্তমঃ। ৩॥ দুহানঃ প্রুমিৎপ্যঃ পবিত্রে পরিরিচ্যতে। ক্রন্দন্ দেব। অজীজনৎ।। ৪ ।। অভিনিশানি বার্যাভিদেব। ঋতার্ধঃ। সোমঃ পুনানো অর্বিতি। ৫॥ अभिष्ठ। চরভি বিদূতে। দিবি॥ ७॥ जाभदय महीमियु९ भाषितमा हिंद्रगायदा ज्याचा-: अन्म प्रम् (द्रांष्टमा मिर्या अन्य अभी क्र्याम् । यमारमा भी खरभी हिन्छ।। ऽ।। अय थर्ष्डम সমুন দেবো দেবেভ্যম্পরি। ধার্য়া প্রতে স্থতঃ।২।। বার্ধানায় তুর্যয়ে প্রতে বাজ্মাত-वक्कांकवद छ्वडः ॥ १ ॥ म भवका विष्ठरंग जामही द्राम्मी भृग्। ' ख्वाः क्र्यां न द्राभाष्डि ा है।। भित्र १० मर्भ वध्या थाइश (म्राम विष्ठः। मन् इत्मव विकेशम्।। ४।। ४५४०० শোষনঃ সোম বীরবদশাবদ্বাজবৎস্ততঃ। পবস্থ বৃহতীরিষঃ।। ৬ । ৪২স্থ (यो अन्नाइन स्कारक भोडिस्माय स्पन्तः। उक्नोर्डिसामग्रोमि ॥।। ज्य तम विका

्मा मीर्डि8 मिन्नक्र ज्ङ । विक्रमा त्यक्षाण्टियः ॥ ७॥ भवमान विमा त्रिमम्बङा त्माम जनमार्या भिन्नः শুদ্ভি পূর্বপাশ। ইন্দুদিন্দায় পীতয়ে ॥ ২ ॥ পুনানো ঘাতি হ্যতঃ সো-'ষদ্কল্যাতি দেবয়ুঃ।। ৫ ।। পবস্থ বাজ্নাত্রে বিপ্রাগ্ গৃণতে। রূথে। সোম রাস্থ স্ববীগাম্ अभिष्म्। ईत्मा महत्यवक्षम्॥ ॥॥ विमुद्गाजा न वाक्षम्क् किनकिन्छ भवित जा। 1 | 多 || 8 0 交 四 五 |

মধুরম্ । বহিঁগুঁ। আবিবাসতি । স নৈ\ ভগায় বায়বে বিথাবীরঃ সদার্ধঃ । সোমো দেবেষা- ১৭৭ য়ম্ব।। ৫।। সনোতাদ্য বস্তুত্যে ক্রতুবিক্ষাতুবিত্তমঃ। বাজং জেষি ঐবো বৃহৎ ॥।।।। क्रा हिल्डः मारमा हित्म भेदार्वित। विश्वमा थांत्रमा कविः॥ ।। जायः मिरवम् कांगृवि भूष वि भिष्य जा। त्मारमा यां विष्ठिति ॥ ७॥ म नः भवत्र वाष्ट्राम् कां भक्ष ् थ । इत्मा महरूजन खिम्बर न विजनमि । अखिरमेर् विश्वामहः ॥॥ मडीकुट्डे थि-88 स्टब्स

- . म भवष ममाग्रकः मृष्णा (मववीज्या । इम्बिक्या भीज्या ॥ ।। म त्मां व्याजि-

मनाग्रकम्। वित्ना बारम् मूर्त्रा वृषि ॥ ७ ॥ ज्यकुर भविजमक्योषाको भूत्र न यांयनि । डेकू-দুতাই অমিক্রায় তোলমে। দেবান্ সখিত। আবর।। ২।। উত স্থাস্কণং বয়ং গোভিরজ্যো एकत्वय यठाएक ॥ ४ ॥ भभी मथीत्यां व्यवतम् वत्न क्रीएखमञाविम् । हेक्ट्र नावां व्यव्यक् • जम्हार (मनवी उत्तर ज्ञामः क्रमा हैन। क्रम्खः भर्ष जाव्यः॥ ।। भनिक्रजाम हेन्मरन ॥ ६ ॥ ७३१ भवत्र धात्रम् यम् भीटक विष्मत्म । इत्मा त्यात्व स्वीर्मम् । ७॥ ८६ स्

সুতাঃ। ইকং বর্ধন্তি কর্মতিঃ।। ও।। . আধাবতা সুহ্তাঃ গুকা গৃত্ণীত মন্থিনা। গো जूरदा উक्षर यममा कांग्रट ॥।।। यग्नर कविरिषर्विति विथांग त्रज्ञिक्छि। यमी मर्चकारि ह्याह्यव निवावजी। वाषुः माम। जन्मजा। १॥ जह्न तमाम इन्मवः व्यात्रक्रिक् ज्या (मामः अक्राज्या महिन्द्रम्डावर्षा । मन्ता डेब्स्यायर । । इडा नाममा कर्जा-ভিঃ জীণীত মৎসরম্।। ৪,। স প্বস্থ ধনঞ্জয় প্রয়ন্তারাধন্দো মহঃ। অস্মভ্যং সোম গাজ্বিৎ क्टिक मुक्राउर्ग। भागित्रुषः कार्राउ।। २ ॥ जार त्माम केस्मिर्ग दिमा विकः महत्त्रमा थि १३ ॥ । मिर्मामञ्जू न ग्रोनाः नाटक वर्षान् । ज्याम् जिन्नामि ॥ ६ ॥ ८१ स्क्रम् । । ए ॥ जबर स्किन्धि मर्कार भवमान् मन किन्। हेन्सांत्र मरम् ॥॥॥ ४४ यन्न

তৎ জ্বা নুষ্ণানি বিভাতৎ সধস্থেয়ু মহো দিবঃ। চারুং সুরুত্যয়ে মহে।। ১।। সংযুক্ত

८भी भी रूजमा विर्देश ।। । जा कियान हिम्मार कारा महिम्मानत्म। जा जिक्कि हि-ধুষণ্ড মুক্ধাং মহাগহিত্ত গদম্শ শতং পুরো কক্ফণিশ্।। ২।। অতস্ত্রা রয়িমভি রাজানং क्यक्टा मियः। क्रभार्गी व्यवाधिर्द्धा ।। ।। विश्वमा हेष्कुर्भ माधाइन बक्रक्ष्यम्। हर्सिन्ड ।। ६ ।। ८४ व्यक्त

অমত ৎ বৃষ্টিমাপৰ ॥৩॥ স ন উক্তেইব্যাব্যয়ং পবিত্রং ধাব ধার্য়া। দেবাসঃ শ্বৰ্হিক্য্ ॥৪॥ े भवत्र वृष्टिमाञ्चरमा यामू मिर मिरम्भति । जशक्ता वृङ्जीतिषः ॥ ।। जन्न भवत्र भावता वशे गांव ईशाभम्। जनाम डेभ (मा शृष्म्॥ २ ॥ घ्डं भवत्र धांत्रा घट अतु (प्रवरोजमः। শ্বমানো অসিষদদ্রক্ষাংস্যপজত্ত্যন্ত। প্রুব্রোচয়ন্ রুচঃ ।। ৫॥ ৪৯সূত

डेटज लग्नांम में ब्रट्ट मिटक्रांग्रत्मीत्व यनः। वाजमा हामग्र भविम्।।। अमरव ज डेमी- 29म व्योनिमामम्म्॥॥॥ म भवश्र मिन्छम गीजिङ्गक्षारम्। जङ्गु जिः। इन्मविज्नात्र भोज्रज्ञ ॥ ॥ ॥ ७० ज्यू० ত্তাদ্রিভিঃ পিবমানং মধুশ্চুতম্ ॥ ৩॥ আপিবস্থ মদিন্তম পবিত্রং ধারয়। কবে। অক্স্ इट्ड जिट्टम वर्टा मर्थका वह । भेरता अधि मामि ॥ ।। जह गा वर्टा पहि भीत्रिया हि हि

• व्यश्चर्या अमिण्डिः स्रज्ञः (मामः भदिव जारम् । भूनीशिक्तात्र भाउत् ॥ ५॥ मिन्ड পীযুষমুভ্যাৎ সোমমিন্দায় বজিণে। স্থানোতা মগুমতামম্।। ২।। তব ত্য ইন্দো অন্ধাসো দেবা মধোকাতাতে। প্ৰমান্স্য মক্তঃ। ৩ ।। স্বংহি সোম বৰ্ষয়ন্ৎ স্বতো মদায় ভূণ-

ध्यंतः ॥ १ ॥ १५ ष्ट्रास्त्रम् ।

রে। ব্যন্সোতারমূতয়ে॥৪॥ •অভ্যবর্ষ বিচক্ষণ পরিত্রং ধরেয়। স্কৃতঃ। অভিবাজস্ক-

শীস্তায়। ববৈধব্যধ্রবীজ্ঞান। নিশুগ্রমিন্দবেষণি প্রুচ্ত জনানায়। বো জামুণ আদিদেশ-পরিঘুক্ষঃ সন্দ্রগ্রিভরিষ্তাজং নো অন্ধুসা। স্থবানো অর্থ পবিত্র আ।।। ।। তব প্রত্রে-जित्रश्चित्रद्यां वादत भित्रियः। मङ्ख्याद्रांभेख्न।॥.२॥ मङ्ख् यष्ठमीख्रायमा न हान निक्रिष्टिःशक्तमा त्रथमत्य थरन हिट्छ। यदा व्यविक्रायो स्ता।। २।। व्यमा ब्रहानि नाधूरम भवमानमा मृक्ता। क्रक्याका भूजनाजि॥ ७॥ ७० हिम्बि मम्हाज्य हति नमीय वाकिनम्। नुं ॥ ।। भाजः न इन्म छिजिण्डिः मह्यः वा खिनिनाम्। भवत्र मश्रुशम्तिः॥ १॥ ६२ ष्रु

ड्नूमिक्साय मदमत्रम् ॥ ८ ॥ ৫७ ज्युक्तम् ।

वाक्रम्यि मंड थांत्रो वार्षम्यावः। . हेन्स्मा मथामाविमान् ॥२॥ व्यन्धि घो वायवानी मम कांत्र ५१३ ् अट् अर्थ आह्र। अमन्द्रटा मिटन नग्निक वृष्णः। जाक्रांनांकर महिष्यभा।।। जार्षियानि পরিসোদ ঋতং রহদাশুঃ পবিত্রে অর্থতি। বিদ্ধনকাংমি দেবযুঃ।। ১।। যৎ সোমো म কন্যাহ্ৰযত। হজ্যাসে সোম সাত্যে ॥ ৩॥ ত্বমিন্দায় বিষ্ণবে স্বাদুরিন্দো পরিসব। দুন্ ষ্পাতৰ শুৰো যথাতে কাত্মন্ধমঃ। নিবহিষি প্ৰিয়ে সদঃ।। ২।। উত নো গোবিদ্ধবিৎ . यवश्यवश्रमा जाक्रमा श्रुकेश्योकेश भतिक्षव। स्माम विश्वा ह स्मा इत्वामम् गग्नः मन्नाशम धावि । मक्ष व्यवक व्यामित्म्॥ ।। व्यग्नः विश्वानि िक्षि भूनोत्ना ज्युबरमांभिति । स्मारमा स्मरवा न स्पर्धाम् ॥७। भिति भा सम्बरोज्य बार्जे। अर्घमि भा প্ৰস্থ সোমমন্ত্ৰুমা। মঙ্কুতমেভিরংহ্ভিঃ ॥৩॥ যো জিবাতি ন জীয়তে হত্তি শক্ৰমভীতা।। অভা প্রামন্দ্তিং শুক্রং দুদুছে অন্তয়ং। পয়ঃ সহস্মাহ্যিন্।। ১। আয়ং স্থ্য মতঃ। পুনান ইন্দবিন্দুঃ॥ ৪॥ ৫৪ স্ফুল্ । म भेदम महत्यक्षित ॥ ८ ॥ ११ व्यक्तम् । জোতুন্ পাহ্ংহ্মঃ।। ৪।। ৫৬ স্বজন্।

ক্সত্রতঃ। ফোনো নবং ক্সমীদতি॥ ৩॥ স নো বিশ্বা দিবোবস্থতো পৃথিব্যা অধি। পুনান इत्मव्हा ॥ ८ ॥ ६१ क्रिक्

কাব্য বিশা চক্ষাণো অ'তি। হরিস্তঞান আযুধা॥২॥ সমুস্ভান আযুভিরিভো রাজেব

তরৎসমনীধাবতি ধারাস্থতম্যোধসং। তরৎসমনীধাবতি ॥ ১॥ উমা বেদ বস্নাং

अर्जिम। तम्बाजमः। एत्र म । । १ ॥ श्रयत्याः श्रुक्व र जात्रामस्यानि म्यारम्। जत्रम

॥७॥ আয়ুহুয়াজিংশতন্তনা সহসাণি চ দখুহে। তরৎসণ।।।।। ৫৮সুণ ইদং আন্ধা-ब्राप्तिषिष्ठ्यमि ।•

প্ৰস্থ গোজিদুখাজি দিখাজিৎ সোম রণাজিৎ। প্ৰজাব্দুজুমাভির।। গ্ৰস্থাজ্যো অনুদ্ভিঃ প্ৰক্ষোষ্থীভ্যঃ। প্ৰস্ব থিষণাভ্যঃ ॥ ২॥ জ্বং সোম প্ৰমানো বিশাতিহ রিতা उत्र । कविः मीमि विविधि । ७.॥ भवमाना विविधि कांग्रमार्ग उर्ग गर्मा हरमा

প্রগাযত্তে। গায়ত প্রমাশং বিচ্ঠাণিম্। ইন্দুং সহ্সচক্ষমে।।১।। তং ড্রা সহ্স-विश्वां अजीमिमा ।। १।। १३ मुख्या

চক্ষসমধ্যে। সহস্তভ্ৰিসম্। অতিবারম্পাবিয়ঃ॥২॥। অতিবারান্ প্ৰমানো অসিয়াদৎ কল-

मा अधिभावित। इसका श्रक्तिविमान्।। ७॥ इसका त्राधाम काश भेवत्र विहर्ता। প্রকাবদেত আতর।।৪।। ১০ ফুরুম 0 A C

অয়া বীতী পরিত্রব যক্ত ইন্দো মদেষা। অবাহন্নবতীর্ধ।। ১।। পুরঃমুদ্য ইথা থিয়ে

क्टिवामामाम भारवत्त्र । जाभजार जुक्मार यमुम् ॥२॥ भन्नि ८०। जाभमभे विम्टर्गाममिटना वित्र-

॥ है॥ त्य ८७ भविज्युचित्राथिक क्षित्रक्षि थांत्रां। ८० जिक्क त्यां यस्त्रा। १।। म नः श्रुमान

জাভর রয়িং বীরবতীমিষম্। ঈশানঃ মোম বিশ্বতঃ॥ ৬॥ এতমুত্যং দশ কিপো ফজন্তি

আদুয়ুমানি মার্যাণাম্। সিযাসতো বনাম্ছে॥ ১১॥ স ন ইন্দায় যজ্যবে ব্রুণায় মরুদ্র্যঃ

विद्याविद्धानिक्षा ३२॥ डेटभाषू कांजगैथु द्वर त्यांडिर्डकर भित्रक्ष्या। हेकूर पिता

ब्यंग्रीमग्रुः॥ ১७। जिष्यक्षिक ८ना गिर्ता वरमर मर्गियत्रोत्मि । य इत्क्रि श्रम्रमिः॥५८॥

১॥ উচ্চাতে জাতমধ্সো দিবিষজ্ঞাাদদে। উত্তং শর্ম মহিত্রবঃ॥১০॥ এনা বিশ্বানার্য্য ১৮০

क्र्यां छ तामा जिः।। म त्नां ज्ञां वां वां वां व्याप्त श्रायः भवय मधुमान्। ठोक्रमित्व वक्रान ह ॥

সিন্ধুমাতরম্। সমাদিতোভিরখ্যত। ৭।। সমিল্রেণোত বার্মা সত এতি পবিত্র আ। সং

बाबंद । क्को महिष्यनीत्रियः ॥७॥ भ्रतमान्त्रा ८७ दग्नः भवित्रमञ्ज्ञ । मथिषुमार्गोगरर

অপ্দিয়ে জহি॥ ২৮॥ অসমুতে সংখ্যে বয়ং তবেন্দো দুমে উত্তমে। সাসহামপ্তন্যতঃ শিরঃ।। ২৩।। স্বোতাশৃস্তবাবসাম্যাম বন্ধ আমুরঃ। সোম ব্রতেয়ু জাগৃহি।২৪। অপলন্ मान करी स्थः। রাষেদে। বীরবদ্যশঃ।।২৬।। न घाँশতং চন হতো রাধে। দিৎসন্তম। মিন-म्। घ९शूमारमा मधन्त्ररमा २१।। भरत्यरक्ष व्या २४७३ क्षी त्नां मन्ता करन। विका क्टन ॥५४॥ यट्ड गरम। वट्डनगट्डनाभववान्त्रमा। तम्वानीत्रघन्तम्।।५०। अप्रित्वम् দুচ্ছনঃ। বিবারমব্যমর্থিত ॥১৭॥ প্রমান রুসস্তব দক্ষে। বিরাজতি দ্যুমান্। জ্যোতিরিশং স্থ-किशर मिन्नस्थित । त्याया छ वार्षमा विमि ॥२०॥ मर्गित्रा विकृत्या छव सुभिष्ठा-विविदारमः मही तग्रः । २२ ॥ स्वी बारमा वग्नः धना जारम तमामगोषुः । श्रनारना वर्षारमा भूषा क सर्थान त्मारमा व्यत्राम्ना । शक्क निक्रमा निक्र जम्।। २०।। मरहा त्ना त्रांत्र व्याज्य निव-क्षर्भिः त्राम भक्रत्य श्रुक्तम् निशुमिषिषम्। वृक्षा ममुप्रमुक्षाम् ॥ ५६ ॥ भवमात्मा जजीजन फिर्वाक्षित्र न उर नाजुम्। (आफिटेक्षान ३९ वृष्ण्।।ऽ।।। भवमान्य ८० वरमा मरम। दाष्ण ॥२२॥ या ८७ जीयांनाग्रुथां जियानि मिछ धूर्वाल। त्रक्तां मभमा त्ना निमः ॥७०॥ ७५२.

बम्जाविव ॥ ১৫ ॥ भवमानः ग्राजा मृज्यिः त्मारमा वाक्रियामत्। प्रमुषु भाक्मनामम्। **कामांन व्याश्चारिः। উ**क्रभाग्नः कविक्रजुः॥ ১७॥ महत्यां जिभाष्म विमात्मा त्रक्रमः मङ्जिन इति १ त्यामज्यमिनम्। श्रुक्रम् अक्षम् श्रुक्रम्भ्या ॥ ५२ ॥ जयमा भितिषिठार जम् क्षांत्रा मश्रुम्हराजाश्रम् वाममें केवम । जाकिः भविष्यमाममः ॥१॥ तमा व्यार्यक्राम भीजाम जिल्ला-ৰবিৰো বিশ্বতং পন্নঃ।। ৯।। অনুং বিচৰণিস্থিতঃ প্ৰমানঃ স চেত্তি। হিন্ধান আপ্যং বৃহৎ कवि: । इंस्मिम् भर्ड ममः ॥ ५८ ॥ भित्र कांड इर खंड इंस्निसमा भीत्र । दिर्यामा (अंग्राभागतात्रा। भीमम् (यानांवरनया।। ৮।। खिमरम्। भित्रम् यामिरके। अभिरागिष्ठाः। क्षकृत्य। हेड्यम्याडार मरघठम् ॥ ७ ॥ व्यामावारक्षर्यामायान्य मटक्का गितिको। तथाना क्टि: 11 का। जामीमुष्ट न ट्रिडाट्सार्मुख्डर न स्डांस। मर्सा समर मधमारम ॥ ७ ॥ यारिख ॥ ১০॥ এম র্মা র্মব্রতঃ প্রমানে অশক্তিছা। কর্মসূদি দাশুমে। ১১॥ আপ্রস **अहर कार्याविक्सविद्यः अविवामानवः। विश्वानहि स्मोज्ञा ।। ।। विश्वत्या मूहि**-ভাশুক ফুগাতোকাযজিনঃ। তুনা রুণুজো অর্কতে।। ২।। কৃণুজো বরিবো গবেহভ্যের্যন্তি म द्यामिमामम् ।। ८ ॥ क्ष्यमत्का तम्बर्गाजम्था शूष्ठा मृष्टिः ऋष्टः। यम्बि भावः भर्गा

ハムハ

जाभवय महज्जिल ब्रिशि रिमाम स्वीयाम्। जत्म खवार्ति थात्र ॥।।। हममुक्किशिष् ऽकु १। छः जिश्ट जियम, दत्र त्रत्य यूक्षि याज्य । स्मयोगार मध्यीजिष्डि ॥ ११॥ छः মে বাচ ঈরয়ন্। পবস্থ বিশ্বমেজয়।। ২৬।। তুভোম। ভূবনা কবে মহিলে সোম তিহিরে। कुन्नार्वित मिन्नवः ॥ २१॥ थ ८० फिट्यं न व्छत्यां थाता यत्वायिक छः। जन्तिक कांगूर्य-छेउ (मा (भाषछी दिर्य। विषा अर्थ भतिष्ठे छः। गुर्भारमा अभाषिमा॥ २८॥ भवष वार्षा क्टिनम्।। २৮।। ट्रेक्सार्ग्नस्थ्रमीज नाह्यः मक्कांत्र माथनम्। क्रेमानः वीज्ञाधमम्।। २०।। সোতারো ধুনম্পুতমাশুং বাজায় যাত্তবে। হরিং হিনোত বাজিনম্।। ১৮।। আবিশন কলশং क्यूटला किथा व्यर्गाष्टिविग्नः। भूटता न त्यांत्र जिके जिन। ऽत्र ॥ व्यां ज वेटमा मनाज्ञकः भएता দুদ্বেভো দেবতাতমম্।। ২১।। এতে সোমা অফ্কত গুণানঃ শ্বমে মহে। মদিভম্জ -জ্যিয়ঃ সোম চিত্রাভিক্লতিভিঃ। অভিনিশানি কাব্যা।। ২৫।। স্বং সমুদ্রিয়া অপোষ্যি-मूर्खाग्रदः। म्मर्ग मर्गा मर्गा २०॥ वा नः मामर भवि वार्षका मर्ग्गतम। भाउता।। २२।। ज्विनिवानि वीज्य मृग्ना भूनामा व्यक्ति। मन्द्राञ्च भित्रम् ॥ २७॥ भ्वम्न श्राञ्डः कविः स्मिमः भविव्यम्मिष्ट । मध्द त्छोर्ज छ्वीर्मम् ॥ ७०॥ ७२ छ्॰

बहु धार्मामार्था खुका थाउमा बाँउमा। बांकर त्मामखमकत्म् ॥ ১८ ॥ खुडा हेक्साम ५४२ भवित कार्श महा ह्य त्मवरी उन्न ॥ ३७ ॥ उनी म् अन्यायहन इति न मीयू वाकिनम्। इन् विष्टान स्मिमारमा मधा। मिन्छ। निविष्य जाक्कतम् ॥ ১৫॥ था स्मिम मधुम खरम। तरिष्र व्यर्भ ্ত্রী হরিতো দশ ফ্রো, অমুক্ত যাত্বে। ই কুরিন্দ ইতি ক্রবন্।। সারীতো বায়বে ফুতং গির ইত্রায় মৎসরম্। অবেরা বারেয়ু সিঞ্চত।।১০।। প্রমান বিদা র্যিমস্মভ্যং সোষ मूक्त्रम्। (यो क्रनीरमा वर्जम्मेजा ॥ऽऽ॥ षाडार्य महिष्यन् त्रिः (गामस्मिनम्। यन्तिष्युज-**এ**বঃ । ১২ ।। সোমো দেবো ন সূর্যোইন্রিভিঃ প্রতে সূতঃ । দ্ধানঃ কলশে রসম্ ।।১৩।। মধুমা আন্ত বায়বে ॥৩॥ এতে অস্থামাশবোহতিদায়াংশি বজবঃ। সোমা খাতস্য ধার্যা ॥৪॥ সাহাদীরপঃ।.৭।। অযুক্ত সুর এত শং প্রমানে। মন্বিধি। অন্তরিক্ষেণ যতিবে।। ৮।। উত विक्टांत्र म्हमज्य ॥ ५१॥ कार्शवय हिंत्रग्रवम्चांवर त्रांभ वीतवर। वाक्रर त्रांभखमांच्त्र ॥ ३ छ। बीज बज्ज व । हेन्स १ मक्छ हेन्स बहु ॥ था। जार्रा भवत्र धां त्रारा प्रशास्त्र प्राप्त हिमारिना ১৮২ বস ইত্রায় মৎসরি তমঃ। চমুষানিধীদ্সি ॥২॥ সূত ইত্রায় বিফাৰে সোমঃ কলশে অক্ষরৎ। हेन्स वर्षाट जाखुर ह क्रनुट्या विश्वभाष्यम्। जार्षाम् । जार्षाचा ज्ञाम्नः।।।।। ग्रजा जन्यमात्राका

113৮ । भित्रवारकम वाक्षय्रमत्या। वात्त्रव् मिक्ष्ड। हेन्द्राय मधूमङ्गम्॥ ১৯॥ कविश स्किन्छ मर्कार शीष्टिविथी ष्यवमावः। त्र्या किनिक्तमर्विछ ॥ २०॥ त्र्याः यीष्टितश्रुतः त्रांमम्जम भांत्रग्ना मजी विथाः ममथत्म् ॥ २১ ॥ भवष (मवांग्रुपिनिन्द्रः गंक्ष्णु (ज ममः। वांग्रुम्-রোহ্ ধর্মাণা ॥ ২২ ॥ প্রমান নিত্তোশ্সে রয়িং সোম ভাবাপ্যম্। প্রিয়ঃ সমুদ্রমাবিশ ॥২৩॥

वार्षांचन् भेदाम श्रवः कञ्जीव त्माम भ्रमातः। छम्या तम् ग्रक्षमम् ॥२८॥ भेवभान। जारुक्षज किक्स्वः। ष्राज्ये विका ज्यभिष्टियः॥ २७॥ भवमानः मिरुक्यिशिकामिरुक्त्ज। श्रीयेवा टमामाः खकाम इन्मवः। অভিবিশানি काव्या। १६॥ ' भव्यानाम खानवः खन्ना खन्य

আধিদানবি।।২৭।। পুনানঃ সোম ধারয়েনে বিশা অপস্থিও। জহি রক্ষাংসি স্থকতো।। १ ।। वार्षश्चन् (माम त्रक्कत्त्राष्ट्रार्थ कमिक्कम् । मूग्यत्वः अग्रगुङ्गम्।। १ ।। बद्य वस्त्रीन

नत्वां व्यां थन् व्यां ममः। मज्यै व्यन् वृत्यम्भि ॥२॥ जत्यां न ठक्तां व्यां मका वृत्नां प्रम ক্ষা সোম দুয়োঁ অসি ব্যা দেব ব্যব্তঃ। ব্যা ধর্মাণি দ্ধিমে।।১।। ব্যঃত্তে ব্যাং-ఈ ডঃ। বিলোরায়ে দুরোর্ধি।।৩॥ অব্যক্ষত প্রাজিনে। গ্রা সোমাসো অখ্যা। শুকা-भात्रम तमाम फिर्नामि मार्थित। हेटम्मा नियामिनार्या। ७०॥ ४०ष्ट

১৮৩ কো বীরয়াশবঃ ॥।।। শুভামানা ঋতায়ুভিদ্জানানা গভভোগ।। পবতে বারে অব্যয়ে॥।।।। তে বিশা দাশুযে বস্তু সোমা দির্মানি পার্থিবা। পবতামান্তরিক্ষ্যা।।১॥ পবমান্সা বিশ্ববি

বোইচ্ছা সমুদ্রমাশবঃ। ধিয়া জুতা অত্যক্ষত॥ ১৬॥ সৃত্ধানাস আয়বো র্থা সমুদ্রমিন্দবঃ। ১৮৩ শ্বনানে। দেববীতয় ইন্দস্ত পাহি নিক্ষতম্। দু্যতো নো বাজিভিধ্তঃ॥ ১৫॥ প্রহিষাস ইন্দ-১৮।। मिन्नमित विकादाकनः भिष्ट युकान श्वक्तिः। यग्नर ममूप व्याहिकः ।। ১२।। म्ह। इन्मविस्थाय भीजात ॥ ১२॥ इत्य भवत्र शत्रा म्बामात्न मनीविष्ठिः। इत्मोक्रा-डिंगा हेडि ॥ so ॥ शूनारमा विविष्क्रशुख्छि जनांत्र गिर्स्वाः । इति स्कान व्याभित्रम् ॥ sa।। ॥ ।। इन्द्रः भविकेट्डजनः थियः कवीनार मजी। स्डमम्बर व्यीतिव ॥ ।। डिमिर्शस्य भवित जा ष्णभाग्नु उमा (यानिम्।।। ১१ ॥ भित्रिंगोभोक्ष्यश्चित्रं विक्रानाक्ष्मः। भाष्टि नः भंभ वीववद। मगुष्ड त्रांम भिष्टत ॥ ।। हिश्रात्न वांक्नियाति भवमान विधर्माण । जक्रां एत्वा न क्र्यां (मसावीः शराक्कन्नद् । मीषम् उत्तरा स्थानिमा ॥ ऽऽ ॥ मरम् अर्थ शविज जा भरम्। स्थि पिरवीज-अ ८७ मनी अफ्कण। क्षीरमाव न दभाषः ॥१॥ ८००० कर्न म् मिनम्भित्र विश्वाज्ञभाष्टार्थमि ।

अप्रवासि हिन्नाग्न साख्य जमा मीमि । कहां जाया हुन ।। २०।। व्यास्तिमां बात्

महत्वान्डिंगर वाहर (मांगर मथस्त्रायम्। शूनान हेन्मवान्त्र ॥ १७॥ भूनान हेन्मत्वयार शूक्ष्ण् क्रवामाम्। थियः ममूख्यादिक् ॥ २१॥ मदिमूज्जा क्रां भित्रकोज्जा क्रमा (मामाः काथाः॥ ।। । जाभवक क्रवीर्यक्ष मन्नमानः कांत्रुष। हेट्हा किन्नवांगिहि॥ ८॥ यम्षिः भितः बहु वक्का कि प्राप्त मा कि का विराज्य मा १० ॥ हे ज्या हिस्सी मक बुर ज नियं मु শুক্রা গবা শিরঃ।। ২৮।। হিশ্বানো হেতুভির্যত আবাজবাজ্যং ক্রমীৎ। সীদন্তো বয়ুযো बक्रा ।। २०।। श्रावक ट्रमांभ खळटा मरकक्षाटमा मितः कविः। भवत्र क्ट्रांग मृत्म ॥७०॥ ७८क्र. ক্লচা দেবেভাস্পার। বিশাবস্ন্যাবিশ।।২।। আপব্যান স্থট তিং বৃষ্ঠিং দেবে-ভোগ দূবং। ইবে প্ৰস্থ রংষত্॥ ৩॥ র্ষা হৃদি ভারুনা দূমেতাং স্বাহ্বামহে। প্ৰগান मत्त्रमः। आत्मा त्यांनिमाममम्॥ २२॥ ७९ जा विथा वर्ठाविमः अतिष्रु जि त्वथमः॥ म जा स्कल्हायियः ॥ २७॥ तमः (जिमित्ना व्ययमा भिवास वक्षाः कत्व । भेवमानमा मक्रजः॥ ২৪॥ ত্বং সোম বিপশ্চিতং পুনানো বাচমিষ্যসি। ইন্দোসহস্তর্গনং । ২৫॥ উত্তো • : হিল্লি ফ্রমুস্তরঃ স্বসা হোজাময়স্পতিম্। মহামিন্দ্ৎ মহীয়বঃ॥ ১॥ পাবমান রুচা-

विठाटम रूकामोटना गंडिटका।। फुना मध्क्रम्बन्धिया। ।। शत्मामांत्र बार्षेवद भवमानात्र

भोजरम् ॥ ৮॥ जञ्ज ८७ वाकिटमा वम्रः विषोधमानि किन्ममः। मिथ्यमार्गीमरः॥ भ जुक्। भवत्र धांत्रशो मक्ष्युट्ड 5 म्यत्मतः। विश्वोन्धांन अज्ञा ॥ ১०॥ ज्या ध्वांत्रिंगागारिहः -युक्र नाटकायु (ठाएरा ॥ ১२॥ जान इत्मा महाभिष्य भव्य बृद्धवर्षिकः। ज्याचार ताम গাঁত্বিৎ॥১৩॥ অকলশা অস্মতে দোধারাভিরোজদা। ইন্দুদা পীতয়ে বিশ ॥১৪॥ যক্ষ তে মদং রমন্তী দুহ্তাদ্রিভিঃ। স প্রসাতিমাতিহা॥১৫॥ রাজা মেধাভিরীয়তে প্রমানে। मनाविध । जाखितक्किन भोउत ॥ ३७ ॥ जा न हेटम्मा भाउतिमः भवरित् भावः प्रमिष् भिष्मुज्य ॥ ५१॥ ष्यां नः त्मांम मरक्षिष्ट्रां क्रमेर न वर्ष्ट्रम ज्ञा स्र्वारम् तिवर्गेज्य ॥ १५॥ क्य माम मूर्यक्रमाथ कि प्वानानि त्राकृत्य । मीमन् त्राप्ता न त्यानिमा ॥५३॥ ज्ञा क्यारेक्नां ५७९ भोग्रज। महस् मस्यानकत्म ॥१॥ यञ्ज दर्गः मधुक्काज्यः स्तिः स्थित्। स्मिनिका প্ৰমান স্বদ্শাম্। হিলে বাজেয় বাজিনম॥১১॥ অ্যাচিত। বিপান্য। হরিঃ প্ৰস্থার্য।। বায়ৰে বকুণায় মকুদ্ধাঃ। সোমে অমতি বিষ্ণবে॥ ২০॥ ইমন্ তোকায় নো দ্ধদস্মভাৎ সোম

दिश्व छः। व्यभिवश्व महक्तिनम्। २১॥ त्य त्यामामः भदावि ए व्यक्तावि द्विष्टित । त्य वामः

সপ্তয়ঃ। জ্ঞীণাদা অঙ্গু সুগু সুগু । ২৬ ।। তং স্থা স্থতে ষাভূবো হিদ্ধির দেবতাতায়ে। সূপব-তে নো বৃষ্টিং দিবস্পরি পবন্তামাস্কাটম্। স্থবানা দেবাস ইন্দবঃ।।২৪।। পবতে হর্তা হরি গুণানে। জম্মদীয়না। হিন্নানো গোর্ষিত্রচি।। ২৫।। প্রশুক্রাসো বয়োজুবো হিন্নান্সা ন ২৮। আমন্ত্রমাবরেণ্যমাবিপ্রমামনীষিণ্ড্। পান্তমাত ।২৯। আ রয়িং মাধুচেতনমাস্ক্রতি শুপ্ৰাবতি।।২২॥ য আছুলীকেয়ু কুত্ৰস্ক যে মধ্যে পজ্যানায়। যে বা জনেযু পঞ্জ ।।২৩। ৰান্যা কচা ।২৭। আ তে দক্ষং ময়োজুবং বহিন্যদ্যা বুনী মহে। পান্তমা পুরুম্পাহ্ম্।

अभरना मा जा विममिष्यमान बीरता अखा। भिजामित्र थामिन किनकमे अभिकाम अप्रमाण अप्र-सूर्यकलम्। किनकिनिकिरापि कृष्टम मकनत्रके। गृष्पमन श्रोधिकिन् कृष्णः किनिक्षन अभकत्रक अकूत्न ख्वामियां वा कांतिमांख्या विष्णा ह विमय। ।। यो श्री त्थान छेष्यीय। क्रभीत्या (मवडा उदयी विश अं क्रिक्निक्क्स्यर शक्रवां। इंशर्ख वाष्ट्रमतिटव नावम्। . . त्मांमञ्ख्नम्। ख्र त्मारमञ्जामि (म्हम्० ५,२ शृ०) थाय्र। म्के ऽखर्षि ४० क्रुक्रिश्वा

उत्रा। भाउँमा । । ७०। ४१ स्०। हि अक्ष्यिक् छाञ्चा कर भावमानस्क्रम। (४००

पक्रमांविष्मा माम्। माम् श्रक्राजाः स्कृजानि मञ्ज माम् हिषिता जिल्लाकु वाजः। माम्मा ১৮৫ •ज्या । गत्मा थाजा भाग्न थर्जा त्मा ष्या अन्तर्भ क्या हिंदा भार द्रामिनी इहिंदी भाजा व्यक्तिः भाषा तम्बानार कुर्वान मस् । भाषा व्यक्षिमिङ्गोरिका बाख भाषा मित्रा मुड़ा नामा करमा करमा करमा चिक्कनाय । नाम ड मार्च को भाषिति है नामा जनकू उन्द नामी नत्मर ॥ व्यवक्रम मिक्सरज्ञ गृश्माः ज्यमकत्ना उप्यमि नकृत्य। मा नांखाबांबर नेंब हेकांगी हेजामिरनांबराय रामके थाविष्येन् एमः नित्या-न्द्रम् एमबंखाः मास्टिकरम दिन। उ मात्र हेस्माधी एनकाम्ह्रताधिः मात्र हेस्मायक्रमा इस्ट र्म्मा। मिक्सिरमामा स्विविधा मश्रायाः मम रेक्सिन्यमा राजमार्ज। मामा एगः ममूनः क्सरमा अञ्ज मङ्गड धूर्विकः मध् मञ्ज द्रायः। मङ्ग मज्ज मुख्यमञ्ज मर्मः भरमः भरमा व्ययमा शुक्रका मार्था श्रियो श्र्वकृत्जी भेषज्ञिक्कि मृभारत त्मा जाञ्ज। भेष अप्रधीकिमित्न। ध्वयञ्ज भरमा त्रकामण्याचित्रस्य कियः १॥ । भाम हत्या वस्राज्यक्तित्। वस्य भागामित्जाज्यिक्षा स्था मः त्यम केमा मायमार्टमा विष्युम्म विमर्थ स्वीहाः ॥ ७॥ ( था॰ २म॰ ८२ स्॰ ५,

লাম্মাণঃ শঙ্মে ভবন্তু ম্যে। বিভাতীঃ। শঙ্গ পজিন্যে। ভবতু প্রজাত্যঃ শৃষ্ণ কেন্ত্র তানি শানঃ শান্তা কাৰিণেঃ শামু সন্ত মতকা। শানঃ কানগাং মিতয়ো ভৰত শানঃ প্ৰকঃ শাষ্ত্ৰ उरक्ष भन्नः मिन्नदः भंगू मखाभः। भाजा जामिण्टिन्द् बर्णिणः भाजा एरक् गक्त क्रकां।। नामा विकृष्ट नामू शुरा त्नाः जाळ नामा जिव्हार नाम्छ वाष्ट्रः॥ नार त्ना त्मवङ मिका বেদিঃ। শান্তঃ সুষ্ উক্লচক্ষা উদেতু শান্ত্ৰশান্ত প্ৰাদ্ধানা ভবন্ত।। শান্তঃ পৰ্বতা ধ্ৰুবয়ো

মনেধিজ্ঞা আফ্ডা ঋতত্তাঃ। ২ত নো রাসন্তামুক্ষণায়মদা মুয়পাত ফুলিডিঃ সদা নঃ॥৩॥ अभिर्धित्य एमवरमीया। व्यामित्या कवा वमर्ता क्ष्यरत्यम् जम कियमार नरीयः। मृतुष्ठ স্তিরস্ত শব্দুঃ। ২॥ শলো দেবা বিশ্বদেবা ভবন্ত শং সরস্তী সহ ধীভিরস্ত। শম্ভিষাচঃ ब्बक्रक्रक्क्योफ्फरवा ठानु भारमार्श्वत् था । भारमा जापार्नपार्रिकतन्त्र भम्। त्म क्रियाः भाषिवारमा त्मोकाण डेज त्र मक्किशामः। त्य क्रियामः मख्किशा मिक्किशामाः শ্মুরাতিষাচঃশং নে দিব্যাঃ পার্ধিবাঃ শল্মে অপ্যাঃ + শন্তঃ সত্য পত্রো ভবস্ত শল্মে অর্ক্ডঃ শমু সন্ত গাবঃ। শম ঋতবঃ স্কৃতঃ স্কৃতাঃ লামে। ভবন্ত পিতরো হবেয়ু। শামো

( 本) の の は も の (本)

সবিতা শিষ্টানামাজা দেবতা তৎপ্রীত বি৽। ও দেব সবিতঃ প্রস্থব যজং প্রস্থব যজ भार वर्ष वर्ष स्वामिष्ठा वर्षा निर्माण निर्मा সবিতদু রিতাদি পরাসুব। যন্তন্তং তন্ন আসুব ॥ ৩॥ বিভক্তারং হ্বাম্হে ব্যোকিচ্নুস্থ उदमिव्यूर्मद्रमार ज्यां (मवन्य धीर्माष्ट्र। बिराया तथा नः व्याकामग्रीद्र ॥ र ॥ विश्वामि (मव পতিং ভগায়। দিব্রো গন্ধর্বঃ কেতপুঃ কেতং নঃ পুনাতু বাচম্পতির্কাচং নঃ স্বদতু॥১॥ अरक्षांष्रकः कृष्षभाषे हेट्यापि व्यक्षीहि भद्रामिकात् भक्षकम् (२८भ० २५) ष्मथ मंबूर्यानिषात्रभानभाठाञ्जानीनाज्यियात् जानि ह मिक्स्ल षात्रभारनी जू क्ष्मिकांशांशः एमव मिवडिनिजािमः जिल्लाखरमाध्यागः। जन्य मांत्रांशार्थक्ष यातिः আদ্যায়াজিউ প্ দিতীয়াদিতিকণাং গায়তী, শিষীনাং যজুষ্ট চ্ছিন্দেঞ্ভাবঃ আদ্যচতক্ণাং इस्कूछकम् इसः विषा है जामि वर्गमार्कः युक्म् ( २२म०५ १०) शाखकम्। ২প০ জা০ ১০মপং পর্যান্তম্ ) ( মা০ ৪ম০৪স্থ০১,২,৩,৪,৫মজাঃ )

তপদে শুদ্ধং তম্পে তক্তরং নারকায় বীরহণং পাপাদে ক্রীবমাক্রয়ায়া অয়োগুং কামায় পুশচলুমতিকুন্টার মাগধন্॥ ৫॥ মৃতার স্তৎ দীতার শৈলুষৎ ধর্মার সভাচরৎ নরি-हाधमः। मिरिजात् गृष्णमम्॥ ॥ अमार्गवाभार काजात ताजनार मकास्ता देनणर कोटेम जीमन भर्माम (तज् रमाम कानिमानकाम जीवर् अमत् कुमानिश्व तम् इत् कांबर टेथर्गाय जकांगम् ॥ ७॥ जनरम टेकलांनर मायाटेय कमांहर कपांध मानकांबर ७८७ বপংশারব্যায়া ইমুকারং হেটত্য ধন্মদারং কর্মনে জ্যাকরং দিটায় রজ্জুমর্জ্জং ফ্ডাবে পৰিতায় ভিষকং প্ৰজ্ঞানায় নক্ষত্ৰদৰ্শনাশিক্ষাইয় প্ৰশ্নিনমুপলিকায়া অভিপ্ৰশ্নিনং মৰ্গা-र्यग्रमखकांम चिनम्॥ १॥ निणः त्रीक्षिष्ठेरक्षीकांट्या टेनमांम् शूक्रमयाखांम मूर्यान् গন্ধ্ৰিকালোৱোতো৷ ত্ৰাতাং প্ৰযুণ্তা উন্মত্তং সপদেবজনেতোংপ্ৰতিপদময়েডাঃ কিতৰমী-ধ্যতামা অকিতবং পিশাচেভো বিদলকারীং ঘাতুধানীভাঃ কঐকীকারীম্ ॥৮॥ সন্ধ্যে জারং নিক্ষটতা পেশকারীং সংজ্ঞানায় স্বরকারীং প্রকামেদ্যায়োপসদং বণায়াযুক্তংং বলায়ে अर्घारमांभभिष्मारेखा भन्निविद्य मिस्। देवा भन्निविविद्यामा विमिधियुश्मित्य भिक्षा ॥ ॥ छ । भारम् छ। कुक् । था गुर्म वागम् । हार्छाः जामः यथायाक्रमध्याय विव्वः

निर्जाखिकिनः वशुर्य मानकुष्ठः मीनाश्यक्षनीकात्रीः निर्भ टेका क्षिमक्षिमीः यमाग्राष्ट्रम् ॥५८॥ ५४० मर्ष् मार्षाचाम्कर्मम् ॥३०॥ मर्बार्षा देश्वव्यूर्भष्टाव्हार्जा मान् देवभाखरिष्णा देवम् नष् यमाय यम्यूमथक्ट ज्ञांच्व जांकार मध्व दमदाय भर्गायिनीर भविव दमदायाविका ज्ञामित्र म द्रायां जीकृतीय हृदम् त्रायां जिक्कृती । वदम् त्राय विक्कृत्रार् भरवरम् त्राय भनिक्री भृतुत्याष्ट्राविक् কোশায় নিসরং যোগায় যোজারং শোকায়াভিসন্তারং কেমায় বিমোজারমুৎকুলনিক্-রিতারং সর্কেভ্যো লোকেত্য উপ্সেক্তারম্বঋটত্য ব্যায়োপ্যস্থিতারং মেঘায় বাসঃপল্যা-नीर अकामांत्र उक्तिवीम् ॥ २२ ॥ आठात्र त्यनक्तमार देवत्रक्ठात्र भित्यन् विविदेका क्कंडाइट्योभस्के ग्रांशास्केखांदर दनाग्राइह्दर जूट्य भित्रकेलर थिशोय थियवासिनमतिको ंज्यभूमांमः ष्वभीष्र त्लाकांत्र ज्ञानमूषः वर्षिकांत्र नाकांत्र शतिद्वकोत्रम् ॥ ५७॥ मन्।रिवर्षकांभिः मारेग्र अभूविविक्य ॥ ३०॥ व्यामार्डा इकिमर जवाग्राम्थन शुरेके। भागान वीग्राग्र-विभानः टब्करमरकभानमित्रादे कीनामः कीनामा युराकारः ज्यात्र शुरुषः ट्यार् वित्वधमाधाक्षामात्रक्षकात्रम् ॥ ১১ ॥ जारैम मार्काहात्रः थाजात्र। वार्पाप्यः वर्षमा विकेशाता-ভিযেকারং ব্বিষ্ঠায় নাকায় পরিবেষ্টারং দেবলোকায় পোশতারং মনুষালোকায় প্রক-

वीनावाहर भानिष्यः जुनवधाः जात्र्जाग्रानम्पात्र जनवम् ॥२०॥ ज्यभात्र भीवानः भृथि-<u>त्वकाः किर्मित्र ज्यमरम किलाममरक् ७कर शिकांकर दारेवा क्छर भिक्रांकम् ॥ २५॥</u> पुरक्छन् स्माय कान्निः योषटम भावनगर धामनार ननकम्डिकानकः डान, महरम क्किन्म् ॥ ১१॥ जक्कत्राकात्र क्ठिट्य क्रायामिन्यम्म् (ज्ञाहेत्र किन्यन् भाषत्रात्राधिक-द्वाणांत्र जुनवध्यमदत्रज्याता भाषांध्यः दनात्र वनभगत्नात मावभग् ॥ ऽ ॥ नर्भात ভাঃ পণিকং শুহাভাঃ কিরাতং সামূতো জন্ত্রকং পর্বতেভাঃ কিন্স্ ক্রম্য। ১১॥ বীভৎসারৈ পৌলক্ষাৎ বণায় হিরণাকারং তুলাইয় বাণিকং পশ্চাদোষায় গ্লাবিনং বিশ্বেড্যা ভূতেভ্যঃ मिश्रामः फूटेका कांगित्रभगजूटेका यश्ममार्टका कनवांमिनः इप्तात जार्थान्कः मःभाता थ-ভিক্ষমাণ উপতিপ্তি দুক্ষতায় চরকাচার্থাং পাপানে শৈলগম্।। ১৮।। প্রতিশ্রুৎকায়া অন্তুনং ঘোষায় ভষমন্তায় বছবাদিন্যন্তায় মুকং শক্ষায়াড্যরাঘাতং মহসে বীণাবাদং শিশনমাক্ষনায় সভাক্ষাণুং স্ত্যবে গোব্যজ্যত্বৰীয় গোষাতং ফুধে যো গাং বিক্ততং লাত্যঃশৌকলং পারায় মার্গারমবারায় কৈবর্জং তীর্ষেভ্য আক্ষং বিষ্ণেত্যা বৈদালং ষনে-देवा मीठेम्भिं वांग्रत्य छ्यानमञ्जतिकांग्र वश्मान्तिम् मित्र थनछि पूर्याम स्थाकः

नांश्वाम्)। ७। क्यां निक्वा व्यांकृषम्जी ममार्थः मथा। क्यां निक्यां रूजा १८। ५४४ कच्चा भरजा ममीनार मर्शहरकी मस्ममन्त्रमः।। मृश किमाकरक वन्न । । जाजी मुन ङ्खंबर यः जरमिक्ट्रवात्रकार ज्यां (म्वमा थीमहि। धिरम्। त्यां नः थारमिमार । ( माविज्ञः काकिशः भोकाषांत्रः। यथा यहः वाहिमकामिष्णात्रमा मधाङ्काथक्व यांत्रः हम जामि-.वांषः वापाता, ठक्कः त्यांबर वापाता, वार्गांकः मेरश्रका मित्र वाषापारमो (पक्ष यक्ष्यि नित्काक्रोम्यज्ञीत्।। । यत्म क्षिरः ठक्कत्या क्षमग्रमा मन्त्रमा याज्ञिभः वृष्ण जिल्मा जम्माजू। मारतमा जवजू जूवनमा मन्धिकः। (वर्षिकाजाः भोधत्क्रमम्)। २। कर् खांजिमजुर वक्तारज भाष्टिशारठ विग । ७ यहर वाहर अभरमा, मरम् यकुंड अभरमा, माम চাতিক্ষং চাতিকুলুং চাতিলোকশ্য। অশুদ্রা অবাদাণাত্তে প্রাক্রাপত্যাঃ। মাগাধঃ পুংশ্চ-जर्भजानको विज्ञाभागानज्ञ जिन्नीयः गाज्यियः गाजिस् नः गाण्यिमाः गाजिस् নী কিতবঃ ক্লীবোইশুদ্রা অত্রাদ্ধণাক্তে প্রাজ্ঞাপাত্যাঃ।। ২২।। (মৃ০ ৩০ অ০ আদ্যন্তঃ)।

की जुर म छे जा कि अममरम रुषम्। क्या ब्लाक्डा जांडत। (जेसर भाष्रजम्।१। मयीनायविधा अतिष्वाम् । माजः जनात्राधिष्टः। (कृत्यास्यः भागत्रम्) । ७। क

केट्या विश्वमा बाक्कि । गः तम बाख विभटन गः उजुष्मतम । (देवभोक्वित्रोक्ररेमन्त्रम् )। ।। मं (म मिन् भार वक्रमा मार (मा उवस्था। भाष रहासा वर्षमा विका क्रिक

क्रमः॥ ॥ । भरत्मा वांडः भवडाः भर्मछभङ् क्र्याः। मर मः किनक्रमिक्षयः भक्तामा

আভিবৰ্জু। (মৃচচং দৈত্ৰাবক্লণাস্থ্তন্)॥ ১০॥ অহানি শং ভবন্ত নঃ শং রাত্রীঃ প্রতি-' श्रींग्रज्याम् । अस्म हेल्मांग्री जनकांमरवां जिंश अंश्म हेल्मावकृषां दाजह्या। अश्म हेल्मांश्र्यणां-

- ব্যক্তসাতে। শবিক্রাসোমা সুবিতায় শংযোগ। (আদ্যুৎ ইছপাদ্যায়ত্রমন্ত্যুৎ বিক্রুড্ৎ লি-क्षाकरेष्वज्य) ॥ ১১॥ . मार त्मा त्म बीज्ञ क्यार मा ज्यस्त भी जरम । मार वाज्ञ जियन ह

• नंड । (गांत्रजगदेमवर्ष्य) ॥ ১२ ॥ त्याना शिथित त्या जवाब्कता नित्यमाने। यक्षा नः भषा ১৫॥ जन्मा व्यन्तर गमान (या यमा क्रहांत्र किन्न्य। व्यारमा जनत्र्य। जनत्र्य। (जृष्टर भाष्त्रम-শান্তিঃ। বনক্ষত্যঃ শান্তিবিশ্বে দেবাঃ শান্তির দা শান্তিঃ শান্তিরেব শান্তিঃ সামা শান্তি अविशेषः। (जिमिश् भाष्टाम्) ॥ ১७ ॥ ज्यारिमा हि की मर्गा जूबन्या न स्टब्कि मर्थाउन । मरह রণায় চক্ষমে।। ১৪।। যে। বং শিবতমো রসম্ভস্ত ভাজয়তেহ নঃ। উশতীরির মাতিরঃ॥ टेक्बरम्)॥ ১५॥ (म्रोः नाजिज्ञ जाजिल जाण्डः पृथियो नाज्ञितापः नाज्यितायध्यः

প্র বি) ॥ ১৯ ॥ নথান্ড হরসে শোচিয়ে নগান্ডে অন্ত্রিচিয়ে। অন্যান্তে অমান্তপন্ত হেতয়ঃ

বি, পরিকো অমান্তাং নিবো ভব (বাহিতমাগ্রেম্) ॥ ২০ ॥ নগান্ত অস্ত্রিম্নিত নগস্তে তান

বি, পরিকো অমান্তাং নিবো ভব (বাহিতমাগ্রেম্) ॥ ২০ ॥ বাতা যতঃ মুমাহ্মে ততো নো

কুলুরং কুফ । শং নঃ কুফ প্রজাভ্যেং নঃ প্রকাল্ডঃ। (দ্চমান্ত হং স্বনিয়ন্ত ভগ্ব

কুলুরং কুফ । শং নঃ কুফ প্রজাভ্যেং নঃ প্রবাহার মন্ত্রিমান্ত লাভ্যায় । (দ্রাক্রিরার্টিরার্টিরার্ট্রেমান্ত্রিমান্ত্রিমান্ত্রিমান্ত্রিমান্ত প্রামান্ত্রিমান্ত মান্ত্রিমান্ত মান্ত্রিমান্ত মান্ত্রিমান্ত লাল্ডঃ। (বারুগং শতাং নিবারং ট্রেফু ভ্যাঃ। মান্ত । তচ্চ কুল্কেন্তিতং পুরস্তাচ্ছ কুলুরুচির মান্তাং বিশিরং ট্রেফু ভ্যাং । বারুগং শতাং বারদান্ত মান্তাং বিদ্যান্ত লাল্ডঃ। প্র বাদ্তমাণ্ডলং তপতি তমাহদুক্থং তা খাচঃ স আচাং লোকেই শ্ব क्याटक मरम्म कोवामर टक्माटक मरम्मि कोवामम् (निटकाक्टिमवर्गान वीनि बर्कार-मि)।। ऽ ।। नमरख रत्राम (नोरिय नमरख षाख्किरम। जन्रां रख षामाजमेख (रुज्यः ১৮১ রেখি॥ ১৭॥ দৃতে দৃংহ মা মিত্রস্থ মা চকুষ। সর্কাণি ভূতানি সমীক্ষন্তাম্। মিত্রসাহং उक्का मर्कान ज्ञाम ममीत्का मित्रक ठक्ष्मा मनीकामत्र ॥ ५৮॥ मृत्य मृश्य मा

न्द्रमृष्ट में उर की ट्रिय ने वर्ष वर्ष। में ने व्योग ने वर्ष में वर्ष थे वर्ष में वर्ष में वर्ष में वर्ष अग्रिय प्रे কদেতদভিদীপাতে তমহাবতং তানি সামানি স সামাং লোকোহথ য এম এতস্মিমঙলো

अव स्कूछ। य अय अवस्य अकार्या श्रक्रायार देवजम्य वर्षा पर्मात क्या मा कुर শুক্তমঃ সোহয়িজানি যজুংয়ি স যজুষাং লোকঃ । ১। সৈষা ত্রাঘ্যের বিদ্যা তপতি তকৈ-उम्भाविष्ट्रभ जाष्ट्रयुरी वा वया विमा उभनी उपार्य उद्भाग से वम् । र। म

जुशिक्षेर भरिष्मा व्याजिक्षा कित्या कि ज्वजी जाबिरम्वज्य । १। ज्यशिषक्ष्म । माम्ज किनमा हेटजाजार ह म अधिकार किन्ट वा महमूक्षर भारत्य भारमि ज्यापूक्षभागर ক্তে তমেয় বজ্ঞে সর্বতো হোনেন পরিষ্তো ফতোরাল্যা-বিবস্বতীত্যেতস্মিন্ হি মঙল এতভ্য -मं ह भूक्षरेम् अध्मार विषित्र । ज्याम् रह्त ११ भारेमा न भार भार प्रामा विष्या পুরুষস্তাইত্মতদেষ শ্লোকো ভর্তি । ৪। তা্যাধি। এত্যোগে। উভ্যোকেতস্ত চার্চিষ এত .স্তোরস্ভমিতাবরং ছোত্সা,তোরস্তং স্ত্যাবস্ত্মাহিতমিত্যেত্সিন্ হি পুরুষ এতমাওলং র্ন মিয়তেহফতে ছ্রন্তমাদুন দুশতেহফতে হৃতঃ। ৩। তদেষ শ্লোকো ভবতি। অভরং প্রতিষ্ঠিতং তপতি স্তুত্রিক্ষত্রং বস্তইত্যসৌ বা আদিটত্যা বিক্ষানেম ছাহোরাত্রে বিব-

শতলং তপতীত্যাং স ক্রেগ্রাহথ যদেতদন্দিশীপ্তে ইদং ভংপুষ্করপর্ণাপো স্থেতা আ-गः भूकत्रभविष्य च वय अञ्जिष्य धरल भूकर्याक्षरमय म ८ यक्षिः हित्राप्तः भूक्ष्यच्छरम् छरम्

দেব। এতাং বিষ্তিমকুর্ধন্নাদিকাং তমাজ্জায়ায়। অত্তে নাশীয়াদীব্যবান্ হামাজ্জায়তে ১৯০ देवज्ञात्रः मः फ्रैटडार हा भारत् जम्य क्रों स्थात्र मश्या मृत्र मान्य का मिन जाम कि व ज्यथाधाःज्यम्। यरमञ्ज्ञाकनः उभित् यदैन्धम क्रम् इमः जष्क्रक्रमभ्यम् यरमञम्भि मीलाट गरेफडर शुक्रत्रमर्गिमर उद्क्षामक्षाथ य अय अर्ज्यामुख्त शुक्रामा यरेक्ष - ब्रिन्नायः शुक्रत्यान्यत्यत मः त्यात्र्यः मिक्तित्वयक्तम् शुक्रयः। १। म अय तम्बत्नाकः श्रेने। জামেষ মর্কোচ্যিরভিসম্পদ্যতে তবৈশুভাষিপুনং যোহ্যং সব্যেচ্ফন্ পুরুষোহদায় হৈতদা-আনো যাম্পুনং যদা বৈ সহ মিথুনেনাথ সর্বোহ্য ক্রক: ক্রক্তারৈ তদ্যতে দে ভবতো • দ্বন্ধুং হি নিথুনং প্রজননং তমাদ্বে দে লোকং পূণে উপশায়েতে তমাদুদাভ্যাং চিতিং প্রণ •श्चि॥ । म अभ जातम् । त्याष्ट्राः मिक्कित्वक्षम् शूक्रायात्रायम् नामा বীধ্যবন্তমুহ সাজনয়তি যস্যা অত্তে নামাতি॥ ১॥ তদেতদেবত্তম্। রাজন্যবন্ধবো -श्रामान कमर्रा । १०।। (ठो रामग्रयाकामा वार्रावण मिथ्मी ज्वार । এষ তপতি তমাদ্মিং নাজিয়েত পরিহ্তমমুত্র হোষ তদ। ভবতীতু।এবাধিষজ্ঞম্। ৬।

क्रीमजाय रेड्ड प्रक्रमा चित्राज जमामू रेड्ड विज्ञाक् राष्ट्राष्ट्रमार्क्रमारमाजि । ১७ ॥ जम के বাচালুদা রসং বিজানাতি ন প্রাণেন গন্ধু বিজানাতি ন চফুষাপ্ততি ন শোত্রেণ শ্লো-न्जी। जः निष्टित्य देह ज शुक्रमः युभिन् जम्यया देह दिन भाग्यमा मिथुन माज्ञ भाग्ना मंश्विमहेब् खबरगवि देहरेनंजममश्विम हेव खवि देमवेश (श्रजमिश्रमः भंतरमा (श्रम आनम्मः ।১১। তক্ষানেবংবিৎ স্বপ্যাৎ। লোক্যং টইতেএব তদ্বেবতে মিপুনেন প্রিয়েণ ধান্ধা সমন্ধ্য-ভি ভকাশ ক্ষমভং ধুরেব ন বোধগ্মেদেতে দেবতে নিখুনীভবভ্যো হিন্মানীতি ভকাদু হৈ তত ক্র্যুষঃ শৌষাণাদিব মুবং ভবতোতে এব তদেবতে রেতঃ সিঞ্চতগুষাল্রেতস ইদং সর্বাং क्ष्मन् श्रुक्रमुख्यम् ट्रिड्टम् स्तरा शीमार्विट्रड्। ट्रिड्टमाष्ट्रितारकाम्डिम यरमार-<u> শ্</u>রাণ্ড ন এম হীমাঃ সর্বাঃ প্রজাঃ প্রণয়তি তবৈস্যতে প্রাণাঃ স্বাঃ স মদা স্বাপিত্যবৈশ্ন-মেতে অশণাঃ স্বা অপিয়তি তমাৎ স্বাপ্যয়ঃ স্বাপ্যয়া হ্ বৈতৎ স্ম ইত্যাচক্ষতে প্রোক্ষ্ পরোক্ষকামা ছি দেবাং। ১৪॥ স এটতঃ স্থস্তঃ। ন কসা চ ন বেদ ন মনসা সংকণ্পয়তি ন সুক্রতি যদিদ্ৎ কিঞ্চ। ১২ ।। সএষ এব স্তুঃ। য এত্যিমাঞ্জলে পুরুষো ষশ্চায়ং দক্ষি

ভ্যেতং ছেতে তদাপীতা ভবন্তি স এষ একঃ সন্ প্রজাস্থ বহুধ৷ ব্যাবিউগুসাদেক৷ সভী

भंद्रिय मरेस्रिय हेडक्रमामी मर्सर हेड्ड स्वि मर्सर हेर्मरम्ड स्वावि । २०।। যান। ইদনেব শরীরমন্নথ যোহ্যং দক্ষিণেহক্ষন্ পুরুষঃ সোহত। সএত্যিন্ননেহ্প শ্রিতো ইতি।। ১৯॥ তমেতম্যিরিত্যধ্র্যে উপাসতে। যজুরিতোয হীদং সর্বং যুনজি সামেতি क्रिंग ज्ञामन् ही मर मर्सर ममान्यूक्थि मिञ्जि वस्त्र । जब ही मर मर्स्य भाषाति यो जु-तिकि यो प्रकृष पाटकम होमर मर्द्धः यक् वियमिकि मर्भाः मर्भ हिक मर्भविम छे गिरिक प्रवा-রয়িরিতি মহণা মায়েত্যস্তরাঃ স্বধেতি পিতরো দেবজনইতি দেবজনবিদো রূপমিতি গন্ধর্ম গন্ধ ইত্তসার্মন্তং ঘণা ঘণোপাসতে ওদেব ভবতি তমিদান্ ভূষাব্তি তমাদেত-महाशाखार टिनाचिटकव्य यम्मायम्ब टिटाना मृत्य ॥ ५१ ॥ छटम्म त्मीरका छ्विछ । नियम् अत्न शुक्रवः त्मार्र्ञा म बर्जायम् सम्मित्य । ज्यापार् নো বহবঃ।। ১৬।। তদাত্তঃ। অভিকে স্ত্যুদুরা ইত্যন্তিকে চ দূরে চেতি হ জারাদ্যদহায়-অন্ধ ভাত্যপ্রিতে৷ রসানাং সংকরেহস্ত ইতি ষ্দেতমণ্ডলং তপতি তদমুম্থ যুর্য এতি-ইত্যেকশ্চ বহবল্যেতি হ জায়াদ্যদহাসাবমুত্র ভেটনকোহথ যদিহ প্রজাস্থ বজ্ধা ব্যাবিষ্ঠকে ১৯১ (मांक्श भुगं मर्समिष्यमञ्ज्वायः यत्मक ज्व ज्यात्मका ॥ ১৫॥ जमाञ्छः। এकां स्पूर्यंक्रम

ৰএষ এতবিষয়াণ্ডলে পুরুষো যন্তায়ং দক্ষিণেইক্ষন্ পুরুষঃ স এষ এবংবিদ আত্মা ভবতি প এষ বীষ্টকোহায়ঃ। ঋণোকা যক্তরেকা সাবিদকা তদ্যাৎ কাং চারচোপদ্যাতি কক্ষএব भूक्षमभी उट्ट श्रक्मात्म बङ्गत्नी जवत्मत्कक्ष । २२। मध्य अव ष्णुः। बाग्रजनरम्बर वीकिकः । २১। তে वा वाज। छेट्ड वय ह कन्ता वजक शुक्रत्रभारमञ् ভক্তা আয়তনমধ মাং যকুম। পুরুষ এব তত্তা আয়তনমধ মাং সাম। পুকরপামেব ডক্তা 

इर्टमांम घामिकि स्वीगत्र हेटाखांस्कि नीटर यथा खामिकी। स्वार मा रङ्। आ ७৫७। द्रांवा श्टेवा । डि७८मा मार्टो। वाका खाँ ७ को २ इवः। • जाथ मांगट्रविष्टिशोठेष्ट्रज्ञानीनि वांगट्रमवाः वृष्ट्रमांगः क्षांक्रमांग द्रथन्त्रम्। ज्यां भूक्षय-স্কুকুঞ্জ ফুদ্রস্কুণ্ড ততঃপরম্। আজ্যদোহানি সামানি শান্তিকং ভারুড়ানি চ।। পাশ্চমে ষারপালো তু পঠেতাং সামাগো তথা ইতি দানপারিজাতোজানি। তত্র বামদেব্যং কয়া-ন্দিচুত্র ইত্যন্তাফ্চি গীতং সাম তচ্চ (১৪৩ প০ ১প০ ) প্রাগুজম্। मग्रम्। एवि । १७। (य॰ मण्मय वांमान ऽ॰ ष॰ ७४॰)

জনানামাসমঃ পাত্রং জনমত্ত দেবাঃ) (সামার্চি৹১প্র০১অ০২দ০৫ক০) ইত্যস্য ত্রিধা<sup>১৯২</sup> २३। जार स्वाशिषु रेस मदमिष्माता २३ घारका २७ कीच्य व्यक्षा १७ ७ ३२० ड বাজ্ম্য কারবঃ। ত্বাং র্ত্রেষিক্র সংপতিং নরস্থাং কাষ্ঠাস্বর্ধতঃ। ( সামাণ্চি॰ ৩প্র॰ 522 जा ७८७ (हा वा हार्डवा ७। छ ७८मा घर ब्राधि म् ( मेर म मा २ दर्मा ज्या ७८८ জা-২৩ ৪৫ ঈ ড়া। (সাঁ০ বে০ ৫প্রত ১ক্স০ ২৮,২৯ গাঁ০) গামাশজ্জী ভামিদ্ধি হবামছে সাতৌ त्रथे खत्रम् आधिष्य। भूत इंटामग्राष्टि भी उर उमा विमिन्न श्राबर्श्टी इन्म इंट्या (म॰ श्केता ७। छ ७२७८ मा । ऽ। ज्यो मिक्सि स्वांगरस्मारको वारका वा। मां का ऽ बांवा ে জ্যেষ্ঠ্যায মুদ্ধানমিত্যস্যাহ্চ নীতং (১৩৩,১৩৪ প৽ ২,১প্৽) প্রাগুক্তং গানাশক্তো মুর্কানং দিবো অরতিং পৃথিকা। ইবখানরহত আজাতম্গিম্। কবিং সমাজমতিথিং ্ত্ৰপ্ৰী হি অভিত্ৰা শু। র নোর্মো ২ঃ। ওয়ি নোর ও মাঃ। অ দুর্ফাই।ব ধায়ি নবা ২ঃ (होना क्छिना ७। छ ७८ भा। मत्रकार काका। य जर स्डः। जा ७१ ऽष्यः १म० २कः इन्डामा विधा क्रमः।

नान्छिनाटर् वि॰। ज्यादाधियां। थांतिः मिषां जना २, नाम्। প্रভागि (४ ७, सुम्। हेवा-भांखिकम्। অरवाधारियित्याकिमा अकार्याचियां विष्युं ए एम रेट्या मिन्छ। রতী মুষাসম্। যহা ইত বা। প্রবা২, যামুজিহানাঃ প্রানা ২,৩, বাঃ। সমতে নাকমচ্ছ রহ্বঃ। গানাশজো অভি স্থাশ্র নো ইনোচনুষা ইব ধেনবঃ। ঈশানম্স্য জগতঃ ७ डांकू २,७,८, याः । खवा ७ । हांख्वा । (मामत्वम्तमाक्यांत्म > প्रथमभागम्) भागिति अधिना ७ वाह। जाशि भाममञ्ज क्राउः। स्वाम् भाम्। जाम् अभाम्। जाशिभानि। अ जाकूमः । जार, ७, क्रु, मार, ७, ८, ७, ৫ (हारा क्र्या क्र्या २, ७, ८, ६, ६, ८)। (मोध (४० ४ ४० ० ४० १००) हेर जाव भर्मोशिशिक (किंछिर। जान्ति को भूत प्नां कु प्नां दा। अपिक्षा ट्व (थनवः क्रेमानगरा अराजः। ख्वा २, ७, फ्रेमाम्। जाक्रेमानम्ख २, ७, इन्छ। बाकारमार्गात (मग्डजमर छानि बौनि। (५७८,५७५,भ०,५,२,२,१,०) थांकलानि। कम्यूट्टम्। जात्वा बाकानमिठारिकम्। (১७७,५७८,५८,५,५,५,५,५)व्याखन्म्। क्षह्रंनामोंनामिक्क उक्षु मः। (मामार्किः ७ थः ऽषः ० परः ऽमः) हेउ।मा बिधा करिः। भूक्रमञ्ख्नम्। महत्रमोत्विङ्यापिकः (১७७, ১७१४० २, २,१९०) व्याख्यम्।

5分少美國之, 6,1 图10,8, 6,1 图之, 6,8, 6, 第1图1 (形。(可。之图。之图。 20前) 打印: नरको कारवाधगाधिः ममिषा कनानाः अञ्जिषक्षियायञ्जाषुमम्। यस्त्रा हेव अवद्यागुक्कि-

ভারুড়ালি। ইমং ক্রোমমিত্যাদিকম্য তারুওখামজ্জগতা ছন্দঃ জাত্বদোমিদ্দেবতা প্র ক্রাম্থিক কেবল বিলি । ইমং ক্রো ২,৩,৪, মাম্। আহতে ২,৩,৪,জা। তা। বেদমে ৩। হোরি। প্রামির । ব্যামির। মারারির হ,৩,৪, নাঃ প্র বা। স্মামংসদে ৩। হোরি। অহারির সাহ,৩,৪, খ্যারি। মারারির হা ২,৩,৪ মা। বারং তবা ৩। হো ২,৩,৪,৫ চা। ১৮ মুর্জা। হো হারি। নং দা ২.
১০,৪ মা। বারং তবা ৩। হো ২,৩,৪,৫ স্কানরাম্। আত আন। জাত্মম্মিন। কবিং ও,৪ রি বাঃ। জনা ২,০ নাম্। আসমঃ পা। তাও জন। যা ৩,৪,৩। জাও সংযোজমতিথারিম্। জনা ২,০ নাম্। আসমঃ পা। তাও জন। যা ৩,৪,৩। জাও বাং করি হারির সাক্রির সামির হারি। সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার। সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার। সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার। সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার। সাক্রিরার সাক্রিরার। সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রিরার সাক্রেরার সাক্রিরার স के उंगा कदिर मर्जाका उम्हि। थिर क्नांनाम्। हेत्रा हेश ७। के ७ शां। जामन् मां दिश वा ७ ६ ७ । २॥ त्यां वा शि गुक्ती शिशा न माशि। वा ३७ ज्या जि अधिवादि। इर्हा हैग्रा ७,। में ७ग्रा। टेनचामहाम्। थाउ चाः। जाउमधीम्। ट्रहा हेग्रा ७ <u>डाक्रडामि । हेगः क्षामिष्ठामिकमा डाक्ष्यभिष्ठिग्छो हम् । काउट्यटमाधिटक्</u>रडा হানাঃ প্রভানবঃ সন্ততে নাকমচ্ছ। (সামার্চি॰ ১প্র॰ ২জ০ ৮দ০ ম০১) ইত্যস্ত ত্রিধাজপঃ।

'भी'। जा ७ छन। यन (म्याः। ट्रां रेशः ं। अर। यः २,७,८। अर (श्राया। अर. ७, ८ ॥ ७॥ वित्रदा अहाति। आरिया न भव्वत्या भार, ७, वे १८। अक्रथि

न दिसं कम्य खमा २, ७ वि दो हो। ७९ या भिदः अर्घे ७८४। वाभाष्म भाषि र्मियो २, ७, रा ७३। जामिए। मूर्या २, ७.८ उ ६ (रा या। वार्षा २,७,८,६६॥॥॥ হায়ি। উক্থায়ি। ভিরা। গ্লেও জন। যত দেবাং। হাষয়ায়ি দিবে। হায়ি। তং হা। हा। वग्ना दिन हामि। विद्युद । जारमा। न भर्त । उस श्रेषाद। हा। यग्नामि मिर्टन

शिवाः। ऋके তয়ঃ। বাজয়তী। হা। য়য়ায় দিবে। হায়। আজীম্। ন গায়িধবা২, ৩, म् ७३। कात्म ७। गूर तार, ७, ८, ७,९८ वा। जमार. ७,८,९६॥ । व्यात्ना রাজা। নমধ্রত কুদাম্। হো। তা। রাম্। স। তাযজাত ম্। রোদসীয়োঃ। অগ্রিং পু। রা। তন্রি। জোর্চিতাথে। হিরণ্য। রূ। পাও ম্ব। সাও, ৪,৩ রি। কাত পূর भी ७,६,७ म्।७॥ इसा ७, ८, २, ७, ८ है। हाडे हाडे। हाडा ममर्था न। (माडी-जाशिमा। महा ७,५,२,७,८,६। हाउ। हाउाजिही छट म। वाह्या वाह्या वाह्या जाह्या छ। (बाजीः। अजीः। यञ्च ७, ১,.२,७.८। हाउँ। ७। প্रजीकगांच ३९ । जाग्निमा आफ्रिमा।

528 3, 2, ७, 8 वि 2। श्टिं। ७। खाध्यूयमा २,७ मना छ। वा ७। ही २,७. ८, ६ ॥ १॥ (श्रिश २, । त्रीरम् २,। त्रीरम् शिक्षि । ट्रम् अका ममर्थामा ७ मिडि २०। ७ डी २०। ७ डी २०।

ज्यामूर्यमाम्। छमानाहै। ट्यांशि ट्यांत ७ ट्यांति। ज्यामुन्ता। ट्यम् व्या। त्यमा। ट्यम् - हार्वास् ७,० डेवा २,७। त्म ७। मिया २, ७, ८, १ म् ॥ ५॥ सा। स्वित । ह्यांत्रि। थी हां क दही। यो २,७,८ ७ ६ दहाया। व ७। मियो २,७,८,९,९ म्॥ ५०॥ हां छै। ७। जाशीम। ষষ্ঠ পতীকমাছতং যু ও তায়িনা ২। আগ্রিনা ২। আগ্রিনা ২। নরো হব্যেতিরীডতে সাও नाथा २ :। नाथा २ :। नाथा २ :। (होत्हा २ । (होत्हा २ । (होत्हा कि । जाधित अपूरमा २, क्जममंखि। वा ७। ही २,७,८,९ ॥ ७ ॥ व्यत्कब्रन्।। वृङ्जा हा। जियशाधिः। त्हाहि त्हांत (होत्। ७ २, ७, ८ ८क। जून।। बुरुजा ७। याजियभी । हा। हां ६ दाशि। जा २, ७,८ ता। ममा ्हां । जात्त्राममाति । व्यच्छा त्त्रा । त्रवीछाति । त्र्याति त्र्याति । त्र्याति । मिर्वाक्तिमा कि। इयस्डा ७। त्रात्रवीजी। हा एहां छ ६ त्रांत्रा मी २, ७, ८ दांश। किमा। खा ७ मूना मामूमांन । ह। हाउ ८ ह्यांत्रि। जा २,७,८ भाम्। ज्ञा त्वा त्वा त्वा त्वका। हा। নুরোঃ ৩। দী ৩ থিতি। ভিররণোগে। হাউ।৩। হাজা। চুতোম্।৩। জন্ম।ত প্রশক্ষম্।

র গ্রমুষসামশোচি॥ ৫॥ প্রকেতুনা হহতা যাত্যামিরারোদনী হ্ষতো রোরবীতি। দিবশিচদন্তা ইক্তের রাজী সমর্ব্যো নমোভির্যন্ত প্রতীকমান্ত্তং য়তেন। নরো হবোভিরীলতে সবাধ আয়ি হোতারং সত্যকং রোদফোঃ। তাগ্নং পুরা তন্যিজোরচিতাদিরণারপণবদে ফুণুধ্যু॥৪॥ জনয়ন্ত দেবাঃ॥ ২॥ বিত্দাপোন পর্বত্য প্রধুদ্দ্থেতিরয়ে জনয়ন্ত দেবাঃ। তং হা-দুপ্মামুদানতপামুপত্তে মহিয়ে। বৰ্দনা ৬॥ অগ্নিং নরে। দীখিতিভিররণোইস্ডচ্যতং অরতিং পৃথিব্যা বৈশ্যানরস্ত আজাত্মগ্রিষ্। কবিং স্মাজ্মতিথিং জনানাগাসন্ত পাত্রং শিরঃ ক্ষ্টতয়ো বাক্যত্রাজিম শিক্বাহে। জিগুরেখাঃ।। ৩।। জাবে। রাজানমধ্রত্য রুদ্ চুচতাষ্। জনয়।ত প্ৰশত্তম্। অম্। অম্। হাউ। ৩। দুরায়ি। দুশাম্। গৃহপা। তিম্থ-क्षेड । । मूनामि । मुनाम् । ७। श्रम । जिन्य वृत्म । हाउ हाउ हाउ । ता । के २,७,८,८ ॥५५॥ অর্ধ ৩৮ অব্ধি ১২ গাং) এবং গানাশজে ইমং জোমমহতে জাত্বেদমে রথমীব সংমহেমা "मजीयग्ना। उन्नाहिन नः व्यम्जितमाम् मार्थं मर्था महियमि वग्न उन्।। मुर्कानः मिर्वा वृष्म। वृष्म। वृष्म। होड हाडे होडे। वा। झे २,७,८,६,१॥ ১२। (मांम० ८व० २ थ० ५, २ হাউ।ও। আয়ীষ্। নরোঃ দীও ধিতি। ভিররণো়ো। লোগ। লোঃ। হাউ।ও। হাকা।

১৯৫ जनग्रज शर्माख्य्। मृहत्रमुग्नेः शृष्ट्निन्धिय्त्याम् ॥१॥ (मामार्किः ऽ अः र अः र मः ८ अव्यवि ५०भः

যম প্রস্তরমা হি রোহাক্সিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদানঃ। আ সা মন্ত্রাঃ কবিশজা বহত্ত্বেনা প্রাধ্যপঞ্জ শান্তিকাধ্যায়যেব চ। অথকাণো দারপালে। পঠেতামুক্তরাভিত্যে হাত দান
अ

प्रिक्त प्रांतिकारত। ক্রানি বোধ্যানি। তত্রাথকি। যথা। অথকাণ্য হিত্য দিত্রং দেববন্ধুং মাতুর্গভিং

ভ্রুত্ব কুচিং যুবানম্। যইমং মক্তং মনসা চিকেত প্রণো বোচস্তমিহেই প্রবঃ। (অথ প্রাংক্

ভ্রুত্ব কৈচিং। ছলেদানায় বহদলায়েত্যাদিকমিত্যনে ত্রুক সংহিতায়ামদ্ধীয়ামেল।

ভ্রুত্ব কৈচিং। ছলেদানায় বহদলায়েত্যাদিকমিত্যনে ত্রুক সংহিতায়ামদ্ধীয়ামেল।

ভ্রুত্ব কিচিং। ছলেদানায় বহদলায়েত্যাদিকমিত্যনে ত্রুক সংহিত্যায়ামদ্ধীয়ামেল।

ব্যং কুমতে যাজিয়ানামিশি ভ্রে সেমিন্সে স্যামা। ১। অক্রিয়া নিষ্দ্য। ২। ইমং

প্রুমির পরিছ মাদ্যস্থ। বিবস্ধ ভং হুবে যঃ পিতা তেংমিন্ বহিষ্যা নিষ্দ্য। মাহা। ইমং

রম্ম প্রস্তর্ম। হি রোহাফিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদ্নিঃ। আ স্থা মন্ত্রাং ক্রিশাল বহুরুনা রাজন্ হ্রিয়ে। মাদয়স্থ ॥ ৩॥ ইতএত উদাফ্রহন্ দিবস্পৃষ্টানাক্রহন্। প্রভুক্তিয়ো যথ: अयो मामिक्ट्रमा घर्डा । । ( जायः अम्जः अकः एम, ए २, ४०, ४५मः) हेन्डि पर्देश। অথাথৰ্কনিকানং পাঠ্যস্তলানি অথৰ্কাকিরসং নীলক্তন্ত দেব্যপরাজিতা। মধুস্তকং রৌধসঞ্জানিত্রকাধ্যায়মেব চ। অথকাণে। দারপালে। পঠেতামুভরাজিতে। ইতি দান-भ०) ब्राजामार जिया जमा।

অভিরোহমি জম্মনেত্যাদিক্মিতি পাঠ্যদিত্যনো তচ্চ সংহিতায়ামদৃষ্ট্রারেই ম্যোজ, ত্ম্।

বিবৃহ্যাশ্সি॥১॥ যাত্তে শতং ধমন্যোহজান্জ্বিস্তিভঃ। তাসাং তে সর্কাসাং ব্যং नीलक्रमम्। यार ८७ कम ट्रम्भाज्यमरकरङा। श्रमग्रा ह। हेमर जामम् इष्यर निष्ठीर নিকিষাণি ক্ষয়ামমি॥ ২॥ নমতে ক্দ্রান্ডতে নমঃ প্রতিছিতারৈ। নমো বিস্জামানারৈ নমে। মিপাডিডারৈ॥ ৩॥ (অ্থ০ ৬ অ০ ৯০ক০ ১,২,৩ম০)

जिट्टमा इंख वद्र वद्रम् ॥ २॥ जेषु नय् व्याजिन् वदिन खण्डर कृषि। भराषित्र अपन् . जम्द्राकिल (मनी। भदिन्यामि मर्स्टरेसः श्रां ह मठ्डः। मुश्यमामुः (मन) জ্মিত্রাণাং পরজ্ঞরায্।। ১।। মুঢ়াঅমিত্রাশ্চরতাশীর্ষাণ ইবাহ্যঃ। তেবাং বো অর্মিযুঢ়ানা कानि देनोक्टरमम् ॥ ०॥ (वायः ७वः ७१कः ५,१:७मः)

রৌধসম্। অভয়ং দ্যাবাপ্থিবী ইহাস্ত নোহত্যং সোমঃ সবিতা নঃ ক্রণোতু। অভ্যং নোইশুৰ্কন্তরিক্ষং সপ্তথাযীণাঞ্ ইবিষাভিঃং নো অস্ত্য। ১।। অইম গ্রামায় প্রদিশশ্চত্র উর্জিৎ স্বভূতৎ স্বস্তি সবিতা নঃ ক্রোতু। অশাত্রিনো অভয়ং নঃ ক্রণোত্রনাত্র বাজামতি-मधुक्टलम् (५०४० ५१० २०, ५८, ५२, ५७४०) थाखन्म ।

স্মংসঃ। শংনো রুদ্রো রুদ্রেভিজ্লায়ঃ শং নস্তটা গাভিরিছ শ্ণোতু॥ ১॥ শংনঃ -নো রজসম্পতিরস্ত জিষঃু ।। ৫॥ - শং ন ইন্দো বস্থতির্দেবো অস্ত শামাদিত্যেতির্দ্ধণঃ সোমো ভবতু বন্ধ শং নঃ শং নো থাবাণঃ শমু সন্ত যজাঃ। শং নঃ স্কাণাং মিত্যো ভ্ৰত্ত শং নঃ প্ৰস্তঃ শ্যুত্ত হৈদিঃ॥ १॥ শং নঃ সূৰ্য্ উক্চফা উদেতু শং নো ভৰন্ত প্ৰদি हमा मग्रांचाण्यियी शूर्स कृट्डो भगखितकः मुभट्य तमा खाञ्च। भार म स्प्रयोसिनितमा ज्वछ भार क्रदिटाश मंश्टिय । भाग्न हेक्सिश्यमा वाक्रमाटको॥ । भाग्ना कर्नाः भाग्न नः मध्मा व्यक्त भाग्न भामा थाजा मागू थर्डा तमा व्यक्त भाम छ जाही जब कू यथा जिंह। भेर त्वां मिनी इस्जी भाषा विमिह শামো দেবানাং সূহ্যানি মন্ত ॥ ৩॥ শামো আমিজ্জোতিরনীকো অন্ত শামো মিত্রাব্রুণাব-স্থিনা শ্মৃ। শং নঃ স্কৃতাং স্কৃতানি সন্ত শং ন ইয়িরো অভি বাতু বাতঃ॥৪॥ শং পুরক্ষিতু শামু সন্ত রায়ঃ। শামুঃ সত্যস্ত তুম্মতা শাংসঃ শামো অধিমা পুরুজাতো অস্তু ॥ ২॥ ষ'তু মৃত্যুত । ২ ॥ অন্মিত্র নো অধ্রদেশ্মিত্র ন উত্তরে। ইন্দ্রান্মিত্র নঃ পশ্চ দ-শাক্রাধ্যায়ঃ। শল ইক্রায়ী ভবতাম্বোভিঃ শল ইক্রাবেরুণা রতেহ্ব্যা। শমিক্রাসোল नमिन् शुरक्रिया । ।। (गर् , ध्य , ८० ६, १, ७१०)

সুষ্ভাঃশং নো ভবন্ত পিতরো হবেয়॥ ১॥ শং নো দেশ বিশদেবা ভবন্ত শং সরস্থতী দ্বিজা যজিয়াসো মনোর্জনা অস্তা ঋতজাঃ। তেনো রাস্ডামুফ্গায়্যদা যুষ্ণ পাত বিভারীঃ। শংনঃ পর্জন্যো ভবকু প্রজাত্যঃ শংনঃ ক্ষেত্রস পাত্রের শংসুঃ ॥১০॥ ১স্থ मृह् थीं डिंत छ। "भाष डिया छः भाषू त्रां डिया छ । भार दमा मिता इंशां थिता । भाष्ता । भाषा जिथा । नवीग्रः। मुनुष्ठ त्मा मिवग्रः भाषिबाटमा भाषिबाटमा जोकांज। উত य बब्धिंग्रामः॥ ८॥ य प्रवामा कृष्टि छिः ममा नः॥ ८॥ जमछ-मिज्ञित्कः। जम्द्री काःद्यात्रम् । जनी-অদিতিভব্তু এতেভিঃ শং নো ভবন্ত মফতঃ স্বৰ্কাঃ। শং নো বিষয়, শুমুপ্ৰা নো অন্ত শং নো ভবিত্রং শাষ্ত্র বাষ্তুঃ। ১॥ শং নো দেবঃ সবিতা ত্রায়মাণঃ শং নো ভবন্তু যুসো • শংনঃ দত্যতা পত্যো ভবন্ত শং নো অৰ্বন্তঃ শমু দন্ত গাবঃ। শং ন শ্বভৰঃ স্কৃতঃ भै९ दुना व्यक्त अक्त्रभारफरेवा व्यक्त भग्निक भग्निक अर भग्निक । भेर दुना व्यक्त प्रमादरभक्त व्य শং নঃ প্রৈত্বতু দেবগোপা।। ৩॥ আদিত্যা রুদ্রাবস্বো জুষ্ডামিদং এদা ক্রিয়মাণং মহি গাধমুত প্রতিকাং নমো দিবে হৃহতে সাদনায়॥ ১॥ ২স্থ

कार्यान मार्काग्रज्ञ। ठजुःकार्यानारमकजार् मरमाम् वयमत्माधानात्रामक्कित्र ६ ६ म्यारकारके भार्षरग्राः वीनि वीनि रक्षिमि छाङ्गा मार्ज्जरग्रा क्रक्रिक क्र्रिक्र यहेयहरकाकाज्ञ-চতুরকং প্রশাধ্য ততা প্রাক্শিকিম্যোক্শিকণোত্রতশচ নব নব রেখাঃ কৃত্য চতুঃষ্ঠি কানি চত্মীর দারাণি জায়তে। ততো মধ্যস্থানি যোড়শকোষ্ঠানি প্রতিদিশং চত্মারি চত্মারি (कांक्रीनि भित्रजाका मर्क्कितार। जत्जा वाश्यभ्रक्षिक प्रतिकर (कानगर (काक्रेमुरम्का কোণকোষ্ঠদারপীঠাত্তরালবর্তীনি পঞ্চ পঞ্চ কোষ্ঠানি প্রতিদিশং মার্জ্জরেৎ। তেন মধ্য-ज्जारमो ८विम मरथा ८वां छुनां ३९ ठक्ट ३४८३९। यथा ७क्टर्किमियर्था जिष्छमोर्घिष्ठा १ " এট্যা অপ সম্ভয়ঃ মং বর্ষাতি বর্তনিং মুজাত্তা। অয়া বাজং দেবছিতং সলেশ किंकिकर मखनर कूर्याद। जब 5 मर्सानि कोधीन नियम् नमिधाश्मानि मन्त्राह । मरम्म শতক্ষিমাঃ স্থবীরাঃ ॥ ১ ॥ ওস্থ্ত (অথ° ১৯অ° ১০,১১ ১২.স্থ্ত) হৃতি পাঠ্যস্কুলাদি। 234

कर्त्रयमोठेय भामाः ज्यंति। उट्टा मधामोठेमाङ्डा क्रमभक्ष्यांत र्जामि क्र्यांत्।

উত্তাদ্যে চতুরঞ্গলো দ্বিতীয়েহপ্রাকুলস্ত্ তীয়ে চতুর্বিংশত্যস্থলঃ চতুর্থে চ যড্রিংশত্যস্থলো ব্যাসঃ। ভত্রাদাং চতুংস্কুলব্যাসকং বৃত্তং কণিকার্রপং পীতেন রজসা-পুরয়িত্বা কণিকাব্ধি রেখাং সিতেন রজমা বিদ্ধাং। তদ্ধিরফীকুলব্যামে দিতীয়রতে ক্রমেণ পীতরক্রসিত • রজোভিঃ সংপাদিতমথামূলাআণি বোড়শ কেশ্রাণি ক্ষা কেশ্রাবিধিরেখাং সিতে**ট**নব बक्रमाष्ट्रत्नाञ्च कर्रा । उठ्डम्बिक्क्र्रिक्न ग्रङ्गनगारम् क्रीशब्र कक्ष्य किक्नु को শাতাণি সিত্যজ্সা বিধায় রকাথাণি কুৰ্যাৎ। ততো দলাভৱেষু সিতেন রজ্সা রেখাং দিভরজনা সংপাদ্য তৃতীয়চতুর্ব্ত্রয়াত্তরছানেয়ু পরিতোহউদলাঐতৎমন্ধিয়ু বোড়শ-ভিঃপইবঃ ৰোডশ্যা বিভ্লা প্ৰতিভাগং যবাকারান্ যোড্শারান্ সামপীতাফণ্শেতরজোভিঃ কিধায় দলম্ব্যানি ক্লেক্সন রজসা পূর্য়েৎ। তদ্হিরেকাস্থলাভ্রোলাং বহির্ভিছ্চতুর্পরেথাং কল্পিয়িত্ব। তমুধ্যং যথাযোগং রজোভিঃ পূর্যেথ। ডদ্বিঃ দিত্পীতাকুণকামহরিতাঃ भक्ष द्रियाः क्रमामा मिर्यर । उम्हि भीठित्कव्वक्र्यर यथारमान्य तर्कानिक्रमक्र्जा পীঠাব্ধিরেধাং সিতেন রজনা ক্রমা ঘারক্ষেত্রাণি পূর্বাদিতঃ পীত্রেধাত আমহ্রিতরজোভিঃ পুৰয়েৎ। তত আগ্নেয়াদিকোণস্থকোক্ততুউয়ং ক্ৰমেণ লোহিতহ্রিতভাষ্থৰলৈঃ পূর্-

(कोरवर्गार शमाय, जेमानार म्लर, उद्घारम ठक्र, भागमिक्तन भष्रक निरंथर। अवर महा-- अन्मार्ड। योखन्यं अन्यश्रह्मा क्रिक्न निर्वापत्र मुस्मिनिक मरम् । जारकक्रुमीरम् वमाक्र-• हम्मामित्रातक थिनिर्मिष्ण्म উভয়তঃ প্রাদেশমাত্রসূলং সপ্তহ্ত প্রমাণং স্তন্ত্রদয়ং কৃত্রা ভূমো -নিখাতহস্তদয়ং চতুহস্তাত্তরাল স্থানেনিখনেৎ। তয়োকপরি হ্তানিতা চূড়া কার্যা উপরিভাগ-১৯৮ যিত্রা আরোমাদিশীরপাদচতুইরং পঞ্কাকাত্র্যকং ক্রমাৎ সিতরক্তপীতক্ষম্বকোডিঃ পুর্-तिर । उठः मिरउन त्रक्याष्ट्रामोन्नरजन विश्वकत्रवात्रथाः क्यार । उठः थानाः रज्यः, जारभेगार मेकिं, मिक्टिन मधर, देनका जार बजार, भिक्तमाग्नार भागर, वाग्नतार धकर, উত্তো বেদিমধ্যে যথোক্তলক্ষণান্তলাৎ ছাপ্যেৎ। সাচ বত্পকারাপি বত্সংথাদায়সিদ্ধা কেদিয়ধ্যে যোড়শারং বিলিখ্য তবৈত্রব প্রাণ্ডক্তাঃ বক্ষ্যমাণাশ্চ ঈশাদ্যোদেবতাঃ সংপ্রকায়েৎ।

িয়েঃ হস্তমিতং ত্যক্তা উত্তরাক্ষকাষ্ঠাথারতাবোগ্যং বিলং বা কার্যম্। তদুপরি তৎসকাতীয়-গ্রোঃ প্রবেশনযোগ্যং বোভরাঞ্চং স্থাপয়েৎ। উত্তরাজমংধ্যহধোভাগে তুলাবলম্নযোগ্যং বড়ি-কাষ্ঠঘটিতমুভয়তো বিত্তিধিত স্থলং পঞ্ছন্তং প্ৰান্তয়োধিতন্তিমাত্ৰং তাজ্ৰ গুণ্ডদুয়োপরি-ফিত চূড়াপ্ৰবেশ্যোগ্যবিলসহিতং স্থান্ত্ৰোৰ্কিতজিমানুচূড়াত্যাং স্তন্ত্ৰহয়োপরিস্থিতবিল-

শাঁফতি লৌহকটকমেকাঞ্সলপিওং ষড়ঞ্চলমিতং তিষ্যক্লোইকীলকেম ক্তযোজনং নিবেশ-য়েৎ। উত্তরাক্ষকাস্তয়তৃত্বলাধোভাগে উত্তলোইকীলকে তথাবিধতুলোর্দ্ধিস্থিত্যড্কুলকট্-কেন সংঘোজ্য তুলাম্বলম্মেং। তুলা তু প্রাণ্ডক্রকান্তম্মী দশাস্থুলস্ত্রবেঊনস্থলা বর্জুলা সাধিচতুহ্তদীৰ্ঘ প্ৰতিয়েঃ ষ্চুকুলাত্তরিতভাগে প্ৰাঞ্জনপ্ষ্ডুকুলকটকদুয়োপেতা তদ্ব--হিক্লভযত্ৰত কতুরফুললে) হ্পাশীসহিতা মধ্যভাগে চ উদ্ধি তথাবিধকটকসহিতাধোভাগেষ্পি তথৈব মৌবণ্বক্ষামাগ্রামাযুক্রপাম্রিমান্ গোবিকঃ ফাপাঃ। তুলাদণ্পাশ ফ্রকটক -য়োশ ত্রিসপ্ত্রাফুলদীয়া একাফুলফুলপ্থচত্রারিংশৎকটকার্বিদ্ধাশ্চতব্যন্তব্যো লোহ শ্ৰালাত্তদভাবে রজ্মু ও উপরিত্তকটিকেন সংবোজ্যবিলয়্যে। তাস্ত চ শক্তানুসারেণ দ্-অকাঞ্চুলাস্থলা সভ্জুলচুড়া স্বততিহাকীলকমোজিতলো হকটকসহিতা চ কাহ্যা। সা চোত্ত-ত্দেশেষু সৌবণপট্টাদিস্টত্রশচতুর্কিংশতিক্ষাঃ কার্যাঃ। তেষু বল্ধেষু চ ক্রমেণ মাষান্ত্যন রাক্ষনিষ্ঠে দক্ষিণোত্তরতো নিবেশনীয়া। উত্তরাক্ষকাঞ্চে চ প্রাণাদিক্রমেণ চতুরফুলান্তরি-উত্তরক্ষিপরি চ সৌবর্ণপট্রবস্ত্রাদিভিরাজ্ঞাদয়েৎ। তুলাদণ্ডমধ্যে চ ষড়ঙ্গুলকটকাধোভাচে গ -সুৰণ্যটিতা অফুষ্ঠপ্ৰমাত্ৰাহ্যনা ৰক্ষ্যমাণ্যানাহ্যরপ্যুত্তিমন্ত ঈশাদয়ো দেবাঃ স্থাপ্যাঃ।

১৯৯ শাউষ্ট্শতপ্লমিততাইমঃ ক্রমেণ পঞ্চতুঃমান্ধত্রিপ্রদেশদ্বিষ্ট্রের প্রত্যেকাদুলো

ু নাক্ষৰাষ্ট্ৰলাদ্ভোচ পঞ্চৰংশত্যকুলদীবৈকাজ্যান্মুদ্ধং মথা তিন্তেন্। তত্ত-নাক্ষৰাষ্ট্ৰলাদ্ভোচ পঞ্চৰংশত্যকুলদীবৈকাজ্যান্ত্ৰস্থলোশ বিষয়ে তন্ত্ৰ ৰদ্ধান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰনি দিন্ত্ৰ বিদ্যান্ত্ৰ কাষ্ট্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰাদ্দিত তুলাদ্ভং বিষয়ে তন্ত্ৰ ৰদ্ধান্ত্ৰান্ত্ৰাণিদিক-নাক্ত্ৰাে এবং তােরণজ্ঞোত্তরাক্ষ্মাহ্তিং তুলাদ্ভং বিষয়ে তন্ত্ৰ ৰদ্ধান্ত্ৰিম্নিত্ৰ নাক্ত্ৰাে বিক্যানাহ্র প্যানাবাহ্নস্থান্ন্ত্ৰান্ত্ৰাভ্তাং ক্রমণ প্রক্তির্ভাগ্তির বিষয়াবাহ্ন ১৯৯ জিল্লাে ক্রমণ প্রেক্তির নিন্ত্রণাদিনা চ ত্যুভিং সংস্কৃত্য প্রণিপ্তিস্থাং বিধায়াবাহ্ন ১৯৯ ঞ'ভুজুৰঃ স্বঃ স্শান ইহাগচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য স্থাপয়েৎ। ততে। যথাবিভূবং প্ৰণবাদিনমোজ ষ জমানধারণধোণ্য ফলকে কার্য্যে। তে চ প্রাগুক্তশৃষ্যলাধোভাগস্থকটকৈর্বলয়াকার্টিঃ সং-द। आंगक छगदनीम जुनावसमनक्षतः। ইত্যাবাহ্য তদीमाम् (৮০१०) शिक्षक्रमुकार्वा ষোজ্যাবলম্বয়েৎ। তৎফলকে চ ভূমেপিতজিমাত্রমূদ্ধং মথা তিষ্ঠেতাং তথালম্য়েৎ। উত্ত-মতে ৰলয়াকারচতুলো হকটকমহিতে তদভাবে সারদাক্ষময়ে তাবিমতকাঞ্দিবিতি স্বৰণ ८५०। यथा भक्षवळु इयांक्र छाउवळुर ब्रिलांग्न। कथालम् नथेषु पिक्न ज्यात्मोत्न प्रमाणि।

नांग्रांखन श्रूजराव । जर्र मर्स्जार्माम्यत्नारळ उठमारेखः यानन् श्रूजन्

मांबक, मनाष्ट्रपंगः मांगाना गमांगानिक्रयमः। नक्षनः उटेषयः मानम्। जान्त्रन গজৎপ্রাণ যমুনাবিযুয়োদ্ভব। দশাশ্বাহন শ্বেত গদাপাণে বরপ্রদ। আগচ্ছ ভগবংশ্চন্দ্র-মাহেবা মারুত ত্বং সদাগতে। ধ্রজহত্ত মহাকায় তুলাবন্ধমলস্থুরু। বায়ো যে তে (১১০প্র मांक्र ज्या, थांवम् श्रिवाश्के त्या बिक्यांत्री मभीत्राः। नक्ताः थांमकः। स्पानिकः। स्पानिकः महा জুলবিক্ষমলংকুরু। ইত্যাবাহনম্। সোমো ধেরুম্ (৭৯প০ ২পৃ-) প্রাণ্ডক্রেন স্থাপনম্। ২

३१०) व्योखरकन खानम्। ७

স্ফিদংহারকারক। আগচ্ছ ভাগবন্ ক্স তুলাবন্ধালংকুক। ইমা ক্রায়েত্যাদিন . कष्ण, तळवर्गिखनारम् विज्ञककत्याम्। निज्य । किनिक शक्तिमा करमा वान ধুমুৰি রঙ। লকণং ধানিঞ। ব্যক্তি মহাদিব্য ব্যক্তাব্যক্তস্ক্রপাধ্ক। নাগহার মহাকুদ্র

क्षिक, इिट कार्याः अञ्जाकः मिन्द्राक्षणम् अक्षित्राक्षण्याः। याषामनः याकत्त्रा ज्यापिता रमा (५२९१०२९१०) शांकरकन छानम्। ४

নাধরঃ। লক্ষণং ধ্যানঞ্চ। পাঘাসন পাঘাহত্ত সিন্দুরারুণসপ্রভ। রথারুচ মহাবাহে। কাশ্য

ट्रिय महामूर्या जारीक जर्मन स्था जूनांनक्षमन्द्रका रहेस् । रहेस् । हेडाभिन। (১১৩%। 300

२ % ० २ % ) व्योखरक्तम क्योशनम्। ८

विष्कर्मा , विषक्षा कू कर्नगृह भाषणामा वर्णमाधन्छ। सर्मर्भभाषिष्ट्रिक्ना छ-

জোমুভিধরো মহান্। ইতি লক্ষণং ধ্যানঞ্চ। দংশাপাণে মহাবার স্থৃচিত্রকর্মকারক। বিশ্

ু কং বিশ্ব ভ্ৰরে । মহান্ । হাত লক্ষণং ধ্যান্ধ্য। দংশাপাণে মহাবার স্থাচিত্রক মকারি । বিশ্ব ক্ষান্ত্রাক্ত তুলাবন্ধালংকুর । বিশ্ব ক্ষান্ত্রাক্ত লাম্ন । বিশ্ব ক্ষান্ত্রাপনে । বিশ্ব ক্ষান্ত্রাপনে হাবারার বিশ্ব বিশ্ব ক্ষান্ত লাম্ন। মুহান্ত্রন্যে অভিতঃ সপতা ইহামাকং ম্বাবা স্থিব বিশ্ব প্র বিশ্ব বিশ্

. जिम्मार्गाः, कम्बनुः व्यन्तः हेन्य मक्तिः मर्जम्भि कम्राद्या कमार्याकार्

(२०७४०२%) वाखिरकन क्यांनिम्। १

নায়ঃ করাগাণি সমন্ততঃ। আগচ্ছ ভগবান্ বিপ্র তুলাবন্ধমলস্কুক। স্থন্থ ইত্যস্যাদিত্য কেনে। দেবানামভবঃ শিবঃ সধা। তব বতে কবয়ে। বিঘনাপমোহজায়ত মকতো ভাজ-यां छाउ तक गार्क्सो क्र भाडी छ ॰ ष्यक्ति ति पर छ। प्रमाध भाष्य निका थायि-

भूखक देशव का गारम व का धनुम्। जाना क जावन्ना प्रजावना मनक्ष्य । जानि मृजनि-

দৃষ্যঃ (য০ ৩৪ অ০ ১২ ম০) ই ত্যানেন - পাণিভিশ্চায়িনামা চ কলয়ংস্ত জপব্ৰজন্। শক্তিথ

. প্রজাপতেঃ, যজ্জোপবীতী হংমস্থ একবক্তশচতুত্জঃ। অক্ষং আবং আচং ধতে ক্ ভ্যাদিনা (৭৯প০১পৃ০) প্রাণ্ডক্তেন চ মিলিতয়োঃ ছাপনম্। ৮

थार। इंछ लक्कन थामका अज्ञवनी महाकाम विमाजन जूमिणा वित्य (मवाः विश्वरम्याम्, विश्वार्य , तिर्वान् मह्रवान्नानीर खरहामटेनाजान् विष्णुकान् विष-ছকো বিশ্বে দেবা দেবতাশুৎস্থাপনে বি॰। বিশ্বে দেবাস আগত শুণুতাম জিনাং চ প্রজাপতিঃ। লক্ষণং ধ্যানঞ্চ। প্রজাপতে সমাণচ্ছ তুলাবন্ধনলস্থ্রুন। প্রজাপতে সমায়াতাঃ প্রকুরুধং তুলাং ভেভাম্। বিশে দেবাস ইত্যতা মধুছন্দা ঋষিণায়ত্রী स्बर्धामिन्। (१४४० ऽथे॰) श्रीक्षरक्रम खाश्रनम्। ठ

ভূবনপুত্রবিশ্বকর্ষা ঋঘিজিউপ্ ছ০ বিশ্ববিধাতা দেবতা তৎস্থাপনে বি০। বিশ্বকর্মা বিমন আহিহাল ধাতা বিধাত। পরমোত সংদ্ক। তেষামিটানি সমিয়া মদতি যত্র। সপ্রাধীন্ ं भक्तमानाम् । भक्तमानाम् विष्ठताम् । विष्ठताम् । विष्ठाम् । विष्ठिम् । विष्ठिम्

दत्र वोज्ञक माज्यकम्। कुठांत्रक भरतांक्य हिखांत्रज्ञः महास्त्रहिः।. भाषाः ठक्रः किमनग्रः

कु और চ मर्गाण्ड करें तड़। यामिलाफरन। मर्ज्जमानाफ जनवम् जूनावक्षमनक्ष्रका मरमा वाज

ड्डामा मधाङ्काथर्सन सावित्रसूष्ट्रमं क्न मर्कात्मा तम् । जरम्। जरमा वांडः भवजार শামস্তপতু স্থাঃ। শামঃ কনিক্রদদেবঃ পর্জনোগ অভিবর্ষতু (য০ ৩১ অ০ ১০ম০) ইতি প্ঞ- লক্ষণসম্পন্নং তুলাবিদ্ধে নিবেশায়েৎ। নমঃ শ্বেবায়েত্যস্য পারমেপিচদেবতা প্রজাপ্তয় খাষ্য্র-

र छुर इयोक छर था जिव जुर जित्नो मन्। कर्मान मंगरी छर भाष्ट्र थर ७ मु इपन्।

জগদিধাতুঃ, হংমারচো, মহাবাহুশ্চতুর্বিজ্যুশ্চতুভূজঃ। বিউরং জ্যুক্তবং ধতে ফ্কুণালাঞ্ কুণ্ডিকাণ্। ধ্যানলক্ষ্তে। জগদ্ধিধাত্রাগচ্ছ তুলাবন্ধমলস্কুক। বিশ্বকর্মেত্যম্য

२०১ हेगर स्वम्। এमर वर्शिमीमेज (य० 9 व० ७८ म०) हेजारनम क्यांशनम्।

10

শুনুন্দোইভাবঃ শক্ত দেঁও তৎস্থাও বিও। নদঃ শক্তবায় চ ময়োভবায় চ নদঃ শক্ষরায় চ ময়ক-পিতৃণাম্, কুশাবিউরসংযুক্তাঃ পিতরঃ পিওপাত্রি। তান্ পিতৃংস্ত সমাবাহ্ তুলা-রায় চ নমঃ শিবায় চ শিবতরায় চ (য০১৬ অ০৪১ম০) ইত্যেতাভ্যাথ মিলিতয়োঃ স্থাপন্ম। ১২

धर्मामा, চতুर्वे क ने कुष्णाम क जुर्का छ । मिर्जा महा ज्यान । मर्का ज्यान । प्रमान । मर्का कार्या। ্মম্যরে। নমে। বঃ পিতৃরঃ পিতরো নমে। বঃ (য০ ২ অ০ ৩২ম০) এতৈর্জুভিঃ স্থাপন্য। ১৩ দৈৰতান্তৰ স্থাপনে বি০। নমোৰঃ পিতরো র্সায়। নমোৰঃ পিতরঃ শোষায়। নমোৰঃ . (मोगामा, मनार्थनार्यन (मोगार शम्मिनिर वत्रवम् । टेक्नमक्षनम् जुनावरक्ष ন্সে নিবেশয়েৎ। নমোব ইত্যাদি ঘলুষাং প্রজাপতিঋ ষিশ্চন্দোহভাবঃ ঋতুরূপাঃ পিতরো শিতরে জীবায়। ননোবঃ পিতরঃ স্থারৈ। নমোবঃ পিতরো ঘোরায়। নমোবঃ পিতরো বিজ্ঞানতা। দক্ষিণে চাক্ষমালা চ তম্য বামে চ পুশুকম্। উক্তলক্ষণকং ধৰ্মাং তুলাবন্ধে নি০। জজাভ্যামিত্যস্য প্রজপতিঋ'বিরেকপদা মহাপংজিশ্ছদো ধর্মো দেবতা তৎস্থাং বিং জ্ঞান্ত্যাৎ পদ্ধ্যং ধর্মোইসি বিশি রাজা প্রতিষ্ঠিতঃ (য০২০অ০৯ক০) ইত্যনেন স্থাপনম্। ১৫ শিবেশায়েৎ। উদুধ্যস্থায়ে ইত্যানেন (৩৮প০১পৃ০) প্রাঞ্জেন স্থাপন্। ১৪

ख्युनम्। উক্তनक्षामम्बद्धः जूनांवत्स्त नित्वभाष्त्रः। <u>जां</u>जांत्रमिजापिमा (८४म॰ ५९०) শক্রিস্ট, চতুর্দ্তগজারচং বত্রপাণিং পুরন্দরম্। শচীপতিং ব্রহ্রং সহজনগ্রনে-शिखिटिक स्थितिम्। ऽ७

**₩** 

मिक्किन्ह खरशे । वागरशः शुखरक कार्या मन्नीश्रज्यावित्मे । जिल्लाक्कनमन्त्राभ जुलावरक् .. किटलममा, दक्र गर्र याममामीमा (लाटकमार माममानिमम्। উक्त नक्ष नक्ष क्र ज्ञादाक শিতাবিফণয়েঃ, পদাপাণিং তথা মিত্রং কমলাসন্সংছিত্য্। দ্বিভুজং শেত্মুতিঞ र्षाचरमाः, जक्रत्। त्मर्वाज्यर्ष्को श्र्याक्रत्को महावर्त्नो। ज्यारवाषश्रः कार्या मित्रा -সর্বভূতহিতে রতম্। বরুণং সরিত্যমীশং লোকেশং পাশপাণিনম্। উক্তলক্ষণসম্মা তুলা তৎস্থাত বিক। আয়ং বাং মিত্রাবরুণা স্থতঃ সোম ঋতার্ধা। মমেদিই শুচতং হ্বম্। (ঋ বক্ষে নিবেশয়েৎ। অয়ং বাং মিত্রাবক্ষণেত্যস্য গ্রুমমদ ঋষিণীয়ত্রী ছ॰ মিত্রাবক্সণে। দেবতে ब्सिटनगरंग्रद । यो वार करमाज्यामिनो (अवभारत्रा) आध्यत्क्रम खांभनम्। 39 निर्वमार्ष्य । जञ्जा यामीज्ञामिना (८१म००) । भाखरज्जन खालनम् । ऽष्ट

২ জাত ২মত ৪১ ফুত ৪মত) ই ত্যেনেন স্থাপনম্। ১৯

. "मक्रमानामा, इत्यन मध्या फ्टिझर मिर्ड शूबर मक्रमानम्। महावीर्यार महावाहर ধনেশত্ত, নরমুক্তবিগান্ত্রং কুবেরং চোত্তরেশ্রম্। নিধীনাঞ্ পতিং তোঠং রাজ-जुनांवरम जिरवभारा । मक्टा यमा शैजामिन। (८५भ॰ ५०) शास्तरका खांभनम्। २०

त्रोक भ्रम्विनम्। উज्जनक्रनम्भग्नः जूनविस्त्र निरम्भाग्नद् । वग्नः भारम्जामिन। (७१भः

३९०) व्योखरजन खार्यमम्। २ऽ

गक्तक्य, यहामा ज्लामांकांना किहोती कुछनी गमै। गक्तकः शूक्रमा (धारहा वीना-

वामात्रक अमा। ज्यर शक्तर्कर मित्र जूलांवरक गिर्मा निर्मात । यरभन मिल्मिजाय क्रमन-মিদ্রীর্যভমসার্যী ত্রিষ্টু প্ছ০ গন্ধর্বো দে০ তৎস্থা। বি০। যদেন দত্তং ত্রিত এনমাযুন্গিন্দ্র

**जरनमंख, ध्रामनक्दान प्राधिर हेमर (म हेज्यामिमा (১১०म०२५) प्राधरजन खांभनम्। २७** এণ্ৎ প্রথমো অধ্যতিষ্ঠৎ। গন্ধর্কো অস্য রশনামগৃত্ণাৎ ক্রাদ্ধং বস্বো নিরত্ত (য৹ २३००० ५७म्०) हेटारनम क्यानिम्। २२

विरश्नाः, थीमिक्तार मक्तिनायःकत्रामात्रङा निङ्गाः। विश्वः क्रीरमामकीश-ঘাশস্বচক্রৈরলঙ্ক্তম্। উক্রেলক্ষণসন্মং তুলাবন্ধে নিবেশয়েৎ। বিফোররাটিমি- त्नीविक्ट , विष्णु मुर्जिनक विदी जुनाम्याष्ट्रक हेकार्या हार व्यापनामिष्टरमे क्लिक-

কুরু। শংমঃ কুরু প্রজাতোহতরং নঃ পশুত্রঃ (য০ ৬৬অ০ ২২ম০) ইত্রেনন স্থিরো ভবে

রূপৌ ভগবল্ডো দেবতে তুলাস্তস্তপুল্নে বি৽। যতোগতঃ সমীহতে ততো নো অভয়ং

ভ্যস্য ত্রিত ঋষিরমুফু প্ছ০ রাসভো দে॰ তুলাস্তগুপ্জনে বি॰। স্থিরো ভব বীড্বন্ধ আশু-

मानाग्यनमिणा (भोवनी मक्मार्डिज्या वृष्णी मुर्जि मुर्जि महस्यभीर्यिज्यामिना (५५४ प॰५,२पृ॰)

नौन् शृश्या अरश्राह मर्सामरत्र आधिमिनिम्भिन्यिते बारास्त्रे मभ पिक्भानाम् मभावाश्या रुगाधिका एड मर मिन्नम र देव । ' थानाधिम ड कॉन करवंड महां ग्रांन श्रांन जाता मार्ड এফেছি সর্কামরহব্যবাহ মুনিপ্রীরৈরভিতোভিজুট। তেজোবতা লোকগণেন মার্দ্ধমাধরং उक्त करंव मगरख जाशरा मगः। बार्झाहि देनवष छ धर्मात्र क मर्तामदेतद्रिक छथ्मग्रर्ज। ७७०१-নিখাতিয়ে নমঃ। এছেয়ছি যাদোগাবারিধীনাং গণেন পার্জন্যমহাঙ্গারোভিঃ। বিদ্যাধরেক্রা– মরগীয়মানঃ পাছি স্বম্মান্ ভূমবন্নুমজ্ঞ ওঁ বক্ষণায় নমঃ। এহ্যেছি যজ্ঞেহধুররক্ষণায় र्डिन् नोकार्क्तम्। शुशुर्डिन स्प्रमम्ख्यार्घाः शूतीयनाङ्गः [य० ऽऽ जा० ८८ मण्डो हे छारमम ४ मरन्ने দণ্ডতা সমন্ততঃ প্রাণাদিদিকু তুর্যাদিধনিং কারয়িয়া যজমান্মহিত আচার্যঃ পূজ্যুপ্র-ভ্যাক্য বলিং দত্তা দীপান্ প্রজালয়েৎ। তেচ মন্ত্রা যথা এছেছি সর্বামরসিদ্ধমাধৈয়ে-শুকুনিক্তচামধীশ শিবায় নঃ পাছি মুখ্ন নমতে যুম্য নমঃ। এছোহি রক্ষোগণনায়কস্থ ভিউুতে। বজ্রধরাণেরেশ। সংবীজ্যমানে।হপ্রসাদাজেণে রক্ষাধ্রয়ে।ভগবন্নত্ত ইত্রায় নমঃ। প্রাণাদিক্তমণ শুভ্রমং সংপুরুমেৎ। ততকৈরেব মলৈস্তলাপ্রিষ্য় সংপুরু তুলা-বিশালবেতালপিশাচসংবৈঃ। মুম্ধিরং পাছি শুভাধিনাথ লোকেশ্রস্থ্যগবিষ্মত্ত ও

ষ্ধীনাম্বণাত্রেভা বাদাণেভা দদে। ততো যজ্মানেনাপ্বাসঃ অশভো নভাভোকনং রাজিজাগরণফ্ট কার্য্য। নির্বকালে সদ্যেএবাধিবাসন্মিতি হেমাজিপ্রভ্তয়ঃ।

ইতি শুভারানাথতর্কবাচম্পতিভট্রাচার্যাবিরচিতায়াং তুলাদানাদিপদ্ধতে সর্কর্ম-

माधात्रवमधिवामश्रकत्रवः मग्छिम्। . .

অধ তুলাপুরুষদানদিনরুত্যম্ রুতনিত্যক্রিয়োযজমানঃ (৮প্১১প০) পুর্বোক্তবিধানেন

श्रुणाङ्गिक् वाष्ट्रमाष्ट्र । उठः अष्टिनामग्नः ययकृत्धं स्थित्न या गर्गवास्ति उर्गन

श्र्मकर भूनीख्िर चचनाचीरेग्नः शाक्षकारेज्ञक्य्युः। उठा हाममिक्नामि कर्मामाय (अंशांरया. मांकाना एमता। जब (धत्रामीनाः ज्ञानाधिकमूलावत्व यांवजा मूरनाम ममजा ভবেৎ তাৰ্যা, লোন কঞ্লেন রঙ্গলেন বা সমতা বিধেয়া। অধিদেবতাদীনাং ততো ज्ञानमुलाः काक्षमः जम्माः तक्जामिकः यो थाज्यकः मिक्ता प्राप्तां विद्यायः। ज्ञ ममाश्रीतबद्धः। मामदर्शः भूर्नमाजः मिक्निशः मुख् क्यांनियंश्रीः वर्षाकाकः यक्तमांक्रायिः

তত্র স্থ্যন্ত, কপিলে সর্বভূতানাং প্রশীয়াসি রোহিণ। তীর্পদেবম্মী ষমাদতঃ

क्ष्रामोना ९८४ क्रमानामिमखाः थिननात् ।

\*ifिक्ट धीयक स्म। इष्ट्राकार्या समूर क्यायीगकत्व थाश्विक मनगर। अवभुक्तत्व।

\$0€

ठल्लक, श्वांखः मंच श्वामाः यक्नामांश्य यक्तम्। विक्रमा विश्वता निष्ण्यकः

कुक्छ, धर्माषु व्यक्तरभन कामनिन्मकात्रकः। व्यक्त्युर्व्यथिनमञ्ड भाहि मम्। माजिश श्रमक (सा मार्थम्।

. . खेरताः, मीज्वखरूगः ययाषाद्यतम्तमा वल्लाम्। ज्यमानामग्रात्य विष्णृ स्रीयजाः , व्यम्, हिर्गागर्जार्ज्यः (हम दीकः विज्यित्माः। जनस्रुगुफ्लम्मण्डः <u> छल</u> ददमनः। भी छदन्त्रम्। थिरम् त्य । अवर्गा । क् नः। - इन्छि इतम्।

1

শুক্রস্য, বিষয়ু স্বমশ্ররপেণ রসাদ্হতসন্তবঃ। চন্দার্কবাহনো নিতামতঃ শালিং শনেঃ, যমাজুং পৃথিবী দেবী থেয়ঃ কেশববল্ল। সর্লপাপহ্রা নিত্যমতঃ শাভিং टीमुष्ट् तम । क्रिक्टांश्क्रम् । शियक ता। अभग।

. द्वार्याः, ययोषायम कन्नानि ज्वाद्वीनानि मर्त्वला। इनार्गनायुधामीनि उउः नाजिः

**क्रिकृनाः,** यमाष्ट्रः मर्सयछ्यानामकत्त्रम दार्दाष्ट्र । यानः विভावत्माधिकामङः

প্র শাহিৎ প্রবচ্ছ মে ইতি ছাগং দদ্যাৎ।

- ততঃ প্রাত্ত্বিস্টির প্রসাহতং মণ্ডপদ্যবাহ্মশীপস্থকলমােদ্দিকঃ

- ততঃ প্রাত্ত্বিস্টির স্বশাধীরে বৈদিকৈঃ স্থরাস্থামিত্যাদিভিশ্চ প্রায়াণিক শ্রেরাচা
- মুর্কাপ্রপ্রসাহতি স্বশাধীরে বৈদিক মন্ত্রাস্থামিত্যাদিভিশ্চ প্রোর্গির তিন্ত্রঃ (১১৮প্

- র্গেসহিত্য শাস্থিকে দিভিন্তি স্থিয়ঃ। তত্র বৈদিক মন্ত্রা যথা আংশাহিস্তেত্যাদি তিন্ত্রঃ (১১৮প্

- ১০৭১) প্রাঞ্জ কোং। ত্রাতার মিন্দ্র মিতে কো (১১০প্০১,২শ০) প্রাঞ্জ কাং। ত্রাতার মিন্দ্র মিতে কো (১১০প্০১,২শ০) প্রাঞ্জ কাং। ত্রাতার মিন্দ্র মিতে কো (১১০প্০১,২শ০) প্রাঞ্জ কাং।

अधित्यत्क विन। स्नाथत्न उर्जन मञ्जात्या स्तामार थियमूनवा मनमः। जन व्य तम

र्वापि मुच्चा भागानि । जन थरनजिनजमा व्यप्तिज्ञमा ज्यापिकायोक्ष्यमात्रयी जिक्कु म् हन्जर्गारम्बज्ञा

म्मीडि (३७५०) भ व्याख्नानि भक्ष बब्धि वि । बर्जाना जिस्मित् विनित्या ग्रेक्ना व्याखन्ना-

প্রজাপতিখা বিশ্ছনেদাহভাবঃ বাতনাম। দেবত। অভিষেকে বি॰। সমূদায় জা বাতায় जनय त्मां जिन्न देश का मृष्टिम् देखः माम (य॰ ७८ ष्य॰ ७४ म॰) मग्रुषांत (युकामा

श्रियक त्मा व्याप्रमम्।

ক্ৰ' কুজু রয়॥ ৫॥ ষতে পবিত্রম্চিষ্যয়ে বিততমন্তর। ক্ল তেন পুনাকু মা॥ ৬॥ <sup>২০১</sup> ২০৬ সাঞ্ (য০ ৬৮ আত ৭ক০ ১ম০) পুনস্ত মেত্যাদিকানাং নবানাং প্রজাপত্যশ্বিসরস্বত্যশ্বয়ঃ এ ত্তীয়পাদিস্য বাষুদ্দেবতা, অউন্যা গায়ত্ৰী ছং সবিতা দেবতা, নবম্যাত্ৰিষ্ঠু প্ ছং বিশ্বে দেবগ এ দেবতাঃ, সৰ্কাসামভিষেকে বিং । পুনস্ত মা পিতরঃ সোম্যাসঃ পুনস্ত মা পিতামহাঃ। পুনস্ত লা-প্রশিতামহাঃ পবিত্রেণ শতাষুষা॥ ১॥ পুনস্ত মা পিতামহাঃ পুনস্ত মা প্রশিতামহাঃ।

পবিত্রেণ শতাযুষা বিশ্বমায়ুক্যেশ্বৈ॥ ২॥ অয়ন্সায়ংমি প্রস্ম আস্কুবোর্জনিষ্হং চ নঃ।

এ প্রিত্রেণ শতাযুষা বিশ্বমায়ুক্যেশ্বৈ॥ ২॥ অয়ন্সমায়ংমি প্রস্ম আস্কুবোর্জনিষ্হং চ নঃ।

এ আনের বাধ্য দুচ্ছু নাম্॥ ৩॥ পুনস্ত মা দেবজনাঃ পুনস্ত মন্মা ধিয়ঃ। পুনস্ত বিশ্বা অকুটু প্ ছ০ দেব্যজনধীবিখাতু তজাত্বেদ্সো দেবতাঃ, পঞ্মাা গায়ত্ৰী ছন্দঃ অয়িকেবতা, कुठानि कांछरवमः शूनीहि माम् ॥ ८॥. भिषट्जिन शूनीहि मा खरकन एमर मीमार। जारक्ष व्यामारहा । व्यक्ते में ह । भिडंद्रात्मवडा, क्डीहाहा भाष्ट्री ह । व्यक्ति यका। भाषाती ह॰ जाधिटर्क्या कृजीयभाषमा जन्मा ८४०, मक्षमा। भाषात्री ह॰ त्मारमा त्मरका প্ৰমানঃ সোঁ অদ্য নঃ পৰিত্ৰেণ বিচৰ্ণিঃ। যঃ পোতা স পুনাতু মা॥ ৭ ॥ উভাভাাং দেব मविष्टुः मंबिएबन मरवन ह। मार भूनीहि विश्वेजः॥ ৮॥ देवश्रदेमवी भूनजी मिवानाम्बन्नाः- মিমা বিকাশতবেদা বীতপ্র্যাঃ। তয়া মদতঃ স্থমাদেমু বয়ং স্যাম প্তয়ো রগীণাম্ (য॰ ১৯ অ॰ ৩৭অবিধি ৯মন্ত্রাঃ) আপ্যায়স্বেত্যেকা (৭৫প॰ ১পৃ০)প্রাঞ্জন। পঞ্চ নদ্য ইত্যস্য আদি- जायां ख्रदिका विष्ये में हमः मत्रय जीननी (मवजा जिल्हा वार दि॰। भिक्ष नमाः मत्रय-- नित्ता म हेजारिकानार भक्षानार अन्नाभिज्य मि खेजीयांता शात्रती, जखात्राः महाभक्षिः अन्नामांमस्ये भ एमः, इंख्यभंदीतावश्व (मवङा अভिষেক वि॰। भिरत्न (भ खीर्यामाय्थः ত্তিষিও কেশাশত শাব্দানি। রাজা মে প্রালো অসতৎ স্থাট্চফুবিরাট্ শোব্দ্ ॥১॥ জিহ্ব। মে वाङ्डं एम उनमिक्ति ११ र एको तम कर्म वीर्मम्। जाजा कव्यूता मम। ७। भृष्ठीत्म बाष्ट्रमून-ভ্যাৎ পদ্ধাং ধর্ট্বাংমী বিশি রাজা প্রতিষ্ঠিতঃ।৫। (মৃ০২০অ০৫অব্ধি ৫মন্ত্রাঃ) দেবস্ত ত্বে-- ভত্তং বাশ্বাহো মনো মন্ত্ৰঃ করাড্ভামঃ। মোদাঃ প্রমোদা জ্বস্থলীরকানি মিত্রং মে সহঃ॥১॥ চিত্তং विकानि भोषू स्पर्भाष्टि अपता व्यानम्बन्धारिको स्म ज्ञाः स्मोडाग्रेश भगः। कष्णा-उम्ररमि वींवांक त्याना छक व्यञ्जी काश्मी वित्ना त्य जम्मान मर्कठः। । नाज्यि जीमिन यक्ति मत्यांजमः। मत्रयजी जू मक्ष्या मा मान्यज्ञ मत्रित। ( य०७८षा० ১১म०

ত্যাদিকানাং তিফ্ণাং প্রজাপতিঋঁ৹,আদ্যায়ার্হ্তী, অভ্যয়োঋ পায়ত্ত্যী ছ০সবিত্রাদয়োলি

मामगग्राजिषिक्षामि। १। हेब्स्टमग्रिह्यं वनाग्र बिटिश वनारम्बिषिक्षामि। ७। ( व० २० रिमाममा जा मारजनाजिषिकामार शेज किमा क्षिमा वर्षरमा कटमा क्रिया क्रांना क्रांना क्रांना क्रांना षा॰ ७ क॰) (माभामा (कुछामा दक्रनाश्चिम्ब्रिक्ट्रिक्नांश्चारियो यक्षमारम् (म॰ व्यक्टिर्यरक वि॰। जिन्धान देजराकान टबकरम जमानकमायाजिषिकामि। १। मन्त्रपटिका देखराकान विवाहा-२०१ (कोक्नो (मनको अधिरमरक वि॰। (मन्छ ज्ञो मनिष्टुः अमरवर्श्वरमार्काष्ट्रार शूरका इस्रोड्याम्

প্রদুষ্মতানিক্দমত ভবন্ত বিজয়ায়তে। আর্শুলোখ্যিভাগবান্ যমো বৈ দৈশ তিক্তথা॥ কীভিল্মনী গুণিত মোধা পুষিঃ আন্ধা কিয়া মতিঃ। বুদ্ধিলজ্জা বপুঃ শাভিস্তৃষ্টিঃ কাভিশ্চ -বিদের্থ্যতি দিদ্যুন্ পাহি ইনং দেবা অসপত্রং স্থবদ্ধং মহতে ক্ষত্রায় মহতে জৈয়ের মহতে कानंत्रं कार्यक्रास्य स्मा स्मिम्या हिमम्बुषा श्वम्यूरेषा श्वम्तेना विभ अम त्वार्यो ताका त्या-टमिश्योक्श खामनानार डाका। (य॰ ऽ० ज० ऽ१क०) यकुंट मर्स्य गीय्रट इंज्रारक्मगंकुर्स-ऋंगेच्छु गिण्मिक्छ जक्तिकि ग्रह्मंग्रह। वाछ्रम्टन। क्रान्नाथ्छथ। मर्क्यरा विक्डा रकु । अरम्रेके व धनाधाक खथा निष्ठ । जमना मिष्ठाः मर्क मिक्मानाः भाख एउ ममा॥

।তিরঃ। এতাজুমিভিষিধজ দেবপজাঃ সমাগতাঃ। আদিত্যক্রমা ভৌমো বুধজীব সিতাকিলাঃ। এহাজ্যমভিষিঞ্জ রাছঃ কেতুশ তপিতাঃ। দেবদানবগন্ধকা যক্ষ-রাক্ষমপান্ত্রণ মধ্রে। মধ্রে। মনবোগারে। দেবমাতর তার চ। দেবপার্ত্তা ক্রমা নাগা-टैक्डांकांकांकात्रमार्शनीः॥ ष्यञ्जानि मर्त्रमञ्जानि डाकारमा वार्मानि । जाग्रुशानि ह ্ততো গৃহীতকুমুমাঞ্জলিঃ সফলকাং তোৱণাবলম্বিতাং তুলাং ত্রিঃ প্রদক্ষিণীক্ত্যাভি उष्ट्रामि कालमाग्वायां क द्या। मत्रिष्टः मागताः टैनालाखीर्यानि कलमा नमाः। बट्ड মুন্ত্রেৎ, যথা নমত্তে সর্বদেবানাং শক্তিত্বং সর্বমান্তিতা। সাক্ষিত্তা জগদ্ধাত্রী নির্মিত। হস্ত তে। যোহসোঁ তত্মাধিপো দেবঃ পুরুষঃ পঞ্চবিংশকঃ। স এষেহধিন্তিতো দেবি ছুয়ি-বিশ্বযোনিনা।'একতঃ সৰ্বসত্যানি ত্থানুতশ্তানি চ।ধ্ৰ্মাধ্ৰ্ম্কতাং মধে। স্থাপিতাসি জগ-তক্ষান্ন নমঃ। ইতি। ততস্তলাস্থ্নোবিন্দম্পার্মন্ত্রেৎ ঘণা নমে নমজে গোবিন্দ দ্ধিতে। ত্বং তুলে সৰ্বভূতানাং প্ৰদাণ্মিহ কীৰ্তিতা। মাং তোলয়ন্তী সংসায়াদুদ্ধরত্ব নমে:-দিভিক্দতিতাহুঃ শুদোদকেন স্নাতঃ সানব্সং ত্যকেৎ 🛭

¥0 €

नमः भाष्रात्मका व्यामीत्मकार्क त्यां नत्यां नमिष्ठिकेत्हा। क्षांवहार्क त्यां नमः ॥ २७॥ नमः সভাভ্যঃ সভাপতিভ্যশ্চ বো নমো নমোহশ্বেভ্যোহশ্বপতিভ্যশ্চ বো নমোন্য আব্যাধি-গণ্পভিভ্যশ্চ ৰো নমোনমো বাতেভ্যো বাতপতিভ্যশ্চ ৰো নমোনমো গ্ৰমেভ্যো গ্ৰ-ষীনাং পত্যে নমোননে। মন্তিণে বাণিজায় ককাণিং পত্যে নমোনম উকৈৰোষায়াক্ৰপয়তে পতীনাং পত্রে নমঃ। ১৯। নমঃ ক্রেমায়ত্যা ধাবতে মতুনাং পত্রে নমোনমঃ সহ-কিঘাৎসজ্যো মুফ্ততাং পত্যে ন্মোন্মোহসিম্জ্যো নক্তংচরজ্যো বিক্তানাং পত্যে ভাক বো নমোনম আতমানেভাঃ প্তিদ্ধানেভাক বো নমো নম আযজ্জোইস্জাক বো मीटिंग विषाखीलाक (वा मरमामम डेशनाडाख्य रूडोडाक (वा ममः॥ २८॥ मरमार्गरनिट्या नम् । २०। नम छक्षेष्रित निक्तिकाश कुमुक्षानार भाउत्य नत्मा नम हेष्मत्का। थमाशि-নশঃ॥ ২২॥ ুনমো বিফ্জজ্জো বিধ্যন্ত্যেশ্চ বোলমোনমঃ স্বপজ্জো জাগ্রন্ত্যেশ্চ বোলমোন নায় নিব্যাধিন আব্যাধিনীনাং পত্য়ে নমোনমো নিষ্জিণে ককুভায় জেনানাং পত্যে লমোনমো নিচেরবে পরিচরায়ারণ্যানাং পত্রে নমঃ। ২০। নমো বঞ্তে পরিবঞ্তে ত্তায়ুনাং পত্যে নমে। নমে। নিষ্কিণ ইয়ুধিমতে তক্ষরাণাং পত্যে নমোনমঃ ফ্কায়িতেনা

তুলারোহণমন্ত্রপ্রকরণম

जांश क नगः भौत्राशिक भौजा म क न क्यांश कार्यका मित्र न त्यां क निर्माण क निर्माण क निर्माण क न न ব্ৰীয়নে চ নমো বুদ্ধায় চ সৰূধে চ নমোহতাগায় চ প্ৰথমায় চ॥ ৩০॥ নম আশিবে চাজি-নভায় চ নমো জঘন্যায় চ বুধুয়ায় চ॥ ৩২॥ নমঃ সোভ্যায় চ প্ৰতিস্ঘ্যায় চ নমো ঘাষ্যায় ॥ ৩১॥ নমো জোকায় চ কনিকায় চ নমঃ প্ৰজায় চাপ্রজায় চ নমো মধ্যমায় চাপ্ণ-

নমঃ সিকত্যায় চ প্রবাহ্যায় চ নমঃ কিংশিলায় চ ক্ষ্যণায় চ নমঃ কপ কিনে চ প্লস্তয়ে চ নম চন্দঃ শঙ্করায় চময়ক্করায় চন্দঃ শিবায় চশিবতরায় চ॥ ৪১॥ নদঃ পাধ্যায় চাবার্যায় চ বাৰ্ত্ব্যায় চ বাস্ত্ৰপায় চ নগঃ সোমায় চ ক্ৰোয় চ নগজান্যায় চাকুণায় চ।। ৬১॥ ননঃ শৃৎগতেৰ চ পশুপত্যে চ নম উআয়ে চ ভীমায় চ নম অত্যেবধায় চ দুৱেবধায় চ নমো হজে চ স্নীয়সে চ নমো ব্যক্তেরা হরিকেশেভ্যো নমস্তারায়॥ ৪০॥ নমঃ শস্তবায় চ ময়োভবায় মেখায় চ বিদ্যুতায় চ রমো বর্ষায় চাব্ধ্যায় চ ॥ ৩৮॥ " ন্ধো বাত্যায় চ রেয়ায় চ ন্ধো ভেদিনে চ। ৩৪॥ নমে। বিলিয়নে চ কব্চিনে চ নমে। বর্ষিণে চ রক্ষথিনে চ নমঃ জাতায় নিষ্কিণে চেষুধিমতে চ নমস্তীক্ষ্ণেধ্বে চায়ুধিনে চ নমঃ সায়ুধায় চ স্থবিনে চ॥ ৬৬॥ ন্মঃ জ্বত্যায় চ পথ্যায় চ নমঃ কাঠ্যায় চ নীপ্যায় চ নমঃ কুল্যায় চ সরস্থায় চ নমো নাদে-शीय ह देवन खास ह ॥ ७१॥ नमः क्रुगांस हावहेगास ह नरम। बीधाास हां छभास ह नरम। চ আচতমেন্যি চনমো দুন্দুভায়ে চাহন্ন্যায় চ। ৩৫।। নমো ধ্ষঃবে চ প্ৰস্নায় চ নমো ন্দঃ প্রতরণায় চোক্তরণায় চ নশ্তীর্থায় চ কুল্যায় চ নমঃ শাস্পায়ে চ ফেন্যায় চ ॥ ৪২।

চ কক্ষায় চ নমঃ আবায় চ প্তিশ্বায় চ নম অভ্যৈণায় চাণ্ডরথায় চ নমঃ শ্রায় চাব-

চতুজ্পদে বিশং পুষ্ঠং আমে অশিল্যনাতুরম্॥ ৪৮॥ (অনুষ্ঠ্প) যা তে রুদ্র শিবা তন্তঃ ২১০ ২১০ ইরিণায় চপ্রপ্রায় চ॥ ৪৩॥ ন্মো ব্রজায় চ পোষ্ঠায় চ নম্স্তপ্যায় চ গেছায় চ নমে। ক্লিম্যায় চ নিবেষ্যায় চ ন্মঃ কাঠ্যায় চ গহ্বতেন্তায় চ ॥ ৪৪। নমঃ শুক্রায় চ হরি-ं छानेश ह नमः भीर मनाश ह बक्रमाश ह नरमा (लाभाग हांनभाग ह नम छक्ताश ह ক্ৰিনিয় চ ॥ ৪৫ ॥ বমঃ পণীয় চ পণ্শদায় চ বম উদ্যোগনায় চাভিছতে চ বম আ্বি-শ্দুয়েভায় নমে। বিচিশ্বৎকেভায়ে নমে। বিক্ষিণৎকেভায়ে নম আনিহ্তেভাঃ॥ ৪১॥ (ইতঃ লোহিত। আসাং প্রজানামেযাং পশ্নাং মাতেদা রোঙ্মোচ নঃ কিং চ নামম্ব ॥ ৪৭॥ (कर्मा) हेम। क्रमाय ठवरम कर्माकृत्य क्यात्रीयात्र थोण्यागरह मजीः। यथान्यमिष्मिरात्-শিবা বিশাহা ভেষজী। শিবা রুত্স্য ভেষজী তয়া নো হড জীবন্ধে ॥ ৪৯॥ (বিষ্টু প্) দতে চ প্রধিদতে চ নম ইযুক্তেনা ধন্তৃত্তাশেত বো নমোনমো বঃ কিরিকেভোগ দেবানাং গ্ৰং নপ্ত ঋচন্ত্ৰাদেনাপীরিন্টাদু হতী মপ্তাউদশ্দাদশাণিপাদা) দ্রাপে অন্ধমম্পতে দুরিদ্র নীল শীতু জোকায় ভনয়ায় হড়। ৫০॥ (একোনা ঘবমধ্যা ত্ৰিউ,প) শীচুষ্টম লিবভম লিবেণ নঃ भिति (ना क्रम्मा (क्ष्टिक् भिति (श्रयमा मूर्माज्यपासाः। ज्यन क्रिया मघनसाख्यम

তেমাং স্ত্যা কলিবীবাঃ শিতিক্ঠাঃ সৰ্ধা অধঃক্ষমাচরাঃ। তেয়াং স্ত্যাধ্যা যে রুক্ষেয় असमा उर। भंतरम इक जाह्नुष्ट निषांत्र कृष्टि रमान जांठत भिनांकर विज्ञानांक्र ॥ ৫১॥ मम थाधिकम मिक्ना मम अधि मिक्टमा मिडी क्टमा का ८०८७॥ नत्मा बाख ८७ त्माश्वकु (ইতঃপরং দ্বে অমুফ্রভৌ) বিকিরিদ্র বিলোছিত নমজে অস্ত ভাগবঃ। ফ্রাক্তে সহত্রং (হত-(য়ৗৼয়ঢ়য়য়য়য়ঀঀড় তাঃ॥ ৫২॥ मङ्खांगि मङ्खत्भा वात्स्रांखव (ङ्जয়ঃ। তাসামীশানে ভগবঃ প্রাচীনা মুখা ফ্থিমি ৩॥ (অবকান্সংজ্ঞা অস্থুতো দশ বহুরুদ্দেবতাঃ) অসংখ্যাতাঃ সহতাণি যে কুল। অধি ভূম্যাশ্। তেয়াং সহ্সযোজনেহ্বধ্যানি ত্যাসি ॥৫৪॥ অস্মিল্ছত্যণ্বে 'সজিজিরা নীল্মীবা বিলোহিতাঃ। তেযাং স০॥ ৫৮॥ 'বে ভূতানা মধিপতয়ো বিশিখাসঃ कर्गिक्वः। ट्विमार मः॥ ८२ ॥ ट्य भथार मिथित्रक्षम जेनवृषाचाश्रुप्रभः। ट्यमार मः॥४०॥ যে তীৰ্থানি প্ৰচরত্তি স্থকাছন্তা নিষ্কিণঃ। তেষাং স॰॥ ৬১॥ যেহলেযু বিবিধ্যতি পাত্ৰেষু ट्यार मः। ७७। (जीनि यक्न्यि) नत्मारु क्र कट्या हा। ति निवि द्यमार वर्षिमयवः। टिड्डा তাত্রিকে তবা অধি। তেযাং স০॥ ৫৫॥ নীলগীবাঃ শিতিকণা দিবং ক্রা উপজ্ঞিতাঃ। পিবতে জনান্। তেযাং সং ॥ ৬২॥ মএতাবন্তশত ভুয়াংসশত দিশো রুদা বিত্সিরে।

২১১ তে নো ফড়াস্ত তেয়ং দিয়ো যশ্চ নোধেফি তমেষাং জন্তে দধাঃ॥ ১৪॥ নমোহস্ত কল্রে-

যথা পবিত্রমতুলমপত্যং জাতবেদসঃ। তথাকেন পবিত্রণ স্বর্ণ হি পুনাতু মাদ্॥ ২১১ जिंग ताश्खितिक त्ययाः वांच इयवः। ज्यांचा मन थानितिकामि ॥ ७६॥ नत्याध्यः জুমিতঃ ফলক্ষুভিষ্ঠেৎ তাবৎ স্বৰ্ণ রজতং তাঅং বা দদাঃ। ততো যজ্মানো মুছ্র্ত-শালং তত্ত স্থিত্ৰ ততোবতীৰ্য্য পুনন্ত মাং দেবজনা ইত্যাদি (২০১প০ ২ পৃ০) প্ৰাশুক্তং তনি। পিতামহেন দেবি স্বং নির্মিত। পরনেষ্টিন। জ্যাধৃতং জগৎ সর্বং বহিঃ-ज्यं जुनांशक्यस्वामान्यातातः। याजिनामयः मक्तिन कनारक यावजा ऋवनीमिन তৃচৎ পৃঠিত্বা পোরাণিকমন্তান্ পঠে। যথা নমতে মক্তৃতানং সাক্ষীভূতে সনা-হাবরজকাং। সর্বভূতাতাভুত্তে নমতে বিশ্বধারিণি। এবং তুলামভিমন্ত্র্য দানীয়দ্রস্থ क्षमञ्ज जू महाज कः कॉर्जिक्यञ्ज मखेवः। ज्यो त्यम पवित्जन प्रवर्ष हि शूनोकू माम्॥ म्याधिरफ्वजाः मर्वाः स्वर्शः हि भूमाध्यकम्। ज्यां त्यम भविष्वन स्वर्णः हि भूमाज् माम्॥ ৰৎ ক্ষতৎ মে স্বকাল্যেন মন্দা বচদাথ বা। দুক্ষতৎ তৎ স্বৰ্গস্থ যাতু মুজিৎ প্রাঞ্ শুভাষ্। कर्जर जा रिष अधिवार ध्ययां महिमय । रिज्य जा कि अधि । ७५॥ वि०५ व्यथा ।

নিত্যমতঃ শান্তিং প্রযক্ত্ মে ইতি তাঅমভিমন্ত্রেৎ। এবং পঠিত্রা তুলিতদ্রব্যার্ধ-कर्ना जूनांजराः जूनमीकूरमांमरक्न त्यांक्रांचार्का ४ मांक्रज्क्रमंजनभीनिर्क्नांमिकः প্রতাপজিতসর্কম্ছীপলোকভূমঞ্লাধিকরণকরাজত্বকামঃ জ্রীলক্ষ্মীসহিত্বিষণু প্রীতিকামঃ সাচার্যায় দুদ্যাৎ। অপরম্ধহত্ত্বিগ্ভাঃ এবমুৎসর্গদ্যমিত্যকে॥ শুর্কত্তি গ্ভাঃ সর্বেভাএক সৃত্ধা কামনায়ামেইককমুষ্তরকালাবচ্ছিত্মপ্রতিলোকপালস্থান্নিবাসপুর্বকস্থণ্কিপিজাল-বিষ্টাৰকরণকানেকাপ্সরঃপুজাসহিত জীবিষ্ণু পুরগমনপুর্বাককণ্পকোটিশতকালাবচ্ছিন্ন জীবি-ফু পুরাধিকরণকাবস্থানানত্তরভূপালমোলিমণিরঞ্জিতপাদণীঠশ্রনাদিত্যজ্ঞসহস্রধাজিত্যুক্ত সৰ্কৃপিপক্ষুকামো বাহ্মুকপ্ৰরাষিতামুক্গোতামুক্শ্ৰাহ্মেতৎস্শ্রীরসমতোলিভস্কণ্নি-फिस्रवार्गिक व्यथिटेमवर्ष्ट त्रक्र ६०६ व्यथितवर जायः ६६६ स्र्वाटेमवर् कुर्धान-মুক্তগোত্রায়মুক্তদেবশর্মতে আচার্যায় তুদর্জ্জয়া নানাশাখাধ্যায়িত্যো নানাগোত্রেত্যো है जारनम यर्गम् — क्रमरनवम्मुष्ट्र अक्टर मिक्यसच्म्। थमानामच्य रम क्रम्हं थीयकार **ड्डि**नद्ममःइं डिड्रक्डम् — डांजर श्रीकिक्डर मर्सरम्ब्यिष्ठकड्र क्रडम् । मर्स्रद्माकड्रर

দক্ষিণাং শতং স্ত্রণানি এ।মরতুবস্ত্রগোষ্ণাজাদীনি অমুকামুকণোত্রেভ্রোমুকামুকশর্মভ্যঃ व्यमुकांमुकभाषांषातिह्ना कर्मिष्टि ग्राण्डा मुग्राज्यम् मश्यमाम ट्रिज।

क्रांकां या भूक्तवरम् व मिक्स्ति। भूनस्मिनामि मुज्ञा क्रेटिज्बर्जनाशुक्रवमश्मिमिथाङिकोषिर

শুতমু। তত্তাপার্দ্ধং কনিষ্ঠং ত্যাৎ ত্রিবিধং তত্র কণিপতমু। স্বৰ্ণদানে তাবৎপরিমিতং রজতং क्रक्टामिमाटन 5 जावद यर्गः तम्यम्। ज्या, वख्युधाः ज्यायावायः कुणनः कर्णेज्यनम्। जक्र-मखीथ श्रांचिन्छाः मराधामानातार । भुरत्वाक्त्यनार मर्त्वर (माक्षीयर वज्रमरग्रुज्म । ममातम-जाथ मान्छ।सूमार्डन मिक्काम्नेनिम्ब्रमः। माङ्गिकांधिकः ट्येकेः जमक्री मध्यमः नौष्ट्रयुन्देश्वय मनिवन्नान्युष्ट्रयुन्य । जुणानि देव मर्त्वानि थीत्राज्य धर्षकर्षानि । शुर्ताहिष्णा केट्यरग्रेस्कुडाः कुक्नाष्ट्रामन् दुषः। मिक्किनार ५ भाष्ट्र ठाक्रिः विवास प्रिक्यामरास्थ। ज्यथ्यां क्रिन्नग्राप्तिमा कर्त्वामीम् भित्राज्यातारम्गाज्या मीमामाथिविभित्येरज्यां विभारविज्ञ-अनाधनार ममारि। उठः मह्येर भठः यां वामानाम् ज्याकायर। उठः ययभायाः अधिकारिक्षय मरक्ष्याः मञ्जिकाम् अमाभरत्रः । यारभाभकत्र शक्ष्यामार्गात्रात्रं थमाभरत्रमिति ।

नाखामिकः भागिष्रज्ञानाहिङ्गक्।मीन् श्रमित्रज्ञा कानग्र विमर्कत्यतः। यथा छिङ्किन्जनः

म्र कांत्रिया ट्रेडाज्ञिन्या विषश्र्यात्र क्ष्यां व्यमामार क्स्डार क्ष्यां वारात्रज्ञाश्रुत्र २५७ ५०७ मिछायांख्यलका। व्यो व्यजी हमः व्यत्नाजिटम् वजा (मर्वायमञ्जान विः। डेल्कि जमान्नार्ड (मन्त्रख्यक्षमरह। উপ व्यत्रख्य मङ्ग्जः स्थानन हेन्सः शाम्बन्। म ठा (य॰७८व्य०६७म०) इंजि भिष्टि। मिनोक्षणां भा विमर्ख्नात्र । उत्तारम्। भक् ष्रः जगनग्नात्रं ष्रकानः कुणम्याजः। इत्रामा-मात्र तमट्या मोडि तमि विमीम तम । भक्त भक्त स्वत्वारे स्वारम भवत्मचता यज् जन्ना-ाड्ड CF वर्गणाः मटक श्रकामामात्र वाख्तिकाट (२ भाधिवीम्)। इकेकाममस्कार्थः श्रनतारामनात्र চেত্যনেশ পুষ্পাক্ষতপ্রক্ষেপেণ বিসক্ত্যেৎ। ততো হৈম্প্তিমাঃ সোপকরণমণ্ডপঞ্চান-प्राय्यां खेन था मम्राष् । यकाभाव भूरकाभक त्र भाषि कु मश्कण्भा छार त्य व मम्राष्ट ज ख निष्धिभिष्टिमिष्टिक्रमार्थन म मरकण्योरिभक्ष्या ७८७। स्नारितिकुळाजार्थित विष्णु यहन-দুয়ো দেবাগুতা গচ্ছ হত।শনেতি সন্তাভ্যাং বহিং বিস্কা সন্ধান্তপদেবতা ঘারদেবতাশ্চ, **ইরেন মুহ্নতেনামুকদ্রব্যতুলাপুরুয্দানেন ভগবান্**বিষ্ণুঃ প্রীয়তামিতি বদে**ু, ভতে**তাহ-<u>डिक्लिकोनर, यम भिष्म्। जरमर्सर भूर्वार यांचू डान्ह्रेय अमाम् ज क्रिन्शिर्य । जर्जा</u> ষ্ড। সারণাদের তদ্বিষ্ণাঃ সংপূর্ণং স্থাদিতি জাতিরিত্যুজ্যে। ততঃ মন্ত্রহীনং ক্রিয়াহীনং

ঞ্লিং বদ্ধা বিপ্রান্ প্রাথমেত ভোঃ জীমজো বাকাণা ময় যৎ তুলাপুরুষাধাই কর্ম কত। তক্ষেশতঃ কালতো মন্ত্রতো ভক্তিতো দ্ব্যতঃ শক্তিতো যন্ত্যনাতিরিভাশ তবিষণ্ড মরণাথ ब्रोटक्च ८७म भेखदार खक्तकर्षमभाविरमञ्जागिष् कर्षाक्रमर खक्तनार्गराष्ट्र। ७८७। मरमा विश्व ভবতাং वामनामार वन्मार भाइश्र्मियिषि ভবলো ज्युः इंजि यक्षमात्मम आर्थित्ज स्टिक कुछार विश्वजनभाष्मात्म नमह। भारमानम्बन्ध घर भारि सरमावकक्ष्मार। टब्टका-म्हा (मर्गानोक निज्यम्। चुरमः अमामाम्ह्यभारम्यभारम्य। रेपरियुक्तन्तः यथा **ज्या**या । ज्या कुक् श्रां । उठः कूष्ट्रमनक्रां छः मार्क्षिकोन्नां मिक् जूकी छ। तो भाष्यक्षिमामारको नामाम्रदेगः भित्रभूषिमिष्यि महर्म विया नरमग्रुः। उह्ना जमार्भिष जम हिन्ज महिंग जमार्ग जमार्ग व्यक्षा क्रिकाम महत्नाकाक्षि किंग (मन्दर्भ निज्या जमी युत्र (य युत्रानांक्रमानां क्रमा मंत्रिमनः (क्षांत्रर मम्। शन्धान्ति (यागिमः। म घर जनामुक्षत मार एमहि मुज्जिर मनाजनीम्। ত্তুৎ সত্ততং মুরাজে বিফো নৃসিংহেশ নমে। নমজে। ওঁতৎসদিকুচার্গ্য আশাণাশিষে। গৃহী-ইতিজীতারানাথতকবাচম্পতিভট্টাবিয়বিরচিততুলাদানাদ্িপদতৌতুলাদানপদভিঃস্মাপ্তা माधाविमार्ड मम्भितिमारेगिरियम्भितिमारेगर्ग क्रवर्गिर्टेज्ञनाभुक्षरः मोक्र मंकार्ज।

শিশীকুমারাণামেকদিশকুদাণাঞ্জ গ্রহণ্মিতি হেমাদ্রিপ্রভ্রয়েশোট্রকপ্ঞাশদ্দেবভাঃ ১১৪ সাগরদান্ত ১৫ রত্নধেরস্ত থৈব চ। ১৬ মহাত্ত্তঘটস্তদ্ধ্ মোড্শঃ পরিকীর্তিতঃ। এয়ু চ ইতি মৎক্ষপুরাণেন পুজ্যা দেবতাঃ প্রদর্শিতাঃ। বিনায়কাদীত্যাদিপদেন দুর্গাবায়াকাশা-ভালি তইথৰ পাঠ্যানি ন পুনৰ্গায়ত্ৰী লপাদি প্ৰতিনিধ্যাদিনা জপ্যানি যথাস্থ লপছিতিপদ্সর-उपन्छत्र। ८ कण्णेशामभानक ए त्रीमङ्खक भक्ष्यम्। ७ हिं ३०।कामर्थञ्च १ हिं ३-गांचेखटेयद छ। ৮ हित्रगांचेत्रयेखद्वद २ ८रम्ग्डित्यख्या। ५० भक्षमाक्रमक्र ७६८ ১১ ध्रामिनि ७७३ भ्रम्। ১२ घ्रामिन् दिया जिस् ७७३ १७ कण्णेन जाया । १८ मखे गुट्संकुः विनायकािमधार्हानाक्षां निवयक्षकािम् जामकामा्नाम्। बन्नाप्राटनमार्क्वनम्नजीनाः ক্ষমন্ত্রতো হোমচতুষ্টয়ং কাং। জপ্যানি ফ্রানি তইথব টেঘাময়ক্রযোগণি ঘথাক্ররপম্। मङ्ख्येष्ठम्। टङ्गारम्याञ्चकत्मन श्रारम्मामिकत्मन स्कामानि ग्यात्रन्नम् वधा<sub>र</sub>्राम् भित-मच्चिति (योष्टम महामानानाः नामनक्तानि थमन्त्रित्तः। (ह्याप्तिमान्यितिकात्ताः) मदच्छीत्रांगम् जामाङ मर्तमानांगः ऽ जूनांशुक्रममरक्छिञम्। २ ह्तिगांगर्जमानक्ष ७ जना। ७० थट्जाकरम्बर्जाञ्चभटकः भक्षानीज्ञिक्षाङ्याकः (वम्हरूकेरम्जाङ्जिन्मिन्यमदेब्राक्षांमाक्षा

• : এত্তেমু ঘোড়শাস্ত্র মহাদানেমু তুলাপুক্ষদানমেবাধুনৈতদেশে প্রায়শোবহুভিষ্থাকথ-চতুষ্টয়াককত্ত্রৎ মহাদানত্ত্বিতি সিদ্ধম্। অতস্ত্রলাদিদানেইবশানের তেষাং স্কুক্রনি জপ্যানি - यक्र भारम व मिक्कां जि । मिथि कि तह । मिथि मार्गा जिल्ला व प्रधाना निकार जिष्ण मि স্যায়াদক্তবিশুণো বিশোষতঃ স্বরূপাধায়কাক্তবিশুণো ন ফলমিদ্ধিরিত্যান্তাং বিস্তরঃ। ধান্যা-हनामिनोटनम् जू कुक्षम् भीमिगख्यिनी म्यूकक्षम् मिक्यांचावाद ह्यूत्विमीम्बम्बक्रनिक्निन-ফিল্বিধানেইনৰ ক্রিয়মাণতয়োপলক্ষ্যতে তথাতুলাপুরুষদানবিধানমেব সর্ব্যহাদানবিধান প্রকৃতীভূতমন্যানি তু তাদ্বিকৃতীভূতানীত্যতঃ প্রথমং তুলাপুরুষদান্মেব সপ্রপঞ্চমভিহি-সাদেবঞ্চ স্কুজ্ঞ পাক্ষকত্ত্বে সতি বিনায়কাদেনিকপঞ্চাশক্ষেবীয়চত্ত্ৰকেদেভি স্বস্মুজ্রণকহোম মহাদানতাপ্রয়েজকতাদুশস্কু জগণাভাবে চতুর্ধেদীয়ভিন্নভিন্নসজকরণকহোমাভাবে চ তেষাং निकारबन कनावाधिः। किरिक्षट्वमाः काम्यमान्वमा कारम् मर्मनाज्ञिमाजिमानिकान्नी खरजीजि প্ৰসংক্ষারমাত্পুজানান্দীমুখ্আজাদান্যিবাসনাত্তং কৰ্ম সৰ্কেছপি সমানং কেবলং ত্ৰোধিক-তম্। অনেইনৰ বিধানেন সৰ্ববাণন্যানি কাৰ্য্যাণি। তত্ৰায়ং বিশেষঃ পুণাৰ্বাচনাদিস্তস্তমণ্ড-য়কাদিহেহামাভাবাজ ন মহাদান্ত্রিমিতি বোধ্যম্।

बक्षाट्य । किथ टब्यू मानम्खन्यानीत्याच रिवर मधरमी कार्यो। धक्यिम् मधरमे मगरिन्नी- २०६ <u>जक्तां</u>मीनांक मर्कनः यमरखटेन मरक्षु रहांमःटेनरलषु भंठारण्डेलि, भूरक्न हर्ङामञ्ज्ञ वि-<u> পায় কুণ্ডামিতি চ ছেমাদিপ্রতিষ্ঠত্রশাপুরাণীয়েইনককুণ্ডমাত্রং বিহিত্যত্ত্ত্র স্বশাধোক্ত-</u> বেদমক্রেইনকএব হোমশুধা তত্র বিনায়কাদফোষাত্রিংশকেব: ঘাদশাদিত্যা একাদশ রুদ্রা দশ ट्रमांकशाना जारको यमतः जमातिकः निष्ठ्यांभ्यत्। क्षितः कामारम्तरमम्हः मकामारयन्त्रकातुम् ইত্যেতা দেবতা আসামেবাবহ্নপুজনহোমাদিকং স্বস্থাধোজ্যবৈত্তঃ কার্য্য তত্ত্র চ প্রায়ুশো পহ্নামেৰ দেবানাং মন্ত্ৰাজ্ঞলাদান্বিধানে দৰ্শিত। অবশিতানাং তুধ্যানপ্জাবাহনমন্ত্ৰাশ্চামে ভাবাৎ ৷ অতএব ধায়ো ধামাত্তরং ত্যক্রে মঞ্পামঞ্পাত্রগিত্যক্রম্। তথা চ মঞ্পদুয়ে ২১৫ দেবতাপুজাদিকং ভত্তিদিশেষদানেমু বর্ততে তবিরূপণং তেয়াং পঞ্চশানাং দানানাং স্কর-भिष्मित्रभाष्यात्य विजीयथत्य कत्रियामिः। साम्माज्ञापित्र कू कुष्णम् भाषिकम्बियाम नास्त्र कथारनदेनव विशरनन थायमा प्रसं कार्यम्। किन्छ उन्न, प्रश्नार तनक्षीनामार

क हरवा जक्ष अभित्रमाना खिडि उरमरम अर् विजीयमधभः कार्याभि छि छिभिद्दि प्रमिक्तमां करत वर्षमानाष्ट्रियकामारभारमामोहाकष्मानि ज्ञमक्त बानगांकनारमा मगानाना ।

. जिर्थमानीः मर्ककर्ममाथार्वन्ववार्यागिविधान्यम्बिङ थम्मार्जः ज क्रिक्यागिर्कि उन्नायुक्ट श्वायविश्वायम् हारक। जीक्षिमा कि क्षीक्षिमाँ व भागिक्षि भागिक कारमा रिक्ट इस व ন্বথাহমধাধ্যময়তহোমং কুৰ্গাৰ। যথা প্ৰশক্তেংহনি ভতে মুহুৰ্তে সংভূতোপকরণো जुरेधार्यात्री कतित्या स्जिमश्कण्या भूगार्याज्याप्ति (४, ६भ० २, ५९०) माञ्काशुका বিধঃ অমুত্ত হামোলক্ষত হামঃ কোটি হোমক্ষেতি তত্ৰ লক্ষত হামে বিশেষোবিস্তর ডিগা নোকঃ। যজ্যানঃ ক্তনিত্যঞ্জিয়ঃ অদেয়তাাদিনা দেশকালকীর্নাতে অমুককামোহযুত্হোমেনাহং

नामोबोकाकिक्थ (8र्भः २र्भः) वाखजिमिना विधाय ठेजूता बाक्षान् सिद्धामोन् (७र्भः ), नः ১, २मृ०) शूर्त्वास्निम्ना विश्वाय ज्व ज्विमिरकारि (১७, ১৪, ১৫, ১४५०) योथ् ক্তা তত্ত্ত্ত্তোরণধ্জপতাকাদিয় তত্তদেবতাঃ (১৬৭০ ২পৃ০ অব্ধি) আবাহ্ সং-श्का छ उसा मध छोटन इखमाद्यकुष १ कृष्णि वा विधाम उटक्यमांमटमटम (विमिटकार्भित -३९६) व्याख्यकिम्भा इषा ष्रभार्थाकिम्भा मधूशर्क्नाईरव्र । उठ व्याघार्या। वक्र-যানগৃহাদুত্রপূর্বদিশি প্রাশুদক্পবণায়াং ভূমে। দশহস্তমফ্হজং বা মঙপং (১, ২ ঞহদেবতাদিস্থাপনায় হস্তবিস্থাদ্রদীঘাৎ বিতস্তুচ্ছা্যাৎ বপ্রদ্যার্তাৎ চতুরস্রায়ুদক্পবণাৎ २১७ (विषि कुर्नाप्ता ज्ञाः अथत्या ब्राथामाकुत्नाक्ताता हिजीयत्राकुत्नाक्तातः घाति হাঙ্গুলবিজারবভো কার্য্যো। ততঃ(১৫ শ০১ পৃত) প্রাগুক্তদিশা পঞ্চগবোন মণ্ডশং শোধরিত্বা তত্র কুণ্ডস্ত ফ'ণ্ডনস্ত বা মধ্যে সিক্তোপকীণে স্বগৃহ্যোক্তবিধিনা বহিং স্থাপায়েৎ।

<u>ज्ज द</u>िक्क्यांत्रमञ्जकाता त्वमर्ज्यम्न थांभिक्षिः। ज्यज्ञ प्रहत्वमार (७२भ॰ २भ॰)

5%) ज्यार थी। शक्री क्रीता वा इंसामत्या मिक्नाना वाभि मिक् श्रामा। २५५ ्रथमार्था, उम्राधमनिथम् उम्रहाम्द्रजाशुक्रमम्बद्द्र दो क्रुमांघाद्रमाद्द्र (७१ भ० ५ भृ० क्षिमिन् नवाधित्मवान् वक्षामीन् नवथाङाधित्मवङ। विनाग्नकपूर्गावाघुाकानाभिनीकुमात्राथाान् প্রতিজ্ঞাদিশা সর্বতোভদ্রমণ্ডলং বিলিখ্য তত্র মঞ্জদেবত। আবাহাভ্যাক্য তদুপরি বস্তুং जंद,ध) याखज्जिमभा बाइमखनः विलिया उब त्रवामिन् नव बाहान् व्यथानरम्बङ। केथ-পঞ্চ লোকপালাংকেচতি দাত্ৰিংশদেবান্ সমাবাহ্ হাপয়িত্বা মনোজুতিরিত্যাদিনা (২৪প্ত <u>তত্ত দ্বীতিংশক্ষেবানামাবাহনমন্ত্রঃ পৌরাণিকাস্তলাদানাদিষিবাত্রাপি শধ্যাঃ কিন্তু</u> ইতি কেচিং। তেষামাবাহনাদিকমপি (৪১প০ ১পু০ অবধি) প্রাধং কার্য্য। এইযজ্ঞে ডেমাং ছাপনাদে) কচিদিশেযোহ্সীতি প্রমাণতত্তৎ প্রদর্শাতে 🖟 विधानभारिकारिक गाँदरम (म्यानार क्षिभार क्षिणम् क्षिणम् विधानजः। मधिय-ভিশ্চ চিত্রজ্যোতিশত স্তাজ্যোতিশত জ্যোতিয়াৎশত। শুক্রশত শ্বতপাশ্চতিতংহাঃ। (য৹ ১৭অ০ ৮০ম০) অত্র ইষ্ট্রপ্রইন্ত্রিক্তিজ্ঞে ষ্বম্নু আপি প্রতিষ্যাৎ পাঠ্যাজে চাবাহ্ন-जामिनां जिम्बा मर्स माधिका जाबिते मत्त्र में अप्तान का प्राप्त मुन्द ( 82 भे उंडोगांस ड्रेमर विक्यु (৫१९१० ১, २९१०) बुधांस छ। झेन्सर विश्वां (१२९१० ५९१०) छरत् जापि १९). सिंजि सार्टि । . (कड्टि वम कड्डान्र (১२२१ ) रेष्टेयम्टिखः थांजिके-তাই। এতে চ প্রায়শো দর্শিতপত্রপৃষ্ঠাদে। প্রকরণাত্তরে উজাত্তেহত দ্রষ্ঠব্যাঃ। কিন্তু জক্র-ঋ বিক্লফিক্ ছন্দঃ গুলো দেবতা গুকুছাপনে বিনিয়োগছতি স্মুত্র। গুকুজো-প্ৰকরণে দশিতাঃ ৷ অথাধিদেবাদিস্থাপনমন্ত্ৰাঃ বিধানপান্তিজাতে ফান্দৈ এহ্যজোপজন্ম २क्०) महजारटनां इत्मामायार्ष्य्य म (११४००,२१०) हेजाथ। त्यांना भिषिती (४१४००४०) শুক্তকেয়োতিঃ সিভায় চ। প্রজাপতে (৭৮প০ ১পৃ০) হপ সৌরায় আয়ং গৌ (১২৮প০ भग्न- क्षत्रो (वम्गोगोवोह्दग्न अत्रोन्। त्मवजाञ्ज मर्थाभा विश्मिष्टिन मिलाधिकाः। জাোভিনিতাত কুতাপার্জে সএবাতাভিনীয়তে যথ। শুক্রেগাতিরিতাত প্রদাপতি

২১৭ আথ ছাপানমন্ত্রাংশ্চ কথ্যাম্যুসুর্বলাঃ। ঈশ্বং ব্যধ্নং (৪০প০ ১প০) চেতি এশিচ তে (छि (८०१० २९०) भार्कामा यमक्रम हैि (८०१० २९०) क्रमर विकार विकार টতঃ (৪১প০ ১প০)। আ বন্ধান্ত্রতি (৪১প০১,২প০) বন্ধাণং সজোধেলেতি (৪১প০ ২প০)

ক্ষাবাহনমইন্তঃ প্রায়শঃ সমানাঃ কিন্তু ক্চিৎ বিশিষ্টান্তেখপি প্রকরণাত্তরে চিক্লিডপাত্রাদো ১১৭ বাসবম্। যমায় স্থেতি (৪২প০ ১প০) চ যম্ম কাল্ম কার্মিরাসীতি চ (৪২প০ ১প০)। চিত্রা-রাফতি. (৪২ পি০ ১ পৃ০) মজেন চিত্রগুগুং নিধাপায়ে । অগ্নিং দূত্যিতি (৪২ প০ ২পৃ০) ख्यार्सकन्य उम्जमम् (१२४० २५०) त्याना श्थियो (५१४० ५५०) त्मिमना। इमर विक्शुख (१७०४ ) दिक्षत्य । हेन्यारशत्मा (১২৯४०२१०) ह् जीच्यत्याखानपर्ग (११४० २१०) গ্রান্তো নমোহস্ত সপেভ্যঃ (৪৪প০ ১প০) সপাণাং স্থাপনে মতঃ। এতে চ মন্ত্রাজনাদানা-শচীস্থিতী। প্রজাপতে (৭৮প০১প০) প্রেশস্থ এষ ব্রেশতি (১৩০প০ ১প০) বৈ বিধেঃ।

তুলাদানাক্ষান্তাএব আহাঃতে চ পুৰ্বং (৪৫প০ ১পৃত্তাব্ধি) দশিতাঃশ - দ্ৰিক্পালানাং দেরতাত্মপক্ষেহপি (৪১প০১পৃ০অব্ধি) প্র্বিদেব স্থাপন্য। ততঃ (৫০প০২পৃ০্অব্ধি) প্রা-দশিতাঃ। বিনায়কাদিলোকপালানাং স্থাপনে জু এছ্যজ্ঞে বিশেষতোমন্তাশিভিধানাৎ

পুজয়েৎ। ' এহাণাং পুজায়াং চন্দন,পুষ্প, বিশিষ্টবর্ণবস্ত্র,ধুপ, নৈবেদ্যেষু হিল্পনঃ প্রাণ্ডক্ত-किमाद्वरमग्रः। ততঃ माछिकनाम् खामरग्रः। यथा ८वम्। केमान्जारगश्च । ক্ষণোপেতং তীৰ্থন্ত্ৰপুরিতং পঞ্চপল্লবরতুস্তিকাসর্বে বিধিযুক্তং শান্তিকুদ্তং (২২পি০ रेजु॰ ज्यविध ) প्राक्षकविधिमा थि छिष्टो भाः ज्व वक्षणमावां मरश्रेषा मधाक्षणि । গুকুদিশা গ্রাত্তা দাত্রিংশদেবতাঃ দিক্পালসহিতা বা সোড্শভিকপচারৈঃ প্রত্যকং

िष्ठ कृष्ण उन शंकोम् । वार्वाहरत्य । यथा शंकोम् गंड महिष्ड मर्काः मार्गाक महार्शि यांशकभानि क्र्यांकिनवणेश्कां भेष्यांन्दिव्जानांभीक्यांकिनवांष्टिकव्जानांभ्यांकिनवेष्जाधिदेक রেকৈক্যা চাজ্যাত্ত্যা একৈক্যা চ চৰ্ষাত্ত্যা তিলাজ্যাদূ।পকণ্শিতদ্বোগ দশ্ভিদশ্ভি চ। সর্বে সমুদ্রাঃ সবিত্তীর্থানি জলদা নদাঃ। আয়ান্ত যজমানস্য দুরিতক্ষয়কারণাৎ। इडी।वांश्र (प्रवप्नानत्वडार्गिमा (२८भः ১भुः) वाखरक्रेन वार्षरग्रह। हर्हा विश्विभः-कांत्रोमिकः. यत्रमारथाज्ञिविधिमा कार्याम्। उठ जाघात्राज्ञाञ्कारभी छञ्जा प्रधानरहाम-সংকল্পং কুৰ্যাৎ। যথা অদ্যেত্যাদিদেশকালকীৰ্তনাত্তে অমুককামন্মা মৎসংকল্পিতগ্ৰহ वज्ञानार भटनभाषित्रभवत्नांकभाषीनाथ किक्षांनमहिज्ञानार वांगुकांगुकमरथााजित्रकाषिमांगिष्डि

২১৮ রাছতিভিরমুতসংখ্যাতিশ্চ ব্যস্তমমনস্তমহাব্যাক্তিভিস্তিলাজ্যাছতিভিঃ শেষেণ স্বিফুরুতশ্চ

কুৰ্যাৎ। ৰথা যজমানন্সুক অ:চাৰ্য্য আঘারাজ্যভাগে। ভত্তঃ মহাব্যাহাতিহোমৎ চ বিধায় কুৰ্যা- ২১৮ श्रदर्जा मार्गिन (क्कांनिशिश्व। शूनरिष्टिः (थिक्ति मग्र दिल्का हेमंगगुरा स्वीरमाजामिथ-नीम्, नेयानीन्।मत्नायीत्यकष्टान्।विष् मनाञ्चानीम्, मर्क्षयाः टेठकष्टानाः। ता त्खाकः-मीज्यामि श्रद्धार्याण वाजिश्माम् वाज्ञामार वाज्ञाकः ठकुरम् कृत्या मुक्याम् निर्मात्मा । जज्ञ স্থায় স্বাজ্ঞ ভিং প্রোক্ষামীত্যাদি প্রয়োগেণ প্রোক্ষ্য সর্কমেকতা উদুধলে স্থাপরিত্র। মুষ্লে-হোমকর্মাহৎ করিয়ে ইতি সংকূপিং কৃত্বা চকুৎ এপায়েৎ। তত্র স্থ্যায় খ্রা জুষ্টৎ নির্বাপা-उद्योग अधिदेमवंड मिक्टिंगेट। उठः कतान घाविस्मेदक्षानीष्र, नवग्रहानीर नवन्न छा-জ্ঞোকং পচেৎ। ততোবছো ইগ্ৰং দত্তা যজমানঃ সৰ্ধমেৰ হোমন্ত্ৰাম্ব্যজাতং মনসা দেবতাক ধ্যাত্ত। ইদং যথাদৈৰতমন্ত ইত্যমেন ত্যজেৎ। ততো এহাণাম্ভাধিকসহসম্ভাধিকশ্তম-ফাবিংশতিং বার্কাদিদামিধোত্ত্ব৷ তদনোষাত্ত ততোত্ন্নসংখ্যা পলাশাদিদামিত্তিহামং দ্যুদ্দেশেন প্রাদেশমাত্রাঃ কনিষ্ঠান্তুলা বুণাদিরছিতা অকাদিসমিষ্প্রমধ্কে, আরুফেনে

ত্যদিমত্ত্রঃ সংক্রিপতসংখ্যারুসারেণ হৃত্ত। তত্তো হ্যান্সংখ্যয়েশ্বরাদ্যুদ্দেশেন, ধদিরোদুশ্বর

তত্ত্র গ্রহাণাং, বিধানপারিজাতে ফ্লাল্সে। আ ক্লফেন (১০৬প্০২পত) সহস্রাংশোরিষং দেবা প্লাশাদ্যন্যত্যমানিধস্ত তন্মকৈ জুত্যাৎ। ততঃ অন্বেলৈকৈকাজ্যাছতিং তত্মকৈ সংক্তিয়া পঞ্চাবদাতং কুৰ্যাদিতি বিশেষঃ। ততঃ সৰ্বচন্ধাবদায় স্বস্পাধীয়োত্ৰাক্কৰ্মান্তৰ্তমত্ত্ৰণ - ফকামঃ - সহদ্ধ্যতামিতি ধ্যায়ত্ত বাগ্যতা আ্যাদিজ্ঞানপূর্ধকমন্তুত্মংখ্যয়া ও ভুতুবঃষঃ (১০১প০২প্০) অংথক্তেব : আগ্রিমুর্কোতি (১০১প০২প্ত) ভৌশায় উদ্ধাস্থ (১০১প০২প্ত) বু-জুত্যাৎ। ততোথবদানধ্যেবৈবৈবৈককাং চৰ্কাত্তিং তবৈধৰ জুত্যাৎ। জমদ্যীনাং তুচক্ৰং ধ্র্যায়ন্ত উপাৎশু জুভ্যুঃ। ততে: এহাণাৎ দশাসংখ্যার্সায়িসহ্সসংখ্যা সুৰ্য্যাদিএইবৈদি-ক্যুস্ৰাণীং বিংশতিসহ্সোত্তরলক্ষত্পে জাপ্কৈঃ ক্তেঝ্ড্জঃ সাবধানাঃ ষজ্যানাভী-.थोखरज्जम ष्रिके क्रमांग क्रीगोर। . उठঃ कांगोब्रगांरंग (हांगार्थः मरक्षिणियारियंविज-স্থাহৈতি মল্রেণ স্থিদ্ধের। দক্ষিণং জান্ত্র পাত্রিত্। অন্তর্জান্ত্র্যজ্ঞাপ্রীতিন্জিম্প্রক্ত-जिलारे का अपूर्वारइ अब दश्यर कुयूर है। यावत्क्षांयमभाधिकावद अजिमिन दश्मामाख्या শ্চন্দনপুষ্পাদিভিত্র হাদিদেদবতাঃ পুজয়েয়ঃ। অবৈত্যোমাজ্তিমন্ত্রাঃ প্রমাণতঃ প্রদর্শতেও। লবীহ্যাদিদ্রয়ং ডতমটুরঃ প্রত্যেক্ দশ দশাফ্তীংঋত্রিজ্যাং তাং দেবতাং মন্সা

২১৯ খায় চ। বৃহক্ষতে অতি (১০৬প্০২প্ত) গুরোঃ শুক্রায়ায়াৎ পরিব্যতঃ (১.৭প০ ১প০)। भदिन्याहत्रका महान्राश्यः महामा एम सी ( ১०१ मं० ऽणु०) क्रमां इन्छ। क्यां म इन्जि (५०१ मं० ऽणु०)

मूकी एमने वा बाब बी जार्थ मूकी मिरिकारम नि॰ कांधार कांधार बारबाइ हो भक्ष बंश में স্পারি। এবার দুর্বে প্রতন্ত সহ্ত্রেণ শতেন চ (য০ ১৩স০ ২০ম)। তবৈত্রব মাৎস্তে আবো । জানং (১২৮শ০ ২পৃ০) ক্রক্ত বলিং হোনং সমচিরেৎ। আপো হিঠেকুঃ (১২৮শ০ १ पृष्) माज्ञास्त्र ट्याटनि [११ पि॰ २ पृ॰] त्मिमिनगोस्त्रपी। विरक्षांत्रिमः विक्रृतिज्ञि [ १५ भ० ১ পৃ০ ] স্থানিৎসেতি ( १५ भ० ১ পৃ০ ) স্বয়ংজুবঃ। ই<u>ক</u>াণিদেবতাতয়ে ( ১২৮ প৽ রাহোশ্চ কেতুং রুণ্ণগু (১০৭প০২প্ত) কেতবে। বিষণ্ড ধর্মোত্তরে তু কাণ্ডাৎ কাণ্ডেতি রাহবে ইতি বিশেষ উজ্জোইতস্ত্র যথাচারং বিকশ্পঃ। কাণ্ডাদিত্যস্তাগ্রিশ ষিরমুট্ প্রদেশ।

२ %)) हेन्समा जूष्ड्यां ९ भून । उथी यमच्य जांत्र (मी [১२৮ भं० २ भृं०] हिर्गिन मञ्ज প্রকীর্বিতঃ। কালস্ত বন্ধ জজ্ঞান্দিতি (১২৯প০১পৃ০) মন্তঃ প্রশস্ততে। চিত্রগুপ্তম্য চাজ্ঞাতং (১৪১প০ ২পৃ০) মন্ত্রং পৌরাণিকা বিদুঃ। অগ্নিং দূতং র্ণীমহে ইতি [ ११পे० ১পৃ০) বক্ষে ক্লদাহ্বতঃ। উদুত্তমং বক্লণেতি (১২১প০ ১পৃ০) অপাং মন্ত্রঃ প্রকীর্তিতঃ। ভূমেঃ পৃথিব্যক্ত- जिक्कर ( ১२३४० ১९०) विरम्भः मस्यमौर्मिज [ ১२२४ २५०]। हेक्मारग्रत्मा ( ১२৯५० ২পু০) ইতীক্রদেয়াভানপণে [ ৭৭প০ ২পু০] শচীল্ডতো। প্রকাপতে ( ৭৮প০ ১পু০) প্ৰজেশস্য চায়ং গৌরিতি [ ৭৮প০ ১প০ ] সপ্কে । অন্মণো অক্ষ জজ্ঞান্নিতি ( ৭৮প০ ১পু০) মন্ত্রাঃ ক্রমান্মতাঃ। আতু ন ইক্রং (৭৮প০ ১,২পৃ০) বিশ্বেশে দুর্মায়া জাতবে-म् शुक्ताः अजिटमतक हामरायः । भानामीटे\* व त्मामात्र थामित्रीरमां इङात । जाभामा-कुमान् कार्टाङ्गममञ्जाङ ७ भःत्रम्। मभिल्लकार हिन्दामरागे। मभिषार लक्ष्या परया ममिथः कार्यानानिकाः। विभोगिष्यः कत्रकत्री विमन्। श्रृजनानिनी। श्रीयत्री वर्गाधिकानी स्टम [१৮% २९% ] जात्ना निषुष्टि (८१ क्लांड्शेंट्य) क्रांटग्नांक जामिर्थ्यन्थ [৭৮প০২পৃ০] বৈ দিবঃ। এষো উষা অপূর্ক্যেতি (৭৯প০১পৃ০) অশ্বিনোর্ঘন্ত ঈরিতঃ। এতে " • जाये (हारम मगिषिरमायः कारम । वारम्मामाजा व्यक्त मिष्माकाका क्रिंग मिष्मधाका গীরুধায়েতি আশ্বশীশ্চ রহস্পতেঃ। প্রদুষরীশ্চ শুক্রায় মন্দায় চশামায়ীঃ। দৌবীরাহোঃ जामार उट्टेथर ह। दिन्नीनी दिम्ना इत्रा दकांट मर्खायता क्रमा। व्यञ्जिनीयो ह চ চিহ্নিতপতানিয় প্রাণ্ডক্তান্তে চার্যাদিমরণপুর্ধকং প্রণবাদিষাহান্তা হোমে পাঠ্যাঃ।

-कारकांकुत्रक मार्ट्यः माठभकाधिकः जू ना। जाकाविश्माज्यिको ना प्रिक्च जू २२० क्रमा छ विश्ववर्षिनी। मीया विटम्मानमनी क्रमा ठाजाविनामिनी। अक्रमा क्रममारुष्ट्रमा माज् । ठ क्रमनामिनो । जाएमभौद्याधिका ज्ञाना मिष्यक मर्ककर्यान । ज्याकिमिनार कनर अमो आमहाउ भाभ मूर्याष्ट्रमाविविधिनो। कुमान् भयाविकामानाः त्रक्षाः दक्षमाः विष्टु। (हाममश्या छ उत्र प्रमिष्ट यथा। जाइका नामाग्र आपिश भनामा भक्तिकाममः। थिमित्रकार्यनां जार्गामार्गं ज्यमन्तिः। जार्षेषः मर्त्रकामाम् मोजारमाप्रमन्त्रज्या।

এবমেৰ বিধানপারিজাতাদয়ঃ॥ কাদেন জন্মভূগোত্রময়িশ্চ বর্ণস্থান মুধানি চ।২২০ क्रमाष्ट्रमामरम् यथा उटेब्रा उद्मरम्थक्ष्किलिक्ष्य यमूनामाथ जन्माध् जन्मातक- ट्राम्टब्र । ट्रक्मनामि मटर्स्वामुनाएक नवमार्यविष । ट्यम ट्यटेनव मट्यन (स्विनाः) গাঙ্গতিভিস্ততঃ ॥ ১॥ অত্র প্রকৃতঃ সঙ্গণিতোষয়ুত্হোদো ব্যাহ্গতিভিঃ কার্যাইত্যেপিঃ। দিজ্ঞানমপেক্ষিতং তচ্চ বিশেষণেন প্রাণদিশিত্যপি প্রপঞ্ধিবিছোচ্যতে। তত্র রব্যাদীনাৎ যোহজাত্বা কুরুতে শাত্তিং গ্রহাত্তেনাব্মানিতা ইত্যুক্তেঃ শাত্তিকালে তেষাং জন্মভূন্যা-নীমধঃ পৃথক্। হোতব্যং চ ঘ্রতাদ্যত্র চক্তক্রাদিকং পুনঃ। মইন্রর্দশাভ্তীর্দদ্যান্দোশো

खनखार देव मर्गमाग्रार क्मिरिक्का रममत्त्र क्किकाउट करका ट्लाक्करें उप भटेन भ्ठत्र भ्रमी ब्राएक व्याष्ट्र व्याप्त भूत्य। जा खार्सिमार ज्या (क जूरिए जाजा वार्ष्ट्र मग्न ।। রাক্তকেত্রোক্তবাশন ইতি। ইপানের হোনকালে তত্তদ্মিনাম কত্র জুত্যাথ। অথৈষাং বর্ণা-পীতকৌ স্যতৌ। কৃষ্ণঃ শবৈশ্চরন্তদ্বৎ রাহ্শিচত্রাশ্চ কেতবঃ। মধ্যে তু ভাষ্করৎ বিদ্যা চ্চু শিনং পুর্বদ ক্ষিতে। দ ক্ষিতে। লোহিতং বিদ্যাৎ বুধং পূর্বে তিরেণ তু। উত্তরে তু গুরুৎ विकास शुर्वराज्यों जोर्गवर महास्मरम । श्रीकारमम मामिर दिम्हामुम्बर्ध मिक्कार्थिकिट्य । श्रीका মোভরতঃ কেজুঃ ছাপো বৈ শুকুতঞুলৈঃ। ইতি ছানানি। অথ মুখং কাদে। শুকা-যন্ত যন্ত চ যদৌত ততে বক্ষান্ত প্রম্। আদিতঃ কাশ্যপ গোঁতে আতিয়ন্ত ক্ষম ভবেৎ। ভারদাজো ভবেছে।মন্তথাতোমুক্ত সোমকঃ। শাকুশুজোম্পিয়েশিনাতঃ শুক্রোট্র দুন্ত্রম্। আদিতো কপিলো নাম পিকুলঃ সোম উচাতে। ধুম্কেতুত্তথা ভৌমে জ্ঠিরো-মির্দ্ধ মৃতঃ। অরৌ ১৯ব শিখী নাম শুক্রে ভবতি ফ্টেনঃ। শানৈশচরে মহাতেজা দি তথৈর । ভাকরাকারকে রজে ওক্রে গুরুদিশাকরে। সোম্পুরো ওক্টশ্ব তাবুতো ভার্গবক্তপা। শনিঃ কাশ্যপ এবারং রাভঃ ইপঠিনসিক্তথা। কেত্রেরা জেমিনীয়াশ্চ এহাগ্নিক্ত

২২১ কে) প্রাধ্যকো জ্ঞেয়ে। গুকুজেন তারুদ্ধাথো। প্রতাদ্ধ্যঃ শনিঃ সোদঃ শোষ। দক্ষিণতো-मुक्षाः। वाज आबार्यो छक्रमुकी, डमबार्यो वाममुकी, अञ्बूरिशाशकिः, मिक्सिशाहरा मिक्तिनमुखेश ट्रें जिल्लास्य जामिजाचित्रयाः मत्त्र हेजात्यम् मरत्वमाः स्वाज्यिष कारम्। जिन्नीवाङ्नमभर अर्थि वर्ष्ट्रभा मिकी जिन्मु संकावाङ्म कार्यारम् कार्यारम् वर्षा प्राप्त प्राप्त कार्ल তথ্নামরণিমতি বোধাম্ ততো হোমাত্তে এহাদিভাক্ততমন্ত্রেণ (১০৩প০১পৃ০) প্রাঞ্জ প্রকারেণ (क्रोट्जः र्रोफ विधानभात्रिकाजामग्रः । वर्गत्रभण्टेशिं काम् वर्गक्रगावाहरत्रे जामिजि বনিণ দৈলা ভোঃ স্থাএই শ্য মম যজমান্স বায়ুঃকৰ্তে তাদি প্ৰাধ্ৎ প্ৰাধ্যেত। এবমন্যুবাপি। ं उटः ययमाथीयमुख्राकः कर्म ममाना भूनीख्डिः यमार्थाख्निविधमा मखा यमा टक्रीयिषियोट्डो यक्तमाटनो ८थोट्ड बट्ज भित्रियोग्रागिर्गामिट्डो मिक्स्नामिङ्मिनो ममगर । ड्र , খীয়ং শাভিপাঠং কুৰ্যাং। ততো বহুনঃ পশিচনে আমীন স্কুট্ৰং যজমানং সাচাৰ্য। ঋত্মিজভ (২০৬প০ ১প০) প্রাঞ্জৈন্ত বৈদিকৈঃ পৌরাণিকৈশ্চ মল্রেরভিষিপ্ষেয়ঃ। ততঃ স-এইঘজ্ঞে সূর্যাদ্যুদ্দেশেন ঋত্মিণাদিভ্যঃ (২০৫প০১পৃ০) প্রাগুক্তদিশা কপিলাদ্য়ো দক্ষিণা द्यम त्मग्रोऽ। जात्मायोख स्वर्गर जम्लार वा त्मग्रम्। माग्रवीर भयादिष्कुभरग्रोध्नि त्मग्रो

ষট্রকএব এহেহাংশিষ্টকরন্ত্র সূত্র পুরুঃ। ত্রাপি তদ্ধিদৈবতপ্রাধিদৈব-यथा यसाम्बर्गाः नामनः (क्रमंदक निवक ह। नामा मम्भाग्नाक म्खा जम्मि जम्मि। इंछारनम् मधाम् । यथः, ब्राज्जम् मर्त्सम् मर्त्स तम्याः अछिष्ठिष्डाः । उथां मांखिर प्रयक्ष्य রতুদানেন মে পুরা ইত্যনেন রতুম্। যথা ভূমিপ্রদানত কলাং নাইতি বোড়শীম্। ল্মান্যান্যি মে শান্তিভূমিদানান্ত্ৰেদিহ ইত্যনেন ভূমিৎ দ্দ্যাৎ। তত্তা যজমা-শোষ্মিং প্রদক্ষিণীরুতা বেদিসমীপে গড়াবাছিতদেবতাঃ সম্চ্য নম্স্থাৎ। তত আ-. চাৰ্টঃপুষ্পাঞ্জনিং দল্ভা উত্তিষ্ঠ ত্ৰন্ধণস্পতে ইতি (২১৩প ০২প ০) পাঞ্জন্ম যান্ত দেবগণা ইতি (২১৩৭০২প্ত) প্রাঞ্জেন চ দেবতা বিস্থলয়েৎ। তত্তা যজমানঃ সোপ্ররণমণ্ডপাদিক माग्रांशांशां जिन्ना शुरका भक्त नामि ज् जिन्ना भर विदेन मम्तार। जनार मर्कर शुर्मित्र তয়োকিনায়কাদীনং পঞ্নাঞ্বাহনপুজনহোমাদীন্ কৃষ্ ব্যাহাতিভিরয়তহোমঃ কার্য। • ভতঃ প্রতিদুৰ্তং তায়স্তায় একৈকো বা আশাণাঃ ভোজাাঃ। ভূরিদ্শিদণা চ দেয়া। विनिमिक्किनामिक्ट जू जहेक्य व्यक्त महाःमिछि दिरम्यहः। ज्यमाद मर्र्ट मयानम्।

পুত্রকামনয়। এত্যাগকরতে তু বক্ষামাণবিধিনা বিষণুমাগোহপাত্তে কর্তবাঃ। কিন্ত

নাণা।।দুশাৰারণ্ডারালিচভাবধান্থ, সকোষা্থ বোধনায়াত্রাভিধায়তে। প্রায়াশচভ্রং চিলীমুও প্রধানভ্য সংগ্রেলানামান্থ বিষ্ণুং শালিঅমানালায়াং ঘটে বা যথাশালিক সংপুজা নারিকেল-ব্রু কর্মনামান্থ বিষ্ণুং শালিঅমানালায়াং ঘটে বা যথাশালিক সংপুজা নারিকেল-ব্রু কর্মনামান্ত স্থানা তাতঃ অপরাধসহ্ত্রাণি লক্ষকোন্তি শতানি চ। নকান্তি কর্মনামান্ত কর্মনামান্ত সাজায়ে। পুনঃ প্রদক্ষিণান্তে অনেকজ্মান্ত সাজাতিক যায়াভিজ্তম্। তংশকং মান্তাশ তার্মিক স্থান। দানাদিমাধারণপ্রায়শ্চিতবিধানং সর্কেষাং বোধনায়াত্রাভিধীয়তে। প্রায়শ্চিত্তং চিকীষু ঃ অথ প্রায়িকিভপ্রয়োগঃ। সচাক্ষদেশে কেবলদানমাত্রভয়াষ্ঠীয়মানো দৃশ্যতে ভত্র श्चा अमिक्ता वाहि गार मार्ग क्यां मार्ग क्यां कर भाषां जा भाषे मञ्जा । जाहि गार शुक्रों कां क - সর্কপাপহরো হরিঃ। ইতি নমস্ক্র্রাথে। পুনঃ প্রদক্ষিণাজে যানি কানি চ পাপানি বিশহত্যাশতানি চ। নশ্যন্ত তানি সর্বাণি সত্তোশ তব সন্ধিগে। ইতি নমস্ক্র পাণ । পুনঃ विशोध श्रम्होद उदमर्कर প্রদক্ষিণাতে জানাজান্কতং বাপি কায়িকং বাচিকং তথা। তৎসর্বং নাশামায়াতু সভোশ তঁব, সন্নিধো। ইতি নমকু্র্যাৎ। ততঃ ক্সিংকিচিদিংসে পঞ্চ তুরস্তীন্বা বিদুষ্ একং বাধা:-क्षिण

ক্রিমন্ত্রমান্তমমাধ্যপকার্শত বিচার্য অস্মিন্ পক্ষেহ্যং সম্প ইতি নিশিচত্য কিলুষ্য। জন্মতোহদ্য দিনং ঘাবৎ তত্মাৎ পাপাৎ পুনীত মামিতি। তত্তৈঃ কিং তে मूर्णिकण गांगज्योङ्ग छ उत्त हिंछ निर्वमा भूमः यान्त्य ॥ ज्ञक श्रक्रांत्रमाति क-ज्ञाधिमगुर्भारवनाः मर्डनः ज्ञाष्ट्रा (मीनी क्रिज्ञवामाः जञ्ज्ञानज्ञान् थ्रमस्किनीक्रुडा क्रमरियन দুয়মানোহৰনে) সাঞ্চিৎ প্রণম্পুরিত। আবিদান্তম্প্যাতং ভবদুশ্মিদ্ং জগ্ৎ। যক্ষ उक्कडिमिना मिना मिना में स्था किन स्था किन मार्क मार्क मार्क मार्क मार्क मार्कान घाडा मम প্রসাদঃ ক্রিয়তাং মৃছং তথায়ুজ্ঞাং প্রমজ্জ্ধ। পুরা ফুতং ময়া ঘোরং জ্ঞানাজ্ঞানেন কৰ্মামিত্যাদিটে প্ৰদ্যুত্ত গোষ্থে তৎপ্ৰত্যাশায়পেন্তন্ত্ৰা ভামুল্যং অৰ্কপ্ৰাদি বা যথাশাক্তি জ্পয়িত্ব। বন্ধ্যত্তবালনাশাদিজন্যদুঃধেনাতিশীড়িতভা মে চিকীর্মিতে বিফ্র্যাগসহিত্যহ নাত্র যথাযথং জভদ রিতনিরামাধনিত্য্য্য। ততক্তে সভাত্যুথাপা তত্য শরীরদ্রবাশ-**মাগাদাব্যিকারিতাসিদ্ধাথং জ্যাত্রীণানপ্তাতাদো্যনি**যিভদূ্বিতনিরাসাথং পায়কি<u>ত</u>ি⊸ দেহতা সংশুদ্ধিং কুর্বন্ত দ্বিজসতামাং। পুলৈঃ কৃতঃ পবিত্রোংহং ভবিষ্যাম্যনঘোষধা।

शुखकताठमभूक्कः कथरःग्रूः। कर्छ। जू ठममभूष्मामिण्डः शुखकः मजाएक मश्मुका निवक्त-

রেয়ঃ। তেতৈক পদিকং প্রায়ন্তিতং ভবদম্মহ ইত্যঙ্গীরুত্য সমানপুর্কিং প্রণম্য সভ্যান্ শ্রস্থান্তিতে কুতার্থো ভবিষ্যাশীতি। ত্রতাদ্যাশজ্জে। তু তৎপ্রত্যাশ্লায়ত্বেন হোম্গবাদিক্যুপক প্র वमु छ। उत्त किया मिरन होर्भवामः कार्यग्रमा इविष्णमभीश्राद। उत्वाविति छ। हा গফ্মীরহিতায়াৎ তিথে। কতমাথাাহিকঃ সায়ৎ পাকাদে। বৃহিন্গরে গত্ব। দেশকালকী রনাত্তে मुभि मिरमामुः। उभरम्माक मर्त्रामुम्हेजारकटेनव कार्या चेम्९ ८७ व्याम्निक्ड मारक्रथिम-পুজাইং কিঞ্চিদ্দ্রবাং যথাশক্তি সভ্যাথোঁ নিধায় ক্তাঞ্জলিপুটো ন্ত্রন্তিকন্ তদুপ-मिछेर भुव्याद। मज्ञांक माधां भूमारत्रव यङ्कामिठां ज्यांयवीरत्य कक्षम भक्तार यथानाज्य-

সংকল্পং কুর্যাৎ। অন্যত্র ঘথা্যথং দুরিত্বিশেষনাশার্থািগতিকাসনায়াং নিবেশ্যন্। এবং প্রধান্ যুণক প্রণাধিকারিতাদিদ্ধার্থমমুকং প্রায়িশ্চন্তমমুক্পত্যামায়ত্যা যথাশক্তি ষঃ করিষো ইতি म् कुण्यः विधाय **बारमा**ङ्गीमिकीर्छनाट्यः व्यमम् स्थादम् ज्यारभाष्यप्रधातिष्रेभक्षभवाद्यानानि গ্রীন চ। কেশানাঝিত্য তিষ্ঠিত ত্যাথ কেশান্বপায়াহ্মিতি প্রিপ্রাশিকাকফোপ্স্বর্জথ <u> অন্যজ্ঞাণিজি তানপত্যভাদিকারণী ভূতদুরিত প্রশামনাথং করিষ্যমাণবিষ্ণু যাগসহিতনবএছ-</u> পঞ্গাব্য প্রাশানাদীনি চ তদ্লানি করিয়ে ইতি সংকল্পা যানি কানি চ পাপানি বন্ধহ্তা স

কেশীব্ধলোমানিবাপগ্রেৎ। ক্রিয়াস্ত দ্যকুলমাত্রবপ্নম্। কেশাধারণে ছায়াস্ত, প্রিঞ্গৎ প্রায়ন্তি তম্। তত্রাপি মহাপাতকিগোলাদের্বপান্মত্যন্তাবশ্দ্য। ততে। দ্বাদশাস্থ্যেৎ ক্রীরিবৃক্ষাদি-ङ्जांशर क्रमः। उँ उद्भूक्षमां ममट्टि मूर्य। उँ व्यायांतां मम् ट्रि श्रम्रा । उँ वांगरम्या নম ইতিগুছোঁ। ওঁসদ্যোজাতায় নম ইতি পাদয়োঃ। ওমিতি সর্বাচ্ছে। অগ্নিরিতি ভন্ম জ-লি শিতি ভিমা স্থলমিতি ভামা বায়ুরিতি ভামা ব্যোমেতি ভামা সৰ্কং হ বা ইদং ভামোতি মইজাৰ্ক। ड्य एखकां क्रेमां मां अन्नामां युर्ध (मारमा ताकायमां मण्डा जरम मूर्य थमारका (ड ভকাক্লিপ্যুকায়াৎ।১। অথ গোময়েন গন্ধচারামিতি (১৬৫পণ্ ২পৃণ) প্রাঞ্জেন অগ্র-ভঃলা ধেহি বনম্পতে ইত্যনেন দ্তান্ শোধয়েথ। ততোমৌনী কাজা ভ্যাদিলানং কুৰ্যাৎ । म शर চর छो मारमायधी मार बत्म बत्म । ज्यामिष्र छभ्द्रीमार भविज् कांग्रत्भाष्मम्। ज्यम অথ স্দা স্থানম্। তত্ৰ শলিপেত্যস্থাত্ৰেয়ে। ভৌম্খাযিঃস্তুপ্ছত পৃথিবী দেবতা (उांगाएक ट्रमांकारक भूम त्रांमग्र मर्सटमिंड गरञ्जन 5 मर्स्वारक जम्मुनिमा याग्नाद ॥ २ ॥

ভুষিপ্রার্থনে বিঃ। বুলিখা পর্মতামাং থিত্রং বিভূষি পৃথিবি। প্র যা ভূমিং প্রবত্তি

য়া দৃষ্তং কৃত্য। উদ্ভোসি বরাহেণ কৃষ্ণে শতবা্তন। আকৃষ্ণ মাত্রাণি সর্কপাপং ব্যক্তাক্ষ ব্রত্তব। ভৌজেষ মাঁ। অনু্যুচরঃ সদা (ঋ ৮ম॰ ২৫স্থ০ ২১ম০) ইত্যানেনোপ-প্শচাৎ, বয়ং সোমেত্যাদিনা (১২প০১পৃ০) প্রাগুজেনোত্রতঃ, তৎস্থ্যিগিত্যস্থ বাষ্থ্র ।বিক্ষষিক্ ছ০ মিত্রাবকুণে) দেবতে স্তিকাক্ষেপণে বিগ। তৎস্থাৎ রোদদী উত্তে দোব उक्षांक, स्मः क्षिर्मः। उटः शुक्रमश्राक्षम (४२मे० ५मु०) वाधरक्षम गाँद्र्याष्ट्रिमः কুৰ্যাৎ। ভতঃ অশ্বকাতে রথকাতে বিষ্ণুকাতে বস্ধারে। প্তিকে হ্র মে পাপং যন্ত্র

প্রধাচয়। নমতে মর্ক্তানাং প্রত্যাবিনি স্থরতে ইত্যনেন সতিলদূর্কাং সদং শির্দি-

বরি সরস্বতি। নর্মদে সিন্ধু কারোর জলেইমিন্ সন্নিধিং কুরু ইতি। বিফোঃ পাদপ্রসূতাসি বৈষণ্ডী বিষ্ণুপুজিত।। পাহি নক্ষেন্সস্থাদাজ্মমরণাভিকাৎ। তিঅঃ কোটাদ্নকোটী চ তীৰ্ধানাৎ বায়ুয়বৰীথ। দিবি ভূব্যন্তরিক্ষে চ তানি তে সন্তি জাহ্ববি। নন্দিনীত্যেব তে দ্ধ্যাৎ। ইতি হদাকান্তা ততো জলকানায় তীৰ্থ প্ৰিয়েত। গল্প চ য্যুনে টেব গোদ্

ৰুষ্ডো ররাদ ডাকাপো দেবীরিহ্ মাদবন্তু॥১॥ যা কালেপা দিব্যা উত্রবা অবন্তি খনিত্রি-उक्षा त्नोकश्रमामिनी। क्नमा ह काक्नदी टेहव भाखा भाष्डिथमात्रमी। এতানি श्रुनामामि স্কুনকালে প্রকীর্তায়ে । ভবেৎ সন্নিছ্তা গঙ্গা তত্র ত্রিপথগামিনী। ইতি পঠেৎ। ততঃ •স্মিতিয়া ইত্যত্ত প্রজাপতিখা বিশ্তনোহভাবঃ বরুণে। দেবতা জলক্ষামে বি। সুমি-তিয়ান আশপ ওষধয়ঃ সন্ত দুর্শিতিয়াত্তবৈম সন্ত ঘোষ্মান্ দেফি যথ বয়ৎ দিয়ঃ ব৽১অ৽ दिरक दि॰। ममुम्रकाष्ठीः मनिलच्छ मधााः शूनामा घछानिविभागामाः। हेटच्ना या दङ्गी নোম দেবেষু নলিনীতি চ। হন্দা পৃথী চ স্কতগা বিশ্বকায়া শিবা সিতা। বিদ্যাধরী স্কপ্রসন্ন। ২২ক০) ইতি। সমুদ্ৰজোষ্ঠা ইতি চতুশ্ৰ চিত্ৰ বসিন্ত ঋষিত্ৰিফুণ্ ছন্দ আপো দেবতা অভি

१२० मा डेज वा कांट कहर्का। ममुमार्था वांट खाठग्रट भावकांखा जांटभा ट्रिकोतिक गामन्छ॥२॥

्र काथ भक्षभद्दान कानम्। उत्र भीष्रजा (भाष्ट्रजभ, ६। गैष्तप्रामिछि (১६६ भ०२ पु॰७ भ०) জন্মেশ ছিপেতি তৃচৎ চ পঠিছা মাজনিৎ কৃষ্ণ গায়ব্ৰ জনমালোৱা ঋতং চ সত্যথেতি য্সিণ্ড রাজা বক্তণো মাতিমধ্যে সত্যাস্তে অবপ্তান্ জনানাম্। মধুম্চুতঃ শুচরো বাঃ याष्ट्रक्रं मम्जि। देवभानत्त्रां यात्रिषिः अदिखेखा जारिशा ट्रन्तेतिहर मागवन्त ॥ (भावभावत्ते विकार क्षेत्र) क्छि इंच इंग मियमानकुलावर्गलः (১৮०मे॰ ५९०) थाएलेर उत्तरमानोि क्लम्। পাৰকাতা আপো দেবীরিছ মামবস্তু॥ ৩॥ মাজুরাজ। বরুণো যাজু সোনো বিখে দেবা अक्षांक्रावार्यावार क्रिक् क्रिक्ष । क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्स क्रांन्स् ॥ ८।

গুডেন য়তেন ১। দেবত ত্বেতা দিন। (১৫শ০২পুত) প্রাণ্ডজেন কুশোদ্দেম চ স্নানং কুর্যাাই क्रीव्। हेड्यामिना (३৫भ०२१०) व्योध्टोकन मधा, ४। टिंड्किथिनीड्यामिना (३६भ०२५०)था-১০। এবং দশ কানানি বিধায় ধেতিত বাসদী পারিধায় ভিরচিম্য বিফ্র দেলেশ আদিং গোদানং চ বিধায় স্পৃত্যোকদিশায়িমাধায়াজোন বাস্তিভির্ফোত্রশতং জুজ্যাৎ। ততঃ বুদ্ধাথ্য आखरळन भागरतम, ७। जामग्रात्ररवज्यामिना (१६मं०५) अधिएकंन कोरतम, १। मिथ-

<u> বাহাতেন সোনায়, ১। গায়ত্র্যা কাহাত্র্যা ক্</u>য্যায়, ৭। প্রংবন কাহাত্তেন প্রজা-श्थितै एमनजा क्फंट्याम विग हेबावजी थिक्मजी हि छ उर क्मनमिन्नी मनत्व मनाजा। इंडि म्रिंदेत, ১। रेमर विकाति ( ८२म० २५०) वांखरङन खाँश्टिन विकात, २। मर्थमंनः फौतमांभागार्य्यि मत्त्रा, मीनायार्गाः मञ्जभनः मिष मिष्कात्। हेजामिना, क्रया দিনা দত্তা প্রণবেনালোজ্য তেইনৰ নিশ্বণ্য তেইনবাজিনক্রা তানেস্কত্রীক্রত্য সপ্রপট্রক্রি-देउ कुरेमार्कमाष्ट्र शिक्कशार । कब मना एटा महाह। इंदार हो उन्ह व निष्ठ भ मि अष्टे प्रमेश প্রভিজেন স্থাহাজেন অগ্নয়ে। ৫॥ বয়ং সোমেত্যাদিনা (৪৭পা॰ ২পা॰) প্রাণ্ডজেন भक्षीवार (माधरत्र । स्था क्रूबर्गामिभाट्य भाषामिभट्य वा उन्जाबनात्रारभाष्ट्रिभन्थ म्बर भाषवात, भाषवाशारमारभाषम् के कि भतिभिष्ठः भक्षांत्राभिष्ठारमम्, किमाशारभाष যাগোষ্তিমেকপলং ৫ত্তেছা২মীতাাদিনা চসংশোধ্য তইত্ৰকপলং কুশোদকষাপেণাছিচিকতাা⊹ মা নতোক ইত্যাদিনা (১৫প০১পৃ০) প্রাঞ্জেন স্বাহাল্ডেন ক্রায়, ৩। এক জন্তান্-मिटारिम्मो (৪৯প০২প্রু) প্রাশুজেন তথৈব বদাণে, ৪। অগ্নিং দৃত্যিত্যাদিনা (৪২পা০২প্রু) বিশিক্ষত্রা রোদসী বিষ্যাবতে দাধর্থ পৃথিবীশ্বতিতা সমুথৈঃ কাছ। ॥ ১॥ (ঘণ ৫ আণ ১৬মণ)।

জাতে। গোভূতিলহিরণ্যকাবাসোধান্যঞ্চানি চ। রৌপ্যং লবণমিত্যাহ্রদ্শ দানান্যরু-ততো দশ দানানি অভিলপ্য সভ্যায় প্রতিপাদয়ে । তত্র দশ দানায় ক্রানি বিধানপারি-ভাক্ষুত্র প্রসাদত ইতি পঠিত্যিন্ত্রাহ্যার্ধারণ্থ বিষয়ে বিষয়ুৎ মারেম। তত্তো ঘধাশাক্তি র্ভনাতে শঃকর্ব্যামুক্রায়শিচ্ভার্থদ্য সায়ং ব্তর্যহণ্ং করিয়ে। ইতি সংকণ্প্য দিজান্ क्रमाद। उठः, मञ्जरीनः किशरीनः एक्टिनः यम्भिष्म। मर्कः उद भूषेकः याष्ट्र প্রতি পুষ্টে দিকৈশ্চ কুরুষেতি প্রতুক্তিঃ প্রণ্বেন হোদাবনিষ্টং সর্বদশক্তে। কিঞ্মিত্রি ব

उम्मिनान् (डाक्टाइट। उडः भद्रभटेवा या्मामियामः मनामिटि व्याविकड्यद्राभिः।

উত্তানে অহসমূতদীৰ্যমুগ্ৰুত্ৰলকায়ে। গভিদোৰ্যপক্ষতয়ে বিষষ্ঠ্ৰাগং সমায়ভে। ততঃ পূৰ্বেজি ভিত্ৰ কানে অহমে কাম্বা বেদিগ্ৰে সক্তেভিদুমঞ্লং বিলিখ্য তত্ৰ দেবানাবাহ্য পুল্যিছা উত্তুল্পানি বস্তুণ প্ৰত্ৰাহ্য প্ৰায়হ্ম প্ৰায়হ্ম ভিত্ৰ কামিত্ৰ কামি ভ্যনং সলক্ষীকং বিষয়ু গগ্ধান্তারণাদিনা সংস্কৃত্য তত্র স্থাণয়েং। তস্ত সব্যদক্ষিণয়োঃ প্ৰায় বিশ্বকল সহয়ে সৌবৰ্ণ কুট্ৰং ব্ৰশাৰ্থ তবৈধৰ সংস্কৃত্য স্থাপয়েথ। তৎপুইত জিলমাৰ-য়াঁশ্চতুৰিধবন্ধাা হনিদানদুরি তক্ষরদার। বহুদীশায়ুঃস্থপুত্র পাঞ্কামন্য। অন্য। ভাষায়া সহ ্র ত্রাম্পুর্ম ব্যাহ্রাগ্রাহতে বিষয় হাগং করিষ্যে ইতি সংকল্পা ইম্প শ্রোকং পর্টেও। আ-শ্র ত্রাগ্রাহিত বিষয় হাগং করিষ্যে ইতি সংকল্পা ইম্প শ্রোকং পর্টেও। আ-হব্রীহিকফুস্থামাকমুদ্যারপাণি সপ্ত ধানাানি প্রচ্যেকং দ্রোণমিভানি যথাশাক্তিবা স্থাপ্রেথ। অথ বিষ্ণুযাগঃ। নবগ্ৰস্ছিতং বিষ্ণুযাগং চিকীয়ুঁঃ পূর্বোক্তবিধিনা প্রায়ন্তিতং কুষ। কৃতপাপক্ষয়ে। মলমাসগুকাতাদিবজিতে কালে পূর্বেভেমণ্ডপাদিমন্তারান্ বিধার দেশকালাদিকীর্নাতে ম্যান্পত্যসূত্তাপত্যমুদেমিনিদান্দুরিতক্ষ্যদারা অস্থত ভার্যা-

তাগস্তাঃ, বিষষ্ঠঃ, আথ র্বিণঃ,কুলাক্ষ্দঃ, ভরতঃ, ধেমিঃ, স্থনন্দঃ, নন্দবর্ধানঃ, প্রস্থাদঃ,নারদঃ, देवनाः, नम्तमः, वांग्रुनम्तनः, विषक्त्मनः, जग्नः, जप्तः, ऋणीवः, विजीवन्तः । श्रक्षामित्र ্র বেশাই, শশশই, বাধুশশশই, বিষক্সেশই, জয়ই, ভদুই, স্থাবিং, বিভাষণিশেচতি। পুর্বাদিষ্ ইক্রাদিলোকপালাঃ, উত্তরস্থাং দুর্গা, কেত্রপালঃ, গণপতিশ্চ স্বস্বন্তন্ত্র স্থাপ্যাঃ। বিষ্ণাঃ। প্রত্যা গরুভং স্থাপয়েহ। প্রত্যা গরুভং স্থাপয়েহ। অথ ন্যাসঃ। সহস্পীর্ষেতি (১১৫প০১,২প০) বামক্রে, পুরুষ এবেতি (১১৫প০২পৃ০ ১প০) দক্ষিণকরে, এতাবানস্থেতি (১১৫প০২পৃ০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্র ইতি (১১৫প০ ১প০ পেণ) দক্ষিণপদে, তত্যে বিরাভিতি (১১৫প০২প্০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্র ইতি (১১৫প০ ১ (১১৬९० ५९० २९०) मिक्सिकारन), उर बख्डमिछ (১১৫९० २९० २९०) वामकोगाम्, करके, खांकरनाइरखाँच (১১৫९० २.९० ১১९०) वामवारहो, इच्छम्। इन्छ (১১६९०२२९०) ২২৭ তেযাং পুরত ঈশানাদিয় ততুল পুজেষু বক্ষ্যমাণা দেবতাঃ স্থাপয়েথ। যথা কন্দঃ,বলিঃ,ব্যাসঃ, यशखुः, ঔশন্সঃ, কুতুঃ, দক্ষপ্রজাপতিঃ, ভীয়ঃ, কপিলঃ, চ্যবনঃ, অর্জ্বনঃ, পুলস্তাঃ,পুলহঃ, ন'ডৌ, তমাদশা ইতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৮প০) হাদ্য়ে, মংশুরুষমিতি (১১৫প০ ২প০ ১০প০) ত্মাক্ষজ্ঞাদিতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৭প০) দক্ষিণকট্যান্, ত্মাক্ষজ্ঞাদিতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৬প০)

मिक्सिन वारही, नांडा। हेडि ( ১১৫म ० २मु० ১७म० ) कारमा, मर्खाहरयांड ( ১১४म० ५ मु॰ ক্রিমাণরম্। কীরমাগ্রমধ্যত্ৎ শেতদীপং বিচিত্তয়েও। কোটিমোজনবিতীণং ভার-जानारः। श्रमाणि (ऽऽदर्भः १९० ऽऽर्भः) कामग्राग्न मणः, ठन्मगामनम इंजि (ऽऽदर्भः २९ँ॰ গৈতাতি (১১১প০১পৃতপণ) কবচায় হুঁ, যজেনেতি (১১১প০ ১পৃ০ ৩প০) অস্তায় ফট্, এবং बाक्च शुर्का छ। भीवेरमनज्ञा मः भूका धाराब्र । यथा नमञ्ज्ञ महाविष्कुर मरमारहर সিংহাসিলমনুভনম্। তকোপারি মহানাগং শোষাধ্যং মণিমজিতম্। তদাসনে মহাবিষ্তু ९ •১২প০) শিরমে স্বাহা, নাত্যা ইতি (১১৫প০ ২পৃ০ ১৩প০) ইতি শিথারৈ ব্যট্সপ্রা-७१०) (नज्राधः, यरङ्गाति (১১७१० ०१० ८१०) मुस्नि नारम् । ज्यं भक्षांकनामि কৌটিদমপ্ততম্। তমুধ্যে তু মহাদিবং প্রামাদং রতুনিমিতম্। প্রামাদম্ধ্যে চন্দাতং

তৎফণাব্যাঞ্চমন্তকম্। বেদস্টুজঃ স্তুয়মানং নানারত্নবিভূষিতম্। ঘননীলভন্নং দেবমপ্স-গদাজাসিস্থশজ্বম্। বামভাগে ফ্রিতাং দেবীং নীলকুঞ্ডিতমূর্জজাম্। হেমার্বিক্প্র-রোগণ্মেবিতম্ । ত্ণাদিবদাপয্যত্বিশ্গং বিশ্সাদিশন্য । চরচৈরগুকং দেবং ঘন-भागः ठजुकुं जग्। जनारेमात्रिं किट्र विषक् मर्काज्ञ । जर्र शारम्भ हादिक्षुर

দৈব ক্পালো পরমেশ্র। ইত্যাচমন্। অথ প্থাস্তমান্। তত্র আপ্রায়কেতি দ্দ্যাব। ত্রাসনম্। পুরুষ এবেতি (১১৫পা০২পা০১পা০) শোষমঞ্জং মহাদিব্যং ফণামণিসহ-নফোতি (১১৫প০২প্ত২পত) নমজে পামজারাধ্য নমজে বিশ্বন্দিত। পাদ্যৎ গৃহাণ দেবেশ त्मदांश स्की तासिकाशमां अ । इंगमर्थार महा मजुर जमारेमा । महिराष्ट्रा हा इंटि हार्थाम्। ততো বিরাডিতি (১১৫পা০ ২পা০ ৫পা০) স্মবর্ণকলসেনৈবাচমন্থ কুরু কেশব। পাঘ্যস্তর্ধরো জাগিচ্ছ ভগংম্ বিষেণ্ণ ছানে চাত্র স্কুরঃ সহ। বাবৎ কর্ম সমাপ্যেত তাবত্তং সন্নিধৌ তবে-তিঃ৷ ততো মনোজুতিরিত্যাদিন৷ (২৪প০১পৃ০) প্রাণপ্রতিষ্ঠাং বিধায় আসনাদীয়পচারান্ खक्म्। को किय्रा अजीकांगर भृश्वानाममीय हिन्छ । पठिष्य महाराष्ट्र मर्वे । बजावा-যন্নীলপ্রভাকর ইতি চোকু। পাদ্যে। ত্রিপাদুর্ল ইতি (১১৫প০২পৃ০৩প০) এমিৎ ক্ষণায় ধ্যানং ক্লডং যেন যথা ভীয়োহতবদূরঃ। যথা প্থাত্মালো জিফ্ড তথা পুত্রো ভবেত্ত ইতি जरः धान्द्री गांनटेमः मःशुकार्गिष्टात्रदा महस्यनीटर्म्जापि (১১৫म०ऽ भु००भ०) भिष्टिया ২২৮ ডিমাং মৌক্তিকভিরণোজ্বলাম্। দাডিমং সবাহত্তে তু দক্ষিণালিক্যসন্ততিম্। জীবিষ্, ভি ধারেদ্ধক্তাভী টফল প্রদান্। ইতি ধ্যানম্। এতম্য ফলং বিধানপারিজাতে। ইদং

পীতাষ্ত্রধরাবায়। গৃহাণ দেবদেবেশ রম্যা সঙ্গান্য। ইতি বস্ত্রম্। তত্মাম্মজ্ঞাদিতি मिडाम्ड वृश्मणीसाव्यी व्यव्ये भृ. हमः भर्तता (म्वजा उदम्भात विभित्रांभ वैजि ২.প০) দকা চ যমুনা চৈব ক্লয়ণা ভীমরথা তথা। এতাসাং-পুন্তভোয়েন স্থান্ৎ কুরু ক্লপার্ণৰ পিতম্। ইতি যজোপবীতম্। তমাদ্মজাদিতি (১১৫প০২প্০১প০) পীতং বাসে; জগন্নাথ শতিত্রগুপলের পর্মা অপয়েৎ এবং সর্কত্র স্থানে। দ্ধিকাব্ণ ইতি (১৫প০২পৃ০) দর্ধণ (उटकारमीजि (১৫भ॰ २१॰) झटजन, मधुवांचा हेि (५भ॰ २१॰) मधुना, जभारद्रम-**मुजा। जनां** इमगुष्यामः स्टार्या मत्यः ममाष्ट्रिम्। जनां त्रमञ्ज (यो त्रमञ्जः (वो . গুঙ্গান্ধাত্তমন্ (য০ ১ অ০ ৩ ম০) ইতি শর্করা, কানশ্। ততঃ যৎপুরুষেণেতি (১১৬ প০২ প্র ইতি পুরুষস্থাক্তন চ সম্যোণ শুরোদকেন সানম্। পুনরাচমন্ৎ দত্ত। তং যজ্জমিতি (১১৫ পি - अप्रतिष् । या स्वाथवी ए॰ भन्न भनित् कर्मायनम्। गृह्न भूषत्रोकांक छन्ता कुना भन-(৭৫ এ০১ ৪৬) পঠিছা চন্দনাদিভিঃ পক্ষোপচারৈঃ সংপ্রা। ওঁ ভুজু বঃ স্বারতি ষ্ট্রাধিক-

गुर्ग (म। गन्नमनन्नातार्क। उमाम्या र्जि (১১৫१०२१०৮१०) ज्ञोदेकर्कद्वानादेगः

(১১৫९०२९) अमिकाममनक्षादेततकरिमस्वाष्ट्रमदेश। महिउर ठम्पनर मुखर यात्राज्याच्यु-

অাসীদিতি (১১৫প০২পুঃ১৩প০) নারিকেলং সথজ্বং আ্লাফাচ্তকলাদিকম্। কদ্ল্যাদিফলং বানাং ধুপোইয়ং প্রতিগৃহতাম্। ইতি ধুপম্। ত্রাহ্মণোইস্তেতি (১১৫প০২প্০১১প০) কোটি-ई ि मी भग्। ठसमा ई ि (১১৫ भ० ३ ९०० ३ भ०) मर्नाथ ७ भक्ताय ५ मध्यको त्र्राजानि । य ५ **ছুভাৎ দত্তং জীপুরুমো**ত্তম। ইতি ফলামি। সপ্তামেগতি (১১১প০১পৃ০৩প০) পুণীফলং মহা-५१२ श्रुवादेगः कमटेकफ्टेनः। गठभटेब्रम्सिकां छिः भूषाः कामोश्र इष्टि भूषानि। यद्भुक्त्य-মিতি (১১৫প ০২প ০১০প ০) বনম্পতিরমো দিবো গন্ধাচাঃ স্থননোহরঃ। আগ্রেয়ঃ সর্বদে-ভান্তপ্রতীকাশো বিষুজ্যোতিঃপ্রকাশকঃ। অনেকরতুসঙ্গালো দীপোহয়ং প্রতিগৃক্সতান্।

मटकाटनि (५५७४०१४०१४०) हित्रमार्गर्ड हेजि (२७४०५४००१०) हेज्जाजाय मिक्समाम्। क्तियार सागवसीमटेलग्र्जम्। कश्र्देतलाकटेलग्र्ज्जर जाग्रुलर अञ्जिश्रजाम्। हेन्डि जाग्रुलम्। তিমে ইত্যক্ত প্রজাপতি শ্বিষিষ্ট্প্ছন্দঃ জীদেব্তা দীরাজনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্য শিয়ে জাতিঃ কিয় আনিরিযায় শিয়ং বয়ে। জরিত্তো দুখাতি। শিয়ং বসান। অস্ত-স্থনায়ন্ ভৰত্তি সত্যান্ সমিথামিতদ্রে। (খ০ ১ম০ ১৪ হ০ ৪ম০) ইতি নীরাজনম্। ক্লফ**ীয় রামভদ্রা**য় জণানাথায় ধরিনে । প্রণতক্রেশনাশায় গোবিন্দায় নমোনম ইতি ত্তপত্ৰতঃ। গান্ধৰ্বগীতবাদ্যেন প্ৰীতে। ভব ৱমাপ্ৰিয়। ইতি ভজনাদি। কৃষ্ণায় গোকুলেশায় বিষ্ণু মুদ্দিশ্য চক্লং পৃথক্ ভাপয়িত্বা চকুণা অশ্বদমিছি জিলাজেন চ প্ৰতিদ্ৰামিদং বিষ্ণু थमक्तिगक्त जाद भूगाज्यकेष क्रमग्र ज्य। हि अमस्मिग। त्राधिष्ठ राष्ट्रत्नाप ठामरत्ना-पूड़ाकशैनुगुङ्ग। दाञ्चरम्व कर्गद्याय क्रमारमा ज्ञाबनमा हिन्छ यार्थमा। उरजा वाम-কলমোপরি কুদ্রং ত্রাম্বকমিতি (৪০প-১প-) মল্রেণ দক্ষিণকলমোপরি চ ত্রকাণং ত্রক ক্ষকান্মিতি (৪৯প০ ২প০) মন্ত্রণ রোড্শভিক্রপচাটরঃ সংপ্রা প্রবাদিপীঠদেবতা যথা-রিতি (৪৯৭ ০ ২পৃত) মন্ত্রেণাটাথিকসহত্রৎ জুত্রাৎ। চক্রোয়ঃ সমিদোমবিজনাকাহোম-পুষ্পাঞ্জলিত্রয়ৎ দদ্যাথ। নারায়ণং সহসাক্ষং নরকাণিবতারকম্। বল্পে তং জগদাত্ত্যানং বুংশরক্ষাকরায় চ। যুশোদানন্দ ভদ্রায় নমোহস্ত গুণনিদ্ধবো স্থতান্ দেছি স্থতান্ দেছি স্থ শক্তি সংপুরুলের। ততঃ পুরুষস্থাক্তন প্রণমেৎ। ততঃ স্থাপিতবক্তো স্বিগ্রোক্তবিধিনা ৰাস্তদেবং শ্নাতনম্। ইতি সাফীকপ্ৰানঃ। ক্ষয়েতি কৃষ্ণ ক্ষেণ্ডি কৃষ্ণ রাম হরেষ্চ্যত

শ্ৰেচতি ত্ৰিধা হোদঃ কাৰ্যিঃ। কেচিত্ৰ ভারতোজবিষণুসহস্ৰনাদভিঃ বিষণ্ধ রিত্যাদিভিঃ সৰ্ধ-

ख्रिशः भृतिहरूद्र । यावर शूर्वारभिक्त ज्ञात्व जावर जाना । जानमा अजिम्न जर्भ-কুৰ্পাৎ। ভতঃ প্ৰাধ্ৎ সৰ্বযুদীচাং কাৰ্য্য, অতায়ং বিশেষঃ। বৈষণ্ডবচকুশেষ্মিতরাহারপ্ য়িত্বাঃ অসাম্ধ্যে বৰ্পধ্যত্ত্ম। এবং বিষণু ্যাগজ ফল্মপি বিধানপারিজাতাদে। দ-२७ थक्त्रनीयूष ट्रेडारेस्ड मक्समर्थारम्ङ जिस्मर्यात् जिसा (क्षिड कार्या हेडाक्ड। मर्थमाम विमञ्जायापि (स्वामः कार्या स्कि व्याष्टः। এवर क्रम्डमार्गाशि वर्षामान्ति व्याखन्त মন্ত্রভাং হোমঃ কার্যঃ। ততো ধ্রুবাদীনামপি প্রণ্রাদিসাহাত্রনামমইন্ত্রঃ যথাশক্তি হোমং মুক্দা ধ্যাত্বা তেন মহোপ্যক্ষ্য বার্পার্শার্শী ভবেং। পতিশ্চ যাব্দার্শান্মন্যাং तिक्रित्रभूस्कर मन्जाजी भवित्वो ज्ञा ज्ञाजाजाम्। तात्वो ६ भन्नो भिष्टिर नात्राप्रभक्षा

শিতিং যথ।। প্রাপ্তরাটেরফাবং পুত্রং চিরায়ুঃসন্ততিক্ষয়ে। অপুত্রা স্তপুত্রা বা চ कन्तार श्रम्भार व स्वार हिल्, यः मिन्नमञ्जः मञ्जर विरक्ष्यः मरभूका विक्षुर विधिवर ख्रांषी। এতদজ্ঞানাই ষ্থাক্থঞিং প্রকারেইণ্ব বিষ্ণু যাগ্নাহিতং নব্যহ্যাগং কুর্বন্তীত্যতো ব্জ্-इंकर वियानर विक्यां जिस्सा जिस्सा मिर्जा मिर्जा जिस्सा कि हिरामामार हे जिहा जिस्मी शिख यरम्भून वक्ष्रं , कमर्भात्मत्मम् भग्ना ८७मार शात्राधात मर्गृष्टी उम्।

क्रोक यउद्गः सूत्रकां दाना वास्त्रका कान्नात्यां उत्नाचीककन थमः। जात्मन जायमा-स्कामिमश्वाङः। मगाताका श्रयांत्रम दस्तीः वाकीमणक्षातीः। त्यामणः स्वमान्तानी-নাদ্টেম্যা ফতা ময়। সুধিয়ঃ শোধ্যুত্তোং বিন্যাঞ্জিল্যাচিতাঃ। মংপ্রাসং বিলো-ঞ্ তমপ্ত **७** ७९म९ ইপ্ৰীতু তেইনৰ মুহ্ন ভাপতা।

প্রাধন। মম। এতকেশেষু যা কাচিৎ পদ্ধতিঃ পরিকণ্শিতা। ন তত্র হোমমন্ত্রাদির্ঘ চ

ব্যয়। বেষাং শাস্তেষু বিশাসোন চ ত্রান্তানাদরঃ। তেষাং সমাদ্রো ভুয়াদিতোৰ

अदिशीत्मम कर्माछा कनावाधिनंगीयम। विधानाद कनज्यविष्ठाज्य मिष्टा

ইতি প্রভারামাথতক্বচেম্পতিভটাচাধাবিরচিতায়াং তুলাদান্দিপদ্ভে তুলাদান-

दिश्रामा नाम श्रथमथ्र ममार्थः।

## এতৎ পুস্তকে সাক্ষেতিক শক্ষাৰ্যজ্ঞাপন্য।

				1	• •		
जन्म <b>य</b>	<b>जथक्टि</b> वरम	व्यक्षारिष	্ জ	के हिं	र्भटक	क्रिक्र	
माङ्गाम	(১ম০) অ০	(2到) 哪。	in the	(১য়৽) প৽	*	(成)	
<b>उम्</b> श्रु	मामार्किटक	व्यभावेदक	म् भारकी	न	ব্ৰাশ্বন	शंचम्	
সংস্কৃতশব্দঃ	र्भा०	ស្វំ	0	o ke	<u>े</u> लि.	ग्री	
<b>उम्</b> श्रुः	शरभरम	मकरन	स्र	100 H	यकुरक्रम	व्यक्षारिय	和强。
माङ्गाक	· b·	र्ऽभी मु	: Be	(২ য়)ম৹	•	· Se	o

मक्ति उक्ती श्राम्

## मृठीशवम्।

প্রেক্রণনাম	4	4.4	शहरको	প্রেরণনাম	19	RA	9 (B)
म अभिन्यानिविधः		, ~	• ^	वत्नीष्र स्वाक्षनम्	e	, ^	•
न ७ भष्टा विम्या विषिः	· ·	~	ŋ	ব্রণপ্রকারঃ	⊌	^	· r
डिंग्डिंग निर्मान क्षेत्र हैं।	9	^	^	श्कामिक्ट ७ भा ज्ञामिष्य निविधः	क इंट	N	· &
श्रक्तिमानक्ष्यकातः	<i>9</i> :	~	^	आर्थि मित्र भुभर्कः	σ	~	0,
পেতাকানিমানপ্ৰকারঃ	9	~	Ŋ	यकुर्विमिष्यप्रविकः	r	^	ø
अहरविपनिचान क्षा का का वि	<i>9</i>	~	9	मामगमपुशकः	°	N	5)
কুণ্ডস্ভিননিমাণবিধিঃ	<b>∞</b> :	^	^	जाशक्त नमूशकः	7	^	Á,
महामान श्रद्धा गांत्र छ ः	œ :	^.	<b>4</b> ,	जुमार्गिमश्यः वः	8	^	9
ष्मधियोगम९कद्यः	φο 	^	\$	রক্ষামন্ত্রাঃ	<b>∞</b>	^	<b>%</b>
माङ्काश्रकापि	<b>в</b>	~	σ	भक्ष भवारम्थिनमञ्जाः	56	^	R
श्रुशाह्याह्यामि	œ:		9,	ज्ञामक्षार्थमा	5)	~	9
कार्टियामियत्रवाम्	:	^	œ	वाञ्च श्रुकावनिम्मिन्नान्नाः	26	^	*

	श्रक्त त्ना । भ	F	भूष	S 18 4	প্রকর্ণনার্থ	क	Ast.	প্ৰক্ৰে
Ŝ	जाह श्रेष्ठा कि	91	, ~	90	शक्षरमाकशानायोस्मापि	84	r	ω
	A CALLA	n/	•	^	क्टमन मिक्शानांवाश्मामि	8	^	တ
	THE WAY OF THE PARTY OF THE PAR	' NY	′ <sub>(V</sub>	Đ	वसामिटमवावाहनामि	48	۸,	r
	SERVICE TRICKING	, W	^	'n	शक्षामी (टरमवर्डा विवत्त्रम्	÷	W	so
	याक्ष्यायात्र्यक्षिक्रमश्यात्रे	9	^	NY.	क्ताम व्यामीनार थानामि	٠	N	9
35	STATE OF THE STATE	9	N	00	ज्यिरम्बर्धामामि	8 9	^	or or
চীৰ	* Satisfafaratsis	9	P	Ŋ	अज्यक्षित्व डावानापि	89	N	ű.
ণ <b>ত্ৰ</b>	्रास्त्रीति अध्योतः	6	^	4,	शक्षरनाक्षणान्धानानि	<i>4</i> .	N	æ
<b>1</b>	Trooper A	9	N	r	फिक्यां विधानिमि	o S)	^	Ŋ
	Alexandra	3	^ ^	4 <b>,</b> 2	मग्रिज्यक्ष्रामिमञ्जाम्	9 9	^	R
	A MACHER AND	^ ^	(v	^	প্রত্যেকবন্ত্র্যানমন্ত্রাদি	9	Ν.	А
		3	' <sub>e</sub> v	d,	मग्रिटक्ज्यामापि	8 9	^	R
	いっていているとうのもの	9	, U	σ	खर्डाकक्ष्यवानामि	89	~	P
	क्टमन अवम्बन्धारमान	2 0	′ ^	) თ	मग्रम जामिलायामामि	3	^	σ
	क्रिजाधिरम्बर्जावायनामि ः	, & , &	· ~	^	প্রত্যেকাদি ভাষ্যানাদি	<b>9</b>	^	9

			•				
প্রত্রশাম	y 터	133 Y	शहरको	প্রের্ম্স	<b>া</b>	TO V	शहरको
मक्रम्भवधानामि	69	n'	Ų	मिकुशालाष्ट्रिश्वः	or or	9	9
उक्सामिधानामि	A so	^	œ	বন্দীনামাহ্তিমন্ত্ৰঃ	ě.	^	<b>^</b>
পুজাদেৰতাপুজনপ্ৰকারতদ্দ্ৰব্যাদি ৬৯	ामि ७२	^	°,	अधि अज्ञाधितम्ब ज्ञामिङ् छ इत्रा	3	,	٠
(वाष्ट्रमाश्रीत्रक्थनम्	R 8	,^	<b>%</b>	मीनात्र्यारधरमाङक्षाञ्चलिति	× ×	•	•
र्बार्यक्रग्राणि	RS	~	~	त्नांकशानस्कामि	s)	^	^
म्नाक्ष्रशक्यारि	R 3)	N	<b>0</b> 0	मिक्शांबर्ज्ञामि	60	^	<i>A</i> .
भासिक कव मुख्या भन्ना मि	કે ડિ	~	R	वस्तिक्ष्टापि	S.	^	σ
द्राटक्ष मिवेश्वित्रकाशनम	9	^	R	या धिषिक केटर वा किया किया	٠ * *	^	9
54 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	0,	N	σ	फिक्नानिवनिमानम्	200	n'	σ
अं घांवाकाजाति	86	^	w	अर्शिकविष्णान्य	9 0	~	8
१ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	868	~	~	वकुर्त्तिषिव इस्राभनाषि	00	N	<b>\$</b>
उतामिनागर्धामाञ्चाल जिम्हाः	D.P.	^	^	:	900	^	Ķ
का विश्वमान विकास के	s) or	^	Ŋ		204	N	80
अविध्ययम् । अस्य विश्वास्	,	^	0	প্রত্যধিদৈবতাত্তিমন্ত্র ১	٥٩	ď	á,
भ्यः विक्रिया विद्याम्याः	4.6	^	?	পঞ্চলোকপালাত্তিমন্ত্ৰ ১	e e	ď	r

	<u>अ</u> क्त्रनम्म	4	A A	4s As	भज शुर्व शहरको	প্রকরণনাম		N N	7	श्रेष भक्ष्य	
(Y)	<u> </u>	6	, °C	,	ķ	দিক্পালাছতিমন্ত্ৰঃ	. :	9	n⁄	<b>∞</b>	
	ANTESTER CONTRACT	^	255	•	9	ৰ্যাদ্যাত্তিমন্ত্ৰাঃ	:	262	<b>~</b>	9	
	AND ALERANTA ATTENDED TO	^	555	N	Ŋ	मामभक्षभा त्या मिस्ट ल्ला मि	:	% 9 %	~	œ	
	THE STATE OF THE S	,,	8 ^ ^	^	9	व्यपिटमवस्युक्तामि	:	9	^	r	
ॐ	NEITHER WATER		600	^	9	श्रुडाधितम्बडाङ्ग्रुङ्गामि	:	7 6 7	•	\$	
<b>ही</b> ?	THE STATE OF THE S		á. 0	N	0	त्नाक्रशान्युकामि	;	R 9 1	^	^	
ত	frigorial south		R	^	°	मिक्शालकुकामि	:	\$ \$	~	^	
N_			~	N	8	वयामिकुकामि	:	\$ \$ ¢	₩	٨	
		•	0	^	^	उमीठाकम्	:	<b>\$8</b>	^	ㅂ	
	THE CHARLES THE COLUMN TO THE	•	6	. •		वागरमवर्गान्डिः	:	984	^	ヒ	
	NIND AND AND AND AND AND AND AND AND AND A	-	5	C 04	^	बाथ स्विक्वक्षिया मि	:	98 4	~	d.	
	0.00 A   A   A   A   A   A   A   A   A   A	•	600	^	~	র্ব্যাদ্যাত্তিমন্তাঃ	:	4. 0.	~	R	
	Adjin jir ond on the same	:	4	^	R	क्षित्रम्याष्ट्रियञ्जाः	••	78 A	~	<u>γ</u>	
	A STATE OF THE STA		723	^	Đ	প্রত্যধিদেবভাছতিমন্ত্রাঃ	:	) ( °	~	°,	
	শ্রত্যাধনে ব্যাহ্য বিদ্যাহ্য । নোকপালাহ্য তিমন্ত্রাঃ	<b>:</b> ';	9		9	লোকপালাহুতিমন্ত্ৰঃ	•	× 6.5	^	re ~	

. <b>श्र</b> कत्रनम् अ	4 M	本	भेज श्रेष्ठ शहरको	<b>अक्</b> रंगन[म	\$ B	AS A	পত্ৰ পৃষ্ঠ প্ৰক্ৰে
দিক্পালাহ্তিমন্ত্ৰাঃ	\$\$5.	.~	?	भी खाराहा ।	245	~	œ
ব্যাদ্যাহতিমন্ত্ৰাঃ	9 8 7	N	^	र सम्युक्तम	१४० .	~	90
व्याथर्गिकक्षभावयापियुका क	>¢8	٠,	σ	तरको घरुकम्	. v v	~	~
व्हिथिटमवश्रकामि	8 9 C	ď	σ	यकूटर्वाम्बात्र भानभाठा क्रकामि	246	~	00
अल्डाधिटेमवेज्युकामि	764	n⁄	°,	্থন স্ভান্ কল স্ভান্	246	Α.	Ŋ
त्नीक्ष्यावश्वामि	ه د د	^	'n	भूक्षक् क्रम्	945	~	•
मिक्षावयुक्तामि	280	N	?	(झांकांधांडः	24°	Α,	ዺ
व्यापिक्षकामि	535	~	^	भोन्डाधाः 	244	γ	တ
CONTRA STATE	681	^	^	म खनायामः	RA.	'n	~
अर्थिमिर्यकर्मीम् विष्तु न्यात्रे । इन्हा नि ३ ७ ६	नामि ३ ७०	<u>۸</u>	~	मामटविम्बाइशानंशिशक् ङामि	22.00	^	ъ
<b>國公</b> 公司	286	^	<b>.</b>	वृह्दमाम	٠ > >	~	%
প্ৰিমান্সজন	58.4	~	*	(काष्ट्रेमाम	. 522	Α	ኍ
उन्नार्था उद्दरम्भभिन्यानियन	% **	^	ø	वथखवाम्	585 ·	α α	%
(मोमख्कम	245	^	R	भूक्ष भ्रम्	2000	2	<b>.</b>
स्मक्रम क्रम	4	^	\$ 20	ক্রমুক্তম	9 m.	^°	ß

প্রেগ্নাম	वि	COL-	मुक्र शहरको	প্রের্থনাম	19	A A	প্তৰেক
क किएक किएक	SES	, ^	· ^	ज्नाख्ळामिश्रकः	9	~	υo
THE PROPERTY OF THE PROPERTY O	Sec	^	\$\$	किक्शानायारमञ्	00 0'	^	⊌
अ किया यस	925	'n	ස	शकामिष्वाद। (भाविकाम)रियोमन्यर् 03	। नग्र २०३	~	ዾ
भासभाधार	THE SAC	N	9	काधिवामनम्किन।	80	~	<b>%</b>
প্রত্যাধার বিদ্যাধার বিদ্য	200	8	ب	का डा बटक मरम्या थियामम	30€	^	₩
जा कियम के जिस	500	~	ኦ	जुनामानिनक्रात्र्	% ⊗ ° ∕	r	U
मी ब काम के जिस	かんい	^	~	जुलां करक्ष भन्निया	9 ° °	^	σ
<b>2</b>	2000	^	n	क्ष्यानीनाः (ध्यानिमानमञ्जाः	N 0 G	^	9
THE SERVICE SERVICES	50 10	^	0,7	अज्ञिष्ट्यरक देवनिकश्वाः	٠ ئ	^	હ
R R R R R R R R R R R R R R R R R R R	s r	^	6	ত্র পৌধাণিবমন্তাঃ	o 0	w.	ß
	SIC C	W	9	নে বিস্নান সমান	ф °	^	4.
ामाध्यात विरक्षमञ्जान		•		ड्वारब्राबटन शाही क्रमामग्रह	д. °	~	જે
A THE TAKE THE PARTIES A	6	~	æ	ज्ञामानवाका।पि	<b>∧</b>	n	œ
WITH STUATE SENTS	よのく	~	6	्रवाचित्राह्म नामाटन भाजामि	4 5 5	O'	^
छतावकाङ २८ मर्वाद्भायताति १२२	हर र	**	R (Y	ভং প্রতিপ্রহে কামস্তবিগাঠঃ	00	ď	Д.

স্চীপত্ৰম্

भव भुष्ठ भहान्को	\$>	or-	^	9	~	Ŋ	N N	4.	N	n	9	^	*	9	8
, po	~,	W	^	A	<b>√</b>	^	^	^	N	N	N	^	^	~	in this
পূ ক	50	50 00	8 239	\$ \$	42%	625819	त्र ४ प्र <sub>व</sub>	w w	440	<b>%</b>	% % %	223		मिररर	9 % 
প্রত্রশাস	ट जु क र्टा क माममूम रियं टिल्ल थं इ	ত্র পুজাদেববিবরণজাপানার।	खाशानमञ्जर छत्म व्यमारनाशामां मः	भाष्टिकलमञ्जानम्	চক্পাকতকোমাদি	দশাসন্থা-নূসারিসন্থায়। গ্রহমন্ত্রসাং২১৯	হোম্যদেবতাহোমমন্তভেদেপ্রাণম্২১৯	সমিলকণত্বিশেষাদি	मिरिष्टरम क्वाट्डमः	অগুতুসংখ্যক্রাাস্ভিয়োমঃ	এইজयाङ्मारि		अ ने है का त्रे क क क र्यार्ग विरम्प है १२२	व्याग्निक अवधान मर्डाम थाम् किनामिररर	शर्षरत्य क्षार्थनापि
शत श्रुष्ट १,९७३	٨	ന	,	<i>r</i>	9	Ð	œ	<b>?</b>	9	^	4,		Ϋ́,	°	^
do do	~	Λ	,	^	^	N	^	^	^	N	^		^	~	^
2 5 5	N X 8	0		9	8 5	. V.	\$ <b>\$</b> \$	258	828	₩ \$	% % %		\$ \$ \$ \$	236	8
	:		~	٠,	:	:	•	मिन्ग	•		डरम् भ	ग्रासि			
<b>अ</b> केंद्रश्मीभ	जुलामानम् किला	मिक्कामश्यादियापि	क्ष्यीका श्रुम डारिमार छ। वि	<b>अनाम्येशमानम</b>	(मर्वादमञ्जनम	•পুজাদ্ৰব্যপ্ৰতিশ্ভিঃ	AM POPOL	त्वीक्षाचनंग्र्वादवश्नाप्तवाञ्चामानम २५8	<b>उनामानश्रहा</b> ङमगाङिः	महामाननक विख्टारगी	क्रमामारम ज्ञामानविधानाज्यिमा ३३६	भागाम्बारम् कलाञ्ज्रिश्वाधि	वामनाकिन्याञ्जितमाः	्राच्या स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन	নবগ্ৰহ্যাগঃ

9 वस् रहारम मञ्जा जमम्बार जरमो মোড়াশোপাচারদানমাঝাঃ .. <u> अह्यां गम हे उ</u>त्रिक् यां गक्नम (क्रीमोवनिष्ठे हक्र छो जनम् ক্দুব্ৰহ্ম প্ৰুহিহামাদি দম্পতিনিয্যাদি ... श्कर्वनाम গ্ৰসমাপিঃ भेज श्रेष शहरकारे आश्रिक श्र्मीरक्जाम् .. .. २२७ २ काष्रिक्छानुकन्नरथन्तिमानामि . २२७ २ नार्यन्याक्चत्रक्छामित्नामः .. २२७ २ उक्ककक्तर का इटहामामि .. .. २२७ क्षिक् वामधारमारम कामामि.. २२१ ममीवधन्नामम् . .. .. २२८ विक्रुमानम् -.. .. প্রকরণনাম (8)

সিধত যজুধেদিমত্তর অন্তঃস্থোগ্রবর্ণেয়ু পরতঃ পূর্বপদান্তস্থারস্থানে (গু॰)ইতি পাঠাম্। যত্র কুত্রচিৎ (প্রাধ্যেৎ) ইত্যশুদ্ধং তৎস্থানে প্রাধ্যেত ইতি শুদ্ধ্য। পঞ্যকিস্জাত্মকে গজাইমুনিভুমানে শাকে সিংহগতে রবৌ। আদ্যথণ্ডো মুদ্রিতোহয়ৎ তুলাদানাদিপদ্ধতেঃ॥ भावमानङ्ख ५७६ भट्ड २१ट ४ १८८ । व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति । छ किर्याम्।